नार्निया का
इतिहास सी. एस. लुईस
प्रिंस
कैस्पियन

प्रिंस कैस्पियन

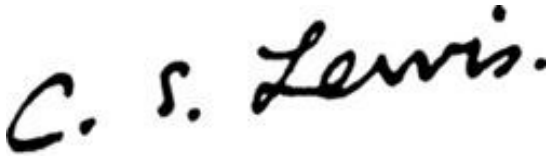

सी. एस. लुईस
पुस्तक चार
प्रिंस कैस्पियन
नार्निया की वापसी
पॉलीन बेनेस द्वारा सचित्र।

[redacted]

□□□□□□□□□□□

□□□□□□□□□--

□□--□□□□□□

□□--□□□□□□□□ □□□□□□ □□

□□□--□□□□□

□□□--□□□□□ □□□□□□□□□ □□□□□□□□□ □□ □□□□□□ □□□□□□□ □□

□□□□□--□□□□□□□□□ □□ □□□□□□□ □□□□□□
□□□□□□□□

□□ --□□ □□□□ □□□□□□ □□□□□ □□

□□□□--□□□□□□□ □□□□□□□□□ □□□□□ □□□□ □□

□□--□□ □□□□□□ □□ □□□□□ □□□□□□ □□□□

□□--□□□□□ □□ □□□□□ □□□□□

□□--□□□□ □□ □□□□□□

□□□□□□□--□□□□ □□□□□□□□ □□

□□□□--□□□□ □□□□ □□ □□□□□ □□□□

□□□□--□□□□□□□□ □□□□ □□□□ □□□□□□ □□□

□□□□--□□□ □□□ □□□□ □□□□□□ □□

□□□□□□--□□□□□□ □□ □□□ □□□ □□ □□□□□□ □□□□□

□□□□ □□ □□□□ □□□

□□□□□□□□ □□□ □□□□ □□□□□□□□
□□□□□□

□□□□□□□
□□□□□□□□
□□□□□□□ □□ □□□□ □□□

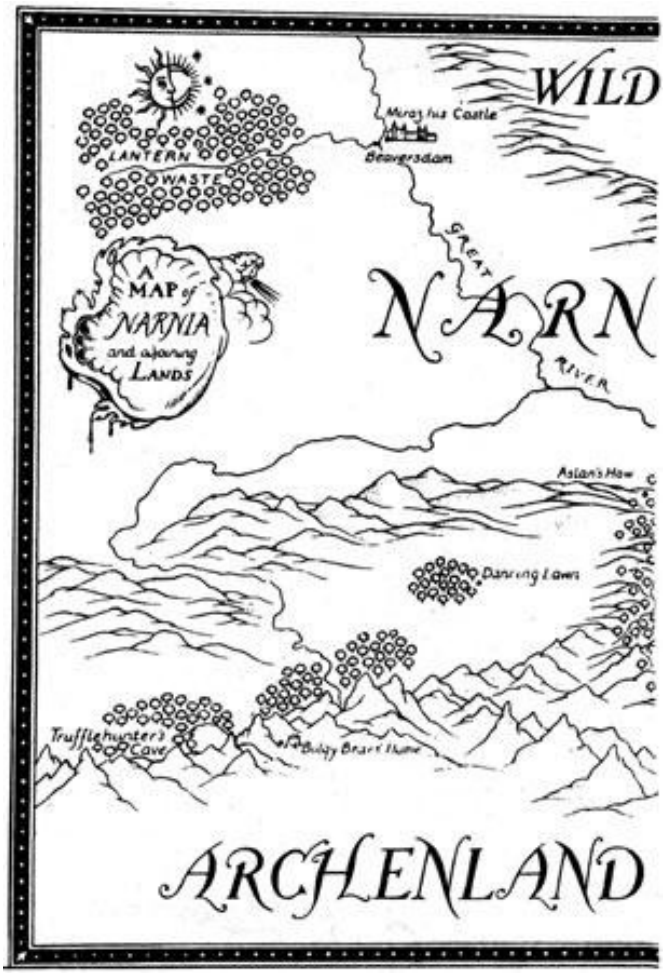
WILD
Miraz his Castle
Beaversdam
LANTERN
WASTE
GREAT
A MAP of
NARNIA
and adjoining
LANDS
NARN
RIVER
Aslan's How
Dancing Lawn
Truffle-hunters'
Cave
Baggy Beard Mount
ARCHENLAND

LANDS of the NORTH
IA
BERUNA
Cau Parawel
GLASSWATER

□□

□□□□□

□□ □□□ □□ □□□ □□, □□□□, □□□□□, □□□□□ □□ □□□□ □□□ □□ □□□ □□□□□ □□□ '□ □□□□, □ □□□ □□□ □ □□□□□□□□' □□□□ □□ □□□□ □□□□□□ □□□ □□□□ □□ □□□□□□ □□□□□□ □□□□□ □□ □□□□□ □□□□ □□□ □□□ □□□□□□□□ □□ □□□□□ □□□□□□ □□ □□□□□□ □□□□ □□ □□□ □□ □□□□□ □□□□□□ □□ □□□□□□□ □□□ □□ □□□□□□ □□□ □□□□□ □□ □□□ □□□□□□ □□□ □□ □□□□□□□□ □□□□ □□□ □□ □□□□ □□ □□□□ □□ □□□ □□□□□□□□ □□□ □□□□

हुए उन्होंने मानो कई वर्षों तक शासन किया; लेकिन जब वे दरवाजे से वापस आए और खुद को फिर से इंग्लैंड में पाया, तो ऐसा लगा मानो पलक झपकते ही सब कुछ हो गया हो। खैर, किसी को पता भी नहीं चला कि वे कभी कहीं गए थे, और उन्होंने एक बहुत ही बुद्धिमान वयस्क के अलावा किसी को भी इसके बारे में नहीं बताया।
यह सब एक साल पहले हुआ था, और अब वे चारों रेलवे स्टेशन पर एक सीट पर बैठे थे, उनके चारों ओर ट्रंक और खिलौनों के डिब्बे ढेर लगे थे। दरअसल, वे स्कूल वापस जा रहे थे। वे इस स्टेशन तक साथ-साथ आए थे, जो एक जंक्शन था; और यहाँ, कुछ ही मिनटों में, एक ट्रेन आएगी और लड़कियों को एक स्कूल ले जाएगी, और लगभग आधे घंटे में दूसरी ट्रेन आएगी और लड़के दूसरे स्कूल चले जाएंगे। यात्रा का पहला हिस्सा, जब वे सब साथ होते थे, हमेशा छुट्टियों जैसा लगता था; लेकिन अब जब वे इतनी जल्दी एक-दूसरे को अलविदा कह रहे थे और अलग-अलग रास्तों पर जा रहे थे, तो सबको लगा कि छुट्टियाँ सचमुच खत्म हो गई हैं और सबको फिर से स्कूल के दिनों वाली भावनाएँ महसूस होने लगी हैं, और वे सब उदास थे और किसी को कुछ कहने को नहीं सूझ रहा था। लूसी पहली बार बोर्डिंग स्कूल जा रही थी।
यह एक सुनसान, शांत ग्रामीण स्टेशन था और प्लेटफार्म पर उनके अलावा शायद ही कोई था। अचानक लूसी ने एक तीखी चीख मारी, जैसे किसी को ततैया ने काट लिया हो।
“क्या हाल है, लू?” एडमंड ने कहा—और फिर अचानक रुक गया और “आउच!” जैसी आवाज़ निकाली।
“ये क्या हो रहा है—” पीटर ने कहना शुरू किया, और फिर अचानक उसने भी अपनी बात बदल दी। इसके बजाय उसने कहा, “सुसान, मुझे छोड़ दो! तुम क्या कर रही हो? मुझे कहाँ घसीटकर ले जा रही हो?”

“मैं तुम्हें नहीं छू रही,” सुसान ने कहा। “कोई मुझे खींच रहा है। ओह—ओह—ओह—बस करो!”
सभी ने गौर किया कि बाकी सभी के चेहरे एकदम सफेद पड़ गए थे। “मुझे भी बिलकुल वैसा ही महसूस हुआ,” एडमंड ने हांफती हुई आवाज़ में कहा। “जैसे कोई मुझे घसीट रहा हो। एक बेहद भयानक खिंचाव— उफ़! यह फिर से शुरू हो गया।”
“मैं भी,” लूसी ने कहा। “ओह, मैं इसे बर्दाश्त नहीं कर सकती।” “तेज रहो!” एडमंड चिल्लाया। “सब लोग हाथ पकड़ लो और साथ रहो। यह जादू है—मैं महसूस करके बता सकता हूँ। जल्दी करो!”
“हाँ,” सुसान ने कहा। “हाथ पकड़ो। ओह, काश यह सब रुक जाए—ओह!” अगले ही पल सामान, सीट, प्लेटफार्म और स्टेशन सब गायब हो गए। चारों बच्चे, हाथ पकड़े हांफते हुए, खुद को एक घने जंगल में खड़ा पाया—इतना घना जंगल कि डालियाँ उन्हें चुभ रही थीं और हिलने- डुलने की भी जगह नहीं थी। सबने अपनी आँखें मलीं और गहरी साँस ली।
“ओह, पीटर!” लूसी ने हैरानी से कहा। “क्या तुम्हें लगता है कि हम नार्निया वापस जा सकते हैं?”
“यह कहीं भी हो सकता है,” पीटर ने कहा। “इन सारे पेड़ों के बीच मुझे कोई आंगन दिखाई नहीं दे रहा है। चलो खुली जगह में जाने की कोशिश करते हैं—अगर कहीं खुली जगह हो तो।”
कुछ मुश्किलों के साथ, बिच्छू-बूटी के डंकों और कांटों की चुभन के बावजूद, वे झाड़ियों से बाहर निकल आए। तभी उन्हें एक और आश्चर्य हुआ। चारों ओर काफ़ी रोशनी हो गई, और कुछ कदम चलने के बाद वे जंगल के किनारे पहुँच गए, जहाँ से नीचे एक रेतीला किनारा दिखाई दे रहा था। कुछ ही गज की दूरी पर शांत समुद्र की लहरें इतनी छोटी-छोटी थीं कि उनसे लगभग कोई आवाज़ नहीं आ रही थी। दूर-

दूर तक कोई ज़मीन नज़र नहीं आ रही थी और आसमान में कोई बादल नहीं थे। सुबह दस बजे सूरज लगभग अपनी सही जगह पर था, और समुद्र का रंग चमकीला नीला था। वे समुद्र की गंध को सूंघते हुए वहीं खड़े रहे। “अरे वाह!” पीटर ने कहा। “यह काफी अच्छा है।”
पांच मिनट बाद सभी लोग नंगे पैर ठंडे साफ पानी में चल रहे थे। “लैटिन, फ्रेंच और बीजगणित की क्लास में वापस जाने के लिए घुटन भरी ट्रेन में बैठने से तो यह बेहतर है!” एडमंड ने कहा। और फिर काफी देर तक कोई बातचीत नहीं हुई, बस पानी में छपछपाहट और झींगे- केकड़ों की खोज चलती रही।
“फिर भी,” सुसान ने थोड़ी देर बाद कहा, “मुझे लगता है कि हमें कुछ योजना बनानी होगी। हमें जल्द ही कुछ खाने की जरूरत पड़ेगी।” “हमारे पास वो सैंडविच हैं जो माँ ने हमें यात्रा के लिए दिए थे,” एडमंड ने कहा। “कम से कम मेरे पास तो मेरा सैंडविच है।” “मैं नहीं,” लूसी ने कहा। “मेरे तो मेरे छोटे से बैग में थे।” “मेरे भी ऐसे ही थे,” सुसान ने कहा।
पीटर ने कहा, "मेरे लंच मेरे कोट की जेब में हैं, वहीं बीच पर। चार लोगों के बीच दो लंच हो जाएंगे। अब तो मजा नहीं आएगा।"
लूसी ने कहा, "फिलहाल, मुझे खाने से ज्यादा कुछ पीने की इच्छा हो रही है।"
अब बाकी सभी को प्यास लगने लगी थी, जैसा कि आमतौर पर तेज धूप में खारे पानी में चलने के बाद होता है।
“यह तो जहाज़ डूबने जैसा है,” एडमंड ने कहा। “किताबों में तो द्वीप पर हमेशा साफ़, ताज़े पानी के झरने मिलते हैं। हमें भी जाकर उन्हें ढूंढना चाहिए।”
"क्या इसका मतलब यह है कि हमें उस घने जंगल में वापस जाना होगा?" सुसान ने कहा।

“बिल्कुल नहीं,” पीटर ने कहा। “अगर नदियाँ हैं तो वे निश्चित रूप से समुद्र में जाकर मिलेंगी, और अगर हम समुद्र तट पर चलते हैं तो हम निश्चित रूप से उन तक पहुँचेंगे।”
अब वे सब वापस पानी में चलने लगे और पहले चिकनी, गीली रेत पर चले और फिर सूखी, भुरभुरी रेत पर चढ़े जो पैर की उंगलियों से चिपक जाती है, और अपने जूते और मोज़े पहनने लगे। एडमंड और लूसी उन्हें वहीं छोड़कर नंगे पैर घूमना चाहते थे, लेकिन सुसान ने कहा कि ऐसा करना मूर्खता होगी। उसने कहा, "हो सकता है हम उन्हें फिर कभी न ढूंढ पाएं, और अगर रात होने और ठंड शुरू होने तक हम यहीं रहे तो हमें उनकी ज़रूरत पड़ेगी।"
कपड़े बदलने के बाद वे समुद्र तट पर चल पड़े, उनके बाईं ओर समुद्र और दाईं ओर जंगल था। इक्का-दुक्का सीगल को छोड़कर, वह जगह बहुत शांत थी। जंगल इतना घना और उलझा हुआ था कि उसमें कुछ भी दिखाई नहीं दे रहा था; और उसमें कुछ भी हिल नहीं रहा था—न कोई पक्षी, न कोई कीड़ा।
सीपियाँ, समुद्री शैवाल और एनीमोन, या चट्टानी तालाबों में रहने वाले छोटे केकड़े, ये सब ठीक हैं, लेकिन प्यास लगने पर इनसे जल्दी ऊब जाते हैं। ठंडे पानी से बाहर आने के बाद बच्चों के पैर गर्म और भारी लग रहे थे। सुसान और लूसी को रेनकोट ले जाने थे। जादू होने से ठीक पहले एडमंड ने अपना कोट स्टेशन की सीट पर रख दिया था, और वह और पीटर बारी-बारी से पीटर का ओवरकोट उठा रहे थे। कुछ देर बाद किनारा दाईं ओर मुड़ने लगा। लगभग पंद्रह मिनट बाद, एक चट्टानी टीले को पार करने के बाद, जो एक नुकीले सिरे पर जाकर रुका था, किनारा अचानक तेज़ी से मुड़ गया। अब उनकी पीठ समुद्र के उस हिस्से की ओर थी जो जंगल से बाहर आने पर उनके सामने आया था, और अब आगे देखने पर उन्हें पानी के उस पार एक और किनारा दिखाई

दिया, जो उसी किनारे की तरह घने जंगलों से आच्छादित था जिसकी वे खोज कर रहे थे।
"मुझे आश्चर्य है, क्या यह एक द्वीप है या हम अभी इससे जुड़ने वाले हैं?" लूसी ने कहा।
"पता नहीं," पीटर ने कहा, और वे सभी चुपचाप आगे बढ़ते रहे।
जिस किनारे पर वे चल रहे थे, वह धीरे-धीरे दूसरे किनारे के करीब आता जा रहा था, और हर चट्टान के पास से गुजरते हुए बच्चों को उम्मीद थी कि उन्हें वह जगह मिल जाएगी जहाँ दोनों किनारे मिलते हैं। लेकिन इसमें उन्हें निराशा हाथ लगी। वे कुछ चट्टानों के पास पहुँचे जिन पर उन्हें चढ़ना पड़ा और ऊपर से वे काफी दूर तक देख सकते थे और—“अरे, मुसीबत!” एडमंड ने कहा, “यह तो बेकार है। हम उन दूसरे जंगलों तक बिल्कुल नहीं पहुँच पाएंगे। हम एक द्वीप पर आ गए हैं!”
यह सच था। इस बिंदु पर उनके और सामने वाले तट के बीच का चैनल केवल तीस या चालीस गज चौड़ा था; लेकिन अब वे देख सकते थे कि यह इसका सबसे संकरा स्थान था। इसके बाद, उनका अपना तट फिर से दाईं ओर मुड़ गया और वे इसके और मुख्य भूमि के बीच खुला समुद्र देख सकते थे। यह स्पष्ट था कि वे द्वीप के आधे से अधिक चक्कर लगा चुके थे।

"देखो!" लूसी अचानक बोली। "यह क्या है?" उसने समुद्र तट पर पड़ी एक लंबी, चांदी जैसी, सांप जैसी चीज की ओर इशारा किया।
“एक धारा! एक धारा!” बाकी सब चिल्लाए, और थके होने के बावजूद, वे बिना देर किए चट्टानों से नीचे उतरे और ताजे पानी की ओर दौड़ पड़े। वे जानते थे कि धारा का पानी किनारे से दूर, आगे जाकर पीना बेहतर होगा, इसलिए वे तुरंत उस जगह गए जहाँ से वह जंगल से निकलती थी। पेड़ पहले की तरह ही घने थे, लेकिन धारा ने ऊँचे काईदार किनारों के बीच एक गहरा रास्ता बना लिया था, जिससे झुककर पत्तों की सुरंग जैसी जगह में ऊपर तक पहुँचा जा सकता था। वे पहले भूरे, गहरे पानी के कुंड के पास घुटनों के बल बैठ गए और खूब पानी पिया, अपने चेहरे पानी में डुबोए, और फिर अपनी बाहें कोहनी तक पानी में डाल लीं।
“अब,” एडमंड ने कहा, “उन सैंडविच के बारे में क्या?”
“ओह, क्या हमें इन्हें बचाकर नहीं रखना चाहिए?” सुसान ने कहा। “हो सकता है कि बाद में हमें इनकी बहुत ज्यादा जरूरत पड़े।”

"मेरी यही इच्छा है," लूसी ने कहा, "अब जब हमें प्यास नहीं लग रही है, तो हम हमेशा की तरह भूख न लगने का एहसास करते रह सकें, जैसा कि हमें प्यास लगने पर होता था।"
“लेकिन उन सैंडविच का क्या?” एडमंड ने दोहराया। “उन्हें खराब होने तक बचाकर रखने का कोई फायदा नहीं। याद रखना, यहाँ इंग्लैंड से कहीं ज़्यादा गर्मी है और हम उन्हें घंटों से जेब में लेकर घूम रहे हैं।” तो उन्होंने दोनों पैकेट निकाले और उन्हें चार हिस्सों में बाँट दिया। किसी को भी पेट भर नहीं मिला, लेकिन कुछ न मिलने से तो बहुत अच्छा था। फिर उन्होंने अगले भोजन की योजना पर चर्चा की। लूसी समुद्र में जाकर झींगे पकड़ना चाहती थी, तभी किसी ने बताया कि उनके पास जाल नहीं हैं। एडमंड ने कहा कि उन्हें चट्टानों से सीगल के अंडे इकट्ठा करने चाहिए, लेकिन जब उन्होंने इस बारे में सोचा तो उन्हें याद नहीं आया कि उन्होंने कभी सीगल के अंडे देखे हों और अगर मिल भी गए तो वे उन्हें पका नहीं पाएंगे। पीटर ने मन ही मन सोचा कि अगर किस्मत ने साथ नहीं दिया तो वे जल्द ही कच्चे अंडे खाकर खुश हो जाएंगे, लेकिन उसे यह बात ज़ोर से कहने का कोई फायदा नहीं लगा। सुसान ने कहा कि यह अफ़सोस की बात है कि उन्होंने सैंडविच इतनी जल्दी खा लिए। इस दौरान एक-दो लोगों का गुस्सा फूटने ही वाला था। अंत में एडमंड ने कहा:
“देखो यहाँ। अब बस एक ही रास्ता बचा है। हमें जंगल की खोजबीन करनी होगी। साधु, घुमंतू योद्धा और ऐसे ही लोग जंगल में रहकर किसी न किसी तरह अपना जीवन यापन कर लेते हैं। वे जड़ें, बेर और ऐसी ही चीजें ढूंढ निकालते हैं।”
“किस तरह की जड़ें?” सुसान ने पूछा।

"मुझे हमेशा लगता था कि इसका मतलब पेड़ों की जड़ें होता है," लूसी ने कहा।
“चलो,” पीटर ने कहा, “एड सही कह रहा है। और हमें कुछ करने की कोशिश करनी ही चाहिए। और यह फिर से चकाचौंध भरी धूप में बाहर जाने से बेहतर होगा।”
तो वे सब उठ खड़े हुए और नदी के किनारे चलने लगे। यह बहुत कठिन काम था। उन्हें डालियों के नीचे झुकना पड़ा और डालियों के ऊपर से चढ़ना पड़ा, और वे रोडोडेंड्रोन जैसी झाड़ियों के बीच से लड़खड़ाते हुए निकले, जिससे उनके कपड़े फट गए और उनके पैर नदी में भीग गए; और फिर भी नदी की आवाज़ और उनके द्वारा की जा रही आवाज़ों के अलावा कोई और आवाज़ नहीं थी। वे बहुत थकने लगे थे कि तभी उन्हें एक मनमोहक खुशबू महसूस हुई, और फिर उनके ठीक ऊपर दाहिने किनारे के शीर्ष पर एक चमकीले रंग की झलक दिखाई दी। “वाह! लुसी ने हैरानी से कहा। मुझे तो पक्का यकीन है कि यह एक सेब का पेड़ है।”
हाँ, ऐसा ही था। वे हाँफते हुए खड़ी ढलान पर चढ़े, कंटीली झाड़ियों को चीरते हुए आगे बढ़े और खुद को एक पुराने पेड़ के चारों ओर खड़ा पाया, जो बड़े-बड़े पीले-सुनहरे सेबों से लदा हुआ था, जो इतने रसीले और स्वादिष्ट थे कि आप उन्हें देखकर मंत्रमुग्ध हो जाएंगे।
“और यह अकेला पेड़ नहीं है,” एडमंड ने सेब से भरा मुंह लिए हुए कहा। “वहाँ देखो—और वहाँ भी।”
“अरे वाह, ये तो दर्जनों हैं,” सुसान ने अपने पहले सेब का बीज फेंकते हुए और दूसरा सेब तोड़ते हुए कहा। “यह बहुत-बहुत पहले, जब यह जगह जंगली नहीं हुई थी और यहाँ जंगल नहीं उगा था, तब यहाँ फलों का बगीचा रहा होगा।”

“तो यह कभी एक बसा हुआ द्वीप था,” पीटर ने कहा।
"और वह क्या है?" लूसी ने आगे की ओर इशारा करते हुए कहा।
“अरे वाह, ये तो दीवार है,” पीटर ने कहा। “एक पुरानी पत्थर की दीवार।”
लदी शाखाओं के बीच से रास्ता बनाते हुए वे दीवार तक पहुँचे। यह बहुत पुरानी थी, जगह-जगह से टूटी हुई थी, जिस पर काई और वॉलफ्लावर उगे हुए थे, लेकिन यह सबसे ऊँचे पेड़ों को छोड़कर बाकी सभी पेड़ों से ऊँची थी। जब वे इसके बिल्कुल करीब पहुँचे, तो उन्हें एक विशाल मेहराब दिखाई दिया, जिसमें कभी द्वार रहा होगा, लेकिन अब वह लगभग सभी सेब के पेड़ों में से सबसे बड़े पेड़ से भरा हुआ था। उन्हें आगे बढ़ने के लिए कुछ शाखाओं को तोड़ना पड़ा, और जब वे आगे बढ़ गए, तो वे सब चौंक गए क्योंकि दिन का उजाला अचानक बहुत तेज हो गया था। उन्होंने खुद को चारों ओर से दीवारों से घिरे एक विशाल खुले स्थान पर पाया। यहाँ कोई पेड़ नहीं थे, केवल समतल घास, डेज़ी के फूल, आइवी लताएँ और धूसर दीवारें थीं। यह एक उज्ज्वल, रहस्यमयी, शांत और कुछ हद तक उदास जगह थी; और वे चारों इसके बीच में कदम रख दिए, अपनी पीठ सीधी करने और अपने अंगों को स्वतंत्र रूप से हिलाने में सक्षम होने की खुशी से।

□□

□□□□□□□ □□□□□
□□

“□□ □□□ □□□□□ □□□□ □□,” □□□□□ □□ □□□□□ □□□ □□□ □□□□ “□□ □□ □□□ □□ □□ □□ □□ □□□□ □□□□ □□□ □□□□□”
“□□□ □□□ □□□,” □□□□ □□ □□□□ “□□□□ □□ □□ □□□□□ □□ □□□□□ □□□□ □□ □□□□ □□□□□□□ □□ □□□ □□ □□□□ □□□□ □□□□□□□□ □□□ □□□□ □□□□ □□ □□

दूसरी सीढ़ियों को देखो—चौड़ी, कम गहरी सीढ़ियाँ—जो उस दरवाजे तक जाती हैं। यह ज़रूर बड़े हॉल का दरवाजा रहा होगा।” "ऐसा लगता है जैसे यह बहुत पहले की बात है," एडमंड ने कहा।
“हाँ, बहुत समय पहले,” पीटर ने कहा। “काश हम पता लगा पाते कि इस किले में कौन लोग रहते थे; और कितने समय पहले।”
"इससे मुझे एक अजीब सी अनुभूति होती है," लूसी ने कहा।
“सच में, लू?” पीटर ने मुड़कर उसे घूरते हुए कहा। “क्योंकि मुझे भी ऐसा ही लग रहा है। आज के इस अजीब दिन में ये सबसे अजीब बात हुई है। मुझे समझ नहीं आ रहा कि हम कहाँ हैं और इन सबका क्या मतलब है?”
बातचीत करते-करते वे आंगन पार करके दूसरे द्वार से होते हुए उस स्थान में प्रवेश कर गए जो कभी हॉल हुआ करता था। यह स्थान अब आंगन जैसा ही दिखता था, क्योंकि छत बहुत पहले ही गायब हो चुकी थी और यह मात्र घास और फूलों से भरा एक और खुला स्थान था, बस इतना ही कि यह छोटा और संकरा था तथा दीवारें ऊंची थीं। दूर वाले छोर पर एक चबूतरा जैसा बना हुआ था जो बाकी हिस्से से लगभग तीन फीट ऊंचा था।
“मुझे आश्चर्य हो रहा है, क्या यह सचमुच हॉल था?” सुसान ने कहा। “वह छत जैसी दिखने वाली चीज़ क्या है?”
“अरे मूर्ख,” पीटर (जो अजीब तरह से उत्साहित हो गया था) बोला, “क्या तुम्हें दिखाई नहीं देता? यह वही चबूतरा था जहाँ मुख्य मेज हुआ करती थी, जहाँ राजा और बड़े-बड़े सरदार बैठते थे। कोई भी सोचेगा कि तुम भूल गए हो कि हम भी कभी राजा-रानी थे और ठीक ऐसे ही चबूतरे पर अपने भव्य महल में बैठे थे।”

“हमारे कैर पैरावल महल में,” सुसान ने स्वप्निल और कुछ हद तक मधुर स्वर में कहा, “नार्निया की महान नदी के मुहाने पर। मैं इसे कैसे भूल सकती हूँ?”
“ये सब यादें ताज़ा हो गईं!” लूसी ने कहा। “हम ऐसा दिखावा कर सकते हैं कि हम अभी केयिर पैरावल में हैं। यह हॉल बिल्कुल उस भव्य हॉल जैसा रहा होगा जिसमें हमने दावत खाई थी।”
“लेकिन दुर्भाग्य से दावत के बिना,” एडमंड ने कहा। “काफी देर हो रही है। देखो परछाइयाँ कितनी लंबी हो रही हैं। और क्या तुमने ध्यान दिया है कि इतनी गर्मी भी नहीं है?”
“अगर हमें रात यहीं बितानी है तो हमें अलाव की ज़रूरत पड़ेगी,” पीटर ने कहा। “मेरे पास माचिस है। चलो देखते हैं कि क्या हम कुछ सूखी लकड़ी इकट्ठा कर सकते हैं।”
सभी को यह बात समझ में आ गई और अगले आधे घंटे तक वे सब काम में लगे रहे। जिस बाग से होकर वे खंडहरों में आए थे, वह जलाऊ लकड़ी के लिए अच्छा स्थान नहीं निकला। उन्होंने महल के दूसरी ओर जाने की कोशिश की, हॉल से एक छोटे से दरवाजे से बाहर निकलकर वे पथरीले टीलों और गड्ढों के एक भूलभुलैया में पहुँच गए, जो कभी रास्ते और छोटे कमरे रहे होंगे, लेकिन अब वहाँ बिच्छू-बूटियाँ और जंगली गुलाब थे। इसके आगे उन्हें महल की दीवार में एक चौड़ा दर्रा मिला और वे उसमें से होकर घने और बड़े पेड़ों के जंगल में पहुँच गए, जहाँ उन्हें सूखी डालियाँ, सड़ी हुई लकड़ी, टहनियाँ, सूखे पत्ते और देवदार के शंकु बहुतायत में मिले। वे गठ्ठे लेकर बार-बार आते-जाते रहे जब तक कि चबूतरे पर लकड़ियों का अच्छा ढेर नहीं लग गया। पाँचवीं बार जाने पर उन्हें कुआँ मिला, जो हॉल के ठीक बाहर, खरपतवारों में छिपा हुआ था, लेकिन खरपतवार हटाने के बाद वह साफ, ताज़ा और गहरा निकला। उसके चारों ओर आधे रास्ते तक

अब सभी ने देख लिया कि वह क्या था—एक छोटा सा शतरंज का घोड़ा, आकार में सामान्य लेकिन शुद्ध सोने से बना होने के कारण असाधारण रूप से भारी; और घोड़े के सिर में बनी आंखें दो छोटी- छोटी माणिक्य थीं—या यूं कहें कि एक ही थी, क्योंकि दूसरी टूट गई थी।

“अरे वाह!” लूसी ने कहा, “यह तो बिलकुल उन सुनहरे शतरंज के मोहरों जैसा है जिनसे हम केयिर पैरावल में राजा और रानी बनकर खेला करते थे।”
“खुश हो जाओ, सू,” पीटर ने अपनी दूसरी बहन से कहा।
“मैं क्या करूँ,” सुसान ने कहा। “इससे मुझे वो सारे प्यारे दिन याद आ गए। मुझे याद आ गया जब मैं फ़ॉन और अच्छे दानवों के साथ शतरंज खेलती थी, समुद्र में जलपरियाँ गाती थीं, और मेरा सुंदर घोड़ा—और—और—”
पीटर ने बिल्कुल अलग स्वर में कहा, "अब समय आ गया है कि हम चारों अपने दिमाग का इस्तेमाल करना शुरू करें।"

“क्या हुआ?” एडमंड ने पूछा।
“क्या आप में से किसी ने भी यह अनुमान नहीं लगाया कि हम कहाँ हैं?” पीटर ने कहा।
“बोलते रहो, बोलते रहो,” लूसी ने कहा। “मुझे घंटों से ऐसा लग रहा है कि इस जगह पर कोई अद्भुत रहस्य छाया हुआ है।”
“पीटर, आगे बढ़ो,” एडमंड ने कहा। “हम सब सुन रहे हैं।”
"हम स्वयं कैर पैरावल के खंडहरों में हैं," पीटर ने कहा। “लेकिन,” एडमंड ने जवाब दिया। “मेरा मतलब है, आप यह कैसे कह सकते हैं? यह जगह सदियों से खंडहर है। देखो, ये सारे बड़े-बड़े पेड़ दरवाज़े तक उग रहे हैं। इन पत्थरों को देखो। कोई भी देख सकता है कि यहाँ सैकड़ों वर्षों से कोई नहीं रहा है।”
“मुझे पता है,” पीटर ने कहा। “यही तो मुश्किल है। लेकिन अभी इसे छोड़ देते हैं। मैं एक-एक करके बिंदुओं पर बात करना चाहता हूँ। पहला बिंदु: यह हॉल बिल्कुल कैर पैरावल के हॉल के आकार और माप का है। बस कल्पना कीजिए कि इस पर एक छत है, घास की जगह रंगीन फर्श है, और दीवारों पर टेपेस्ट्री लगी हैं, और आपको हमारा शाही भोज कक्ष मिल जाएगा।”
किसी ने कुछ नहीं कहा।
“दूसरा बिंदु,” पीटर ने आगे कहा। “किले का कुआँ ठीक उसी जगह पर है जहाँ हमारा कुआँ था, बड़े हॉल के थोड़ा दक्षिण में; और यह बिल्कुल उसी आकार और आकृति का है।”
फिर भी कोई जवाब नहीं मिला।
"तीसरा बिंदु: सुसान को अभी-अभी हमारी पुरानी शतरंज की एक मोहर मिली है - या कुछ ऐसी ही मिलती-जुलती चीज, जैसे दो मटर के दाने।" फिर भी किसी ने जवाब नहीं दिया।

“चौथा बिंदु। क्या आपको याद नहीं है—कैलोरमेन के राजा के दूतों के आने से ठीक एक दिन पहले—क्या आपको याद नहीं है कि हमने कैर पैरावल के उत्तरी द्वार के बाहर फलों का बगीचा लगाया था? सभी वनवासियों में सबसे महान, पोमोना स्वयं उस पर शुभ मंत्र पढ़ने आई थीं। असल में खुदाई का काम उन प्यारे से छोटे जीवों, छछूंदरों ने किया था। क्या आप उस मजाकिया बूढ़े लिलीग्लोव्स को भूल सकते हैं, जो छछूंदरों का मुखिया था, अपने फावड़े पर झुककर कह रहा था, ‘मान लीजिए महाराज, एक दिन आपको इन फलों के पेड़ों की बहुत खुशी होगी।’ और भगवान कसम, वह सही था।”
“हाँ! हाँ!” लूसी ने कहा और ताली बजाई।
“लेकिन देखो, पीटर,” एडमंड ने कहा। “यह सब बकवास है। सबसे पहले तो, हमने बाग को फाटक से सटाकर नहीं लगाया था। हम इतने मूर्ख नहीं होते।”
“नहीं, बिलकुल नहीं,” पीटर ने कहा। “लेकिन तब से यह बढ़कर गेट तक पहुँच गया है।”
“और एक और बात,” एडमंड ने कहा, “कैयर पैरावल किसी द्वीप पर नहीं था।”
“हाँ, मैं इस बारे में सोच रहा था। लेकिन यह एक प्रायद्वीप था, जिसे आप क्या कहते हैं? लगभग एक द्वीप जैसा। क्या इसे हमारे समय से द्वीप नहीं बनाया जा सकता था? किसी ने नहर खोदी होगी।”
“अरे रुकिए!” एडमंड ने कहा। “आप बार-बार हमारे समय की बात कर रहे हैं। लेकिन हमें नार्निया से लौटे हुए अभी एक साल ही हुआ है। और आप यह जताना चाहते हैं कि एक साल में महल गिर गए, बड़े-बड़े जंगल उग आए, और जिन छोटे पेड़ों को हमने खुद लगाया था, वे एक बड़े बगीचे में बदल गए, और न जाने क्या-क्या। यह सब नामुमकिन है।”

“एक बात है,” लूसी ने कहा। “अगर यह कैर पैरावल है, तो चबूतरे के इस छोर पर एक दरवाज़ा होना चाहिए। वास्तव में, इस समय हमें उसी दरवाज़े की ओर पीठ करके बैठना चाहिए। तुम्हें पता है ना—वह दरवाज़ा जो खजाने के कक्ष की ओर जाता था।”
"मुझे लगता है कि यहाँ कोई दरवाजा नहीं है," पीटर उठते हुए बोला। उनके पीछे की दीवार बेलों से घनी तरह ढकी हुई थी।
“हम जल्द ही पता लगा लेंगे,” एडमंड ने आग में डालने के लिए रखी हुई लकड़ियों में से एक को उठाते हुए कहा। उसने लताओं से ढकी दीवार पर पीटना शुरू कर दिया। पत्थर पर लकड़ी की टप-टप की आवाज़ आई; फिर से टप-टप की आवाज़; और फिर अचानक, एक बिल्कुल अलग तरह की, खोखली, लकड़ी जैसी आवाज़ के साथ बूम-बूम की आवाज़ आई।
“अरे वाह!” एडमंड ने कहा।
“हमें इस लता को हटाना होगा,” पीटर ने कहा।
“अरे, इसे छोड़ ही दीजिए,” सुसान ने कहा। “हम सुबह कोशिश कर सकते हैं। अगर हमें रात यहीं बितानी है तो मैं नहीं चाहती कि मेरे पीछे एक खुला दरवाजा हो और एक बड़ा सा काला गड्ढा हो जिसमें से हवा और सीलन के अलावा कुछ भी निकल सकता हो। और जल्दी ही अंधेरा हो जाएगा।”
“सुसान! तुम ऐसा कैसे कर सकती हो?” लूसी ने तिरस्कार भरी नज़र से कहा। लेकिन दोनों लड़के इतने उत्तेजित थे कि उन्होंने सुसान की सलाह पर ज़रा भी ध्यान नहीं दिया। वे अपने हाथों से और पीटर के जेब वाले चाकू से तब तक बेलों को खुरचते रहे जब तक कि चाकू टूट नहीं गया। उसके बाद उन्होंने एडमंड का चाकू इस्तेमाल किया। देखते ही देखते वह पूरी जगह जहाँ वे बैठे थे, बेलों से ढक गई; और आखिरकार उन्होंने दरवाज़ा साफ़ कर दिया।
"बिल्कुल, ताला लगा हुआ है," पीटर ने कहा।

“लेकिन लकड़ी तो पूरी तरह सड़ चुकी है,” एडमंड ने कहा। “हम इसे झटपट टुकड़ों में तोड़ सकते हैं, और इससे अतिरिक्त जलाऊ लकड़ी मिल जाएगी। चलो चलें।”
उन्हें उम्मीद से ज़्यादा समय लग गया और काम पूरा होने से पहले ही विशाल हॉल में अंधेरा छा गया और आसमान में एक-दो तारे निकल आए। जब लड़के टूटी हुई लकड़ियों के ढेर के ऊपर खड़े होकर अपने हाथों से धूल झाड़ रहे थे और अपने द्वारा बनाए गए ठंडे, अंधेरे छेद में देख रहे थे, तो सुसान अकेली नहीं थी जिसे हल्की सी सिहरन महसूस हुई।
“अब टॉर्च की बारी,” पीटर ने कहा।
“अरे, इसमें क्या फायदा है?” सुसान ने कहा। “और जैसा कि एडमंड ने कहा था—”
“मैं अभी नहीं कह रहा,” एडमंड ने बीच में ही टोकते हुए कहा। “मुझे अभी भी समझ नहीं आया, लेकिन हम इसे बाद में सुलझा लेंगे। लगता है तुम नीचे आ रहे हो, पीटर?”
“हमें ऐसा करना ही होगा,” पीटर ने कहा। “खुश हो जाओ, सुसान। अब जब हम नार्निया वापस आ गए हैं, तो बच्चों जैसा व्यवहार करने का कोई फायदा नहीं है। तुम यहाँ रानी हो। और वैसे भी, इस तरह के रहस्य को मन में लिए कोई सो नहीं सकता।”

□□□□□□□□□ □□□□ □□□□□□□ □□ □□□□ □□ □□□ □□□□□□□□□ □□□□ □□ □□□□□□ □□, □□□□□ □□ □□□ □□□□ □□□□ □□□ □□□□□□ □□□□ □□□ □□□□ □□ □□□ □□ □□ □□□□ □□□□□ □□□□ □□ □□ □□□ □□□□□, □□ □□□ □□□□□□ □□□□□ □□□ □□ □□□□□ □□□□ □□ □□□ □□ □□□□ □□ □□□□ □□□□□ □□□ □□□ □□□□□ □□□ □□□ □□□□□□ □□□□□ □□ □□□□□ □□□□ □□□□ □□ □□□□□□□□□ □□□□ □□□□; □□□□□□□ □□ □□ □□ □□□□□ □□ □□ □□ □□□ □□□□ □□□□□□□ □□ □□□□□ □□ □□ □□□□ □□□□□ □□□□ □□ □□□ □□ □□□□ □□□□ □□□□ □□□□ □□□□□□ □□□ □□□□ □□, □□□ □□□□□, □□ □□□□ □□□□ □□□□-□□□□ □□□□

“□□□ □□□□□□□□ □□ □□□□□ □□ □ □□□ □□□,” □□□□□ □□ □□□□

“इन्हें गिनो,” पीटर ने कहा।
“एक—दो—तीन,” एडमंड ने सावधानी से नीचे उतरते हुए कहा, और फिर सोलह तक चढ़ गया। “और यही सबसे निचला स्तर है,” उसने चिल्लाकर जवाब दिया।
“तो फिर ये वाकई कैर पैरावल ही होगा,” लूसी ने कहा। “वहाँ सोलह लोग थे।” इसके बाद चारों सीढ़ियों के नीचे एक साथ खड़े हो गए और कुछ नहीं कहा गया। फिर एडमंड ने धीरे से अपनी टॉर्च घुमाई। “ओह—ओह—ओह!!” सभी बच्चों ने एक साथ कहा।
अब तक सभी जानते थे कि यह वास्तव में कैर पैरावल का प्राचीन खजाना कक्ष था, जहाँ कभी नार्निया के राजा-रानी के रूप में शासन किया जाता था। बीच में एक पगडंडी बनी हुई थी (जैसे किसी ग्रीनहाउस में होती है), और दोनों ओर थोड़ी-थोड़ी दूरी पर कीमती कवच रखे हुए थे, मानो खजाने की रक्षा करते हुए योद्धा हों। कवचों के बीच और पगडंडी के दोनों ओर, कीमती वस्तुओं से भरी अलमारियाँ थीं—हार, बाजूबंद, अंगूठियाँ, सोने के कटोरे, थालियाँ, हाथीदांत के लंबे दांत, ब्रोच, मुकुट, सोने की चेन, और बिना तराशे हुए पत्थरों के ढेर, जो मानो कंचे या आलू की तरह पड़े थे—हीरे, माणिक, कार्बंकल, पन्ना, पुखराज और नीलम। अलमारियों के नीचे लोहे की छड़ों से मजबूत किए गए और भारी तालों से जकड़े हुए ओक के बड़े-बड़े संदूक रखे थे। कड़ाके की ठंड थी, और इतनी खामोशी थी कि उन्हें अपनी सांसें सुनाई दे रही थीं। खजाने धूल से इतने ढके हुए थे कि अगर उन्हें यह एहसास न होता कि वे कहाँ हैं और उनमें से ज़्यादातर चीज़ें याद न होतीं, तो शायद ही वे जान पाते कि वे खजाने हैं। उस जगह में कुछ उदासी और थोड़ा डर का सा माहौल था, क्योंकि वह सब कुछ वीरान और बीते ज़माने का लग रहा था। इसीलिए कम से कम एक मिनट तक किसी ने कुछ नहीं कहा।

फिर, ज़ाहिर है, वे इधर-उधर घूमने लगे और चीज़ें उठाकर देखने लगे। ऐसा लग रहा था जैसे बहुत पुराने दोस्तों से मिल रहे हों। अगर आप वहाँ होते तो उन्हें ये कहते हुए सुनते, “अरे देखो! हमारी राज्याभिषेक की अंगूठियाँ—क्या तुम्हें याद है इसे पहली बार कब पहना था?—अरे वाह, ये वही छोटा सा ब्रोच है जिसे हम सब खोया हुआ समझ रहे थे—अरे, क्या ये वही कवच नहीं है जिसे तुमने लोन आइलैंड्स में हुए उस महान टूर्नामेंट में पहना था?—क्या तुम्हें याद है उस बौने ने इसे मेरे लिए बनाया था?—क्या तुम्हें याद है उस सींग से पानी पीना?—क्या तुम्हें याद है, क्या तुम्हें याद है?”
लेकिन अचानक एडमंड ने कहा, “देखो यहाँ। हमें बैटरी बर्बाद नहीं करनी चाहिए: पता नहीं हमें इसकी कितनी बार ज़रूरत पड़ेगी। क्या बेहतर नहीं होगा कि हम अपनी ज़रूरत की चीज़ें लेकर निकल जाएं?” “हमें उपहार ले लेने चाहिए,” पीटर ने कहा। बहुत समय पहले नार्निया में क्रिसमस के अवसर पर उन्हें, सुसान और लूसी को कुछ ऐसे उपहार मिले थे जिन्हें वे अपने पूरे राज्य से भी अधिक महत्व देते थे। एडमंड को कोई उपहार नहीं मिला था क्योंकि वह उस समय उनके साथ नहीं था। (यह उसकी अपनी गलती थी, और आप इसके बारे में दूसरी किताब में पढ़ सकते हैं।)
वे सभी पीटर से सहमत हो गए और खजाने के कमरे के आखिरी छोर पर स्थित दीवार तक जाने वाले रास्ते पर चल पड़े, और वहाँ, निश्चित रूप से, उपहार अभी भी लटके हुए थे। लूसी का उपहार सबसे छोटा था, क्योंकि वह केवल एक छोटी सी बोतल थी। लेकिन बोतल कांच की बजाय हीरे की बनी थी, और वह अभी भी उस जादुई औषधि से आधी से ज़्यादा भरी हुई थी जो लगभग हर घाव और हर बीमारी को ठीक कर सकती थी। लूसी ने कुछ नहीं कहा और बहुत गंभीर दिख रही थी जब उसने अपना उपहार

उसकी जगह से उतारा और बेल्ट को अपने कंधे पर डाल लिया और एक बार फिर अपनी कमर पर उस बोतल को महसूस किया जहाँ वह पुराने दिनों में लटकी रहती थी। सुसान का उपहार धनुष, बाण और एक सींग था। धनुष अभी भी वहीं था, और हाथीदांत का तरकश, जो अच्छी तरह से सजे हुए बाणों से भरा था, लेकिन—“ओह, सुसान,” लूसी ने कहा। “सींग कहाँ है?”
“अरे बाप रे, कितनी परेशानी है,” सुसान ने कुछ देर सोचने के बाद कहा। “मुझे अब याद आया। मैं इसे अपने साथ आखिरी दिन ले गई थी, जिस दिन हम सफेद हिरण का शिकार करने गए थे। जब हम गलती से उस दूसरी जगह—मेरा मतलब इंग्लैंड—वापस आ गए, तो यह कहीं खो गया होगा।”
एडमंड ने सीटी बजाई। यह वाकई एक दिल दहला देने वाला नुकसान था; क्योंकि यह एक जादुई सींग था और जब भी आप इसे बजाते थे, आप जहां भी होते थे, मदद अवश्य आती थी।
"ऐसी जगह पर यह बिल्कुल काम आ सकती है," एडमंड ने कहा।
“कोई बात नहीं,” सुसान ने कहा, “मेरे पास अभी भी धनुष है।” और उसने उसे ले लिया।
“क्या रस्सी नष्ट नहीं हो जाएगी, सू?” पीटर ने कहा।
लेकिन खजाने के कमरे की हवा में किसी जादू के कारण, धनुष अभी भी ठीक से काम कर रहा था। तीरंदाजी और तैराकी में सुसान माहिर थी। पल भर में उसने धनुष को मोड़ा और फिर डोरी को हल्के से खींचा। एक झनझनाहट हुई: एक चहचहाती झनझनाहट जो पूरे कमरे में गूंज उठी। और उस एक छोटी सी आवाज ने बच्चों के मन में पुराने दिनों की यादें ताजा कर दीं, जो अब तक हुई किसी भी घटना से कहीं ज्यादा थीं।
सारे युद्ध, शिकार और दावतें एक साथ उनके दिमाग में उमड़ आईं।

फिर उसने धनुष की डोरी दोबारा खोली और तरकश को अपनी कमर पर टांग लिया।
इसके बाद, पीटर ने अपना उपहार - विशाल लाल शेर की आकृति वाली ढाल और शाही तलवार - नीचे उतारा। उसने उन पर फूँक मारी और धूल झाड़ने के लिए उन्हें ज़मीन पर पटका। उसने ढाल को अपनी बांह पर टांगा और तलवार को कमर में लटका लिया। पहले तो उसे डर था कि कहीं वह जंग लगी न हो और म्यान में न अटक जाए। लेकिन ऐसा नहीं था। एक झटके में उसने तलवार निकाली और उसे ऊपर उठाया, जो मशाल की रोशनी में चमक रही थी।

“यह मेरी तलवार रिंडन है,” उसने कहा; “इसी से मैंने भेड़िये को मारा था।” उसकी आवाज़ में एक नयापन था, और बाकी सभी को लगा कि वह सचमुच फिर से पीटर द हाई किंग बन गया है। फिर, थोड़ी देर रुकने के बाद, सबको याद आया कि उन्हें बैटरी बचानी है।
वे फिर सीढ़ियाँ चढ़े और अच्छी आग जलाकर गर्मी पाने के लिए एक-दूसरे के करीब लेट गए। ज़मीन बहुत सख्त और असुविधाजनक थी, लेकिन अंत में उन्हें नींद आ गई।

तीन

बौना

खुले में सोने का सबसे बुरा पहलू यह है कि आप बहुत जल्दी उठ जाते हैं। और जब आप उठते हैं, तो आपको उठना ही पड़ता है क्योंकि ज़मीन इतनी सख्त होती है कि आप असहज महसूस करते हैं। और अगर नाश्ते में सेब के अलावा कुछ न हो और आपने पिछली रात के खाने में भी सेब के अलावा कुछ न खाया हो, तो स्थिति और भी खराब हो जाती है। जब लूसी ने कहा - और यह सचमुच सही था - कि यह एक शानदार सुबह है, तो कहने के लिए और कुछ अच्छा बचा ही नहीं था। एडमंड ने वही कहा जो हर कोई महसूस कर रहा था, "हमें बस इस द्वीप से निकलना ही होगा।" जब उन्होंने कुएं से पानी पी लिया और अपने चेहरे पर पानी के छींटे मार लिए, तो वे सभी फिर से नदी के किनारे की ओर चले गए और उस नहर को घूरने लगे जो उन्हें मुख्य भूमि से अलग करती थी। “हमें तैरना पड़ेगा,” एडमंड ने कहा।
“सुसान के लिए तो ठीक रहेगा,” पीटर ने कहा (सुसान ने स्कूल में तैराकी के लिए पुरस्कार जीते थे)। “लेकिन हम बाकी लोगों के बारे में मुझे नहीं पता।” “हम बाकी लोगों” से उसका मतलब वास्तव में एडमंड से था जो स्कूल के स्नानघर में दो चक्कर भी नहीं लगा पाता था, और लूसी से, जिसे तैरना बिल्कुल भी नहीं आता था।
“खैर,” सुसान ने कहा, “वहाँ समुद्री धाराएँ हो सकती हैं। पिताजी कहते हैं कि किसी अनजान जगह पर नहाना कभी बुद्धिमानी नहीं होती।”
“पर, पीटर,” लूसी ने कहा, “देखो। मुझे पता है कि मैं अपने घर पर— मेरा मतलब इंग्लैंड में—बिल्कुल तैर नहीं सकती। लेकिन क्या हम

सब बहुत पहले—अगर वह बहुत पहले की बात है—जब हम नार्निया में राजा-रानी थे, तब तैर नहीं सकते थे? तब हम घुड़सवारी भी कर सकते थे और तरह-तरह के काम भी कर सकते थे। क्या तुम्हें नहीं लगता—” “अरे, लेकिन तब तो हम एक तरह से बड़े हो चुके थे,” पीटर ने कहा। “हमने सालों-साल राज किया और बहुत कुछ सीखा। क्या अब हम फिर से अपनी सही उम्र में नहीं लौट आए हैं?”
“ओह!” एडमंड ने ऐसी आवाज़ में कहा कि सब लोग बात करना बंद करके उसकी बात सुनने लगे।
उन्होंने कहा, "मैंने सब कुछ देख लिया है।"
“क्या देखा?” पीटर ने पूछा।
“अरे, ये सब क्या है?” एडमंड ने कहा। “तुम्हें याद है कल रात हम किस बात पर हैरान थे, कि नार्निया छोड़े हुए हमें सिर्फ़ एक साल ही हुआ है, लेकिन ऐसा लगता है जैसे केयिर पैरावल में सैकड़ों सालों से कोई रहा ही नहीं हो? देखो तो सही! तुम्हें पता है ना, नार्निया में चाहे जितना भी समय बीता हो, जब हम अलमारी से वापस आए तो ऐसा लगा जैसे पलक झपकते ही सब कुछ बीत गया हो?”
“आगे बोलो,” सुसान ने कहा। “मुझे लगता है कि मैं समझने लगी हूँ।” “और इसका मतलब यह है,” एडमंड ने आगे कहा, “कि एक बार जब आप नार्निया से बाहर निकल जाते हैं, तो आपको नार्निया में समय कैसे बीत रहा है, इसका कोई अंदाजा नहीं होता। नार्निया में सैकड़ों साल क्यों नहीं बीत गए होंगे, जबकि इंग्लैंड में हमारे लिए केवल एक साल ही बीता है?”
“अरे वाह, एड,” पीटर ने कहा। “मुझे लगता है तुमने सही समझा है। इस लिहाज़ से देखा जाए तो सचमुच सैकड़ों साल पहले हम केयिर पैरावल में रहते थे। और अब हम नार्निया में ऐसे लौट रहे हैं जैसे हम

क्रूसेडर हों, एंग्लो-सैक्सन हों, प्राचीन ब्रितानी हों या कोई आधुनिक इंग्लैंड में लौट रहा हो!”
“हमें देखकर वे कितने उत्साहित होंगे—” लूसी ने कहना शुरू किया, लेकिन उसी क्षण बाकी सबने कहा, “चुप रहो!” या “देखो!” क्योंकि अब कुछ घटित हो रहा था।
मुख्य भूमि पर उनके दाहिनी ओर थोड़ी दूर पर एक जंगल था, और उन सभी को पूरा यकीन था कि उस जगह के ठीक आगे नदी का मुहाना होगा। और अब, उस जगह के चारों ओर एक नाव दिखाई दी। जब वह उस जगह से आगे निकल गई, तो वह मुड़ी और नदी के रास्ते उनकी ओर आने लगी। नाव में दो लोग सवार थे, एक चप्पू चला रहा था, दूसरा नाव के पिछले हिस्से में बैठा था और एक गठरी पकड़े हुए था जो ऐसे हिल रही थी मानो उसमें कोई जान हो। ये दोनों लोग सैनिक लग रहे थे। उनके सिर पर लोहे की टोपियाँ थीं और उन्होंने हल्के कवच वाली कमीज़ें पहनी हुई थीं। उनके चेहरे दाढ़ी वाले और सख्त थे। बच्चे किनारे से हटकर जंगल में चले गए और बिना हिले-डुले देखते रहे।
जब नाव उनके ठीक सामने आकर रुकी, तो नाव के पिछले हिस्से में बैठे सैनिक ने कहा, "यह ठीक रहेगा।"
"क्या हम उसके पैरों में पत्थर बांध सकते हैं, कॉर्पोरल?" दूसरे ने चप्पू पर आराम करते हुए कहा।

“गार्न!” दूसरे ने गुर्राते हुए कहा। “हमें इसकी ज़रूरत नहीं है, और हम इसे लाए भी नहीं हैं। अगर हमने रस्सियाँ ठीक से बाँधी हैं, तो बिना पत्थर के भी वह ज़रूर डूब जाएगा।” ये कहते हुए वह उठा और अपना बंडल उठाया। पीटर ने देखा कि वह सचमुच जीवित था और वास्तव में एक बौना था, जिसके हाथ-पैर बंधे हुए थे, लेकिन वह पूरी ताकत से छटपटा रहा था। अगले ही पल उसने अपने कान के पास एक झनझनाहट सुनी, और अचानक सैनिक ने अपने हाथ ऊपर उठा दिए, बौने को नाव के तल में गिरा दिया, और खुद पानी में गिर गया। वह दूर किनारे की ओर छटपटाता हुआ चला गया और पीटर समझ गया कि सुसान का तीर उसके हेलमेट पर लगा है। उसने मुड़कर देखा कि वह बहुत पीली पड़ गई थी, लेकिन पहले से ही दूसरा तीर कमान पर चढ़ा रही थी। लेकिन उसका इस्तेमाल नहीं हुआ। जैसे ही उसने अपने साथी को गिरते देखा, दूसरा सैनिक ज़ोर से चिल्लाते हुए नाव के दूसरी तरफ से कूद गया, और वह भी पानी में छटपटाता हुआ (जो स्पष्ट रूप से उसकी गहराई के बराबर था) मुख्य भूमि के जंगलों में गायब हो गया। “जल्दी करो! इससे पहले कि वह बह जाए!” पीटर चिल्लाया। वह और सुसान, पूरे कपड़े पहने हुए, पानी में कूद पड़े, और पानी उनके कंधों तक पहुँचने से पहले ही उनके हाथ नाव के किनारे पर थे। कुछ ही सेकंड में उन्होंने नाव को किनारे तक खींच लिया और बौने को बाहर निकाल लिया, और एडमंड जेब में रखे चाकू से उसके बंधन काटने में व्यस्त हो गया। (पीटर की तलवार ज़्यादा तेज़ होती, लेकिन इस तरह के काम के लिए तलवार बहुत असुविधाजनक होती है क्योंकि आप उसे मूठ से नीचे कहीं भी नहीं पकड़ सकते।) जब आखिरकार बौना आज़ाद हुआ, तो वह उठ बैठा, अपने हाथ-पैर रगड़े और बोला:

"खैर, वे जो भी कहें, आपको भूतों जैसा महसूस नहीं होता।" अधिकांश बौनों की तरह वह भी बहुत गठीला और चौड़ी छाती वाला था। खड़े होने पर उसकी ऊंचाई लगभग तीन फीट होती, और घनी दाढ़ी और मोटे लाल बालों की वजह से उसके चेहरे का बहुत कम हिस्सा दिखाई देता था, सिवाय उसकी चोंच जैसी नाक और चमकती काली आंखों के। “खैर,” उसने आगे कहा, “भूत हों या न हों, आपने मेरी जान बचाई है और मैं आपका बहुत आभारी हूं।”
"लेकिन हम भूत क्यों बनें?" लूसी ने पूछा।
“मुझे बचपन से यही बताया गया है,” बौने ने कहा, “कि किनारे के ये जंगल पेड़ों से जितने भरे हैं, उतने ही भूतों से भी भरे हैं। यही कहानी है। और इसीलिए, जब उन्हें किसी से छुटकारा पाना होता है, तो वे उसे यहाँ नीचे ले आते हैं (जैसे वे मेरे साथ कर रहे थे) और कहते हैं कि वे उसे भूतों के हवाले छोड़ देंगे। लेकिन मुझे हमेशा यह हैरानी होती थी कि कहीं वे सच में उन्हें डुबो तो नहीं देते या उनका गला तो नहीं काट देते। मुझे भूतों पर कभी पूरा विश्वास नहीं था। लेकिन जिन दो कायरों को तुमने अभी गोली मारी है, वे तो पूरा विश्वास करते थे। वे मुझे मौत के घाट उतारने से मुझसे भी ज़्यादा डरे हुए थे!”

“ओह,” सुसान ने कहा। “तो इसीलिए वे दोनों भाग गए।”
“अरे? यह क्या है?” बौने ने कहा।
“वे भाग निकले,” एडमंड ने कहा। “मुख्य भूमि की ओर।”
“मेरा इरादा जान से मारने का नहीं था,” सुसान ने कहा। वह नहीं चाहती थी कि कोई सोचे कि वह इतनी कम दूरी से निशाना चूक सकती है। “हम्म,” बौने ने कहा। “यह अच्छा नहीं है। इससे आगे चलकर मुसीबत हो सकती है। जब तक कि वे अपनी भलाई के लिए चुप न रहें।”
“वे तुम्हें किसलिए डुबाने वाले थे?” पीटर ने पूछा।
“ओह, मैं एक खतरनाक अपराधी हूँ,” बौने ने खुशी से कहा। “लेकिन यह एक लंबी कहानी है। वैसे, मैं सोच रहा था कि क्या आप मुझे नाश्ते पर बुलाएँगे? आपको अंदाज़ा भी नहीं है कि फाँसी की सज़ा मिलने पर कितनी भूख लगती है।”
"यहाँ तो सिर्फ सेब ही हैं," लूसी ने उदास स्वर में कहा।
“कुछ न होने से तो बेहतर है, लेकिन ताज़ी मछली जितनी अच्छी नहीं,” बौने ने कहा। “लगता है मुझे आपको नाश्ते पर ही बुलाना पड़ेगा। मैंने उस नाव में मछली पकड़ने का सामान देखा। और वैसे भी, हमें उसे द्वीप के दूसरी तरफ ले जाना होगा। हम नहीं चाहते कि मुख्य भूमि से कोई नीचे आकर उसे देखे।”
"मुझे खुद इस बारे में सोचना चाहिए था," पीटर ने कहा।
चारों बच्चे और बौना पानी के किनारे तक गए, बड़ी मुश्किल से नाव को पानी में धकेला और उस पर चढ़ गए। बौने ने तुरंत कमान संभाल ली। चप्पू उसके लिए बहुत बड़े थे, इसलिए पीटर चप्पू चला रहा था और बौना उन्हें नहर के साथ उत्तर की ओर ले जा रहा था और फिर द्वीप के सिरे के चारों ओर पूर्व की ओर मुड़ गया। यहाँ से बच्चे नदी के ऊपर तक और उसके पार तट की सभी खाड़ियों और चट्टानों को देख सकते थे। उन्हें लगा कि वे नदी के कुछ हिस्सों को पहचान

सकते हैं, लेकिन उनके समय के बाद से जो जंगल उग आए थे, उन्होंने सब कुछ बहुत अलग बना दिया था।
जब वे द्वीप के पूर्व में खुले समुद्र में पहुँचे, तो बौना मछली पकड़ने लगा। उन्हें पैवेंडर्स नाम की एक खूबसूरत इंद्रधनुषी रंग की मछली मिली, जिसे उन्होंने पुराने दिनों में कैर पैरावल में खाया था। जब उनके पास पर्याप्त मछलियाँ हो गईं, तो उन्होंने नाव को एक छोटी सी खाड़ी में ले जाकर एक पेड़ से बाँध दिया। बौना, जो एक बहुत ही कुशल व्यक्ति था (और वास्तव में, हालांकि बुरे बौने भी मिलते हैं, मैंने कभी किसी मूर्ख बौने के बारे में नहीं सुना), ने मछलियों को काटकर साफ किया और कहा:
अब हमें अगली चीज जो चाहिए वह है कुछ जलाऊ लकड़ी।

“हमारे पास किले में कुछ हैं,” एडमंड ने कहा।
बौने ने धीमी सी सीटी बजाई। "दाढ़ी और पलंग!" उसने कहा। "तो क्या सच में कोई महल है?"
"यह तो बस एक खंडहर है," लूसी ने कहा।
बौने ने अपने चेहरे पर बेहद जिज्ञासा का भाव लिए उन चारों को घूरकर देखा। “और आखिर कौन—?” उसने कहना शुरू किया, लेकिन फिर रुककर बोला, “कोई बात नहीं। पहले नाश्ता कर लेते हैं। लेकिन आगे बढ़ने से पहले एक बात। क्या आप सब अपने दिल पर हाथ रखकर बता सकते हैं कि मैं सचमुच ज़िंदा हूँ? क्या आपको यकीन है कि मैं डूबा नहीं था और हम सब भूत नहीं हैं?”
जब सबने उसे दिलासा दे दिया, तो अगला सवाल था कि मछलियों को कैसे ले जाया जाए। उनके पास उन्हें पिरोने के लिए कुछ नहीं था और न ही कोई टोकरी। अंत में उन्हें एडमंड की टोपी का इस्तेमाल करना पड़ा क्योंकि किसी और के पास टोपी नहीं थी। अगर वह इतना भूखा न होता तो वह इस बात पर और भी ज्यादा हंगामा करता।
शुरू में बौना महल में कुछ खास सहज नहीं लग रहा था। वह बार-बार इधर-उधर देख रहा था, सूंघ रहा था और कह रहा था, “हम्म। आखिर थोड़ा

डरावना ही लग रहा है। भूतों जैसी गंध भी आ रही है।” लेकिन जब आग जलाने और अंगारों में ताज़ी लकड़ियों को भूनने का तरीका बताने की बारी आई तो उसका मूड ठीक हो गया। बिना कांटे के और पाँच लोगों के बीच एक ही जेब में रखे चाकू से गरमागरम मछली खाना काफी गड़बड़ वाला काम था और खाना खत्म होने से पहले ही कई लोगों की उंगलियां जल गईं; लेकिन चूंकि अब नौ बज चुके थे और वे सुबह पांच बजे से जागे हुए थे, इसलिए किसी को भी जलने की उतनी परवाह नहीं थी जितनी आप उम्मीद कर सकते थे। जब सबने कुएं से पानी पीकर और एक-दो सेब खाकर खाना खत्म कर लिया, तो बौने ने अपनी बांह के आकार का एक पाइप निकाला, उसे भरा, जलाया, सुगंधित धुएं का एक बड़ा बादल उड़ाया और कहा, “अब।”
पीटर ने कहा, "पहले आप हमें अपनी कहानी सुनाइए। फिर हम आपको अपनी कहानी सुनाएंगे।"
“खैर,” बौने ने कहा, “चूंकि आपने मेरी जान बचाई है, इसलिए यह उचित ही है कि आप अपनी मर्जी से काम करें। लेकिन मुझे समझ नहीं आ रहा कि शुरुआत कहां से करूं। सबसे पहले तो मैं राजा कैस्पियन का दूत हूं।”
“वह कौन है?” चारों आवाजों ने एक साथ पूछा।
“नार्निया के राजा कैस्पियन दसवें, और उनका शासन लंबा चले!” बौने ने उत्तर दिया। “अर्थात, उन्हें नार्निया का राजा होना चाहिए और हम आशा करते हैं कि वे बनेंगे। फिलहाल तो वे केवल हम पुराने नार्नियावासियों के राजा हैं—”
"पुराने नार्नियाई लोगों से आपका क्या मतलब है?" लूसी ने पूछा। “अरे, ये तो हम ही हैं,” बौने ने कहा। “मुझे लगता है कि हम एक तरह के विद्रोही हैं।”

“मैं समझ गया,” पीटर ने कहा। “और कैस्पियन ही सबसे बड़ा प्राचीन नार्नियाई है।”
“खैर, एक तरह से कहें तो,” बौने ने अपना सिर खुजाते हुए कहा। “लेकिन असल में वह खुद एक नया नार्नियाई है, एक टेल्मारिन, अगर आप मेरी बात समझ रहे हैं तो।”
“मैं नहीं,” एडमंड ने कहा।
"यह गुलाबों के युद्धों से भी बदतर है," लूसी ने कहा।
“अरे बाप रे,” बौने ने कहा। “मैं तो बहुत ही बुरी तरह से कर रहा हूँ। देखो, मुझे लगता है कि मुझे बिल्कुल शुरुआत से बताना पड़ेगा कि कैस्पियन अपने चाचा के दरबार में कैसे पला-बढ़ा और आखिर वह हमारे पक्ष में कैसे आया। लेकिन यह एक लंबी कहानी होगी।”
“और भी अच्छा,” लूसी ने कहा। “हमें कहानियां बहुत पसंद हैं।” तो बौना बैठ गया और अपनी कहानी सुनाने लगा। मैं इसे उसके शब्दों में नहीं सुनाऊँगा, जिसमें बच्चों के सारे सवाल और रुकावटें शामिल होंगी, क्योंकि इससे बहुत समय लगेगा और उलझन पैदा हो जाएगी, और फिर भी, कुछ ऐसे बिंदु छूट जाएँगे जो बच्चों को बाद में ही पता चले। लेकिन कहानी का सार, जैसा कि उन्हें अंत में पता चला, इस प्रकार था।

चार

बौना राजकुमार की कहानी सुनाता है
कैस्पियन

राजकुमार कैस्पियन नार्निया के केंद्र में स्थित एक विशाल महल में अपने चाचा, नार्निया के राजा मिराज, और अपनी लाल बालों वाली चाची, रानी प्रुनाप्रिस्मिया के साथ रहते थे। उनके माता-पिता का निधन हो चुका था और कैस्पियन को सबसे अधिक प्रेम अपनी नर्स से था। हालाँकि (राजकुमार होने के नाते) उनके पास अद्भुत खिलौने थे जो लगभग सब कुछ कर सकते थे, सिवाय बोलने के, फिर भी उन्हें दिन का अंतिम समय सबसे अच्छा लगता था जब सभी खिलौने अपनी अलमारियों में वापस रख दिए जाते थे और नर्स उन्हें कहानियाँ सुनाती थीं। वह अपने चाचा और चाची को ज़्यादा पसंद नहीं करता था, लेकिन सप्ताह में लगभग दो बार उसके चाचा उसे बुला लेते थे और वे महल के दक्षिणी हिस्से में बने चबूतरे पर आधे घंटे तक टहलते थे। एक दिन, जब वे ऐसा कर रहे थे, राजा ने उससे कहा,
“अच्छा बेटा, हमें जल्द ही तुम्हें घुड़सवारी और तलवार चलाना सिखाना होगा। तुम्हें पता है कि मेरी और तुम्हारी चाची की कोई संतान नहीं है, इसलिए लगता है कि मेरे जाने के बाद तुम्हें ही राजा बनना पड़ेगा। कैसा लगेगा ये?”
“मुझे नहीं पता, चाचा,” कैस्पियन ने कहा।
“पता नहीं?” मिराज ने कहा। “काश मुझे पता होता कि इससे ज़्यादा कोई और क्या चाह सकता है!”
“फिर भी, मेरी यही इच्छा है,” कैस्पियन ने कहा।
“तुम क्या चाहते हो?” राजा ने पूछा।

“काश—काश—काश मैं पुराने जमाने में जी पाता,” कैस्पियन ने कहा। (उस समय वह बहुत छोटा बच्चा था।)
अब तक राजा मिराज बड़ों की तरह उबाऊ ढंग से बात कर रहे थे, जिससे यह साफ था कि उन्हें आपकी बातों में कोई दिलचस्पी नहीं है, लेकिन अब अचानक उन्होंने कैस्पियन को तीखी नजर से देखा।
“अरे? ये क्या है?” उसने कहा। “तुम किन पुराने दिनों की बात कर रहे हो?”
“अरे, चाचा जी, क्या आपको नहीं पता?” कैस्पियन ने कहा। “जब सब कुछ बिल्कुल अलग था। जब सभी जानवर बोल सकते थे, और नदियों और पेड़ों में अच्छे लोग रहते थे। उन्हें जलपरियां और अप्सराएं कहा जाता था। और बौने भी थे। और सभी जंगलों में प्यारे-प्यारे छोटे-छोटे फ़ॉन रहते थे। उनके पैर बकरियों जैसे थे। और—”
“ये सब बकवास है, बच्चों के लिए है,” राजा ने सख्ती से कहा। “सिर्फ बच्चों के लिए ही ठीक है, समझे? तुम अब इन सब चीजों के लिए बड़े हो गए हो। तुम्हारी उम्र में तुम्हें लड़ाइयों और रोमांच के बारे में सोचना चाहिए, न कि परियों की कहानियों के बारे में।”
“ओह, उन दिनों में तो लड़ाइयाँ और रोमांच होते थे,” कैस्पियन ने कहा। “अद्भुत रोमांच। एक बार एक श्वेत चुड़ैल थी और उसने खुद को पूरे देश की रानी घोषित कर दिया। और उसने ऐसा कर दिया कि वहाँ हमेशा सर्दी रहती थी। फिर कहीं से दो लड़के और दो लड़कियाँ आए और उन्होंने उस चुड़ैल को मार डाला और वे नार्निया के राजा और रानी बन गए, और उनके नाम पीटर, सुसान, एडमंड और लूसी थे। और इस तरह उन्होंने बहुत लंबे समय तक राज किया और सभी ने खूब आनंद लिया, और यह सब अस्लान की वजह से था—”

“ये कौन है?” मिराज ने कहा। और अगर कैस्पियन थोड़ा बड़ा होता, तो उसके चाचा की आवाज़ का लहजा उसे चेतावनी दे देता कि चुप रहना ही बेहतर होगा। लेकिन वह बड़बड़ाता रहा।
“अरे, क्या तुम नहीं जानते?” उसने कहा। “असलान वह महान शेर है जो समुद्र पार से आता है।”
“तुम्हें ये सब बकवास कौन बता रहा है?” राजा ने गरजती हुई आवाज़ में कहा। कैस्पियन डर गया और कुछ नहीं बोला।
“महामहिम,” राजा मिराज ने कैस्पियन का हाथ छोड़ते हुए कहा, जिसे वह अब तक पकड़े हुए थे, “मुझे जवाब चाहिए। मेरी आँखों में आँखें डालकर देखिए। आपको ये झूठ का पुलिंदा किसने सुनाया है?” “न—नर्स,” कैस्पियन लड़खड़ाते हुए बोला और फूट-फूटकर रोने लगा। “ये शोर बंद करो,” उसके चाचा ने कैस्पियन को कंधों से पकड़कर झकझोरते हुए कहा। “बस करो। और मुझे फिर कभी उन बेतुकी कहानियों के बारे में बात करते या सोचते हुए मत देखना। वो राजा-रानी कभी थे ही नहीं। एक ही समय में दो राजा कैसे हो सकते हैं? और अस्लान नाम का कोई व्यक्ति भी नहीं है। शेर जैसी कोई चीज भी नहीं होती। और ऐसा कोई समय भी नहीं था जब जानवर बोल सकते थे। क्या तुम सुन रहे हो?”
“जी हां, चाचा,” कैस्पियन सिसकते हुए बोला।
“तो फिर अब और नहीं,” राजा ने कहा। फिर उन्होंने चबूतरे के दूसरे छोर पर खड़े अपने एक दरबारी को बुलाया और ठंडी आवाज़ में कहा, “महाराज को उनके कमरों तक ले जाओ और उनकी नर्स को तुरंत मेरे पास भेजो।”

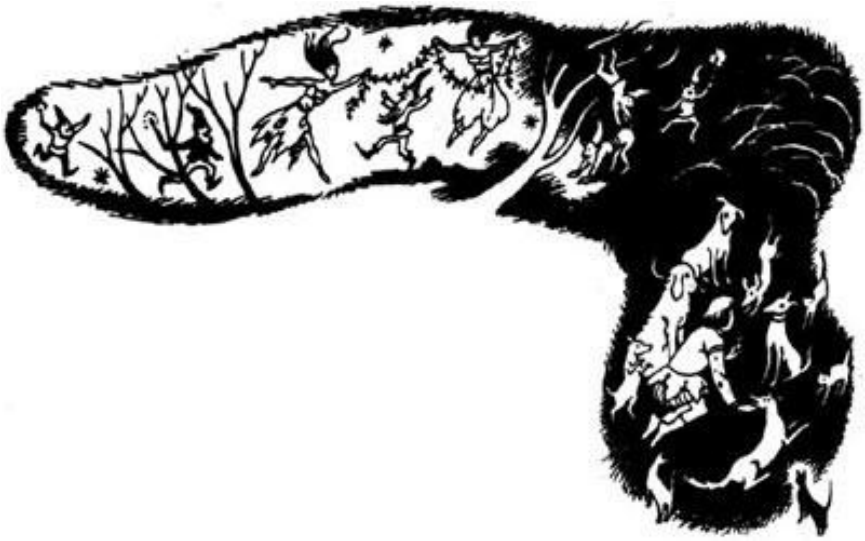

डॉक्टर कॉर्नेलियस के साथ अपने सभी पाठों में से कैस्पियन को इतिहास का पाठ सबसे अधिक पसंद था। नर्स की कहानियों के अलावा, अब तक उसे नार्निया के इतिहास के बारे में कुछ भी पता नहीं था, और यह जानकर उसे बहुत आश्चर्य हुआ कि शाही परिवार इस देश में नया आया है।
“महामहिम के पूर्वज, प्रथम कास्पियन, ही थे जिन्होंने सर्वप्रथम नार्निया पर विजय प्राप्त की और उसे अपना राज्य बनाया। वही थे जिन्होंने आपके समस्त राष्ट्र को इस देश में लाया। आप लोग मूल रूप से नार्नियावासी नहीं हैं। आप सब तेलमारिन हैं—अर्थात् आप सब पश्चिमी पर्वतों के उस पार स्थित तेलमार की भूमि से आए हैं। इसीलिए प्रथम कास्पियन को विजेता कास्पियन कहा जाता है।”
एक दिन कैस्पियन ने पूछा, "कृपया डॉक्टर, हम सभी के तेलमार से यहाँ आने से पहले नार्निया में कौन रहता था?"
डॉक्टर कॉर्नेलियस ने कहा, "टेल्मारिन्स द्वारा नार्निया पर कब्ज़ा करने से पहले वहां कोई पुरुष नहीं रहते थे - या बहुत कम ही रहते थे।"
"तो मेरे परदादा-परदादी ने किसे जीता था?"
“महामहिम, ‘हू’ नहीं, ‘हूम’। शायद अब इतिहास से व्याकरण की ओर मुड़ने का समय आ गया है।”
“अरे नहीं, अभी नहीं,” कैस्पियन ने कहा। “मेरा मतलब है, क्या कोई लड़ाई नहीं हुई थी? अगर उससे लड़ने वाला कोई था ही नहीं, तो उसे कैस्पियन विजेता क्यों कहा जाता है?”
"मैंने कहा था कि नार्निया में बहुत कम पुरुष हैं," डॉक्टर ने अपने बड़े चश्मे से उस छोटे लड़के को बहुत अजीब तरीके से देखते हुए कहा।

एक पल के लिए कैस्पियन असमंजस में पड़ गया और फिर अचानक उसका दिल ज़ोर से धड़कने लगा। "क्या तुम्हारा मतलब है," उसने हांफते हुए कहा, "कि वहाँ और भी चीज़ें थीं? क्या तुम्हारा मतलब कहानियों जैसा था? क्या वहाँ—?"
“चुप रहो!” डॉक्टर कॉर्नेलियस ने अपना सिर कैस्पियन के बिल्कुल पास रखते हुए कहा। “एक शब्द भी मत बोलो। क्या तुम्हें नहीं पता कि तुम्हारी नर्स को पुराने नार्निया के बारे में बताने पर निकाल दिया गया था? राजा को यह पसंद नहीं है। अगर उन्हें पता चल गया कि मैं तुम्हें राज़ बता रहा हूँ, तो तुम्हारी पिटाई होगी और मेरा सिर काट दिया जाएगा।”
“लेकिन क्यों?” कैस्पियन ने पूछा।
“अब व्याकरण की ओर मुड़ने का समय आ गया है,” डॉक्टर कॉर्नेलियस ने ऊँची आवाज़ में कहा। “क्या महाराज कृपया पुलवरुलेंटस सिकस के व्याकरणिक उद्यान के चौथे पृष्ठ या कोमल बुद्धि के लिए सुखद रूप से खुले आकस्मिकता के मंडप को खोलेंगे?”
उसके बाद दोपहर के भोजन तक सब कुछ संज्ञा और क्रिया ही था, लेकिन मुझे नहीं लगता कि कैस्पियन ने कुछ खास सीखा। वह बहुत उत्साहित था। उसे पूरा यकीन था कि डॉक्टर कॉर्नेलियस ने इतना कुछ तभी कहा होगा जब उनका इरादा उसे आगे और कुछ बताने का हो।
इस मामले में उन्हें निराशा नहीं हुई। कुछ दिनों बाद उनके शिक्षक ने कहा, “आज रात मैं आपको खगोल विज्ञान का पाठ पढ़ाने जा रहा हूँ। आधी रात को दो महान ग्रह, तारवा और अलम्बिल, एक दूसरे के एक अंश के भीतर से गुजरेंगे। ऐसा संयोग दो सौ वर्षों से नहीं हुआ है, और महाराज, आप इसे दोबारा देखने के लिए जीवित नहीं रहेंगे। बेहतर होगा कि आप सामान्य से थोड़ा जल्दी सो जाएँ। जब संयोग का समय निकट आएगा, मैं आकर आपको जगा दूँगा।”

रास्ता लंबा और खड़ी चढ़ाई वाला था, लेकिन जब वे मीनार की छत पर पहुँचे और कैस्पियन ने चैन की साँस ली, तो उसे लगा कि सारी मेहनत सार्थक हो गई। दाईं ओर दूर, उसे धुंधले ढंग से पश्चिमी पर्वत दिखाई दे रहे थे। बाईं ओर विशाल नदी की चमक थी, और चारों ओर इतनी शांति थी कि वह एक मील दूर स्थित बीवर्सडैम के झरने की आवाज़ सुन सकता था। जिन दो तारों को देखने वे आए थे, उन्हें पहचानना आसान था। वे दक्षिणी आकाश में काफी नीचे लटके हुए थे, लगभग दो छोटे चंद्रमाओं जितने चमकीले और एक-दूसरे के बहुत करीब।
"क्या वे आपस में टकराने वाले हैं?" उसने विस्मय भरी आवाज में पूछा।
“नहीं, प्रिय राजकुमार,” डॉक्टर ने फुसफुसाते हुए कहा। “ऊपरी आकाश के महान स्वामी अपने नृत्य के चरणों को इतनी अच्छी तरह जानते हैं कि ऐसा संभव नहीं है। उन पर नज़र रखें। उनका मिलन शुभ है और नार्निया के दुखमय राज्य के लिए किसी महान कल्याण का संकेत है। विजय के देवता तारवा, शांति की देवी अलंबिल को प्रणाम करते हैं। वे बस अपने निकटतम पहुँच रहे हैं।”
कैस्पियन ने कहा, "यह अफसोस की बात है कि वह पेड़ रास्ते में आ जाता है। हालांकि पश्चिमी टावर इतना ऊंचा नहीं है, फिर भी वहां से नजारा बेहतर दिखेगा।"
डॉक्टर कॉर्नेलियस लगभग दो मिनट तक चुप रहे, लेकिन तारवा और अलम्बिल को देखते हुए स्थिर खड़े रहे। फिर उन्होंने एक गहरी सांस ली और कैस्पियन की ओर मुड़े।
“देखो,” उसने कहा। “तुमने वो सब देख लिया है जो आज तक किसी जीवित व्यक्ति ने नहीं देखा, न ही कोई दोबारा देखेगा। और तुम सही हो। हमें छोटे टावर से इसे और भी बेहतर ढंग से देखना चाहिए था। मैं तुम्हें यहाँ किसी और कारण से लाया था।”

कैस्पियन ने उसकी ओर देखा, लेकिन डॉक्टर के हुड ने उसके चेहरे का अधिकांश हिस्सा छिपा रखा था।
डॉक्टर कॉर्नेलियस ने कहा, "इस मीनार की खूबी यह है कि हमारे नीचे छह खाली कमरे हैं, एक लंबी सीढ़ी है, और सीढ़ी के सबसे नीचे का दरवाजा बंद है। हमारी बातें कोई सुन नहीं सकता।"
"क्या तुम मुझे वही बताने वाले हो जो तुमने मुझे उस दिन नहीं बताया था?" कैस्पियन ने कहा।
“हाँ,” डॉक्टर ने कहा। “लेकिन याद रखना। हम दोनों को इन बातों के बारे में यहाँ के अलावा कहीं और बात नहीं करनी चाहिए—ग्रेट टावर के बिल्कुल ऊपर।”

“नहीं। यह एक वादा है,” कैस्पियन ने कहा। “लेकिन कृपया आगे बोलिए।”
“सुनो,” डॉक्टर ने कहा। “पुराने नार्निया के बारे में तुमने जो कुछ भी सुना है, वह सब सच है। यह मनुष्यों की भूमि नहीं है। यह अस्लान का देश है, जागृत वृक्षों और दृश्यमान जलपरियों का देश

है, फॉन्स और सैटर्स का देश है, बौनों और दैत्यों का देश है, देवताओं और सेंटॉर्स का देश है, और बोलने वाले जानवरों का देश है। पहले कैस्पियन ने इन्हीं के विरुद्ध युद्ध किया था। तुम टेल्मारिन्स ने ही जानवरों, वृक्षों और झरनों को शांत किया, बौनों और फॉन्स को मारा और भगाया, और अब तुम उनकी यादों को भी मिटाने की कोशिश कर रहे हो। राजा उनके बारे में बात करने की अनुमति नहीं देते।”
“काश, ऐसा न हुआ होता,” कैस्पियन ने कहा। “और मुझे खुशी है कि यह सब सच था, भले ही अब सब खत्म हो गया हो।”
“आपकी जाति के कई लोग गुप्त रूप से यही इच्छा रखते हैं,” डॉक्टर कॉर्नेलियस ने कहा।
“लेकिन, डॉक्टर,” कैस्पियन ने कहा, “आप मेरी जाति की बात क्यों कर रहे हैं? आखिर, मुझे लगता है कि आप भी एक टेल्मारिन हैं।” “क्या मैं हूँ?” डॉक्टर ने कहा।
“खैर, तुम तो वैसे भी एक पुरुष हो,” कैस्पियन ने कहा।
"क्या मैं हूँ?" डॉक्टर ने गहरी आवाज़ में दोहराया, उसी क्षण उन्होंने अपना हुड पीछे हटा दिया ताकि कैस्पियन चांदनी में उनका चेहरा स्पष्ट रूप से देख सके।
अचानक कैस्पियन को सच्चाई का एहसास हुआ और उसे लगा कि उसे यह बात बहुत पहले ही समझ लेनी चाहिए थी। डॉक्टर कॉर्नेलियस बहुत छोटा, बहुत मोटा और बहुत लंबी दाढ़ी वाला था। उसी क्षण उसके मन में दो विचार आए। एक डर का विचार था—"यह असली आदमी नहीं है, बिलकुल भी आदमी नहीं है, यह एक बौना है, और यह मुझे यहाँ मारने के लिए लाया है।" दूसरा विचार परम आनंद का था—"असली बौने अभी भी मौजूद हैं, और मैंने आखिरकार एक को देख लिया।"

“तो आखिरकार आपने सही अनुमान लगा ही लिया,” डॉक्टर कॉर्नेलियस ने कहा। “या लगभग सही अनुमान लगाया है। मैं शुद्ध बौना नहीं हूँ। मुझमें भी इंसानी खून है। कई बौने बड़ी लड़ाइयों में बच निकले और अपनी दाढ़ी मुंडवाकर, ऊँची एड़ी के जूते पहनकर, मर्दों का रूप धारण करके जीवन यापन करते रहे। वे आपके टेल्मारिनों के साथ घुलमिल गए हैं। मैं भी उन्हीं में से एक हूँ, बस आधा बौना, और अगर मेरे वंशज, सच्चे बौने, दुनिया में कहीं भी जीवित हैं, तो निस्संदेह वे मुझे घृणा से देखते और गद्दार कहते। लेकिन इन सभी वर्षों में हम अपने लोगों और नार्निया के सभी खुशहाल प्राणियों और आज़ादी के उन बीते दिनों को कभी नहीं भूले हैं।”
“मुझे माफ़ कर दीजिए, डॉक्टर,” कैस्पियन ने कहा। “इसमें मेरी कोई गलती नहीं थी।”
“प्रिय राजकुमार, मैं ये बातें आपको दोष देने के लिए नहीं कह रहा हूँ,” डॉक्टर ने उत्तर दिया। “आप शायद पूछेंगे कि मैं ये सब क्यों कह रहा हूँ। लेकिन मेरे पास दो कारण हैं। पहला, क्योंकि मेरे बूढ़े हृदय ने इन गुप्त यादों को इतने लंबे समय तक अपने भीतर रखा है कि यह दर्द से भरा है और अगर मैं इन्हें आपको न बताऊँ तो फट जाएगा। दूसरा, इसलिए कि जब आप राजा बनें तो आप हमारी मदद करें, क्योंकि मैं जानता हूँ कि आप भी, टेल्मारिन होते हुए भी, प्राचीन परंपराओं से प्रेम करते हैं।”
“हाँ, हाँ,” कैस्पियन ने कहा। “लेकिन मैं कैसे मदद कर सकता हूँ?” “तुम मुझ जैसे बौनों के बचे-खुचे लोगों के प्रति दयालु हो सकते हो। तुम ज्ञानी जादूगरों को इकट्ठा कर सकते हो और पेड़ों को फिर से जीवित करने का कोई तरीका ढूंढने की कोशिश कर सकते हो। तुम इस भूमि के हर कोने और जंगली इलाके में खोज कर सकते हो कि कहीं कोई फ़ॉन, बोलने वाले जानवर या बौने अभी भी छिपे हुए तो नहीं हैं।”

"क्या आपको लगता है कि कोई है?" कैस्पियन ने उत्सुकता से पूछा। “मुझे नहीं पता—मुझे नहीं पता,” डॉक्टर ने गहरी साँस लेते हुए कहा। “कभी-कभी मुझे डर लगता है कि वे हो ही नहीं सकते। मैं पूरी ज़िंदगी उनके निशान ढूँढता रहा हूँ। कभी-कभी मुझे पहाड़ों में बौनों के ढोल की आवाज़ सुनाई देती है। कभी-कभी रात में, जंगल में, मुझे दूर कहीं नाचते हुए फ़ॉन और सैटायर की झलक दिखाई देती है; लेकिन जब मैं वहाँ पहुँचा, तो वहाँ कुछ भी नहीं था। मैं अक्सर निराश हो जाता हूँ; लेकिन हमेशा कुछ न कुछ ऐसा हो जाता है जिससे मुझे फिर से उम्मीद जाग उठती है। मुझे नहीं पता। लेकिन कम से कम तुम पुराने ज़माने के महान राजा पीटर की तरह राजा बनने की कोशिश तो कर सकते हो, अपने चाचा की तरह नहीं।”
“तो क्या यह बात राजाओं और रानियों के बारे में भी सच है, और सफेद चुड़ैल के बारे में भी?” कैस्पियन ने कहा।
“बिल्कुल सही,” कॉर्नेलियस ने कहा। “उनका शासनकाल नार्निया का स्वर्ण युग था और यह धरती उन्हें कभी नहीं भूली।”
"क्या वे इस महल में रहते थे, डॉक्टर?"
“नहीं, मेरी प्यारी,” बूढ़े ने कहा। “यह किला तो बीते जमाने की बात है। इसे तुम्हारे परदादा ने बनवाया था। लेकिन जब आदम के दो पुत्रों और हव्वा की दो पुत्रियों को स्वयं अस्लान ने नार्निया का राजा और रानी बनाया, तो वे कैर पैरावल के किले में रहते थे। आज तक किसी ने भी उस पवित्र स्थान को नहीं देखा है और शायद उसके अवशेष भी अब मिट चुके हैं। लेकिन हमारा मानना है कि वह यहाँ से बहुत दूर, महान नदी के मुहाने पर, समुद्र के किनारे पर स्थित था।”
“उफ़!” कैस्पियन कांपते हुए बोला। “क्या तुम्हारा मतलब ब्लैक वुड्स से है? जहाँ सारे—वो—मतलब, भूत रहते हैं?”

“महाराज, आप वही बोल रहे हैं जो आपको सिखाया गया है,” डॉक्टर ने कहा। “लेकिन यह सब झूठ है। वहाँ कोई भूत नहीं हैं। यह टेल्मारिनों की गढ़ी हुई कहानी है। आपके राजा समुद्र से बहुत डरते हैं क्योंकि वे यह कभी नहीं भूल पाते कि सभी कहानियों में अस्लान समुद्र पार से आता है। वे इसके पास नहीं जाना चाहते और न ही किसी और को इसके पास जाने देना चाहते हैं। इसलिए उन्होंने अपने लोगों को तट से अलग करने के लिए बड़े-बड़े जंगल उगा दिए हैं। लेकिन पेड़ों से झगड़ा होने के कारण वे जंगलों से डरते हैं। और जंगलों से डरने के कारण वे कल्पना करते हैं कि वे भूतों से भरे हुए हैं। और राजा और बड़े लोग, जो समुद्र और जंगल दोनों से नफरत करते हैं, इन कहानियों पर आंशिक रूप से विश्वास करते हैं और आंशिक रूप से उन्हें बढ़ावा भी देते हैं। वे तब तक सुरक्षित महसूस करते हैं जब तक नार्निया में कोई भी तट पर जाकर समुद्र की ओर—अस्लान की भूमि, सुबह और दुनिया के पूर्वी छोर की ओर—देखने की हिम्मत न करे।”
कुछ मिनटों तक उनके बीच गहरी खामोशी छाई रही। फिर डॉक्टर कॉर्नेलियस ने कहा, "चलो। हम यहाँ काफी देर रह चुके हैं। अब नीचे जाकर सोने का समय हो गया है।"
“क्या यह ज़रूरी है?” कैस्पियन ने कहा। “मैं इन विषयों पर घंटों-घंटों तक बात करना चाहता हूँ।”
डॉक्टर कॉर्नेलियस ने कहा, "अगर हमने ऐसा किया तो कोई हमारी तलाश शुरू कर सकता है।"

पाँच

कैस्पियन का साहसिक कार्य
पहाड़ों

इसके बाद, कैस्पियन और उसके गुरु ने विशाल मीनार की चोटी पर कई गुप्त बातचीत कीं, और हर बातचीत में कैस्पियन को पुराने नार्निया के बारे में और अधिक जानकारी मिलती गई। पुराने दिनों के बारे में सोचना, सपने देखना और उनके वापस आने की कामना करना, उसके लगभग सभी खाली समय को भर देता था। लेकिन ज़ाहिर है, उसके पास ज़्यादा खाली समय नहीं था, क्योंकि अब उसकी शिक्षा गंभीरता से शुरू हो रही थी। उसने तलवारबाज़ी और घुड़सवारी, तैरना और गोता लगाना, धनुष चलाना और रिकॉर्डर और थियोर्बो बजाना, हिरण का शिकार करना और मरने के बाद उसे काटना सीखा। इसके अलावा, उसने ब्रह्मांड विज्ञान, अलंकार शास्त्र, हेराल्ड्री, छंद रचना और निश्चित रूप से इतिहास, साथ ही थोड़ा-बहुत विधि, भौतिकी, रसायन शास्त्र और खगोल विज्ञान भी सीखा। जादू का उसने केवल सिद्धांत ही सीखा, क्योंकि डॉक्टर कॉर्नेलियस ने कहा था कि व्यावहारिक भाग राजकुमारों के लिए उचित अध्ययन नहीं है। उसने आगे कहा, "और मैं स्वयं भी एक बहुत ही अपूर्ण जादूगर हूँ और केवल छोटे-मोटे प्रयोग ही कर सकता हूँ।" नौवहन के बारे में ("जो एक महान और वीर कला है," डॉक्टर ने कहा) उन्हें कुछ भी नहीं सिखाया गया था, क्योंकि राजा मिराज जहाजों और समुद्र को नापसंद करते थे।
उसने अपने प्रत्यक्ष अनुभव से भी बहुत कुछ सीखा। बचपन में वह अक्सर सोचता था कि उसे अपनी चाची, रानी प्रुनाप्रिस्मिया,

क्यों नापसंद थी; अब उसे समझ आया कि ऐसा इसलिए था क्योंकि वह उसे नापसंद करती थी। उसे यह भी एहसास होने लगा कि नार्निया एक दुखी देश था। वहाँ कर बहुत अधिक थे, कानून सख्त थे और मिराज एक क्रूर व्यक्ति था।
कुछ वर्षों बाद एक ऐसा समय आया जब रानी बीमार प्रतीत हुईं और महल में उनके बारे में काफी हलचल मच गई। डॉक्टर आए और दरबारी कानाफूसी करने लगे। यह ग्रीष्म ऋतु का आरंभ था। एक रात, जब यह सब हलचल चल रही थी, कैस्पियन को अचानक डॉक्टर कॉर्नेलियस ने जगा दिया, जबकि वह कुछ ही घंटे बिस्तर पर सोए थे।
"क्या हम थोड़ी खगोल विज्ञान की पढ़ाई करने वाले हैं, डॉक्टर?" कैस्पियन ने कहा।
“चुप रहो!” डॉक्टर ने कहा। “मेरी बात मानो और ठीक वैसा ही करो जैसा मैं कहता हूँ। अपने सारे कपड़े पहन लो; तुम्हें एक लंबा सफर तय करना है।”
कैस्पियन बहुत हैरान था, लेकिन उसे अपने गुरु पर भरोसा करना आ गया था और उसने तुरंत उनकी बात मानना शुरू कर दिया। जब वह कपड़े पहन चुका था, तब डॉक्टर ने कहा, "मेरे पास तुम्हारे लिए एक बटुआ है। हमें अगले कमरे में जाकर महाराज के रात्रिभोज से उसमें भोजन भरना होगा।"
कैस्पियन ने कहा, "मेरे दरबारी वहां मौजूद रहेंगे।"
डॉक्टर ने कहा, "वे गहरी नींद में सो रहे हैं और जागेंगे नहीं। मैं कोई मामूली जादूगर तो हूँ, लेकिन कम से कम उन्हें जादुई नींद तो दिला सकता हूँ।"
वे प्रतीक्षालय में गए और वहाँ, जैसा कि अपेक्षित था, दोनों दरबारी कुर्सियों पर पसराए हुए ज़ोर-ज़ोर से खर्राटे ले रहे थे। डॉक्टर कॉर्नेलियस ने जल्दी से ठंडे मुर्गे के बचे हुए

टुकड़े और हिरण के मांस के कुछ टुकड़े काटे और उन्हें रोटी, एक सेब और अच्छी शराब की एक छोटी बोतल के साथ उस बटुए में रख दिया जो उन्होंने कैस्पियन को दे दिया। वह बटुआ एक पट्टे से कैस्पियन के कंधे पर इस तरह फिट हो गया जैसे स्कूल में किताबें ले जाने के लिए इस्तेमाल होने वाला थैला।
“क्या तुम्हारे पास तुम्हारी तलवार है?” डॉक्टर ने पूछा। “हां,” कैस्पियन ने कहा।
“तो फिर इस चादर को सबके ऊपर डाल दो ताकि तलवार और बटुआ दोनों छिप जाएं। ठीक है। और अब हमें महान मीनार में जाकर बात करनी होगी।”
जब वे मीनार की चोटी पर पहुँच गए (वह एक बादलों से घिरी रात थी, उस रात से बिल्कुल अलग जब उन्होंने तारवा और अलंबिल का मिलन देखा था), डॉक्टर कॉर्नेलियस ने कहा,
“प्रिय राजकुमार, आपको तुरंत इस महल को छोड़कर विशाल संसार में अपना भाग्य आजमाने जाना चाहिए। यहां आपका जीवन खतरे में है।” “क्यों?” कैस्पियन ने पूछा।
“क्योंकि आप ही नार्निया के सच्चे राजा हैं: कैस्पियन द टेन्थ, कैस्पियन द नाइन्थ के सच्चे पुत्र और उत्तराधिकारी। महाराज, आपकी आयु दीर्घायु हो”—और अचानक, कैस्पियन के बड़े आश्चर्य के बीच, उस छोटे आदमी ने एक घुटने पर बैठकर उसका हाथ चूम लिया। “इसका क्या मतलब है? मुझे समझ नहीं आ रहा,” कैस्पियन ने कहा। “मुझे आश्चर्य है कि आपने मुझसे पहले कभी नहीं पूछा,” डॉक्टर ने कहा, “कि राजा कैस्पियन के पुत्र होते हुए भी आप स्वयं राजा कैस्पियन क्यों नहीं हैं। महाराज को छोड़कर सभी जानते हैं कि मिराज एक धोखेबाज है। जब उसने शासन करना शुरू किया तो उसने राजा होने का दिखावा भी नहीं किया: उसने खुद को लॉर्ड प्रोटेक्टर

कहा। लेकिन फिर आपकी राजमाता, अच्छी रानी और एकमात्र टेल्मारिन जो मेरे प्रति दयालु थीं, का निधन हो गया। और फिर, एक-एक करके, आपके पिता को जानने वाले सभी महान सरदार मर गए या गायब हो गए। यह कोई संयोग नहीं था। मिराज ने उन्हें खत्म कर दिया। बेलिसार और उविलस को शिकार के दौरान तीरों से मार दिया गया: इसे संयोग बताया गया। उसने पासारिड्स के सभी महान घरानों को उत्तरी सीमा पर राक्षसों से लड़ने के लिए भेज दिया, जब तक कि वे एक-एक करके गिर नहीं गए। अर्लियन और एरिमन और एक दर्जन से अधिक लोगों को उसने झूठे आरोप में राजद्रोह के लिए मार डाला। बीवर्सडैम के दो भाइयों को उसने पागल समझकर कैद कर लिया। और अंत में उसने सात कुलीन सरदारों को मना लिया, जो सभी टेल्मारिनों में अकेले थे जिन्होंने वे समुद्र से डरते थे, पूर्वी महासागर के पार नई भूमि की खोज में निकल पड़े, और जैसा कि उन्होंने इरादा किया था, वे कभी वापस नहीं लौटे। और जब कोई भी ऐसा नहीं बचा जो उनकी ओर से कुछ कह सके, तब उनके चापलूसों ने (जैसा कि उन्होंने उन्हें निर्देश दिया था) उनसे राजा बनने की विनती की। और बेशक, वे राजा बन गए।
“क्या तुम्हारा मतलब है कि अब वह मुझे भी मारना चाहता है?” कैस्पियन ने कहा।
“यह लगभग निश्चित है,” डॉक्टर कॉर्नेलियस ने कहा।
“लेकिन अब क्यों?” कैस्पियन ने कहा। “मेरा मतलब है, अगर वह चाहता तो उसने बहुत पहले ऐसा क्यों नहीं किया? और मैंने उसका क्या बिगाड़ा है?”
"उन्होंने आपके बारे में अपना विचार बदल लिया है, सिर्फ दो घंटे पहले हुई एक घटना की वजह से। महारानी ने एक बेटे को जन्म दिया है।"

"मुझे नहीं लगता कि इसका इससे कोई लेना-देना है," कैस्पियन ने कहा।
“देखो मत!” डॉक्टर ने हैरानी से कहा। “क्या इतिहास और राजनीति के मेरे सारे पाठों ने तुम्हें इससे ज़्यादा कुछ नहीं सिखाया? सुनो। जब तक उसकी अपनी कोई संतान नहीं थी, तब तक वह तुम्हें अपने मरने के बाद राजा बनाने के लिए तैयार था। हो सकता है उसे तुम्हारी ज़्यादा परवाह न हो, लेकिन वह चाहता था कि सिंहासन किसी अजनबी के बजाय तुम्हें मिले। अब जब उसका अपना बेटा है, तो वह चाहेगा कि उसका अपना बेटा अगला राजा बने। तुम उसके रास्ते में आ रहे हो। वह तुम्हें रास्ते से हटा देगा।”
“क्या वह सचमुच इतना बुरा है?” कैस्पियन ने कहा। “क्या वह सचमुच मेरी हत्या कर देगा?”
“उसने तुम्हारे पिता की हत्या की,” डॉक्टर कॉर्नेलियस ने कहा। कैस्पियन को बहुत अजीब महसूस हुआ और उसने कुछ नहीं कहा। डॉक्टर ने कहा, "मैं आपको पूरी कहानी बता सकता हूँ। लेकिन अभी नहीं। समय नहीं है। आपको तुरंत उड़ान भरनी होगी।"
“तुम मेरे साथ आओगे?” कैस्पियन ने कहा।
“मैं ऐसा करने की हिम्मत नहीं कर सकता,” डॉक्टर ने कहा। “इससे आपका खतरा और बढ़ जाएगा। दो लोगों का पता लगाना एक से कहीं आसान होता है। प्रिय राजकुमार, प्रिय राजा कैस्पियन, आपको बहुत साहसी होना होगा। आपको अकेले और तुरंत जाना होगा। दक्षिणी सीमा पार करके आर्चेनलैंड के राजा नैन के दरबार में जाने की कोशिश करें। वह आपके प्रति दयालु होंगे।”
"क्या मैं तुम्हें फिर कभी नहीं देख पाऊंगा?" कैस्पियन ने कांपती हुई आवाज में कहा।

“मुझे आशा है, प्रिय महाराज,” डॉक्टर ने कहा। “महाराज के सिवा इस विशाल संसार में मेरा कौन मित्र है? और मेरे पास थोड़ी सी जादूगरी है। लेकिन फिलहाल, शीघ्रता सर्वोपरि है। आपके जाने से पहले ये दो उपहार लीजिए। ये सोने की एक छोटी थैली है—अफ़सोस, इस महल का सारा खजाना तो आपका ही होना चाहिए। और ये उससे भी कहीं बेहतर है।”
उसने कैस्पियन के हाथों में कुछ ऐसा रख दिया जिसे वह मुश्किल से देख पा रहा था, लेकिन जिसे छूकर वह समझ गया कि वह एक सींग है। “डॉक्टर कॉर्नेलियस ने कहा, “यह नार्निया का सबसे बड़ा और पवित्र खजाना है। इसे खोजने के लिए मैंने बचपन में ही कई भयानक कष्ट सहे, कई मंत्र पढ़े। यह स्वयं रानी सुसान का जादुई सींग है, जिसे वह स्वर्ण युग के अंत में नार्निया से गायब होते समय पीछे छोड़ गई थीं। कहा जाता है कि जो भी इसे बजाएगा, उसे एक अजीब सी मदद मिलेगी—कोई नहीं बता सकता कि वह कितनी अजीब होगी। हो सकता है इसमें रानी लूसी, राजा एडमंड, रानी सुसान और महाराज पीटर को अतीत से वापस बुलाने की शक्ति हो, और वे सब कुछ ठीक कर देंगे। हो सकता है कि यह स्वयं अस्लान को बुला ले। इसे ले लो, राजा कैस्पियन: लेकिन इसका उपयोग केवल अपनी सबसे बड़ी आवश्यकता के समय ही करना। और अब, जल्दी करो, जल्दी करो, जल्दी करो। टावर के बिल्कुल नीचे वाला छोटा सा दरवाजा, बगीचे में जाने वाला दरवाजा, खुला है। वहीं हमें अलग होना होगा।”
“क्या मुझे मेरा घोड़ा डेस्ट्रियर मिल सकता है?” कैस्पियन ने कहा।
"वह पहले से ही तैयार है और बाग के कोने पर आपका इंतजार कर रहा है।"

कई सुनसान रास्तों से होते हुए। अब वह पहाड़ियों की भूमि में था, ऊपर-नीचे जा रहा था, लेकिन हमेशा ऊपर की ओर ही जा रहा था। हर चोटी से वह आगे पहाड़ों को और भी बड़ा और काला होते हुए देख सकता था। जैसे-जैसे शाम ढलने लगी, वह उनकी निचली ढलानों पर सवारी कर रहा था। हवा तेज हो गई। जल्द ही मूसलाधार बारिश होने लगी। डेस्ट्रियर बेचैन हो गया; हवा में गरज सुनाई दे रही थी। और अब वे एक घने और अंतहीन से दिखने वाले चीड़ के जंगल में प्रवेश कर गए, और कैस्पियन ने पेड़ों के मनुष्य के प्रति शत्रुतापूर्ण होने के बारे में जो भी कहानियां सुनी थीं, वे सब उसके दिमाग में उमड़ आईं। उसे याद आया कि वह आखिरकार एक टेलमरीन था, उस जाति का जो जहां भी संभव हो पेड़ काटता था और सभी जंगली जीवों के साथ युद्ध में रहता था; और भले ही वह स्वयं अन्य टेल्मारिनों से भिन्न हो, पेड़ों से यह अपेक्षा नहीं की जा सकती थी कि वे यह जानते हों।

और वे भी नहीं रुके। हवा आंधी में बदल गई, चारों ओर जंगल गरजने और चरमराने लगे। तभी एक ज़ोरदार आवाज़ हुई। एक पेड़ ठीक उसके पीछे सड़क पर गिर पड़ा। "शांत रहो, डेस्ट्रियर, शांत रहो!"

कैस्पियन ने अपने घोड़े की गर्दन थपथपाते हुए कहा; लेकिन वह खुद कांप रहा था और जानता था कि वह बाल-बाल मौत से बचा है। बिजली चमकी और गरज की एक ज़ोरदार आवाज़ से ऐसा लगा जैसे आसमान दो हिस्सों में फट गया हो। डेस्ट्रियर पूरी ताकत से भागने लगा। कैस्पियन एक अच्छा घुड़सवार था, लेकिन उसमें उसे रोकने की ताकत नहीं थी। वह अपनी जगह पर बैठा रहा, लेकिन वह जानता था कि आगे आने वाले तूफानी सफर में उसकी जान खतरे में है। शाम के धुंधलके में एक के बाद एक पेड़ उनके सामने खड़े होते गए और वे बाल-बाल बचते रहे। फिर, इतनी अचानक कि दर्द महसूस होना मुश्किल था (फिर भी उसे भी दर्द हुआ) किसी चीज़ ने कैस्पियन के माथे पर प्रहार किया और वह कुछ नहीं जान पाया।

जब उसे होश आया तो वह आग की रोशनी में लेटा हुआ था, उसके हाथ-पैर चोटिल थे और सिर में तेज दर्द हो रहा था। पास ही में धीमी आवाज़ें सुनाई दे रही थीं।
“और अब,” एक ने कहा, “इससे पहले कि यह जाग उठे, हमें यह तय करना होगा कि इसके साथ क्या करना है।”
दूसरे ने कहा, "इसे मार डालो। हम इसे जीवित नहीं रहने दे सकते। यह हमें धोखा देगा।"
“हमें इसे तुरंत मार देना चाहिए था, या फिर इसे छोड़ देना चाहिए था,” तीसरी आवाज़ ने कहा। “हम इसे अभी नहीं मार सकते। इसे अंदर लाने और इसके सिर पर पट्टी बांधने के बाद तो बिल्कुल नहीं। यह एक मेहमान की हत्या करने जैसा होगा।”
कैस्पियन ने कमजोर आवाज में कहा, "सज्जनों, आप मेरे साथ जो भी करें, मुझे उम्मीद है कि आप मेरे बेचारे घोड़े के प्रति दयालु रहेंगे।"

"आपके घोड़े ने आपको ढूंढने से बहुत पहले ही भाग लिया था," पहली आवाज ने कहा - एक अजीब सी कर्कश, मिट्टी जैसी आवाज, जैसा कि कैस्पियन ने अब महसूस किया।
“अब इसकी मीठी बातों में मत फँसो,” दूसरी आवाज़ ने कहा। “मैं अब भी यही कहता हूँ—”
“सींग और हलिबट!” तीसरी आवाज़ ने कहा। “बेशक हम इसे नहीं मारेंगे। शर्म करो, निकेब्रिक। क्या कहते हो, ट्रफलहंटर? हम इसका क्या करें?”

“मैं इसे पानी पिलाऊँगा,” पहली आवाज़ आई, संभवतः ट्रफलहंटर की। एक काली आकृति बिस्तर के पास आई। कैस्पियन को लगा जैसे किसी ने धीरे से उसके कंधों के नीचे हाथ रखा हो—अगर वह सच में हाथ था तो। वह आकृति कुछ अजीब सी लग रही थी। उसकी ओर झुका हुआ चेहरा भी अजीब सा लग रहा था। उसे लगा कि वह बहुत बालों वाला और बहुत लंबी नाक वाला था, और उसके दोनों ओर अजीब से सफेद धब्बे थे। “यह किसी तरह का मुखौटा है,” कैस्पियन ने सोचा। “या शायद मुझे बुखार है और मैं यह सब कल्पना कर रहा हूँ।” एक कप भर मीठा और गर्म पेय उसके होठों से लगाया गया और उसने पी लिया। उसी क्षण, दूसरों में से एक ने आग को कुरेदा। एक तेज़ लपट उठी और अचानक रोशनी से जो चेहरा उसकी ओर देख रहा था, उसे देखकर कैस्पियन सदमे से लगभग चीख पड़ा। वह किसी इंसान का चेहरा नहीं, बल्कि एक बिज्जू का चेहरा था, हालाँकि वह पहले देखे गए किसी भी बिज्जू के चेहरे से बड़ा, मिलनसार और ज़्यादा बुद्धिमान था। और वह निश्चित रूप से बातें कर रहा था। उसने देखा कि वह एक गुफा में, झाड़ियों के बिस्तर पर लेटा हुआ था। आग के पास दो छोटे दाढ़ी वाले आदमी बैठे थे, जो डॉक्टर कॉर्नेलियस से कहीं ज़्यादा जंगली, छोटे, घने बालों वाले और मोटे थे। कैस्पियन उन्हें देखते ही असली बौने समझ बैठा, प्राचीन बौने जिनके खून में ज़रा भी इंसानी अंश नहीं था। और

कैस्पियन को आखिरकार पता चल गया कि उसे प्राचीन नार्नियावासी मिल गए हैं। तभी उसका सिर फिर से चकराने लगा।
अगले कुछ दिनों में उसने उन्हें नाम से जानना सीख लिया। बैजर का नाम ट्रफलहंटर था; वह तीनों में सबसे बूढ़ा और दयालु था। कैस्पियन को मारने की चाह रखने वाला बौना एक चिड़चिड़ा काला बौना था (अर्थात, उसके बाल और दाढ़ी काले, घने और घोड़े के बालों की तरह सख्त थे)। उसका नाम निकेब्रिक था। दूसरा बौना लाल बौना था जिसके बाल लोमड़ी जैसे थे और उसका नाम ट्रम्पकिन था।
“और अब,” कैस्पियन के ठीक होकर बैठने और बात करने लायक होने पर निकेब्रिक ने पहली शाम कहा, “हमें अभी भी इस इंसान के साथ क्या करना है, यह तय करना है। तुम दोनों सोचते हो कि मुझे इसे मारने से रोककर तुमने इस पर बहुत बड़ा एहसान किया है। लेकिन मुझे लगता है कि नतीजा यह है कि हमें इसे जीवन भर के लिए कैदी बनाकर रखना होगा। मैं इसे ज़िंदा तो बिल्कुल नहीं जाने दूँगा—कि यह अपने लोगों के पास वापस जाकर हम सबको धोखा दे।”
“बकवास! निकब्रिक,” ट्रम्पकिन ने कहा। “तुम्हें इतनी भद्दी बातें करने की क्या ज़रूरत है? इसमें उस जीव की कोई गलती नहीं है कि उसने हमारे बिल के बाहर पेड़ से अपना सिर टकराया। और मुझे नहीं लगता कि वह गद्दार जैसा दिखता है।”
कैस्पियन ने कहा, “मैंने अभी तक यह नहीं जाना है कि मैं वापस जाना चाहता हूँ या नहीं। मैं नहीं जाना चाहता। मैं तुम्हारे साथ रहना चाहता हूँ—अगर तुम मुझे रहने दो। मैं जीवन भर तुम्हारे जैसे लोगों की तलाश में रहा हूँ।”
“यह तो मनगढ़ंत कहानी है,” निकेब्रिक गुर्राया। “तुम एक टेल्मारिन और एक इंसान हो, है ना? ज़ाहिर है तुम अपने ही लोगों के पास वापस जाना चाहते हो।”

“खैर, अगर मैं ऐसा करता भी, तो भी नहीं कर पाता,” कैस्पियन ने कहा। “मैं अपनी जान बचाने के लिए उड़ रहा था जब मेरा एक्सीडेंट हुआ। राजा मुझे मारना चाहता है। अगर तुम मुझे मार देते, तो तुम ठीक वही काम करते जिससे राजा खुश होता।”
“वाह!” ट्रफलहंटर ने कहा, “ऐसा कहना तो बनता है!”
“अरे?” ट्रम्पकिन ने कहा। “ये क्या है? इंसान, तुम इस उम्र में मिराज के निशाने पर कैसे आ गए?”
"वह मेरे चाचा हैं," कैस्पियन ने कहना शुरू किया, तभी निकेब्रिक अपने खंजर पर हाथ रखकर उछल पड़ा।
“लो, तुम यहाँ हो!” वह चिल्लाया। “न केवल एक टेल्मारिन, बल्कि हमारे सबसे बड़े दुश्मन का करीबी रिश्तेदार और वारिस। क्या तुम अब भी इतने पागल हो कि इस प्राणी को ज़िंदा रहने दोगे?” अगर बैजर और ट्रम्पकिन बीच में आकर उसे वापस उसकी सीट पर न बिठाते और उसे पकड़कर न रखते, तो वह कैस्पियन को वहीं चाकू मार देता।
“अब, निकेब्रिक, हमेशा के लिए,” ट्रम्पकिन ने कहा। “क्या तुम खुद को संभाल पाओगे, या मुझे और ट्रफलहंटर को तुम्हारे सिर पर बैठना पड़ेगा?”
निकेब्रिक ने रूठकर अच्छा व्यवहार करने का वादा किया, और बाकी दोनों ने कैस्पियन से अपनी पूरी कहानी बताने को कहा। जब उसने कहानी बता दी तो कुछ पल के लिए सन्नाटा छा गया।
ट्रम्पकिन ने कहा, "यह अब तक की सबसे अजीब बात है जो मैंने सुनी है।"
“मुझे ये पसंद नहीं,” निकेब्रिक ने कहा। “मुझे नहीं पता था कि इंसानों के बीच हमारे बारे में कहानियां अभी भी सुनाई जाती हैं। जितना कम वे हमारे बारे में जानें, उतना ही अच्छा है। उस बूढ़ी नर्स की बात ही छोड़ो। उसे चुप ही रहना चाहिए था। और ये सब

उस ट्यूटर से जुड़ा हुआ है: एक बागी बौना। मुझे उनसे नफरत है। मुझे उनसे इंसानों से भी ज़्यादा नफरत है। मेरी बात याद रखना— इसका कोई अच्छा नतीजा नहीं निकलेगा।”
“निकब्रिक, तुम उन चीजों के बारे में बात मत करो जिन्हें तुम समझते नहीं हो,” ट्रफलहंटर ने कहा। “तुम बौने भी इंसानों की तरह ही भूलने वाले और बदलने वाले हो। मैं एक जानवर हूँ, और वो भी एक बेजर। हम बदलते नहीं। हम अपनी जगह पर डटे रहते हैं। मेरा मानना है कि इससे बहुत अच्छा होगा। यही है नार्निया का सच्चा राजा, जो असली नार्निया में लौट रहा है। और हम जानवर याद रखते हैं, भले ही बौने भूल जाएं, कि नार्निया कभी भी सही नहीं था सिवाय तब जब आदम का बेटा राजा था।”
“वाह! ट्रफलहंटर!” ट्रम्पकिन ने कहा। “कहीं आप देश को इंसानों को सौंपना तो नहीं चाहते?”
“मैंने इस बारे में कुछ नहीं कहा,” बैजर ने उत्तर दिया। “यह पुरुषों का देश नहीं है (मुझसे बेहतर यह कौन जान सकता है?), लेकिन यह एक ऐसा देश है जहाँ एक पुरुष राजा बन सकता है। हम बैजरों की याददाश्त इतनी अच्छी होती है कि हम यह जानते हैं। हे भगवान, क्या महान राजा पीटर एक पुरुष नहीं थे?”
“क्या आप उन सभी पुरानी कहानियों पर विश्वास करते हैं?” ट्रम्पकिन ने पूछा।
“मैं तुमसे कहता हूँ, हम जानवर बदलते नहीं हैं,” ट्रफलहंटर ने कहा। “हम भूलते नहीं हैं। मैं महाराज पीटर और केयिर पैरावल में राज करने वाले बाकी लोगों में उतना ही दृढ़ विश्वास रखता हूँ जितना कि स्वयं अस्लान में।”

“मैं कह सकता हूँ कि बिल्कुल उतना ही दृढ़ विश्वास है,” ट्रम्पकिन ने कहा। “लेकिन आजकल अस्लान में कौन विश्वास करता है?”
“हाँ,” कैस्पियन ने कहा। “और अगर मैंने पहले उस पर विश्वास नहीं किया होता, तो अब ज़रूर करूँ। मनुष्यों के बीच, जो लोग अस्लान पर हँसते थे, वे बोलने वाले जानवरों और बौनों की कहानियों पर भी हँसते होंगे। कभी-कभी मुझे आश्चर्य होता था कि क्या सच में अस्लान जैसा कोई व्यक्ति था: लेकिन फिर कभी-कभी मुझे आश्चर्य होता था कि क्या सच में तुम्हारे जैसे लोग भी थे। फिर भी, तुम यहाँ हो।”
“बिल्कुल सही,” ट्रफलहंटर ने कहा। “आप सही कह रहे हैं, राजा कैस्पियन। और जब तक आप पुराने नार्निया के प्रति वफादार रहेंगे, आप मेरे राजा रहेंगे, चाहे लोग कुछ भी कहें। महाराज, आपकी आयु दीर्घायु हो।”
“बैजर, तुम मुझे बीमार कर देते हो,” निकेब्रिक गुर्राया। “हाई किंग पीटर और बाकी लोग भले ही इंसान रहे हों, लेकिन वे अलग तरह के इंसान थे। यह शापित टेलमारिन में से एक है। इसने खेल-खेल में जानवरों का शिकार किया है। क्या तुमने नहीं किया?” उसने अचानक कैस्पियन की ओर मुड़ते हुए कहा।
“सच कहूँ तो, मैंने देखा है,” कैस्पियन ने कहा। “लेकिन वे बोलने वाले जानवर नहीं थे।”
"यह सब एक ही बात है," निकेब्रिक ने कहा।
“नहीं, नहीं, नहीं,” ट्रफलहंटर ने कहा। “तुम जानते हो कि ऐसा नहीं है। तुम अच्छी तरह जानते हो कि आजकल नार्निया के जानवर अलग हैं और कैलोर्मेन या तेलमार में पाए जाने वाले बेचारे, मंदबुद्धि, बुद्धिहीन प्राणियों से ज़्यादा कुछ नहीं हैं। वे

आकार में भी छोटे हैं। वे हमसे उतने ही अलग हैं जितना कि आधे बौने तुमसे अलग हैं।”
और भी बहुत सारी बातें हुईं, लेकिन अंत में यह सहमति बनी कि कैस्पियन को यहीं रहना चाहिए और यह वादा भी किया गया कि जैसे ही वह बाहर जाने लायक होगा, उसे ट्रम्पकिन द्वारा "अन्य" कहे जाने वाले जीवों को दिखाने के लिए ले जाया जाएगा; क्योंकि जाहिर तौर पर इन जंगली इलाकों में नार्निया के पुराने दिनों के सभी प्रकार के जीव अभी भी छिपे हुए रहते हैं।

छह

जो लोग रहते थे
छिपना

अब कैस्पियन के जीवन के सबसे सुखद पल शुरू हुए। एक सुहावनी गर्मी की सुबह, जब घास पर ओस की बूँदें थीं, वह बिज्जू और दो बौनों के साथ जंगल से होते हुए पहाड़ों की एक ऊँची दर्रे तक गया और फिर उनकी धूप से भरी दक्षिणी ढलानों पर उतरा, जहाँ से आर्चेनलैंड के हरे-भरे मैदानों का मनोरम दृश्य दिखाई देता था। ट्रम्पकिन ने कहा, "हम सबसे पहले थ्री बल्गी बेयर्स जाएंगे।" वे एक खुले मैदान में पहुँचे जहाँ एक पुराना, खोखला, काई से ढका ओक का पेड़ था। ट्रफलहंटर ने अपने पंजे से पेड़ के तने पर तीन बार थपथपाया, लेकिन कोई प्रतिक्रिया नहीं हुई। फिर उसने दोबारा थपथपाया और अंदर से एक ऊनी सी आवाज़ आई, “चले जाओ। अभी उठने का समय नहीं हुआ है।” लेकिन जब उसने तीसरी बार थपथपाया, तो अंदर से एक छोटे भूकंप जैसी आवाज़ आई और एक दरवाज़ा खुला और उसमें से तीन भूरे भालू निकले, जो बहुत मोटे-ताज़े थे और अपनी छोटी-छोटी आँखें झपका रहे थे। जब उन्हें सब कुछ समझाया गया (जिसमें बहुत समय लगा क्योंकि वे बहुत नींद में थे), तो उन्होंने भी ट्रफलहंटर की ही तरह कहा कि आदम के पुत्र को नार्निया का राजा होना चाहिए। उन्होंने कैस्पियन को चूमा—बहुत गीले और नाक से निकलने वाले चुंबन—और उसे थोड़ा शहद दिया। कैस्पियन को सुबह के उस समय बिना रोटी के शहद की ज़रूरत नहीं थी, लेकिन उसने शिष्टाचारवश शहद स्वीकार कर लिया। उसके बाद उसे चिपचिपाहट से छुटकारा पाने में बहुत समय लगा।

उसके बाद वे चलते रहे और ऊँचे-ऊँचे बीच के पेड़ों के बीच पहुँच गए। तभी ट्रफलहंटर ने पुकारा, “पैटर्टविग! पैटर्टविग! पैटर्टविग!” और लगभग तुरंत ही, एक डाल से दूसरी डाल पर कूदते हुए, उनके सिर के ठीक ऊपर, एक शानदार लाल गिलहरी आ गई, जिसे कैस्पियन ने पहले कभी नहीं देखा था। वह महल के बगीचों में कभी- कभार दिखने वाली साधारण गूंगी गिलहरियों से कहीं बड़ी थी; वास्तव में वह लगभग एक टेरियर कुत्ते के आकार की थी और जैसे ही आप उसके चेहरे को देखते, आपको पता चल जाता कि वह बोल सकती है। वास्तव में, उसे चुप कराना मुश्किल था, क्योंकि सभी गिलहरियों की तरह वह भी बहुत बकबक करती थी। उसने तुरंत कैस्पियन का स्वागत किया और पूछा कि क्या वह अखरोट खाना चाहेगा। कैस्पियन ने धन्यवाद कहा। लेकिन जैसे ही पैटर्टविग अखरोट लाने के लिए उछलती हुई गई, ट्रफलहंटर ने कैस्पियन के कान में फुसफुसाया, “मत देखो। दूसरी तरफ देखो। गिलहरियों में किसी को अखरोट लाते हुए देखना या यह जानने की कोशिश करना कि अखरोट कहाँ है, बहुत बुरी बात मानी जाती है।” फिर पैटरट्विग अखरोट लेकर लौटा और कैस्पियन ने उसे खा लिया। इसके बाद पैटरट्विग ने पूछा कि क्या वह अपने कुछ दोस्तों

को संदेश दे सकता है। उसने कहा, "मैं बिना ज़मीन पर पैर रखे लगभग हर जगह जा सकता हूँ।" ट्रफलहंटर और बौनों को यह विचार बहुत अच्छा लगा और उन्होंने पैटरट्विग को अजीब नामों वाले कई लोगों को संदेश दिए, जिसमें उन्हें तीन रात बाद आधी रात को डांसिंग लॉन में होने वाली दावत और सभा में आने के लिए कहा गया था। ट्रम्पकिन ने आगे कहा, "और तुम उन तीनों बुल्गीज़ को भी बता देना। हम उन्हें बताना भूल गए थे।"

उनकी अगली यात्रा काँपते जंगल के सात भाइयों के पास थी। ट्रम्पकिन आगे-आगे घोड़े पर सवार होकर पहाड़ों की उत्तरी ढलान पर पूर्व दिशा में तब तक चलता रहा जब तक कि वे चट्टानों और देवदार के पेड़ों के बीच एक बेहद शांत जगह पर नहीं पहुँच गए। वे चुपचाप चलते रहे और थोड़ी देर बाद कैस्पियन को अपने पैरों के नीचे ज़मीन हिलती हुई महसूस हुई, मानो नीचे कोई हथौड़ा चला रहा हो। ट्रम्पकिन एक चपटे पत्थर के पास गया, जो पानी के टैंक के ऊपरी हिस्से जितना बड़ा था, और उस पर अपना पैर पटका। कुछ देर बाद, नीचे किसी ने उसे हिला दिया, और वहाँ एक गोल, गहरा छेद था

निगाहों से देखा, लेकिन अंत में उनमें से सबसे बड़े ने कहा, "अगर वह मिराज के खिलाफ है, तो हम उसे राजा बना देंगे।" और उससे थोड़ा बड़ा बौना बोला, "क्या हम आपके लिए और ऊपर, चट्टानों तक चलें? वहाँ एक-दो राक्षस और एक चुड़ैल हैं जिनसे हम आपको मिलवा सकते हैं।"
“बिल्कुल नहीं,” कैस्पियन ने कहा।
“मुझे तो ऐसा नहीं लगता,” ट्रफलहंटर ने कहा। “हमें इस तरह का कोई भी अपने साथ नहीं चाहिए।” निकेब्रिक इससे असहमत था, लेकिन ट्रम्पकिन और बैजर ने उसकी बात नहीं मानी। कैस्पियन को यह जानकर गहरा सदमा लगा कि पुरानी कहानियों के भयानक जीवों के साथ-साथ अच्छे जीवों के भी कुछ वंशज आज भी नार्निया में मौजूद हैं। "अगर हम उस भीड़ को अंदर ले आते तो अस्लान हमारा मित्र नहीं होता," ट्रफलहंटर ने काले बौनों की गुफा से बाहर आते हुए कहा। “ओह, अस्लान!” ट्रम्पकिन ने प्रसन्नतापूर्वक लेकिन तिरस्कारपूर्ण ढंग से कहा। “ज्यादा महत्वपूर्ण बात यह है कि तुम मुझे स्वीकार नहीं करोगे।”
“क्या तुम अस्लान में विश्वास करते हो?” कैस्पियन ने निकेब्रिक से कहा।
निकेब्रिक ने कहा, "मैं किसी पर भी या किसी भी चीज़ पर विश्वास करूँगा, जो इन शापित तेलमरीन बर्बरों को टुकड़े-टुकड़े कर दे या उन्हें नार्निया से बाहर निकाल दे। कोई भी या कुछ भी, अस्लान या श्वेत चुड़ैल, क्या तुम समझते हो?"
“चुप रहो, चुप रहो,” ट्रफलहंटर ने कहा। “तुम्हें पता नहीं तुम क्या कह रहे हो। वह मिराज और उसके पूरे वंश से भी बदतर दुश्मन थी।”
"वह बौनों के लिए नहीं थी," निकेब्रिक ने कहा।

उनकी अगली यात्रा अधिक सुखद रही। जैसे-जैसे वे नीचे उतरते गए, पहाड़ एक विशाल घाटी या घने जंगलों वाली खाई में खुलते गए, जिसके तल पर एक तेज़ बहती नदी थी। नदी के किनारे के खुले मैदान फॉक्सग्लोव और जंगली गुलाबों से भरे हुए थे और हवा मधुमक्खियों की भिनभिनाहट से गूंज रही थी। यहाँ ट्रफलहंटर ने फिर से पुकारा, “ग्लेनस्टॉर्म! ग्लेनस्टॉर्म!” और कुछ देर बाद कैस्पियन को घोड़ों के खुरों की आवाज़ सुनाई दी। आवाज़ तेज़ होती गई, यहाँ तक कि घाटी कांप उठी और अंत में, घनी झाड़ियों को तोड़ते और रौंदते हुए, कैस्पियन के सामने अब तक के सबसे महान प्राणी प्रकट हुए - महान सेंटॉर ग्लेनस्टॉर्म और उनके तीन पुत्र। उनके पार्श्व चमकीले भूरे रंग के थे और उनकी चौड़ी छाती पर फैली दाढ़ी सुनहरे-लाल रंग की थी। वे एक भविष्यवक्ता और ज्योतिषी थे और जानते थे कि वे किस उद्देश्य से आए हैं।
“राजा अमर रहें!” उसने पुकारा। “मैं और मेरे पुत्र युद्ध के लिए तैयार हैं। युद्ध कब शुरू होगा?”
अब तक न तो कैस्पियन और न ही बाकी लोग युद्ध के बारे में सोच रहे थे। शायद उनके मन में कभी-कभार किसी मानव फार्म पर छापा मारने या शिकारियों के किसी दल पर हमला करने का हल्का-फुल्का विचार था, अगर वे दक्षिणी जंगलों में बहुत दूर तक घुस आते। लेकिन, मुख्य रूप से, वे केवल जंगलों और गुफाओं में अकेले रहने और छिपकर पुराने नार्निया को बसाने की योजना बनाने के बारे में सोच रहे थे। ग्लेनस्टॉर्म के बोलते ही सब लोग बहुत गंभीर हो गए। "क्या तुम्हारा मतलब मिराज को नार्निया से बाहर निकालने के लिए एक वास्तविक युद्ध से है?" कैस्पियन ने पूछा।
“और क्या?” सेंटॉर ने कहा। “महाराज, आप कवच और तलवार लेकर क्यों चलते हैं?”

“क्या यह संभव है, ग्लेनस्टॉर्म?” बैजर ने कहा।
“समय आ गया है,” ग्लेनस्टॉर्म ने कहा। “मैं आकाश पर नज़र रखता हूँ, बैजर, क्योंकि यह मेरा कर्तव्य है, और यह तुम्हारा कर्तव्य है याद रखने का। तारवा और अलम्बिल स्वर्ग के उच्च कक्षों में मिल चुके हैं, और पृथ्वी पर आदम का एक पुत्र एक बार फिर शासन करने और प्राणियों का नामकरण करने के लिए उठ खड़ा हुआ है। समय आ गया है। डांसिंग लॉन में हमारी सभा युद्ध सभा होनी चाहिए।” उसने ऐसी आवाज़ में कहा कि न तो कैस्पियन और न ही अन्य लोग एक पल के लिए भी हिचकिचाए: अब उन्हें यह पूरी तरह संभव लग रहा था कि वे युद्ध जीत सकते हैं और यह पूरी तरह निश्चित था कि उन्हें युद्ध लड़ना ही होगा।
चूंकि अब दोपहर का समय बीत चुका था, इसलिए उन्होंने सेंटॉरों के साथ विश्राम किया और सेंटॉरों द्वारा उपलब्ध कराए गए भोजन - जई के आटे के केक, सेब, जड़ी-बूटियाँ, शराब और पनीर - का सेवन किया। अगली जगह जहाँ उन्हें जाना था, वह काफी पास ही थी, लेकिन उन्हें मनुष्यों के निवास वाले क्षेत्र से बचने के लिए लंबा चक्कर लगाना पड़ा। दोपहर ढलने के काफी बाद वे समतल खेतों में पहुँचे, जहाँ झाड़ियों के बीच गर्म वातावरण था। वहाँ ट्रफलहंटर ने एक हरे-भरे टीले में बने एक छोटे से छेद के मुँह पर आवाज़ लगाई और कैस्पियन को वह चीज़ दिखाई दी जिसकी उसे बिल्कुल उम्मीद नहीं थी—एक बोलने वाला चूहा। वह आम चूहों से बड़ा था, अपने पिछले पैरों पर खड़े होने पर एक फुट से भी अधिक ऊँचा था, और उसके कान लगभग खरगोश जितने लंबे (हालांकि उससे चौड़े) थे। उसका नाम रीपीचीप था और वह एक हंसमुख और योद्धा चूहा था। उसने अपनी कमर पर एक छोटी सी तलवार बाँध रखी थी और अपनी लंबी मूंछों को ऐसे घुमा रहा था जैसे वे उसकी मूंछें हों। "महाराज, हम बारह हैं,"

उसने एक शानदार और सलीके से झुककर कहा, "और मैं अपने लोगों के सभी संसाधनों को आपके लिए निःसंकोच समर्पित करता हूँ।" कैस्पियन ने अपनी हंसी रोकने की पूरी कोशिश की (और वह इसमें सफल भी रहा), लेकिन वह यह सोचे बिना नहीं रह सका कि रीपीचीप और उसके सभी लोगों को बहुत आसानी से एक कपड़े धोने की टोकरी में डालकर पीठ पर लादकर घर ले जाया जा सकता है।
उस दिन कैस्पियन जिन-जिन जीवों से मिला, उन सभी का ज़िक्र करना बहुत लंबा हो जाएगा—क्लॉड्सली शोवेल तिल, तीन हार्डबाइटर (जो ट्रफलहंटर जैसे बिज्जू थे), कैमिलो खरगोश और हॉगलस्टॉक हेजहॉग। अंत में वे घास के एक चौड़े और समतल घेरे के किनारे एक कुएँ के पास आराम करने के लिए रुके, जिसके चारों ओर ऊँचे-ऊँचे एल्म के पेड़ थे, जिनकी लंबी छायाएँ उस पर पड़ रही थीं, क्योंकि सूरज डूब रहा था, डेज़ी के फूल मुरझा रहे थे और कौवे अपने घर सोने के लिए उड़ रहे थे। यहाँ उन्होंने अपने साथ लाया हुआ भोजन खाया और ट्रम्पकिन ने अपनी पाइप जलाई (निकब्रिक धूम्रपान नहीं करता था)।
“अब,” बैजर ने कहा, “अगर हम इन पेड़ों और इस कुएं की आत्माओं को जगा सकें, तो हमारा आज का काम अच्छा हो जाएगा।”
“क्या हम नहीं कर सकते?” कैस्पियन ने कहा।
“नहीं,” ट्रफलहंटर ने कहा। “उन पर हमारा कोई अधिकार नहीं है। जब से मनुष्य इस भूमि पर आए हैं, जंगलों को काट रहे हैं और नदियों को प्रदूषित कर रहे हैं, तब से ड्रायड्स और नाइएड्स गहरी नींद में सो गए हैं। कौन जानता है कि वे कभी जागेंगे भी या नहीं? और यह हमारे पक्ष के लिए बहुत बड़ा नुकसान है। टेल्मारिन्स जंगलों से बुरी तरह डरते हैं, और अगर एक बार पेड़ गुस्से में हिलने लगे,

तो हमारे दुश्मन डर से पागल हो जाएंगे और जितनी जल्दी हो सके नारनिया से भाग जाएंगे।”

“तुम जानवरों की क्या-क्या कल्पनाएँ हैं!” ट्रम्पकिन ने कहा, जो ऐसी बातों में विश्वास नहीं करता था। “लेकिन पेड़ों और पानी तक ही क्यों रुकें? क्या यह और भी अच्छा नहीं होगा अगर पत्थर खुद ही बूढ़े मिराज पर गिरने लगें?”
इस पर बैजर ने बस गुर्राया, और उसके बाद इतना सन्नाटा छा गया कि कैस्पियन लगभग सो ही गया था कि तभी उसे लगा कि उसके पीछे जंगल की गहराई से कोई हल्की संगीतमय ध्वनि सुनाई दे रही है। फिर उसने सोचा कि यह सिर्फ एक सपना था और करवट बदल ली; लेकिन जैसे ही उसका कान ज़मीन पर पड़ा, उसे हल्की सी थपथपाहट या ढोल की आवाज़ सुनाई दी (यह कहना मुश्किल था कि क्या था)। उसने अपना सिर उठाया। थपथपाहट की आवाज़ तुरंत धीमी हो गई, लेकिन संगीत फिर से सुनाई दिया, इस बार और भी स्पष्ट। यह बांसुरी जैसी थी। उसने देखा कि ट्रफलहंटर जंगल की ओर देखते हुए बैठा था। चाँद चमकीला था; कैस्पियन जितना सोच रहा था उससे कहीं ज़्यादा देर तक सोया था।

संगीत धीरे-धीरे पास आता गया, एक जंगली और फिर भी स्वप्निल धुन, और कई हल्के कदमों की आवाज़, जब तक कि अंत में, जंगल से चाँदनी में, नाचती हुई आकृतियाँ दिखाई दीं, वैसी ही जैसी कैस्पियन ने अपने पूरे जीवन में सोची थीं। वे बौनों से ज़्यादा लंबे नहीं थे, लेकिन कहीं ज़्यादा पतले और सुंदर थे। उनके घुंघराले सिरों पर छोटे-छोटे सींग थे, उनके शरीर का ऊपरी हिस्सा हल्की रोशनी में नंगा चमक रहा था, लेकिन उनके पैर और पंजे बकरियों के थे। “फॉन्स!” कैस्पियन उछलते हुए चिल्लाया, और पल भर में वे सब उसके चारों ओर जमा हो गए। उन्हें पूरी बात समझाने में ज़रा भी समय नहीं लगा और उन्होंने कैस्पियन को तुरंत स्वीकार कर लिया। उसे पता भी नहीं चला कि वह क्या कर रहा है और उसने खुद को नाच में शामिल पाया। ट्रम्पकिन भी भारी और झटकेदार हरकतों के साथ नाचने लगा और यहाँ तक कि ट्रफलहंटर भी अपनी पूरी कोशिश से उछल-कूद और लड़खड़ाते हुए नाचने लगा। केवल निकेब्रिक ही अपनी जगह पर चुपचाप देखता रहा। फॉन्स अपनी बांसुरी की थाप पर कैस्पियन के चारों ओर नाचने लगे। उनके अजीब चेहरे, जो एक साथ उदास और खुश लग रहे थे, उसकी ओर देख रहे थे; दर्जनों फॉन्स, मेंटियस, ओबेंटिनस, डम्नस, वोलुन्स, वोल्टिनस, गिर्बियस, निमिएनस, नौसस और ऑस्कन्स। पैटरट्विग ने उन सबको भेजा था।
अगली सुबह जब कैस्पियन जागा तो उसे मुश्किल से ही विश्वास हो रहा था कि यह सब सपना नहीं था; बल्कि घास पर छोटे-छोटे खुरों के निशान बिखरे हुए थे।

सात

पुराना नार्निया खतरे में है

जिस स्थान पर उनकी मुलाकात फॉन्स से हुई थी, वह निश्चित रूप से डांसिंग लॉन ही था, और यहीं कैस्पियन और उसके मित्र महान परिषद की रात तक ठहरे रहे। तारों के नीचे सोना, केवल कुएँ का पानी पीना और मुख्य रूप से मेवे और जंगली फल खाकर जीवन यापन करना, कैस्पियन के लिए एक अनोखा अनुभव था, क्योंकि वह महल में रेशमी चादरों वाले एक सुंदर कमरे में सोता था, उसके सामने सोने और चांदी की थालियों में भोजन परोसा जाता था और सेवक उसकी हर आज्ञा का पालन करते थे। लेकिन उसने इतना आनंद पहले कभी नहीं लिया था। उसकी नींद इतनी ताजगी भरी कभी नहीं थी और न ही भोजन इतना स्वादिष्ट लगा था, और वह पहले से ही मजबूत होता जा रहा था और उसके चेहरे पर एक शाही आभा आ रही थी।
जब वह भयानक रात आई और उसके अनेक विचित्र साथी एक-एक करके, दो-दो करके, तीन-तीन करके, छह-सात करके मैदान में आने लगे—चाँद लगभग पूरी तरह चमक रहा था—उनकी संख्या देखकर और उनका अभिवादन सुनकर

उसका हृदय आनंद से भर उठा। वे सभी वहाँ मौजूद थे जिनसे वह मिल चुका था: बल्गी भालू, लाल बौने और काले बौने, छछूंदर और बिज्जू, खरगोश और हेजहॉग, और अन्य जिन्हें उसने अभी तक नहीं देखा था— लोमड़ियों जैसे लाल पाँच सैटायर, पूरी तरह से हथियारों से लैस, एक तीखी तुरही की आवाज के पीछे चलने वाले बात करने वाले चूहों का पूरा दल, कुछ उल्लू, रेवेन्सकॉर का बूढ़ा कौआ। अंत में (और यह देखकर कैस्पियन दंग रह गया), सेंटॉर के साथ एक छोटा लेकिन असली दानव, डेडमैन्स हिल का विंबलवेदर आया, जो अपनी पीठ पर समुद्र में सफर करने से बीमार बौनों से भरी एक टोकरी लिए हुए था, जिन्होंने उसकी लिफ्ट स्वीकार कर ली थी और अब पछता रहे थे कि काश वे पैदल ही चले होते।
बल्गी भालू पहले दावत करना चाहते थे और परिषद को बाद के लिए टालना चाहते थे: शायद कल के लिए। रीपीचीप और उसके चूहों ने कहा कि परिषद और दावत दोनों इंतज़ार कर सकते हैं, और उन्होंने उसी रात मिराज के किले पर हमला करने का प्रस्ताव रखा। पैटरट्विग और अन्य गिलहरियों ने कहा कि वे एक ही समय में बात और खाना खा सकते हैं, तो परिषद और दावत एक साथ क्यों न कर ली जाए? छछूंदरों ने कुछ भी करने से पहले लॉन के चारों ओर खाइयाँ खोदने का प्रस्ताव रखा। फ़ॉनों ने सोचा कि एक गंभीर नृत्य से शुरुआत करना बेहतर होगा। बूढ़ा कौआ, भालुओं से सहमत होते हुए कि रात के खाने से पहले पूरी परिषद करने में बहुत समय लगेगा, पूरी मंडली को एक संक्षिप्त भाषण देने की अनुमति देने का अनुरोध किया। लेकिन कैस्पियन, सेंटॉर और बौनों ने इन सभी सुझावों को खारिज कर दिया और तुरंत एक वास्तविक युद्ध परिषद आयोजित करने पर जोर दिया। जब बाकी सभी जीव एक बड़े घेरे में चुपचाप बैठ गए, और जब (बड़ी मुश्किल से) पैटरट्विग को इधर-उधर दौड़ने और "चुप रहो! सब लोग

चुप रहो, राजा के भाषण के लिए" कहने से रोका गया, तब कैस्पियन थोड़ा घबराकर खड़ा हो गया। "नार्नियन!" उसने बोलना शुरू किया, लेकिन वह आगे कुछ कह नहीं पाया, क्योंकि ठीक उसी क्षण खरगोश कैमिलो ने कहा, "चुप रहो! आस-पास कहीं कोई आदमी है।"
वे सभी जंगली जीव थे, शिकार होने के आदी थे, और वे सभी मूर्ति की तरह स्थिर हो गए। सभी जानवरों ने अपनी नाक उस दिशा में घुमा ली जिस ओर कैमिलो ने इशारा किया था।
"इसमें इंसान जैसी गंध आती है, फिर भी यह पूरी तरह से इंसान जैसी नहीं है," ट्रफलहंटर ने फुसफुसाते हुए कहा।
कैमिलो ने कहा, "यह लगातार नजदीक आ रहा है।"
"दो बिज्जू और तुम तीनों बौने, अपने धनुष तैयार करके, चुपचाप उसका सामना करने के लिए निकल पड़ो," कैस्पियन ने कहा।
“हम इसका निपटारा कर लेंगे,” एक काले बौने ने गंभीर स्वर में कहा, और अपने धनुष की डोरी में एक बाण लगा दिया।
कैस्पियन ने कहा, "अगर वह अकेला हो तो गोली मत चलाओ। उसे पकड़ो।" “क्यों?” बौने ने पूछा।
"जैसा कहा जाए वैसा करो," सेंटॉर ग्लेनस्टॉर्म ने कहा।
सभी चुपचाप इंतज़ार कर रहे थे, तभी तीन बौने और दो बिज्जू चुपके से लॉन के उत्तर-पश्चिम की ओर पेड़ों की तरफ बढ़ गए। तभी एक तेज़ बौने की चीख सुनाई दी, “रुको! वहाँ कौन है?” और अचानक एक छलांग लगी। कुछ ही देर बाद एक आवाज़ सुनाई दी, जिसे कैस्पियन अच्छी तरह जानता था, “ठीक है, ठीक है, मैं निहत्था हूँ। अगर चाहो तो मेरी कलाई पकड़ लो, हे वीर बिज्जू, लेकिन उन्हें पूरी तरह से मत काटो। मैं राजा से बात करना चाहता हूँ।”

“डॉक्टर कॉर्नेलियस!” कैस्पियन ने खुशी से चिल्लाते हुए कहा और अपने पुराने शिक्षक का अभिवादन करने के लिए दौड़ पड़ा। बाकी सभी लोग उसके चारों ओर जमा हो गए।
“पाह!” निकेब्रिक ने कहा। “एक बागी बौना! आधा-आधा! क्या मैं अपनी तलवार इसके गले में घुसा दूं?”
“चुप रहो, निकेब्रिक,” ट्रम्पकिन ने कहा। “यह प्राणी अपने वंश को बदल नहीं सकता।”
“यह मेरा सबसे सच्चा दोस्त और मेरे जीवन का रक्षक है,” कैस्पियन ने कहा। “और जिसे भी इसकी संगति पसंद नहीं है, वह तुरंत मेरी

सेना छोड़ दे। प्यारे डॉक्टर, आपसे दोबारा मिलकर मुझे बहुत खुशी हुई। आपको हमारे बारे में कैसे पता चला?”
“महाराज, बस थोड़ी सी साधारण जादूगरी से,” डॉक्टर ने कहा, जो तेज़ चलने के कारण अभी भी हाँफ रहे थे। “लेकिन अभी इस बारे में बात करने का समय नहीं है। हम सबको तुरंत यहाँ से भागना होगा। आप पहले ही धोखा खा चुके हैं और मिराज हरकत में है। कल दोपहर से पहले आप घिर जाएँगे।”
“धोखा!” कैस्पियन ने कहा। “और किसने धोखा दिया?”
"निस्संदेह, एक और बागी बौना," निकेब्रिक ने कहा।
“तुम्हारे घोड़े डेस्ट्रियर की कसम,” डॉक्टर कॉर्नेलियस ने कहा। “बेचारे को कुछ पता ही नहीं था। जब तुम गिरे, तो ज़ाहिर है, वो महल में अपने अस्तबल की ओर धीरे-धीरे वापस चला गया। फिर तुम्हारे भागने का राज़ खुल गया। मैं वहाँ से भाग निकला, क्योंकि मैं मिराज के यातना कक्ष में इस बारे में पूछताछ नहीं चाहता था। मुझे अपने क्रिस्टल से अंदाज़ा था कि तुम कहाँ मिलोगे। लेकिन पूरे दिन—परसों—मैंने मिराज के खोजी दल को जंगल में देखा। कल मुझे पता चला कि उसकी सेना बाहर है। मुझे नहीं लगता कि तुम्हारे कुछ—उम—शुद्ध रक्त वाले बौनों में उतनी जंगल की जानकारी है जितनी उम्मीद की जा सकती है। तुमने हर जगह निशान छोड़े हैं। बड़ी लापरवाही। खैर, किसी चीज़ ने मिराज को चेतावनी दे दी है कि पुराना नार्निया उतना मृत नहीं है जितना उसने सोचा था, और वह हरकत में है।”
डॉक्टर के पैरों के पास से कहीं से एक तीखी और धीमी आवाज़ आई, “हुर्रे! उन्हें आने दो! मेरी बस यही विनती है कि राजा मुझे और मेरे लोगों को सबसे आगे रखें।”

“ये क्या हो रहा है?” डॉक्टर कॉर्नेलियस ने कहा। “महाराज, क्या आपकी सेना में टिड्डे—या मच्छर—शामिल हैं?” फिर झुककर और अपने चश्मे से ध्यान से देखते हुए, वे ज़ोर से हंस पड़े।
“शेर की कसम,” उसने कसम खाते हुए कहा, “यह एक चूहा है। महामहिम चूहे, मैं आपसे और अधिक परिचित होना चाहता हूँ। इतने वीर प्राणी से मिलकर मैं सम्मानित महसूस कर रहा हूँ।”
“हे विद्वान मनुष्य, मेरी मित्रता आपको मिलेगी,” रीपीचीप ने मधुर स्वर में कहा। “और सेना में जो भी बौना—या दानव—आपसे अच्छी भाषा में बात नहीं करेगा, उसे मेरी तलवार का सामना करना पड़ेगा।”
“क्या इस मूर्खता के लिए समय है?” निकेब्रिक ने पूछा। “हमारी योजना क्या है? युद्ध करें या भाग जाएं?”
ट्रम्पकिन ने कहा, "जरूरत पड़ने पर लड़ाई लड़ेंगे। लेकिन हम अभी इसके लिए तैयार नहीं हैं, और यह कोई बहुत सुरक्षित जगह नहीं है।" कैस्पियन ने कहा, "मुझे भाग जाने का विचार पसंद नहीं है।"
“उसकी बात सुनो! उसकी बात सुनो!” बल्गी भालुओं ने कहा। “चाहे कुछ भी हो जाए, दौड़ना मत। खासकर रात के खाने से पहले तो बिल्कुल नहीं; और उसके तुरंत बाद भी नहीं।”
“जो पहले दौड़ते हैं, वे हमेशा आखिरी नहीं होते,” सेंटॉर ने कहा। “और हमें दुश्मन को अपनी स्थिति चुनने देने के बजाय खुद क्यों चुनना चाहिए? चलो एक मजबूत जगह खोजते हैं।”
"यह बुद्धिमानी है, महाराज, यह बुद्धिमानी है," ट्रफलहंटर ने कहा।
“लेकिन हम कहाँ जाएँगे?” कई आवाजों ने पूछा।
“महाराज,” डॉक्टर कॉर्नेलियस ने कहा, “और आप सभी विविध प्राणियों, मुझे लगता है कि हमें पूर्व की ओर उड़कर नदी के

किनारे-किनारे विशाल जंगलों की ओर जाना चाहिए। टेल्मारिन उस क्षेत्र से घृणा करते हैं। वे हमेशा से समुद्र और समुद्र से आने वाली किसी भी चीज़ से भयभीत रहे हैं। इसीलिए उन्होंने विशाल जंगलों को बढ़ने दिया है। यदि परंपराएँ सत्य हैं, तो प्राचीन कैर पैरावल नदी के मुहाने पर स्थित था। वह सारा क्षेत्र हमारे लिए मित्रवत है और हमारे शत्रुओं के लिए घृणास्पद है। हमें अस्लान के हाउ की ओर जाना होगा।”
कई आवाजों ने कहा, "असलान का 'कैसे'? हमें नहीं पता कि यह क्या है।"
“यह विशाल जंगलों की तलहटी में स्थित है और यह एक बहुत बड़ा टीला है जिसे नारनियों ने बहुत प्राचीन काल में एक जादुई स्थान पर बनाया था, जहाँ एक जादुई पत्थर खड़ा था—और शायद अभी भी खड़ा है। टीला अंदर से खोखला है और उसमें कई सुरंगें और गुफाएँ बनी हुई हैं, और वह पत्थर सबसे बीच वाली गुफा में है। टीले में हमारे सभी सामान रखने की जगह है, और हममें से जिन्हें सबसे ज़्यादा आश्रय की ज़रूरत है और जो भूमिगत जीवन के सबसे ज़्यादा आदी हैं, वे गुफाओं में रह सकते हैं। बाकी हम सब जंगल में रह सकते हैं। ज़रूरत पड़ने पर हम सभी (इस वीर दानव को छोड़कर) टीले के अंदर जा सकते हैं, और वहाँ हम अकाल को छोड़कर हर खतरे से सुरक्षित रहेंगे।”
“अच्छा हुआ कि हमारे बीच एक विद्वान व्यक्ति है,” ट्रफलहंटर ने कहा; लेकिन ट्रम्पकिन ने मन ही मन बुदबुदाया, “सूप और अजवाइन! काश हमारे नेता इन पुरानी कहावतों पर कम और भोजन और हथियारों पर ज़्यादा ध्यान देते।” लेकिन सभी ने कॉर्नेलियस के प्रस्ताव को स्वीकार कर लिया और उसी रात, आधे घंटे बाद, वे चल पड़े। सूर्योदय से पहले वे अस्लान्स हाउ पहुँच गए।

उसे, अधिकांश बौनों के साथ, भोर होते ही राजा के दाहिने हिस्से पर हमला करना था, और फिर, जब वे भयंकर लड़ाई में उलझे होते, तो विशालकाय विंबलवेदर, सेंटॉर और कुछ सबसे खूंखार जानवरों के साथ, किसी दूसरी जगह से निकलकर राजा के दाहिने हिस्से को बाकी सेना से अलग करने की कोशिश करता। लेकिन यह सब नाकाम हो गया। किसी ने भी कैस्पियन को चेतावनी नहीं दी थी (क्योंकि नार्निया के इन बाद के दिनों में किसी को भी याद नहीं था) कि विशालकाय बिल्कुल भी चालाक नहीं होते। बेचारा विंबलवेदर, हालांकि शेर की तरह बहादुर था, लेकिन इस मामले में वह सचमुच एक विशालकाय था। वह गलत समय पर और गलत जगह से निकला था, और उसके दल और कैस्पियन के दल दोनों को भारी नुकसान हुआ और दुश्मन को कुछ खास क्षति नहीं पहुंचा सका। भालुओं में से सर्वश्रेष्ठ घायल हो गया था, एक सेंटॉर बुरी तरह से जख्मी हो गया था, और कैस्पियन के दल में शायद ही कोई ऐसा बचा था जिसका खून न बहा हो। रिसते हुए पेड़ों के नीचे इकट्ठा होकर अपना थोड़ा सा भोजन करने वाले उस दल का माहौल उदास था।

सबसे उदास था विशालकाय विंबलवेदर। उसे पता था कि यह सब उसकी गलती है। वह चुपचाप बैठा बड़े-बड़े आँसू बहा रहा था जो उसकी नाक के सिरे पर जमा होकर ज़ोरदार छपछपाहट के साथ चूहों के पूरे डेरे पर गिर रहे थे, जो अभी-अभी गर्म और ऊंघने लगे थे। वे सब उछल पड़े, अपने कानों से पानी झाड़ते हुए और अपने छोटे-छोटे कंबलों को निचोड़ते हुए, विशालकाय से तीखी लेकिन ज़ोरदार आवाज़ में पूछा कि क्या उन्हें लगता है कि इस तरह की चीज़ के बिना वे काफी गीले नहीं हुए थे। फिर दूसरे लोग जाग गए और चूहों को बताया कि उन्हें स्काउट के रूप में भर्ती किया गया था, न कि संगीत दल के रूप में, और पूछा कि वे चुप क्यों नहीं रह सकते। विंबलवेदर चुपके से कोई ऐसी जगह ढूंढने चला गया जहाँ वह शांति से दुखी हो सके और किसी की पूंछ पर पैर रख दिया और किसी ने (बाद में उन्होंने बताया कि वह एक लोमड़ी थी) उसे काट लिया। और इस तरह सब लोग गुस्से में आ गए। लेकिन हाउ के केंद्र में स्थित गुप्त और जादुई कक्ष में, राजा कैस्पियन, कॉर्नेलियस, बैजर, निकेब्रिक और ट्रम्पकिन परिषद में बैठे थे। प्राचीन कारीगरी के मोटे खंभों ने छत को सहारा दिया हुआ था। केंद्र में स्वयं पत्थर था—एक पत्थर की मेज, जो बीच से फटी हुई थी, और जिस पर कभी कुछ लिखा हुआ था: लेकिन सदियों से हवा, बारिश और बर्फ ने उसे लगभग मिटा दिया था, जब यह पत्थर की मेज पहाड़ी की चोटी पर खड़ी थी और इसके ऊपर टीला अभी तक नहीं बना था। वे न तो मेज का उपयोग कर रहे थे और न ही उसके चारों ओर बैठे थे: यह किसी भी सामान्य उपयोग के लिए बहुत जादुई वस्तु थी। वे इससे थोड़ी दूरी पर लट्ठों पर बैठे थे, और उनके बीच एक खुरदरी लकड़ी की मेज थी, जिस पर एक साधारण मिट्टी का दीपक रखा था जो उनके पीले चेहरों को रोशन कर रहा था और दीवारों पर बड़ी-बड़ी परछाइयाँ बना रहा था।

ट्रफलहंटर ने कहा, "अगर महाराज को कभी हॉर्न का इस्तेमाल करना पड़े, तो मुझे लगता है कि अब समय आ गया है।" कैस्पियन ने बेशक उन्हें अपने खजाने के बारे में कुछ दिन पहले ही बता दिया था। “हमें निश्चित रूप से बहुत ज़रूरत है,” कैस्पियन ने उत्तर दिया। “लेकिन यह कहना मुश्किल है कि हम अपनी सबसे बड़ी ज़रूरत के दौर में हैं। मान लीजिए कि इससे भी बड़ी ज़रूरत आ जाए और हम पहले ही उसका इस्तेमाल कर चुके हों?”
निकेब्रिक ने कहा, "इस तर्क के अनुसार, महाराज इसका उपयोग तब तक नहीं करेंगे जब तक बहुत देर न हो जाए।"
“मैं इससे सहमत हूँ,” डॉक्टर कॉर्नेलियस ने कहा।
“और आप क्या सोचते हैं, ट्रम्पकिन?” कैस्पियन ने पूछा।
“ओह, जहाँ तक मेरी बात है,” लाल बौने ने कहा, जो पूरी तरह से उदासीनता से सुन रहा था, “महाराज, आप जानते हैं कि मैं उस सींग—

और वहाँ पड़े उस टूटे हुए पत्थर के टुकड़े—और आपके महान राजा पीटर—और आपके शेर अस्लान—को चाँदनी में डूबे अंडों के समान मानता हूँ। महाराज, जब आप सींग बजाते हैं, तो मेरे लिए सब एक ही है। मैं बस इतना चाहता हूँ कि सेना को इसके बारे में कुछ भी न बताया जाए। जादुई मदद की उम्मीद जगाने का कोई फायदा नहीं है, जो (मेरे विचार से) निश्चित रूप से निराश ही करेगी।”
“तो फिर हम अस्लान के नाम पर रानी सुसान का सींग बजाएंगे,” कैस्पियन ने कहा।
“महाराज,” डॉक्टर कॉर्नेलियस ने कहा, “एक बात है, जो शायद पहले करनी चाहिए। हमें नहीं पता कि मदद किस रूप में आएगी। हो सकता है कि वह स्वयं अस्लान को समुद्र से बुला ले। लेकिन मुझे लगता है कि यह अधिक संभावना है कि वह परम राजा पीटर और उनकी शक्तिशाली रानियों को अतीत से बुला ले। लेकिन दोनों ही मामलों में, मुझे नहीं लगता कि हम निश्चित रूप से कह सकते हैं कि मदद ठीक इसी स्थान पर आएगी।”
ट्रम्प के समर्थक ने कहा, "आपने इससे ज्यादा सच बात कभी नहीं कही।"
“मुझे लगता है,” विद्वान ने आगे कहा, “कि वे—या वह—नार्निया के प्राचीन स्थानों में से किसी एक पर लौटेंगे। यह स्थान, जहाँ हम अभी बैठे हैं, सबसे प्राचीन और सबसे अधिक जादुई है, और मुझे लगता है कि यहीं उत्तर मिलने की सबसे अधिक संभावना है। लेकिन दो अन्य स्थान भी हैं। एक है लैंटर्न वेस्ट, बीवर्सडैम के पश्चिम में नदी के ऊपर, जहाँ अभिलेखों के अनुसार शाही बच्चे पहली बार नार्निया में प्रकट हुए थे। दूसरा है नदी के मुहाने पर, जहाँ कभी उनका कैर पैरावल महल हुआ करता था। और यदि स्वयं अस्लान आते हैं, तो उनसे मिलने के लिए वह सबसे अच्छा स्थान होगा, क्योंकि हर

कहानी कहती है कि वह महान समुद्र-पार सम्राट के पुत्र हैं, और वह समुद्र पार करेंगे। मैं दोनों स्थानों, लैंटर्न वेस्ट और नदी के मुहाने पर, दूत भेजना चाहूँगा, ताकि उनका—या उनका—या उस स्थान का स्वागत किया जा सके।”
“जैसा मैंने सोचा था,” ट्रम्पकिन ने बुदबुदाते हुए कहा। “इस सारी मूर्खता का पहला नतीजा हमें मदद पहुँचाना नहीं, बल्कि हमारे दो लड़ाकू विमानों को खोना है।”
“डॉक्टर कॉर्नेलियस, आप किसे भेजने के बारे में सोच रहे हैं?” कैस्पियन ने पूछा।
ट्रफलहंटर ने कहा, "दुश्मन के इलाके से बिना पकड़े निकल जाने के लिए गिलहरी सबसे अच्छी होती हैं।"
निकेब्रिक ने कहा, "हमारी सारी गिलहरियाँ (और हमारे पास ज़्यादा गिलहरियाँ नहीं हैं) काफी चंचल हैं। ऐसे काम के लिए मैं सिर्फ पैटरट्विग पर ही भरोसा कर सकता हूँ।"
“तो फिर पैटरट्विग ही सही,” राजा कैस्पियन ने कहा। “और हमारे दूसरे दूत के लिए कौन? मुझे पता है कि तुम जाओगे, ट्रफलहंटर, लेकिन तुममें उतनी गति नहीं है। और न ही तुममें, डॉक्टर कॉर्नेलियस।”
“मैं नहीं जाऊँगा,” निकेब्रिक ने कहा। “यहाँ इतने सारे मनुष्य और जानवर हैं, तो यहाँ कोई बौना तो होना ही चाहिए जो यह देखे कि बौनों के साथ उचित व्यवहार हो रहा है।”
“अंधेरे में पड़े गहने और आंधी!” ट्रम्पकिन क्रोधित होकर चिल्लाया। “क्या तुम राजा से ऐसे बात करते हो? मुझे भेजो, महाराज, मैं जाऊंगा।”
"लेकिन मुझे लगा था कि तुम हॉर्न ऑफ हॉर्न में विश्वास नहीं करते, ट्रम्पकिन," कैस्पियन ने कहा।

“अब और नहीं, महाराज। लेकिन इससे क्या लेना-देना? यहाँ मरने से बेहतर है कि मैं व्यर्थ की खोज में ही मर जाऊँ। आप मेरे राजा हैं। मैं सलाह देने और आदेश लेने में अंतर जानता हूँ। आपको मेरी सलाह मिल चुकी है, अब आदेश देने का समय है।”
“मैं इसे कभी नहीं भूलूंगा, ट्रम्पकिन,” कैस्पियन ने कहा। “तुममें से किसी एक को पैटरट्विग को बुलाओ। और मैं बिगुल कब बजाऊँगा?”
“महाराज, मैं सूर्योदय का इंतजार करूंगा,” डॉक्टर कॉर्नेलियस ने कहा। “सफेद जादू की क्रियाओं में कभी-कभी इसका प्रभाव पड़ता है।”
कुछ मिनट बाद पैटरट्विग आया और उसे उसका काम समझाया गया। कई गिलहरियों की तरह वह भी साहस, जोश, ऊर्जा, उत्साह और शरारत से भरा हुआ था (और थोड़ा घमंडी भी), इसलिए काम सुनते ही वह जाने के लिए बेताब हो गया। तय हुआ कि वह लैंटर्न वेस्ट की ओर दौड़ेगा जबकि ट्रम्पकिन नदी के मुहाने तक का छोटा रास्ता तय करेगा। जल्दी से खाना खाने के बाद वे दोनों राजा, बैजर और कॉर्नेलियस की हार्दिक शुभकामनाओं और धन्यवाद के साथ रवाना हुए।

आठ

उन्होंने द्वीप कैसे छोड़ा

“और इसलिए,” ट्रम्पकिन ने कहा (क्योंकि, जैसा कि आप समझ चुके हैं, वही कैर पैरावल के खंडहर हो चुके हॉल में घास पर बैठे चार बच्चों को यह सारी कहानी सुना रहा था)—“और इसलिए मैंने अपनी जेब में एक-दो रोटी के टुकड़े रखे, अपने खंजर के अलावा सभी हथियार वहीं छोड़ दिए, और सुबह के धुंधलेपन में जंगल की ओर चल पड़ा। मैं कई घंटों से लगातार काम कर रहा था कि तभी एक ऐसी आवाज़ आई जो मैंने अपने जन्म से कभी नहीं सुनी थी। उफ़, मैं उसे कभी नहीं भूलूंगा। पूरी हवा उस आवाज़ से भर गई थी, गरज की तरह तेज़ लेकिन कहीं ज़्यादा देर तक चलने वाली, पानी पर संगीत की तरह ठंडी और मीठी, लेकिन जंगल को हिला देने के लिए काफी शक्तिशाली। और मैंने खुद से कहा, ‘अगर यह हॉर्न नहीं है, तो मुझे खरगोश कहो।’ और एक पल बाद मुझे आश्चर्य हुआ कि उसने इसे पहले क्यों नहीं बजाया—”
“कितने बजे थे?” एडमंड ने पूछा।
ट्रम्पकिन ने कहा, "घड़ी के नौ और दस बजने के बीच।"
“ठीक उसी समय जब हम रेलवे स्टेशन पर थे!” सभी बच्चों ने एक साथ कहा और चमकती आँखों से एक-दूसरे को देखने लगे।
“कृपया आगे बोलिए,” लूसी ने बौने से कहा।
“खैर, जैसा कि मैं कह रहा था, मुझे आश्चर्य हुआ, लेकिन मैं अपनी पूरी ताकत से आगे बढ़ता रहा। मैं पूरी रात चलता रहा—और फिर, आज सुबह जब हल्की रोशनी हुई, मानो मुझमें किसी दानव से ज़्यादा अक्ल ही न हो, मैंने नदी के एक बड़े मोड़ को पार करने के लिए खुले

मैदान से शॉर्टकट लेने का जोखिम उठाया, और पकड़ा गया। सेना ने नहीं, बल्कि एक घमंडी बूढ़े मूर्ख ने, जो उस छोटे से किले का प्रभारी है जो तट की ओर मिराज का आखिरी गढ़ है। मुझे आपको यह बताने की ज़रूरत नहीं है कि उन्हें मुझसे कोई सच्ची कहानी नहीं मिली, लेकिन मैं एक बौना था और यही काफी था। लेकिन, हे भगवान! यह अच्छा हुआ कि सेनापति एक घमंडी मूर्ख था। कोई और होता तो मुझे वहीं मार डालता। लेकिन उसके लिए एक भव्य मृत्युदंड के अलावा कुछ भी मंजूर नहीं था: मुझे पूरे रीति-रिवाज के साथ ‘भूतों के हवाले’ कर देना। और फिर यह युवती” (उसने सुसान की ओर इशारा किया) “अपनी तीरंदाजी करती है—और वह बहुत बढ़िया निशाना लगा रही थी, मैं आपको बता दूं—और यहाँ हम हैं। और मेरे कवच के बिना, क्योंकि ज़ाहिर है वे उसे ले गए। उसने पाइप बंद किया और उसमें दोबारा पाइप भर लिया।
“अरे वाह!” पीटर ने कहा। “तो ये हॉर्न था—तुम्हारा खुद का हॉर्न, सू—जिसने कल सुबह प्लेटफार्म पर हम सबको उस सीट से नीचे खींच लिया! मुझे यकीन ही नहीं हो रहा; फिर भी सब कुछ समझ में आ रहा है।”
“मुझे समझ नहीं आता कि आपको इस पर विश्वास क्यों नहीं करना चाहिए,” लूसी ने कहा, “अगर आप जादू में विश्वास करते हैं तो। क्या जादू की ऐसी कई कहानियां नहीं हैं जिनमें लोगों को एक जगह से, एक दुनिया से, दूसरी दुनिया में जाने के लिए मजबूर किया जाता है? मेरा मतलब है, जब अरेबियन नाइट्स में कोई जादूगर जिन्न को बुलाता है, तो उसे आना ही पड़ता है। हमें भी उसी तरह आना पड़ा।” “हाँ,” पीटर ने कहा, “मुझे लगता है कि जो बात इसे इतना विचित्र बनाती है, वह यह है कि कहानियों में हमेशा हमारी दुनिया का ही

कोई व्यक्ति होता है जो बुलावा भेजता है। कोई वास्तव में यह नहीं सोचता कि जिन्न कहाँ से आ रहा है।”
“और अब हमें पता चल गया कि जिन्नों को कैसा लगता होगा,” एडमंड ने हंसते हुए कहा। “अरे बाप रे! यह जानकर थोड़ा अजीब लगता है कि हमें इस तरह सीटी बजाकर बुलाया जा सकता है। यह तो पिताजी की उस बात से भी बदतर है कि हमें टेलीफोन के भरोसे जीना पड़ता है।” "लेकिन हम यहाँ रहना चाहते हैं, है ना?" लूसी ने कहा, "अगर अस्लान हमें चाहता है?"
“इस बीच,” बौने ने कहा, “हम क्या करें? मुझे लगता है कि मुझे राजा कैस्पियन के पास वापस जाकर उन्हें बताना चाहिए कि कोई मदद नहीं आई है।”
“कोई मदद नहीं मिली?” सुसान ने कहा। “लेकिन इससे फायदा हुआ। और हम यहाँ हैं।”
“उम—उम—हाँ, बिल्कुल। मैं देख रहा हूँ,” बौने ने कहा, जिसकी पाइप अवरुद्ध लग रही थी (खैर, वह उसे साफ करने में काफी व्यस्त हो गया)। “लेकिन—अच्छा—मेरा मतलब—”
“लेकिन क्या तुम्हें अभी तक समझ नहीं आया कि हम कौन हैं?” लूसी चिल्लाई। “तुम बेवकूफ हो।”
“मुझे लगता है कि आप ही वो चार बच्चे हैं जो पुरानी कहानियों में थे,” ट्रम्पकिन ने कहा। “और मुझे आप लोगों से मिलकर बहुत खुशी हुई। और यह वाकई बहुत दिलचस्प है। लेकिन—क्या आपको बुरा लगेगा?”—और वह फिर हिचकिचाया।
"जो कुछ भी कहना है कहो," एडमंड ने कहा।
“अच्छा, तो फिर—माफ़ करना,” ट्रम्पकिन ने कहा। “लेकिन, आप जानते हैं, राजा, ट्रफलहंटर और डॉक्टर कॉर्नेलियस आपसे मदद की उम्मीद कर रहे थे—मतलब, अगर आप मेरी बात समझ रहे हैं तो। दूसरे शब्दों

में कहूँ तो, मुझे लगता है कि वे आपको महान योद्धा समझ रहे थे। वैसे तो—हमें बच्चे बहुत प्यारे हैं, लेकिन इस समय, युद्ध के बीच में—लेकिन मुझे यकीन है कि आप समझ रहे होंगे।”
"तुम्हारा मतलब है कि तुम्हें लगता है कि हम किसी काम के नहीं हैं?" एडमंड ने गुस्से से लाल होते हुए कहा।
“अब कृपया नाराज़ मत होना,” बौने ने बीच में ही टोकते हुए कहा। “मैं आपको विश्वास दिलाता हूँ, मेरे प्यारे छोटे दोस्तों—” “तुम्हारी तरफ से थोड़ी सी उम्मीद रखना भी कुछ ज़्यादा ही है,” एडमंड उछलते हुए बोला। “मुझे लगता है कि तुम्हें विश्वास नहीं है कि हमने बेरना की लड़ाई जीती थी? खैर, तुम मेरे बारे में जो चाहो कह सकते हो क्योंकि मैं जानता हूँ—”
“गुस्सा करने से कोई फायदा नहीं,” पीटर ने कहा। “पहले उसे नए कवच पहना दें और खजाने के कमरे से अपने लिए सामान निकाल लें, उसके बाद बात करेंगे।”
“मुझे तो इसका कोई मतलब समझ नहीं आ रहा—” एडमंड ने कहना शुरू किया, लेकिन लूसी ने उसके कान में फुसफुसाते हुए कहा, “क्या हमें पीटर की बात नहीं माननी चाहिए? वह महाराज है, तुम्हें पता है। और मुझे लगता है उसके पास कोई उपाय है।” तो एडमंड मान गया और अपनी मशाल की रोशनी में वे सभी, ट्रम्पकिन समेत, सीढ़ियों से नीचे उतरकर खजाने के अंधेरे, ठंडे और धूल भरे वैभव में चले गए। अलमारियों पर सजे धन-दौलत को देखकर बौने की आँखें चमक उठीं (हालाँकि उसे देखने के लिए पंजों पर खड़ा होना पड़ा) और उसने मन ही मन बुदबुदाया, "निकब्रिक को यह सब दिखाना ठीक नहीं होगा; कभी नहीं।" उन्हें निकेब्रिक के लिए आसानी से एक कवच, एक तलवार, एक हेलमेट, एक ढाल, एक धनुष और बाणों से भरा तरकश मिल गया, सब कुछ बौने के आकार का था। हेलमेट तांबे का था, जिसमें माणिक जड़े थे,

और तलवार की मूठ पर सोना लगा था: ट्रम्पकिन ने अपने पूरे जीवन में इतना धन-दौलत कभी नहीं देखा था, न ही कभी उठाया था। बच्चों ने भी कवच और हेलमेट पहन लिए; एडमंड के लिए एक तलवार और ढाल और लूसी के लिए एक धनुष मिल गया - पीटर और सुसान तो अपने उपहार पहले से ही साथ लाए हुए थे। जब वे अपने कवच की खनक के साथ सीढ़ियों से ऊपर आ रहे थे, और अब वे स्कूली बच्चों की बजाय नार्नियावासियों की तरह दिख रहे थे, तो दो लड़के उनके पीछे थे, मानो कोई योजना बना रहे हों। लूसी ने एडमंड को यह कहते हुए सुना, "नहीं, मुझे करने दो। अगर मैं जीत जाता हूँ तो उसके लिए ज़्यादा बुरा होगा, और अगर मैं हार जाता हूँ तो हम सबके लिए कम निराशा होगी।"
“ठीक है, एड,” पीटर ने कहा।
जब वे दिन के उजाले में बाहर आए तो एडमंड ने बौने की ओर बड़े ही विनम्रता से मुड़कर कहा, “मुझे आपसे कुछ पूछना है। हम जैसे बच्चों को आप जैसे महान योद्धा से मिलने का मौका अक्सर नहीं मिलता। क्या आप मेरे साथ तलवारबाजी का एक छोटा सा मुकाबला खेलेंगे? यह बहुत ही शानदार होगा।”
"लेकिन, लड़के," ट्रम्पकिन ने कहा, "ये तलवारें तेज हैं।"
“मुझे पता है,” एडमंड ने कहा। “लेकिन मैं कभी तुम्हारे पास नहीं आ पाऊंगा और तुम इतने चतुर होगे कि मुझे बिना कोई नुकसान पहुंचाए ही निहत्था कर दोगे।”
ट्रम्पकिन ने कहा, "यह एक खतरनाक खेल है। लेकिन चूंकि आप इस पर इतना जोर दे रहे हैं, तो मैं एक-दो पास देने की कोशिश करूंगा।" दोनों तलवारें पल भर में निकल आईं और बाकी तीनों मंच से कूदकर देखने लगे। यह वाकई देखने लायक था। यह मंच पर दिखाई जाने वाली तलवारों से होने वाली बेतुकी लड़ाई नहीं थी। यह रैपियर (तेज धार वाली तलवार) से होने वाली लड़ाई भी नहीं थी, जो कभी-कभी देखने को

मिलती है और कहीं बेहतर होती है। यह असली तलवारबाजी थी। सबसे बड़ी खूबी यह है कि दुश्मन के पैरों और पंजों पर वार किया जाए, क्योंकि वहीं कवच नहीं होता। और जब वह आप पर वार करे, तो आप दोनों पैरों को ज़मीन से ऊपर उठाकर उछलें ताकि उसका वार आपके पैरों के नीचे से निकल जाए। इससे बौने को फायदा मिला क्योंकि एडमंड, जो काफी लंबा था, उसे हमेशा झुकना पड़ता था। मुझे नहीं लगता कि अगर एडमंड ने ट्रंपकिन से चौबीस घंटे पहले लड़ाई की होती तो उसके पास कोई मौका होता। लेकिन नार्निया का वातावरण द्वीप पर आने के बाद से ही उस पर असर कर रहा था, और उसकी सारी पुरानी लड़ाइयाँ उसे याद आ गईं, और उसकी भुजाओं और उंगलियों ने अपना पुराना कौशल फिर से हासिल कर लिया। वह एक बार फिर राजा एडमंड बन गया था। दोनों योद्धा गोल-गोल घूमते रहे, एक के बाद एक वार करते रहे, और सुसान (जिसे इस तरह की चीजें कभी पसंद नहीं आईं) चिल्लाई, "ओह, ज़रा सावधान रहो।" और फिर, इतनी तेज़ी से कि कोई भी (जब तक कि उसे पता न हो, जैसा कि पीटर को पता था) यह नहीं देख पाया कि यह सब कैसे हुआ, एडमंड ने अपनी तलवार को एक अनोखे अंदाज़ में घुमाया, बौने की तलवार उसके हाथ से छूट गई, और ट्रम्पकिन अपना खाली हाथ ऐसे मरोड़ रहा था जैसे क्रिकेट बल्ले से चोट लगने के बाद करते हैं।

"उम्मीद है, तुम्हें चोट नहीं लगी होगी, मेरे प्यारे छोटे दोस्त?" एडमंड ने थोड़ा हांफते हुए कहा और अपनी तलवार को म्यान में वापस रख दिया।
ट्रम्पकिन ने रूखेपन से कहा, "मैं आपकी बात समझ गया। आपको एक ऐसी तरकीब पता है जो मैंने कभी नहीं सीखी।"
“यह बिल्कुल सही है,” पीटर ने कहा। “दुनिया का सबसे अच्छा तलवारबाज भी किसी नई तरकीब से हार सकता है। मुझे लगता है कि ट्रम्पकिन को कुछ और करने का मौका देना उचित होगा। क्या आप मेरी बहन के साथ तीरंदाजी का मुकाबला करेंगे? आपको पता है, तीरंदाजी में कोई चालबाजी नहीं चलती।”
“अरे, तुम तो बड़े मज़ाकिया हो,” बौने ने कहा। “अब मुझे समझ आने लगा है। मानो मुझे पता ही न हो कि वह कैसे निशाना लगाती है, आज सुबह जो हुआ उसके बाद भी। खैर, मैं कोशिश तो करूँगा।” उसने रूखे स्वर में कहा, लेकिन उसकी आँखें चमक उठीं, क्योंकि वह अपने लोगों में एक प्रसिद्ध धनुर्धर था।
वे सभी पांचों लोग आंगन में आ गए।

“निशाना क्या होगा?” पीटर ने पूछा।
"मुझे लगता है कि दीवार के उस पार टहनी पर लटका हुआ सेब ठीक रहेगा," सुसान ने कहा।
“यह ठीक रहेगा, लड़की,” ट्रम्पकिन ने कहा। “तुम्हारा मतलब मेहराब के बीच में स्थित पीले वाले से है?”
“नहीं, वो नहीं,” सुसान ने कहा। “ऊपर वाली लाल वाली—किले की दीवार के ऊपर।”
बौने का चेहरा उतर गया। "यह सेब से ज़्यादा चेरी जैसा दिखता है," उसने धीरे से कहा, लेकिन ज़ोर से कुछ नहीं बोला।
उन्होंने पहले तीर चलाने के लिए सिक्का उछाला (ट्रम्पकिन को इसमें बहुत दिलचस्पी थी, क्योंकि उसने पहले कभी सिक्का उछालते नहीं देखा था) और सुसान हार गई। उन्हें हॉल से आंगन की ओर जाने वाली सीढ़ियों के ऊपर से निशाना लगाना था। बौने के खड़े होने और धनुष संभालने के तरीके से सभी समझ गए थे कि वह अपने काम में माहिर है।

धनुष की डोरी से एक झनझनाहट की आवाज़ आई। निशाना एकदम सटीक था। तीर लगते ही छोटा सा सेब हिल गया और एक पत्ता नीचे गिर गया। फिर सुज़ैन सीढ़ियों के ऊपर गई और अपना धनुष उठाया। उसे अपने मुकाबले में उतना आनंद नहीं आ रहा था जितना एडमंड को आ रहा था; ऐसा इसलिए नहीं था कि उसे सेब पर निशाना लगने में कोई संदेह था, बल्कि इसलिए कि सुज़ैन इतनी कोमल हृदय की थी कि उसे किसी हारे हुए व्यक्ति को हराना लगभग नापसंद था। बौना उसे ध्यान से देख रहा था जब उसने धनुष का बाण अपने कान के पास खींचा। एक क्षण बाद, एक हल्की सी आवाज़ के साथ, जिसे उस शांत जगह में सभी सुन सकते थे, सेब सुज़ैन के तीर के साथ घास पर गिर गया।
“वाह, शाबाश सू,” दूसरे बच्चों ने चिल्लाकर कहा।
“यह तुम्हारे वाले से कुछ खास बेहतर नहीं था,” सुसान ने बौने से कहा। “मुझे लगता है कि जब तुमने गोली चलाई तो हवा का एक हल्का सा झोंका आया था।”

“नहीं, ऐसा नहीं था,” ट्रम्पकिन ने कहा। “मुझे मत बताओ। मुझे पता है कि मैं कब बुरी तरह हार गया हूँ। मैं यह भी नहीं कहूँगा कि जब मेरा हाथ पूरी तरह से ठीक हो जाता है तो मेरे आखिरी घाव का निशान मुझे थोड़ा सा भी परेशान करता है—”
“ओह, क्या तुम्हें चोट लगी है?” लूसी ने पूछा। “मुझे देखने दो।” “ये नज़ारा छोटी बच्चियों के देखने लायक नहीं है,” ट्रम्पकिन ने कहना शुरू किया, लेकिन फिर अचानक खुद को रोकते हुए बोला, “लगता है मैं फिर से मूर्खता कर रहा हूँ।” “मुझे लगता है कि तुम एक महान सर्जन बनोगी, ठीक वैसे ही जैसे तुम्हारा भाई एक महान तलवारबाज़ या तुम्हारी बहन एक महान तीरंदाज बन सकती थी।” वह सीढ़ियों पर बैठ गया और अपना कवच उतारकर अपनी छोटी सी कमीज़ नीचे सरका दी, जिससे उसकी एक बांह दिखाई दी जो नाविक की तरह बालों वाली और मांसल (अनुपात में) थी, हालांकि एक बच्चे की बांह से ज़्यादा बड़ी नहीं थी। उसके कंधे पर एक भद्दा सा बैंडेज बंधा था जिसे लूसी ने खोलना शुरू किया। उसके नीचे का घाव बहुत ही भयानक लग रहा था और उसमें काफी सूजन थी। “ओह, बेचारा ट्रम्पकिन,” लूसी ने कहा। “कितना भयानक है।” फिर उसने अपनी बोतल से उस पर धीरे से एक बूंद शरबत की।
“नमस्ते! अरे? तुमने क्या किया?” ट्रम्पकिन ने कहा। उसने चाहे जितना सिर घुमाया, आँखें सिकोड़ीं और दाढ़ी को इधर-उधर झटकाया, उसे अपना कंधा ठीक से दिखाई नहीं दिया। फिर उसने जितना हो सके उसे महसूस किया, अपनी बाहों और उंगलियों को बहुत मुश्किल स्थितियों में डाला, जैसे कोई ऐसी जगह खुजलाने की कोशिश कर रहा हो जो पहुँच से बाहर हो। फिर उसने अपनी बांह घुमाई, उसे ऊपर उठाया, मांसपेशियों को आज़माया और अंत में उछलकर चिल्लाया, “हे भगवान! ठीक हो गया! बिलकुल नया जैसा हो गया।” इसके बाद वह ज़ोर

से हँसा और बोला, “खैर, मैंने खुद को उतना ही मूर्ख साबित कर दिया जितना कोई बौना कर सकता है। आशा है कोई बुरा न माने? आप सभी महामहिमों के प्रति मेरा विनम्र कर्तव्य—विनम्र कर्तव्य। और मेरे जीवन, मेरे इलाज, मेरे नाश्ते—और मेरे सबक के लिए धन्यवाद।”
सभी बच्चों ने कहा कि यह बिल्कुल ठीक है और इस बारे में बात न करें।
“और अब,” पीटर ने कहा, “अगर आपने सचमुच हम पर विश्वास करने का फैसला कर लिया है—”
“मैंने किया है,” बौने ने कहा।
“हमें क्या करना है यह बिल्कुल स्पष्ट है। हमें तुरंत राजा कैस्पियन से जुड़ना होगा।”
ट्रम्पकिन ने कहा, "जितनी जल्दी हो उतना अच्छा। मेरी इस मूर्खता में पहले ही लगभग एक घंटा बर्बाद हो चुका है।"
“जिस रास्ते से तुम आए हो, वहाँ से लगभग दो दिन का सफर है,” पीटर ने कहा। “हमारा मतलब है, हमारे लिए। हम तुम्हारी तरह दिन-रात पैदल नहीं चल सकते।” फिर वह दूसरों की ओर मुड़ा। “ट्रम्पकिन जिसे अस्लान का गड्ढा कहता है, वह स्पष्ट रूप से पत्थर की मेज ही है। तुम्हें याद होगा, वहाँ से बेरना के घाटों तक पैदल जाने में लगभग आधा दिन या उससे थोड़ा कम समय लगता था—”
ट्रम्पकिन ने कहा, "हम इसे बेरुनस ब्रिज कहते हैं।"
“हमारे ज़माने में कोई पुल नहीं था,” पीटर ने कहा। “और फिर बेरना से यहाँ तक आने में एक दिन से थोड़ा ज़्यादा समय लगता था। आराम से चलते हुए हम दूसरे दिन शाम के समय तक घर पहुँच जाते थे। अगर तेज़ी से चलते तो शायद डेढ़ दिन में ही पूरा सफ़र तय कर लेते।”

ट्रम्पकिन ने कहा, "लेकिन याद रखें कि अब यह सब जंगल है, और यहां दुश्मनों से बचना होगा।"
“देखो यहाँ,” एडमंड ने कहा, “क्या हमें उसी रास्ते से जाना होगा जिससे हमारा प्यारा छोटा दोस्त आया था?”
“महाराज, अगर आप मुझसे प्यार करते हैं तो अब ऐसा नहीं होगा,” बौने ने कहा।
“बहुत खूब,” एडमंड ने कहा। “क्या मैं हमारे डी.एल.एफ. से बात कर सकता हूँ?”
“ओह, एडमंड,” सुसान ने कहा। “उस पर इस तरह से दबाव मत डालो।” “कोई बात नहीं, मैडम—मेरा मतलब है महाराज,” ट्रम्पकिन ने हंसते हुए कहा। “एक ताने से कोई फर्क नहीं पड़ता।” (और उसके बाद लोग उन्हें अक्सर डी.एल.एफ. कहकर पुकारने लगे, यहाँ तक कि वे इसका मतलब ही लगभग भूल गए थे।)
“जैसा कि मैं कह रहा था,” एडमंड ने आगे कहा, “हमें उस रास्ते जाने की ज़रूरत नहीं है। क्यों न हम थोड़ा दक्षिण की ओर चप्पू चलाकर ग्लासवॉटर क्रीक तक पहुँचें और फिर उसमें आगे बढ़ें? इससे हम स्टोन टेबल की पहाड़ी के पीछे पहुँच जाएँगे और समुद्र में सुरक्षित रहेंगे। अगर हम अभी चलना शुरू कर दें, तो हम अंधेरा होने से पहले ग्लासवॉटर के मुहाने पर पहुँच सकते हैं, कुछ घंटे सो सकते हैं और कल सुबह जल्दी कैस्पियन पहुँच सकते हैं।” ट्रम्पकिन ने कहा, "समुद्र तट के बारे में जानना कितनी बड़ी बात है! हममें से कोई भी ग्लासवॉटर के बारे में कुछ नहीं जानता।" “खाने के बारे में क्या?” सुसान ने पूछा।
“ओह, हमें सेब से ही काम चलाना पड़ेगा,” लूसी ने कहा। “चलिए शुरू करते हैं। हमने अभी तक कुछ नहीं किया है और हमें यहां आए लगभग दो दिन हो गए हैं।”

"और वैसे भी, अब कोई भी मेरी टोपी को मछली रखने की टोकरी के रूप में दोबारा इस्तेमाल नहीं करने वाला है," एडमंड ने कहा। उन्होंने एक रेनकोट को थैले की तरह इस्तेमाल किया और उसमें ढेर सारे सेब भर लिए। फिर सबने कुएँ से खूब पानी पिया (क्योंकि नाले के मुहाने तक पहुँचने तक उन्हें और ताज़ा पानी नहीं मिलेगा) और नाव की ओर चल दिए। बच्चों को कैर पैरावल छोड़ने का दुख था, जो खंडहर होने के बावजूद उन्हें फिर से घर जैसा लगने लगा था। “डी.एल.एफ. को ही कमान संभालनी चाहिए,” पीटर ने कहा, “और मैं और एड एक-एक चप्पू चलाएंगे। लेकिन ज़रा रुकिए। हमें अपने कवच उतार देने चाहिए: काम खत्म होने से पहले ही हमें काफ़ी गर्मी लगने लगेगी। लड़कियाँ नाव के आगे वाले हिस्से में रहें और डी.एल.एफ. को रास्ता बताती रहें क्योंकि उन्हें रास्ता नहीं पता। आप हमें द्वीप पार करने तक समुद्र में काफ़ी दूर ले जाइए।”
और जल्द ही द्वीप का हरा-भरा, पेड़ों से ढका तट उनके पीछे छूटता चला गया, और उसकी छोटी-छोटी खाड़ियाँ और चट्टानें समतल दिखने लगीं, और नाव हल्की लहरों में ऊपर-नीचे होने लगी। उनके चारों ओर समुद्र विशाल और दूर नीला दिखने लगा, लेकिन नाव के पास वह हरा और बुलबुलेदार था। हर चीज़ में नमक की गंध थी और पानी की सरसराहट, किनारों से टकराने की आवाज़, चप्पूओं की छपछपाहट और रस्सियों के झटकों की आवाज़ के अलावा कोई शोर नहीं था। सूरज तेज़ होता जा रहा था।
नाव के अगले हिस्से में बैठी लूसी और सुसान को बहुत आनंद आ रहा था। वे किनारे पर झुककर समुद्र में हाथ डालने की कोशिश कर रही थीं, लेकिन पूरी तरह से समुद्र तक नहीं पहुँच पा रही थीं। उनके नीचे तल दिखाई दे रहा था, जो अधिकतर शुद्ध, हल्के रंग की रेत से

बना था, लेकिन कहीं-कहीं बैंगनी रंग के समुद्री शैवाल के धब्बे भी थे।
“ये तो पुराने दिनों की याद दिला रहा है,” लूसी ने कहा। “क्या तुम्हें टेरेबिंथिया, गैल्मा, सेवन आइल्स और लोन आइलैंड्स की हमारी यात्रा याद है?”
“हाँ,” सुसान ने कहा, “और हमारा महान जहाज स्प्लेंडर हायलिन, जिसके आगे हंस का सिर बना हुआ है और जिसकी नक्काशीदार हंस के पंख लगभग उसकी कमर तक आते हैं?”
“और रेशमी पाल, और जहाज के पिछले हिस्से पर लगी विशाल लालटेन?” और यह दावत मल और संगीतकारों पर आधारित है।
"क्या आपको याद है जब हमने संगीतकारों को ऊपर रस्सियों पर बांसुरी बजाने के लिए रखा था ताकि ऐसा लगे जैसे संगीत आकाश से आ रहा हो?"
कुछ देर बाद सुसान ने एडमंड की पतवार संभाल ली और वह आगे बढ़कर लूसी के साथ आ गया। वे अब द्वीप को पार कर चुके थे और किनारे के करीब खड़े थे—जो चारों ओर पेड़ों से घिरा और सुनसान था। अगर उन्हें वह समय याद न होता जब यह खुला, हवादार और खुशमिजाज दोस्तों से भरा हुआ था, तो उन्हें यह जगह बहुत सुंदर लगती। “उफ़! यह तो बहुत ही कठिन काम है,” पीटर ने कहा।
“क्या मैं थोड़ी देर के लिए नाव नहीं चला सकती?” लूसी ने कहा।
पीटर ने संक्षिप्त रूप से कहा, "ये चप्पू तुम्हारे लिए बहुत बड़े हैं," ऐसा इसलिए नहीं था कि वह नाराज़ था, बल्कि इसलिए कि उसके पास बात करने की ताकत नहीं बची थी।

नौ

लूसी ने क्या देखा

सुज़ैन और दोनों लड़के आखिरी चट्टानी टीले को पार करने और ग्लासवॉटर की ओर अंतिम चढ़ाई शुरू करने से पहले ही नाव चलाते- चलाते बुरी तरह थक चुके थे, और लूसी का सिर धूप और पानी की चकाचौंध से दर्द कर रहा था। यहाँ तक कि ट्रम्पकिन भी इस यात्रा के खत्म होने का इंतज़ार कर रहा था। जिस कुर्सी पर बैठकर वह नाव चला रहा था, वह बौनों के लिए नहीं, बल्कि इंसानों के लिए बनी थी, और उसके पैर फर्श तक नहीं पहुँच रहे थे; और हर कोई जानता है कि दस मिनट के लिए भी यह कितना असुविधाजनक होता है। और जैसे-जैसे वे सब और थकते गए, उनका मनोबल गिरता गया। अब तक बच्चे केवल कैस्पियन तक पहुँचने के बारे में सोच रहे थे। अब वे सोच रहे थे कि जब वे उसे पा लेंगे तो क्या करेंगे, और कैसे मुट्ठी भर बौने और जंगल के जीव-जंतु वयस्क इंसानों की सेना को हरा सकते हैं। ग्लासवॉटर क्रीक के घुमावदार रास्तों पर धीरे-धीरे नाव चलाते हुए गोधूलि बेला छाने लगी थी—जैसे-जैसे किनारे करीब आते गए और ऊपर लटकते पेड़ लगभग एक-दूसरे से मिलने लगे, गोधूलि बेला और गहरी होती गई। यहाँ एकदम सन्नाटा था क्योंकि समुद्र की आवाज़ उनके पीछे थम सी गई थी; उन्हें जंगल से ग्लासवॉटर में गिरने वाली छोटी-छोटी धाराओं की हल्की-हल्की आवाज़ भी सुनाई दे रही थी।
आखिरकार वे किनारे पर उतरे, आग जलाने की कोशिश करने की हिम्मत भी नहीं थी; और सेबों का भोजन भी (हालाँकि उनमें से अधिकांश को लग रहा था कि वे फिर कभी सेब नहीं देखना चाहते) किसी भी चीज़ को

नींद आने के बजाय, वह और भी जागृत हो रही थी—एक अजीब सी रात की, स्वप्निल सी जागृति के साथ। नदी का पानी और भी चमकीला होता जा रहा था। अब उसे पता चल गया था कि चाँद उस पर है, हालाँकि वह चाँद को देख नहीं पा रही थी। और अब उसे ऐसा महसूस होने लगा था कि पूरा जंगल भी उसकी तरह जाग रहा है। उसे खुद भी नहीं पता था कि उसने ऐसा क्यों किया, वह जल्दी से उठी और अपने शिविर से थोड़ी दूर चली गई।
“ये कितना प्यारा है,” लूसी ने मन ही मन कहा। मौसम ठंडा और ताज़ा था; चारों ओर मनमोहक खुशबू फैली हुई थी। पास ही कहीं उसे बुलबुल

की चहचहाहट सुनाई दी, जो गाना शुरू करती, फिर रुकती, फिर से शुरू करती। आगे थोड़ी रोशनी थी। वह रोशनी की ओर बढ़ी और एक ऐसी जगह पर पहुँची जहाँ पेड़ कम थे, और चारों ओर चाँदनी के छोटे-छोटे टुकड़े या तालाब जैसे नज़ारे थे, लेकिन चाँदनी और परछाइयाँ इस तरह मिली हुई थीं कि यह बताना मुश्किल था कि कोई चीज़ कहाँ है या क्या है। ठीक उसी क्षण बुलबुल, अपने सुरों को सही करने के बाद संतुष्ट होकर, पूरे जोश से गाने लगी।
लूसी की आँखें धीरे-धीरे रोशनी की आदी होने लगीं और उसे अपने आस-पास के पेड़ ज़्यादा साफ़ दिखाई देने लगे। उसे नार्निया के उन पुराने दिनों की बहुत याद आने लगी जब पेड़ बातें कर सकते थे। वह जानती थी कि अगर वह इन पेड़ों को जगा पाती, तो वे कैसे बात करते और किस तरह का इंसानी रूप धारण करते। उसने एक चांदी के रंग के बर्च के पेड़ को देखा: उसकी आवाज़ मधुर और हल्की बारिश जैसी होती और वह एक पतली-दुबली लड़की जैसी दिखती, जिसके बाल उसके चेहरे पर बिखरे होते और जिसे नाचने का शौक होता। उसने ओक के पेड़ को देखा: वह एक झुर्रियों वाला, लेकिन तंदुरुस्त बूढ़ा आदमी होता, जिसकी दाढ़ी बिखरी होती, चेहरे और हाथों पर मस्से होते और उन मस्सों से बाल उग रहे होते। उसने उस बीच के पेड़ को देखा जिसके नीचे वह खड़ी थी। आह!—वह सबसे सुंदर होती। वह एक सुंदर देवी होती, शांत और राजसी, जंगल की स्वामिनी।

“हे वृक्षों, हे वृक्षों, हे वृक्षों,” लूसी ने कहा (हालाँकि उसका बोलने का कोई इरादा नहीं था)। “हे वृक्षों, जागो, जागो, जागो। क्या तुम्हें याद नहीं? क्या तुम्हें मैं याद नहीं? अप्सराओं और हमाद्र्यादों, बाहर आओ, मेरे पास आओ।”
हवा का एक झोंका भी नहीं चल रहा था, फिर भी उसके चारों ओर सब कुछ हिल रहा था। पत्तों की सरसराहट की आवाज़ मानो शब्दों जैसी थी। बुलबुल ने गाना बंद कर दिया, मानो उसे सुन रही हो। लूसी को लगा कि किसी भी क्षण वह समझ जाएगी कि पेड़ क्या कहना चाह रहे हैं। लेकिन वह क्षण नहीं आया। सरसराहट थम गई। बुलबुल ने फिर गाना शुरू कर दिया। चांदनी में भी जंगल फिर से सामान्य सा दिखने लगा। फिर भी लूसी को ऐसा महसूस हुआ (जैसा कभी-कभी तब होता है जब आप कोई नाम या तारीख याद करने की कोशिश कर रहे होते हैं और लगभग याद आ ही जाता है, लेकिन याद आने से पहले ही वह गायब हो जाता है) कि उससे कुछ छूट गया है: मानो उसने पेड़ों से एक पल पहले या एक पल देर से बात की हो, या सारे सही शब्द इस्तेमाल कर लिए हों सिवाय एक के, या एक शब्द गलत बोल दिया हो।

अचानक ही उसे थकान महसूस होने लगी। वह वापस अपने शिविर में गई, सुसान और पीटर के बीच में लेट गई और कुछ ही मिनटों में सो गई। अगली सुबह उन सभी के लिए एक ठंडी और उदास जागृति थी, जंगल में धुंधली धुंध छाई हुई थी (क्योंकि सूरज अभी तक नहीं उगा था) और सब कुछ नम और गंदा था।
“सेब, हे-हे,” ट्रम्पकिन ने अफसोस भरी मुस्कान के साथ कहा। “मुझे कहना पड़ेगा कि आप प्राचीन राजा-रानियाँ अपने दरबारियों को ज़रूरत से ज़्यादा भोजन नहीं कराते!”
वे उठे, अपने शरीर को झटका दिया और चारों ओर देखा। पेड़ घने थे और वे किसी भी दिशा में कुछ ही गज की दूरी तक देख पा रहे थे। “मुझे लगता है कि महाराज और महाराज को रास्ता अच्छी तरह से पता है?” बौने ने कहा।
“नहीं,” सुसान ने कहा। “मैंने अपने जीवन में ये जंगल पहले कभी नहीं देखे। दरअसल, मैं तो हमेशा से यही सोच रही थी कि हमें नदी के रास्ते जाना चाहिए था।”
"तो मुझे लगता है कि आपने उस समय ऐसा कहा होगा," पीटर ने क्षमायोग्य तीखेपन के साथ उत्तर दिया।
“अरे, उसकी बातों पर ध्यान मत दो,” एडमंड ने कहा। “वह हमेशा ही निराशावादी होती है। तुम्हारे पास तुम्हारा जेब वाला कंपास है ना, पीटर? अच्छा, तो फिर हम बिल्कुल तैयार हैं। हमें बस उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ते रहना है— उस छोटी नदी को पार करना है, उसका नाम क्या है?— रश नदी—”
“मुझे पता है,” पीटर ने कहा। “वही जो बेरना के घाटों पर बड़ी नदी से मिलती है, या बेरना का पुल, जैसा कि डी.एल.एफ. इसे कहते हैं।”

“बिल्कुल सही। इसे पार करो और ऊपर की ओर चढ़ो, और हम आठ-नौ बजे तक स्टोन टेबल (मेरा मतलब अस्लान की गुफा से है) पर पहुँच जाएँगे। मुझे उम्मीद है कि राजा कैस्पियन हमें अच्छा नाश्ता देंगे!” “मुझे उम्मीद है कि आप सही कह रही हैं,” सुसान ने कहा। “मुझे वह सब कुछ बिल्कुल याद नहीं है।”
“लड़कियों की सबसे बुरी बात यही होती है,” एडमंड ने पीटर और बौने से कहा। “वे कभी अपने दिमाग में नक्शा नहीं रखतीं।”
"ऐसा इसलिए है क्योंकि हमारे सिर के अंदर कुछ होता है," लूसी ने कहा।
शुरू में सब कुछ ठीक-ठाक लग रहा था। उन्हें लगा कि वे किसी पुराने रास्ते पर आ गए हैं; लेकिन अगर आपको जंगल के बारे में थोड़ी भी जानकारी है, तो आप जानते होंगे कि वहां अक्सर काल्पनिक रास्ते ही मिलते हैं। वे लगभग पांच मिनट बाद गायब हो जाते हैं और फिर आपको लगता है कि आपको कोई दूसरा रास्ता मिल गया है (और आप उम्मीद करते हैं कि यह कोई और रास्ता नहीं बल्कि उसी जैसा ही कोई और रास्ता हो) और वह भी गायब हो जाता है, और जब आप सही दिशा से पूरी तरह भटक चुके होते हैं, तब आपको एहसास होता है कि उनमें से कोई भी रास्ता था ही नहीं। हालांकि, लड़के और बौना जंगल के आदी थे और कुछ ही सेकंड के लिए उनके झांसे में आ गए।
लगभग आधे घंटे तक वे धीरे-धीरे चलते रहे (उनमें से तीन कल की नाव चलाने से बहुत थक गए थे), तभी अचानक ट्रम्पकिन ने फुसफुसाते हुए कहा, "रुको।" वे सब रुक गए। उसने धीमी आवाज़ में कहा, "कोई हमारा पीछा कर रहा है। या यूँ कहें कि कोई हमारे साथ-साथ चल रहा है: बाईं ओर।" वे सब वहीं खड़े रहे, सुनते और घूरते रहे, जब तक कि उनके कान और आँखें दुखने लगीं। सुसान ने ट्रम्पकिन से कहा, "तुम

और मैं दोनों तीर तैयार रखें तो बेहतर होगा।" बौने ने सिर हिलाया, और जब दोनों धनुष तैयार हो गए तो दल फिर से चल पड़ा।
वे कुछ दर्जन गज तक खुले जंगल से होते हुए, सतर्क निगाहों से देखते रहे। फिर वे एक ऐसी जगह पर पहुँचे जहाँ झाड़ियाँ घनी हो गईं और उन्हें उनके पास से होकर गुजरना पड़ा। जैसे ही वे उस जगह से गुजर रहे थे, अचानक कुछ गुर्राया और चमका, टूटती टहनियों से बिजली की तरह निकला। लूसी गिर पड़ी और उसकी साँस फूल गई, गिरते समय उसे धनुष की डोरी की आवाज सुनाई दी। जब उसे होश आया, तो उसने देखा कि एक विशाल, भयानक दिखने वाला भूरा भालू मृत पड़ा है और उसकी बगल में ट्रम्पकिन का तीर लगा है।
“उस शूटिंग मुकाबले में डी.एल.एफ. ने तुम्हें हरा दिया, सू,” पीटर ने थोड़ी बनावटी मुस्कान के साथ कहा। इस घटना से वह खुद भी हिल गया था।
“मुझसे बहुत देर हो गई,” सुसान ने शर्मिंदा स्वर में कहा। “मुझे डर था कि कहीं यह हमारे ही तरह का कोई भालू न हो, कोई बोलने वाला भालू।” उसे जानवरों को मारना बिल्कुल पसंद नहीं था। ट्रम्पकिन ने कहा, "यही तो समस्या है, जब अधिकांश जानवर दुश्मन बन चुके हैं और चुप हो चुके हैं, लेकिन फिर भी कुछ दूसरी तरह के जानवर बचे हुए हैं। आप कभी नहीं जान सकते, और आप देखने के लिए इंतजार करने की हिम्मत नहीं कर सकते।"
“बेचारा ब्रुइन,” सुसान ने कहा। “क्या तुम्हें नहीं लगता कि वह ऐसा था?”
“वो नहीं,” बौने ने कहा। “मैंने उसका चेहरा देखा और उसकी गुर्राहट सुनी। वो तो बस छोटी लड़की को नाश्ते में खाना चाहता था। और नाश्ते की बात हो रही है, तो मैं महाराज और महाराज को निराश नहीं करना चाहता था जब आपने कहा था कि आपको उम्मीद है कि

राजा कैस्पियन आपको अच्छा नाश्ता देंगे: लेकिन शिविर में मांस बहुत कम है। और भालू का मांस बहुत स्वादिष्ट होता है। बिना थोड़ा सा खाए शव को छोड़ना शर्म की बात होगी, और इससे हमें आधे घंटे से ज्यादा की देरी नहीं होगी। मुझे यकीन है कि आप दोनों नौजवान—राजाओं, मुझे कहना चाहिए—भालू की खाल उतारना जानते होंगे?”
“चलो थोड़ी दूर जाकर बैठते हैं,” सुसान ने लूसी से कहा। “मुझे पता है कि यह कितना भयानक और गन्दा काम होगा।” लूसी कांप उठी और सिर हिलाया। जब वे बैठ गईं तो उसने कहा: “मेरे दिमाग में एक बहुत ही भयानक विचार आया है, सू।”
“यह क्या है?”
"क्या यह भयावह नहीं होगा अगर किसी दिन हमारी ही दुनिया में, घर पर, पुरुष यहाँ के जानवरों की तरह अंदर से बेकाबू होने लगें, और फिर भी पुरुष जैसे ही दिखें, जिससे यह पता लगाना मुश्किल हो जाए कि कौन क्या है?"
व्यावहारिक स्वभाव वाली सुसान ने कहा, "नार्निया में अभी और यहीं पर हमारे पास चिंता करने के लिए काफी कुछ है, ऐसी चीजों की कल्पना किए बिना।"
जब वे लड़कों और बौने के पास वापस पहुँचे, तो जितना वे ले जा सकते थे, उतना बढ़िया मांस काट कर निकाल लिया गया था। कच्चा मांस जेब में रखना अच्छा नहीं लगता, लेकिन उन्होंने उसे ताज़े पत्तों में लपेटकर जैसे-तैसे खा लिया। वे सब इतने अनुभवी थे कि जानते थे कि जब वे काफी दूर तक चल चुके होंगे और सचमुच भूखे होंगे, तो इन चिपचिपे और बेस्वाद टुकड़ों के बारे में उनकी राय बिल्कुल अलग होगी।

वे फिर से आगे बढ़ते रहे (रास्ते में मिली पहली धारा में अपने तीन जोड़ी हाथों को धोने के लिए रुके), जब तक सूरज नहीं निकला और पक्षी गाने नहीं लगे, और झाड़ियों में उनकी अपेक्षा से अधिक मक्खियाँ भिनभिनाने लगीं। कल की नाव चलाने की थकान दूर होने लगी। सबका मन प्रसन्न हो गया। सूरज की गर्मी बढ़ने लगी और उन्होंने अपने हेलमेट उतारकर अपने साथ ले लिए।
लगभग एक घंटे बाद एडमंड ने कहा, "मुझे लगता है कि हम सही रास्ते पर हैं?"
पीटर ने कहा, "जब तक हम बाईं ओर ज़्यादा नहीं मुड़ते, तब तक मुझे नहीं लगता कि हमसे कोई गलती हो सकती है। अगर हम दाईं ओर ज़्यादा मुड़ते हैं, तो ज़्यादा से ज़्यादा यही होगा कि हम नदी के किनारे जल्दी पहुँचकर थोड़ा समय बर्बाद कर देंगे और मोड़ को पार नहीं कर पाएंगे।"
और फिर वे अपने पैरों की धमक और अपनी जंजीरदार कमीजों की खनक के अलावा कोई आवाज किए बिना आगे बढ़ते चले गए।
"यह बदमाश रश कहाँ चला गया?" एडमंड ने काफी देर बाद कहा।
“मुझे तो लगा था कि अब तक हमें मिल गया होगा,” पीटर ने कहा। “लेकिन अब आगे बढ़ते रहने के अलावा कोई चारा नहीं है।” दोनों जानते थे कि बौना उन्हें चिंता से देख रहा था, लेकिन उसने कुछ नहीं कहा।
और वे आगे बढ़ते रहे और उनकी कवच वाली कमीजें बहुत गर्म और भारी लगने लगीं।
"यह सब क्या हो रहा है?" पीटर ने अचानक कहा।
वे बिना देखे ही एक छोटी सी चट्टान के किनारे तक पहुँच गए थे, जहाँ से वे नीचे एक गहरी खाई में नदी को बहते हुए देख रहे थे।

दूसरी ओर चट्टानें बहुत ऊँची थीं। एडमंड (और शायद ट्रम्पकिन) को छोड़कर दल में कोई भी चट्टान पर चढ़ने का शौकीन नहीं था।
“मुझे माफ करना,” पीटर ने कहा। “इस रास्ते से आना मेरी गलती है। हम रास्ता भटक गए हैं। मैंने अपनी जिंदगी में पहले कभी यह जगह नहीं देखी।”
बौने ने अपने दांतों के बीच से धीमी सी सीटी बजाई।
“ओह, चलो वापस चलते हैं और दूसरे रास्ते से जाते हैं,” सुसान ने कहा। “मुझे पहले से ही पता था कि हम इन जंगलों में खो जाएंगे।” “सुसान!” लूसी ने नाराज़गी भरे लहजे में कहा, “पीटर को इस तरह ताने मत मारो। यह बहुत बुरा है, और वह अपनी तरफ से पूरी कोशिश कर रहा है।”
“और तुम भी सू पर इस तरह गुस्सा मत करो,” एडमंड ने कहा। “मुझे लगता है कि वह बिल्कुल सही कह रही है।”
“अरे बाप रे!” ट्रम्पकिन चिल्लाया। “अगर हम आते-आते ही रास्ता भटक गए, तो वापस लौटने की क्या उम्मीद है? और अगर हमें वापस द्वीप पर जाकर सब कुछ नए सिरे से शुरू करना पड़े—भले ही हम ऐसा कर सकते हों—तो बेहतर यही होगा कि हम यह सब छोड़ दें। इस रफ्तार से तो हमारे पहुँचने से पहले ही मिराज कैस्पियन सागर को खत्म कर चुका होगा।”
"क्या तुम्हें लगता है कि हमें आगे बढ़ना चाहिए?" लूसी ने कहा। ट्रम्पकिन ने कहा, "मुझे यकीन नहीं है कि हाई किंग नदी खो गई है। इस नदी के रश नदी होने में क्या बाधा है?"
"क्योंकि रश नदी किसी गहरी खाई में नहीं है," पीटर ने बड़ी मुश्किल से अपने गुस्से पर काबू रखते हुए कहा।
“महाराज कहते हैं कि है,” बौने ने उत्तर दिया, “लेकिन क्या आपको यह नहीं कहना चाहिए था कि था? आप इस देश को सैकड़ों—शायद हज़ार

— साल पहले से जानते हैं। क्या इसमें बदलाव नहीं आया होगा? भूस्खलन से उस पहाड़ी का आधा हिस्सा बह गया होगा, जिससे नंगी चट्टानें रह गई होंगी, और फिर घाटी के उस पार ये खड़ी चट्टानें बन गई होंगी। फिर रश नदी हर साल अपना रास्ता गहरा करती रही होगी, जब तक कि आपको इस तरफ ये छोटी-छोटी खड़ी चट्टानें नहीं मिल गईं। या फिर कोई भूकंप आया होगा, या कुछ और।”
“मैंने इसके बारे में कभी सोचा ही नहीं था,” पीटर ने कहा।
“और वैसे भी,” ट्रम्पकिन ने आगे कहा, “भले ही यह रश नदी न हो, यह लगभग उत्तर की ओर बह रही है, इसलिए यह ग्रेट रिवर में ही गिरेगी। मुझे लगता है कि नीचे आते समय मैंने कुछ ऐसा देखा था जो शायद वही नदी हो सकती है। तो अगर हम दाहिनी ओर, नदी के बहाव के साथ नीचे की ओर जाएं, तो हम ग्रेट रिवर तक पहुंच जाएंगे। शायद उतना ऊंचा न हो जितना हमने सोचा था, लेकिन कम से कम हमारी हालत उससे बेहतर होगी जितनी कि अगर आप मेरे रास्ते से आते।”
“ट्रम्पकिन, तुम तो ईंट जैसे हो,” पीटर ने कहा। “चलो फिर। खाई के इस तरफ चलते हैं।”
“देखो! देखो! देखो!” लूसी चिल्लाई।
“कहाँ? क्या?” सबने पूछा।
“शेर,” लूसी ने कहा। “स्वयं अस्लान। क्या तुमने नहीं देखा?” उसका चेहरा पूरी तरह बदल गया था और उसकी आँखें चमक रही थीं।
“क्या आपका सचमुच यही मतलब है—?” पीटर ने पूछना शुरू किया।
“तुम्हें क्या लगता है तुमने उसे कहाँ देखा था?” सुसान ने पूछा।
“बड़ों की तरह बात मत करो,” लूसी ने पैर पटकते हुए कहा। “मुझे लगा कि मैंने उसे नहीं देखा। मैंने उसे देखा था।”
“कहाँ, लू?” पीटर ने पूछा।

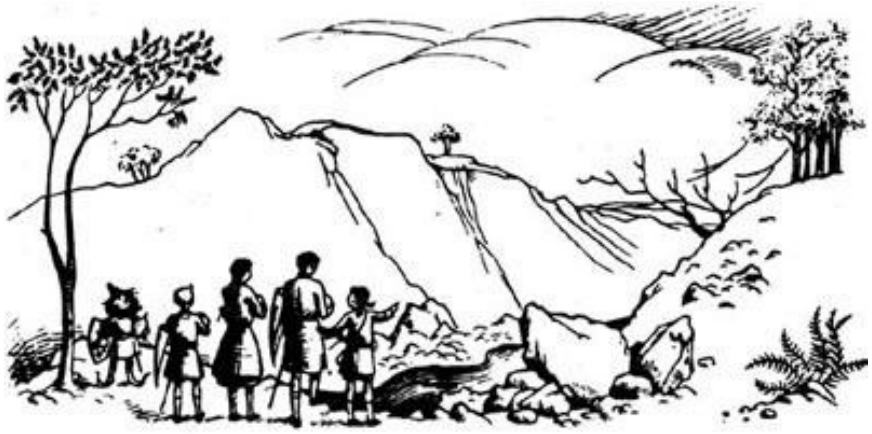

“ठीक वहीं ऊपर, उन पहाड़ी राख के पेड़ों के बीच। नहीं, खाई के इस तरफ। और ऊपर, नीचे नहीं। बिल्कुल उस रास्ते के विपरीत जहाँ आप जाना चाहते हैं। और वह चाहता था कि हम वहीं जाएँ जहाँ वह था— ऊपर।”
“तुम्हें कैसे पता चला कि वह यही चाहता था?” एडमंड ने पूछा। “मैं—मैं—मैं बस जानती हूँ,” लूसी ने कहा, “उसके चेहरे से।” बाकी सभी लोग असमंजस भरी चुप्पी में एक-दूसरे को देखने लगे। ट्रम्पकिन ने कहा, "महारानी ने शायद एक शेर देखा होगा। मुझे बताया गया है कि इन जंगलों में शेर हैं। लेकिन यह जरूरी नहीं कि वह कोई दोस्ताना और बात करने वाला शेर रहा हो, ठीक वैसे ही जैसे भालू कोई दोस्ताना और बात करने वाला भालू नहीं होता।"
“अरे, इतनी बेवकूफी मत करो,” लूसी ने कहा। “क्या तुम्हें लगता है कि मैं अस्लान को देखते ही नहीं पहचान लूंगी?”
ट्रम्पकिन ने कहा, "अगर यह वही शेर है जिसे आप पहले यहां आने पर जानते थे, तो अब तक वह काफी बूढ़ा हो चुका होगा! और अगर यह वही शेर है, तो उसे अन्य कई शेरों की तरह बेकाबू और मूर्ख होने से कौन रोक सकता है?"

लूसी का चेहरा लाल हो गया और मुझे लगता है कि अगर पीटर ने उसका हाथ न पकड़ा होता तो वह ट्रम्पकिन पर टूट पड़ती। “डी.एल.एफ. को समझ नहीं आ रहा। भला कैसे आ सकता है? ट्रम्पकिन, तुम्हें यह बात मान लेनी चाहिए कि हम अस्लान के बारे में वाकई जानते हैं; मेरा मतलब है, थोड़ा-बहुत तो जानते ही हैं। और उसके बारे में फिर कभी इस तरह बात मत करना। एक तो यह शुभ नहीं है, और दूसरा यह सब बकवास है। असली सवाल तो यह है कि क्या अस्लान सचमुच वहाँ था।”
"लेकिन मुझे पता है कि वह था," लूसी ने कहा, उसकी आँखों में आंसू भर आए।
“हां, लू, लेकिन हम ऐसा नहीं करते, समझ रहे हो ना,” पीटर ने कहा। एडमंड ने कहा, "वोट के अलावा कोई चारा नहीं है।"
“ठीक है,” पीटर ने जवाब दिया। “आप सबसे बड़े हैं, डी.एल.एफ. आप किसके पक्ष में वोट देंगे? समर्थन में या विरोध में?”
“नीचे की ओर,” बौने ने कहा। “मैं अस्लान के बारे में कुछ नहीं जानता। लेकिन मुझे इतना पता है कि अगर हम बाईं ओर मुड़कर घाटी के साथ ऊपर की ओर जाते रहे, तो हमें इसे पार करने की जगह मिलने में पूरा दिन लग सकता है। जबकि अगर हम दाईं ओर मुड़कर नीचे की ओर जाते हैं, तो हम लगभग दो घंटे में ही महान नदी तक पहुँच जाएँगे। और अगर वहाँ कोई शेर हैं, तो हमें उनसे दूर जाना है, उनकी ओर नहीं।”
"तुम क्या कहती हो, सुसान?"
“गुस्सा मत हो, लू,” सुसान ने कहा, “लेकिन मुझे लगता है कि हमें नीचे जाना चाहिए। मैं बहुत थक गई हूँ। चलो जितनी जल्दी हो सके इस भयानक जंगल से निकलकर खुली जगह पर चलते हैं। और तुम्हारे अलावा हममें से किसी ने कुछ नहीं देखा।”
“एडमंड?” पीटर ने कहा।

“खैर, बात ये है,” एडमंड ने जल्दी-जल्दी बोलते हुए और थोड़ा लाल होते हुए कहा। “जब हमने एक साल पहले—या हज़ार साल पहले, जो भी हो—नारनिया की खोज की थी, तो सबसे पहले लूसी ने ही की थी और हममें से किसी ने भी उस पर विश्वास नहीं किया। मुझे पता है, मैं सबसे बुरा था। फिर भी, आखिर में वो सही थी। क्या इस बार उस पर विश्वास करना उचित नहीं होगा? मैं ऊपर जाने के पक्ष में हूँ।” “ओह, एड!” लूसी ने कहा और उसका हाथ पकड़ लिया।
“और अब तुम्हारी बारी है, पीटर,” सुसान ने कहा, “और मुझे उम्मीद है कि—”
“अरे, चुप रहो, चुप रहो और मुझे सोचने दो,” पीटर ने बीच में ही टोकते हुए कहा। “मैं वोट देना बिल्कुल नहीं चाहता।”
"तुम ही सर्वोच्च राजा हो," ट्रम्पकिन ने कड़े स्वर में कहा। “नीचे,” पीटर ने लंबे विराम के बाद कहा। “मुझे पता है कि लूसी शायद सही हो, लेकिन मैं कुछ नहीं कर सकता। हमें दोनों में से एक करना ही होगा।”
इसलिए वे किनारे-किनारे दाहिनी ओर, नदी के बहाव की दिशा में चल पड़े। और लूसी सबसे पीछे, फूट-फूटकर रोती हुई आई।

दस

शेर की वापसी

खाई के किनारे-किनारे चलना उतना आसान नहीं था जितना दिख रहा था। कुछ ही कदम आगे बढ़ने पर उन्हें किनारे पर उगे हुए युवा देवदार के पेड़ों का झुंड दिखाई दिया। लगभग दस मिनट तक झुककर और धक्का- मुक्की करते हुए इन पेड़ों के बीच से निकलने की कोशिश करने के बाद उन्हें एहसास हुआ कि वहां आधा मील का रास्ता तय करने में उन्हें एक घंटा लग जाएगा। इसलिए वे वापस लौटे और फिर बाहर आकर देवदार के जंगल के चारों ओर से जाने का फैसला किया। इससे वे अपनी इच्छा से कहीं अधिक दाईं ओर चले गए, चट्टानों से दूर और नदी की आवाज़ से बिल्कुल अलग, यहाँ तक कि उन्हें डर लगने लगा कि वे रास्ता पूरी तरह से भटक गए हैं। किसी को समय का पता नहीं था, लेकिन दिन का सबसे गर्म समय आ रहा था।
जब वे अंततः घाटी के किनारे (जहाँ से उन्होंने यात्रा शुरू की थी, उससे लगभग एक मील नीचे) वापस पहुँचने में कामयाब हुए, तो उन्होंने पाया कि उनकी तरफ की चट्टानें काफी नीची और अधिक टूटी हुई थीं। जल्द ही उन्हें घाटी में उतरने का रास्ता मिल गया और उन्होंने नदी के किनारे अपनी यात्रा जारी रखी। लेकिन पहले उन्होंने आराम किया और खूब पानी पिया। कैस्पियन नदी के किनारे नाश्ते या यहाँ तक कि रात के खाने के बारे में भी कोई बात नहीं कर रहा था।
ऊपर से जाने के बजाय रश नदी के किनारे-किनारे चलना उनके लिए बुद्धिमानी भरा फैसला रहा होगा। इससे उन्हें अपनी दिशा का

पक्का पता चलता रहा: और देवदार के जंगल से गुज़रने के बाद से ही वे सभी इस बात से डरते रहे थे कि कहीं वे अपने रास्ते से भटक न जाएँ और जंगल में खो न जाएँ। यह एक पुराना और पथहीन जंगल था, और इसमें सीधा रास्ता बनाए रखना नामुमकिन था। झाड़ियों के गुच्छे, गिरे हुए पेड़, दलदली जगहें और घनी झाड़ियाँ हमेशा रास्ते में रुकावट बनती रहती थीं। लेकिन रश नदी की घाटी भी घूमने के लिए बिल्कुल अच्छी जगह नहीं थी। मेरा मतलब है, जल्दी में रहने वाले लोगों के लिए तो यह बिल्कुल भी अच्छी जगह नहीं थी। दोपहर की सैर के बाद पिकनिक टी के लिए यह जगह बहुत ही सुखद हो सकती थी। उस तरह के अवसर पर आप जो कुछ भी चाह सकते थे, वह सब कुछ वहाँ मौजूद था— गरजते झरने, चांदी जैसे जलप्रपात, गहरे, अंबर रंग के तालाब, काई से ढकी चट्टानें, और किनारों पर गहरी काई जिसमें आपके टखने तक डूब सकते थे, हर तरह के फर्न, रत्नों जैसी दिखने वाली ड्रैगनफ्लाई, कभी-कभी ऊपर एक बाज़ और एक बार (पीटर और ट्रम्पकिन दोनों को लगा) एक चील। लेकिन ज़ाहिर है, बच्चे और बौना जल्द से जल्द नीचे बहती महान नदी, बेरना और अस्लान के हाउ का रास्ता देखना चाहते थे।
जैसे-जैसे वे आगे बढ़ते गए, रश नदी का ढलान और भी तीव्र होता गया। उनकी यात्रा पैदल चलने की बजाय चढ़ाई में बदलती चली गई— कहीं तो फिसलन भरी चट्टानों पर खतरनाक चढ़ाई भी करनी पड़ी, जिसके बाद अंधेरी खाइयों में गिरने का भयानक खतरा था और नदी तल पर उग्र रूप से गरज रही थी।

आप यकीन मान सकते हैं कि वे अपनी बाईं ओर की चट्टानों पर उत्सुकता से नज़र रखे हुए थे, ताकि उन्हें कोई दरार या चढ़ने लायक जगह मिल सके; लेकिन वे चट्टानें निर्दयी बनी रहीं। यह बेहद निराशाजनक था, क्योंकि हर कोई जानता था कि अगर वे एक बार उस तरफ से खाई से बाहर निकल भी गए, तो उनके सामने केवल एक चिकनी ढलान होगी और कैस्पियन के मुख्यालय तक पैदल चलकर आसानी से पहुंचा जा सकेगा।

लड़के और बौना अब आग जलाकर भालू का मांस पकाने के पक्ष में थे। सुसान ऐसा नहीं चाहती थी; वह बस, जैसा कि उसने कहा, "जल्दी से काम खत्म करके इस भयानक जंगल से निकलना चाहती थी।" लूसी इतनी थकी हुई और दुखी थी कि किसी भी बात पर उसकी कोई राय नहीं थी। लेकिन चूंकि सूखी लकड़ी नहीं मिल रही थी, इसलिए किसी की राय मायने नहीं रखती थी। लड़कों को यह सोचने लगा कि क्या कच्चा मांस वाकई उतना ही बुरा होता है जितना उन्हें हमेशा बताया गया था। ट्रम्पकिन ने उन्हें यकीन दिलाया कि ऐसा ही होता है।
बेशक, अगर बच्चों ने कुछ दिन पहले इंग्लैंड में इस तरह की यात्रा करने की कोशिश की होती, तो वे थक चुके होते। मुझे लगता है कि मैंने पहले भी समझाया है कि नार्निया उन्हें कैसे बदल रहा था। यहाँ तक कि लूसी भी, मानो पहली बार बोर्डिंग स्कूल जाने वाली एक छोटी बच्ची की तुलना में नार्निया की रानी लूसी की दो- तिहाई ही रह गई थी।
“आखिरकार!” सुसान ने कहा।
“वाह, क्या बात है!” पीटर ने कहा।
नदी की घाटी ने अभी-अभी एक मोड़ लिया था और पूरा दृश्य उनके सामने फैल गया था। उन्हें क्षितिज तक फैला खुला मैदान दिखाई दे रहा था और उसके और उनके बीच, विशाल नदी की चौड़ी चांदी जैसी धारा

बह रही थी। उन्हें वह विशेष रूप से चौड़ा और उथला स्थान दिखाई दे रहा था जो कभी बेरना के घाट हुआ करता था, लेकिन अब उस पर एक लंबा, कई मेहराबों वाला पुल बना हुआ था। उसके दूसरे छोर पर एक छोटा सा कस्बा बसा हुआ था।
“हे भगवान!” एडमंड ने कहा। “हमने बेरना की लड़ाई ठीक उसी जगह लड़ी थी जहाँ वह शहर है!”
इससे लड़कों को सबसे ज़्यादा खुशी मिली। सैकड़ों साल पहले, जब आप उस जगह को देखते हैं जहाँ आपने एक शानदार जीत हासिल की थी, और साथ ही एक राज्य भी, तो आपमें स्वाभाविक रूप से ताकत आ जाती है। पीटर और एडमंड जल्द ही युद्ध के बारे में बात करने में इतने मशगूल हो गए कि वे अपने पैरों के दर्द और कंधों पर लदे कवच के भारी बोझ को भूल गए। बौना भी दिलचस्पी ले रहा था।
अब वे सब तेज़ी से आगे बढ़ रहे थे। रास्ता आसान होता जा रहा था। हालाँकि उनके बाईं ओर अभी भी खड़ी चट्टानें थीं, लेकिन दाईं ओर ज़मीन नीची होती जा रही थी। जल्द ही वह खाई नहीं, बल्कि एक घाटी बनकर रह गई। अब कोई झरना नहीं था और थोड़ी देर में वे फिर से घने जंगलों में पहुँच गए।
फिर अचानक, सरसराहट की आवाज़ आई, और एक ऐसी ध्वनि सुनाई दी जो कठफोड़वा के प्रहार जैसी थी। बच्चे अभी भी सोच ही रहे थे कि उन्होंने ऐसी आवाज़ कहाँ सुनी थी (कई साल पहले) और उन्हें यह इतनी बुरी क्यों लग रही थी, तभी ट्रम्पकिन ने ज़ोर से चिल्लाया, "नीचे बैठो," और उसी क्षण लूसी (जो उसके बगल में थी) को ज़ोर से झाड़ियों में गिरा दिया। पीटर, जो ऊपर देख रहा था कि क्या उसे कोई गिलहरी दिखाई देती है, उसने देखा कि क्या हुआ था—एक लंबा, क्रूर तीर उसके सिर के ठीक ऊपर एक पेड़ के तने में धंस गया था। जैसे ही उसने सुसान को नीचे खींचा और खुद भी नीचे गिरा, एक और

तीर उसके कंधे के ऊपर से सरसराता हुआ आया और उसके बगल में ज़मीन पर जा लगा।
“जल्दी! जल्दी! पीछे हटो! रेंगते हुए चलो!” ट्रम्पकिन हांफते हुए बोला।
वे मुड़े और झाड़ियों के नीचे, भयानक भिनभिनाती मक्खियों के झुंड के बीच, पहाड़ी पर रेंगते हुए आगे बढ़े। तीर उनके चारों ओर से तेज़ी से निकल रहे थे। एक तीर सुसान के हेलमेट से टकराया और एक तेज़ आवाज़ के साथ फिसल गया। वे और तेज़ी से रेंगने लगे। उनके शरीर से पसीना बह रहा था। फिर वे लगभग कमर झुकाकर दौड़ने लगे। लड़कों ने अपने हाथों में तलवारें पकड़ रखी थीं, कहीं वे ठोकर न खा जाएं।

यह बेहद कठिन काम था—फिर से पूरी चढ़ाई, उसी रास्ते पर जहाँ से वे पहले ही जा चुके थे। जब उन्हें लगा कि वे अब और नहीं दौड़ सकते, यहाँ तक कि अपनी जान बचाने के लिए भी नहीं, तो वे सब एक झरने के किनारे और एक बड़े पत्थर के पीछे गीली काई पर हाँफते

हुए लेट गए। वे यह देखकर हैरान रह गए कि वे कितनी ऊँचाई तक पहुँच चुके थे।
उन्होंने ध्यान से सुना और उन्हें पीछा करने की कोई आवाज नहीं सुनाई दी।
“तो ठीक है,” ट्रम्पकिन ने गहरी सांस लेते हुए कहा। “वे जंगल में तलाशी नहीं ले रहे हैं। मुझे लगता है कि वहाँ सिर्फ़ पहरेदार हैं। लेकिन इसका मतलब है कि मिराज की वहाँ एक चौकी है। बोतलें और तोपें! हालांकि, बाल-बाल बच गए।”
"मुझे तो इस तरह से सब कुछ लाने के लिए खूब डांट पड़नी चाहिए," पीटर ने कहा।
“इसके विपरीत, महाराज,” बौने ने कहा। “पहली बात तो यह है कि यह आप नहीं थे, बल्कि आपके शाही भाई, राजा एडमंड थे, जिन्होंने सबसे पहले ग्लासवॉटर के रास्ते जाने का सुझाव दिया था।”
"मुझे डर है कि डी.एल.एफ. सही कह रहा है," एडमंड ने कहा, जो ईमानदारी से कहूँ तो जब से चीजें गलत होने लगी थीं, तब से यह बात भूल चुका था।
“और दूसरी बात,” ट्रम्पकिन ने आगे कहा, “अगर हम मेरे रास्ते पर चलते, तो हम सीधे उस नई चौकी में पहुँच जाते, या कम से कम उससे बचने में उतनी ही परेशानी होती। मुझे लगता है कि ग्लासवॉटर वाला रास्ता सबसे अच्छा साबित हुआ है।”
"छिपा हुआ आशीर्वाद," सुसान ने कहा।
“क्या ही भेस है!” एडमंड ने कहा।
"मुझे लगता है कि अब हमें फिर से घाटी के ऊपर तक जाना होगा," लूसी ने कहा।

“लू, तुम एक हीरो हो,” पीटर ने कहा। “आज तुमने यही कहा था, और यही सबसे अच्छा तरीका है जिससे तुम यह साबित कर पा रहे हो कि मैंने तुमसे पहले ही कहा था। चलो चलते हैं।”
ट्रम्पकिन ने कहा, "और जैसे ही हम जंगल में काफी अंदर पहुँच जाएँगे, चाहे कोई कुछ भी कहे, मैं आग जलाकर खाना बनाऊँगा। लेकिन हमें यहाँ से काफी दूर जाना होगा।"
यह बताने की ज़रूरत नहीं है कि उन्होंने घाटी से वापस ऊपर चढ़ने के लिए कितनी मेहनत की। यह काफ़ी कठिन काम था, लेकिन हैरानी की बात यह थी कि सभी लोग पहले से ज़्यादा खुश थे। उन्हें नई ऊर्जा मिल रही थी; और रात के खाने का ज़िक्र उन पर अद्भुत असर डाल रहा था।
दिन का उजाला रहते ही वे उस देवदार के जंगल तक पहुँच गए जिसने उन्हें इतनी परेशानी दी थी, और उसके ठीक ऊपर एक खोखले स्थान में डेरा डाल लिया। लकड़ियाँ इकट्ठा करना थका देने वाला काम था; लेकिन जब आग तेज़ हुई और उन्होंने भालू के मांस के गीले और चिपचिपे टुकड़े निकालने शुरू किए, तो बहुत अच्छा लगा। ये टुकड़े किसी भी ऐसे व्यक्ति को बिल्कुल भी अच्छे नहीं लगते जिसने पूरा दिन घर के अंदर बिताया हो। बौने के पास खाना पकाने के शानदार विचार थे। हर सेब (उनके पास अभी भी कुछ सेब बचे थे) को भालू के मांस में लपेटा गया—जैसे कि यह मांस के साथ सेब का पकौड़ा हो, बस थोड़ा मोटा—और एक नुकीली छड़ी पर लगाकर भुना गया। और सेब का रस मांस में पूरी तरह से घुल गया, जैसे भुने हुए सूअर के मांस के साथ सेब की चटनी। जो भालू दूसरे जानवरों को खाकर बहुत पला-बढ़ा हो, उसका स्वाद अच्छा नहीं होता, लेकिन जो भालू शहद और फल खाकर फला-फूला हो, वह बेहतरीन होता है, और यह भालू वैसा ही निकला। यह सचमुच एक शानदार भोजन था। और हां, बर्तन धोने

वह उठी, उसका दिल ज़ोर से धड़क रहा था, और उनकी ओर चल पड़ी। खुले मैदान में ज़रूर कोई आवाज़ थी, वैसी आवाज़ जैसी तेज़ हवा में पेड़ों से आती है, हालाँकि आज रात हवा नहीं चल रही थी। फिर भी यह कोई आम पेड़ों की आवाज़ नहीं थी। लूसी को लगा कि उसमें कोई धुन है, पर वह उस धुन को ठीक से समझ नहीं पा रही थी, ठीक वैसे ही जैसे पिछली रात जब पेड़ों ने उससे लगभग बात की थी, तब वह उनके शब्दों को नहीं समझ पाई थी। लेकिन कम से कम उसमें एक लय तो थी; जैसे-जैसे वह पास पहुँचती गई, उसके पैर नाचने को बेताब हो गए। और अब उसे कोई शक नहीं था कि पेड़ सचमुच हिल रहे थे—एक-दूसरे के बीच से ऐसे आ-जा रहे थे जैसे कोई जटिल देहाती नृत्य कर रहे हों। ("और मुझे लगता है," लूसी ने सोचा, "जब पेड़ नाचते हैं, तो वह वाकई एक बहुत ही देहाती नृत्य होता होगा।") वह अब लगभग उनके बीच पहुँच चुकी थी।
जिस पहले पेड़ पर उसकी नज़र पड़ी, पहली नज़र में वह पेड़ नहीं, बल्कि घनी दाढ़ी और घने बालों वाला एक विशालकाय आदमी लग रहा था। वह डरी नहीं: उसने पहले भी ऐसी चीज़ें देखी थीं। लेकिन जब उसने दोबारा देखा, तो वह सिर्फ़ एक पेड़ ही था, हालाँकि वह हिल रहा था। ज़ाहिर है, यह देखना मुश्किल था कि उसके पैर हैं या जड़ें, क्योंकि पेड़ जब हिलते हैं तो वे ज़मीन की सतह पर नहीं चलते; वे उसमें वैसे ही तैरते हैं जैसे हम पानी में तैरते हैं। यही बात हर उस पेड़ के साथ हुई जिस पर उसने नज़र डाली। एक पल के लिए वे दोस्ताना, प्यारे विशालकाय और विशालकाय स्त्री के रूप में दिखाई देते थे, जो वृक्ष-मानव तब धारण करते हैं जब कोई जादुई शक्ति उन्हें जीवन प्रदान करती है: अगले ही पल वे फिर से पेड़ों जैसे दिखने लगते थे। लेकिन जब वे पेड़ों जैसे दिखते थे, तो वे अजीब तरह से इंसानी पेड़ों जैसे लगते थे, और जब वे इंसानों जैसे

दिखते थे, तो वे अजीब तरह से शाखाओं और पत्तों वाले इंसानों जैसे लगते थे—और हर समय वह अजीब सी मधुर, सरसराहट भरी, ठंडी, खुशनुमा आवाज़ आती रहती थी।
"वे लगभग जाग चुके हैं, पूरी तरह नहीं," लूसी ने कहा। वह जानती थी कि वह खुद पूरी तरह जाग चुकी थी, जितनी आमतौर पर कोई नहीं जागता। वह निडर होकर उनके बीच चली गई, नाचते हुए इधर-उधर उछलती रही ताकि उनके विशालकाय साथियों से टकरा न जाए। लेकिन उसकी दिलचस्पी उनमें आधी ही थी। वह उनसे आगे बढ़कर किसी और चीज़ तक पहुंचना चाहती थी; उन्हीं के पार से उस प्यारी आवाज़ ने उसे पुकारा था। वह जल्द ही उनके बीच से निकल गई (आधे मन से सोच रही थी कि कहीं वह अपनी बाहों का इस्तेमाल डालियों को हटाने के लिए तो नहीं कर रही थी, या फिर झुककर उसका हाथ थामने वाले बड़े-बड़े नर्तकों के साथ एक लंबी श्रृंखला बनाने के लिए), क्योंकि वे वास्तव में एक खुले मैदान के चारों ओर पेड़ों का एक घेरा थे। वह सुंदर रोशनी और छायाओं के बदलते हुए भ्रम के बीच से बाहर निकली।
उसकी नज़र घास के एक समतल घेरे पर पड़ी, जो किसी लॉन की तरह चिकना था, और उसके चारों ओर घने पेड़ लहरा रहे थे। और फिर—अरे वाह! क्योंकि वह वहाँ था: विशाल शेर, चाँदनी में सफेद चमक रहा था, और उसके नीचे उसकी विशाल काली छाया थी।

अगर उसकी पूंछ की हरकत न होती तो वह पत्थर का शेर ही लगता, पर लूसी ने कभी इस बारे में सोचा ही नहीं। उसने कभी यह नहीं सोचा कि वह दोस्ताना शेर है या नहीं। वह दौड़कर उसके पास गई। उसे लगा कि एक पल भी चूकने पर उसका दिल फट जाएगा। और अगले ही पल उसने खुद को उसे चूमते हुए, अपनी बाहों को उसकी गर्दन के चारों ओर जितना हो सके लपेटते हुए और अपने चेहरे को उसके सुंदर, रेशमी बालों में छिपाते हुए पाया।
“असलान, असलान। प्यारे असलान,” लूसी सिसकते हुए बोली। “आखिरकार।”

वह विशालकाय जानवर करवट लेकर एक तरफ लुढ़क गया, जिससे लूसी उसके अगले पंजों के बीच आधी बैठी और आधी लेटी हुई अवस्था में गिर पड़ी। वह आगे झुका और अपनी जीभ से उसकी नाक को हल्का सा छुआ। उसकी गर्म सांसें उसके चारों ओर फैल गईं। लूसी ने ऊपर उस विशाल, बुद्धिमान चेहरे की ओर देखा।
“स्वागत है, बच्चे,” उन्होंने कहा।
“असलान,” लूसी ने कहा, “तुम बड़े हो।”
“ऐसा इसलिए है क्योंकि तुम बड़े हो, नन्हे बच्चे,” उसने उत्तर दिया।
"क्या इसलिए नहीं कि आप हैं?"
“मैं नहीं हूँ। लेकिन हर साल जब तुम बड़े होगे, तो तुम मुझे और बड़ा पाओगे।”
कुछ समय के लिए वह इतनी खुश थी कि बोलना ही नहीं चाहती थी। लेकिन अस्लान ने बोलना शुरू कर दिया।
“लूसी,” उसने कहा, “हमें यहाँ ज्यादा देर तक नहीं लेटना चाहिए। तुम्हारे पास काम है, और आज बहुत समय बर्बाद हो चुका है।”
“हाँ, ये तो बहुत शर्मनाक बात थी?” लूसी ने कहा। “मैंने तुम्हें ठीक से देखा था। उन्हें मेरी बात पर यकीन नहीं हुआ। वे सब तो बिल्कुल ही…”
अस्लान के शरीर के भीतर कहीं से एक दहाड़ की हल्की सी आहट सुनाई दी।
“मुझे माफ़ करना,” लूसी ने कहा, जो उसके कुछ मिजाज को समझती थी। “मेरा दूसरों को अपशब्द कहने का कोई इरादा नहीं था। लेकिन वैसे भी इसमें मेरी कोई गलती नहीं थी, थी क्या?”
शेर ने सीधे उसकी आँखों में देखा।

“ओह, अस्लान,” लूसी ने कहा। “क्या सच में ऐसा था? मैं ऐसा कैसे कर सकती थी—मैं दूसरों को छोड़कर अकेले आपके पास कैसे आ सकती थी? मुझे ऐसे मत देखो… खैर, शायद मैं आ सकती थी। हाँ, और मैं जानती हूँ कि मैं अकेली नहीं होती, अगर मैं आपके साथ होती। लेकिन इससे क्या फायदा होता?”
असलान ने कुछ नहीं कहा।
“आपका मतलब है,” लूसी ने धीमी आवाज़ में कहा, “कि सब कुछ ठीक हो जाता—किसी तरह? लेकिन कैसे? हे अस्लान! क्या मुझे यह नहीं जानना चाहिए?”
“यह जानने के लिए कि क्या होता, बच्चे?” अस्लान ने कहा। “नहीं। यह बात किसी को नहीं बताई जाती।”
“ओह, ये तो बहुत बुरा हुआ,” लूसी ने कहा।
“पर क्या होगा, यह तो कोई भी जान सकता है,” अस्लान ने कहा। “अगर तुम अभी दूसरों के पास वापस जाओ, उन्हें जगाओ, और उन्हें बताओ कि तुमने मुझे फिर से देखा है, और तुम सबको तुरंत उठकर मेरे पीछे आना होगा—तो क्या होगा? इसका पता लगाने का केवल एक ही तरीका है।”
"क्या आपका मतलब यही है कि आप मुझसे यही करवाना चाहते हैं?" लूसी ने हांफते हुए कहा।
“हां, नन्हे बच्चे,” अस्लान ने कहा।
“क्या बाकी लोग भी तुम्हें देखेंगे?” लूसी ने पूछा।
“शुरू में तो बिलकुल नहीं,” असलान ने कहा। “बाद में, यह परिस्थितियों पर निर्भर करेगा।”
“लेकिन वे मेरी बात पर विश्वास नहीं करेंगे!” लूसी ने कहा।
“इससे कोई फर्क नहीं पड़ता,” असलान ने कहा।

“हे भगवान! हे भगवान!” लूसी ने कहा। “तुम्हें दोबारा पाकर मैं कितनी खुश थी। मुझे लगा था कि तुम मुझे अपने यहाँ रहने दोगे। मुझे लगा था कि तुम पिछली बार की तरह दहाड़ते हुए आओगे और सारे दुश्मनों को भगा दोगे। और अब सब कुछ भयानक होने वाला है।” “तुम्हारे लिए यह मुश्किल है, नन्हे बच्चे,” अस्लान ने कहा। “लेकिन चीजें कभी एक जैसी नहीं होतीं। नार्निया में हम सभी के लिए पहले भी मुश्किलें आई हैं।”
लूसी ने अपना सिर उसके अयाल में छिपा लिया ताकि उसका चेहरा उससे बच सके। लेकिन उसके अयाल में ज़रूर कोई जादू था। उसे शेर जैसी ताकत अपने अंदर महसूस हो रही थी। अचानक ही वह उठ बैठी।
“मुझे माफ करना, असलान,” उसने कहा। “मैं अब तैयार हूँ।”
“अब तुम एक शेरनी हो,” अस्लान ने कहा। “और अब सारा नार्निया फिर से नया हो जाएगा। लेकिन चलो। हमारे पास समय नहीं है।”
वह उठा और शांत, गरिमामय कदमों से वापस नाचते हुए पेड़ों के उस घेरे की ओर चल पड़ा, जहाँ से वह अभी आई थी। लूसी भी उसके साथ चली और कांपते हुए हाथों से उसके अयाल को सहला दिया। पेड़ उनके लिए रास्ता बनाने के लिए अलग हो गए और एक पल के लिए पूरी तरह से मानव रूप धारण कर लिया। लूसी ने लंबे और सुंदर वन-देवताओं को शेर के सामने झुकते हुए देखा; अगले ही पल वे फिर से पेड़ बन गए, लेकिन अब भी झुके हुए थे, शाखाओं और तनों के इतने सुंदर घुमाव के साथ कि उनका झुकना ही एक प्रकार का नृत्य प्रतीत हो रहा था।
“अब, बच्चे,” जब वे पेड़ों को पीछे छोड़ चुके थे, तब अस्लान ने कहा, “मैं यहीं इंतजार करूंगा। जाओ और दूसरों को जगाओ और उन्हें मेरे पीछे आने के लिए कहो। अगर वे नहीं आते, तो कम से कम तुम अकेले मेरे पीछे आओ।”

अपने से उम्र में बड़े और बेहद थके हुए चार लोगों को जगाना और उन्हें ऐसी बात बताना जिस पर शायद वे विश्वास न करें और उनसे ऐसा काम करवाना जो उन्हें बिल्कुल पसंद न आए, यह बहुत ही भयानक बात है। "मुझे इसके बारे में सोचना नहीं चाहिए, बस कर देना चाहिए," लूसी ने सोचा।
वह सबसे पहले पीटर के पास गई और उसे हिलाकर जगाया। उसने उसके कान में फुसफुसाते हुए कहा, "पीटर, उठो। जल्दी उठो। अस्लान यहाँ है। वह कहता है कि हमें तुरंत उसके पीछे जाना होगा।"
“ज़रूर, लू। जो तुम्हें पसंद हो,” पीटर ने अचानक कहा। यह उत्साहवर्धक तो था, लेकिन पीटर तुरंत करवट बदलकर फिर से सो गया, इसलिए इसका कोई खास फायदा नहीं हुआ।
फिर उसने सुसान को जगाने की कोशिश की। सुसान सचमुच जाग गई, लेकिन उसने अपनी सबसे चिड़चिड़ी बड़ों वाली आवाज़ में कहा, "लूसी, तुम सपना देख रही थी। फिर से सो जाओ।"
इसके बाद उसने एडमंड को जगाने की कोशिश की। उसे जगाना बहुत मुश्किल था, लेकिन जब आखिरकार उसने उसे जगा दिया तो वह पूरी तरह से जाग गया और बैठ गया।
“क्या?” उसने चिड़चिड़े स्वर में कहा। “तुम किस बारे में बात कर रहे हो?”
उसने वही बात दोबारा दोहराई। यह उसके काम का सबसे बुरा हिस्सा था, क्योंकि हर बार जब वह इसे दोहराती थी, तो यह कम विश्वसनीय लगता था।
“असलान!” एडमंड उछलते हुए बोला। “हुर्रे! कहाँ?”
लूसी उस तरफ मुड़ी जहाँ उसे शेर इंतज़ार करता हुआ दिखाई दिया, उसकी धैर्यपूर्ण निगाहें उस पर टिकी हुई थीं। "वहाँ," उसने इशारा करते हुए कहा।

“कहाँ?” एडमंड ने फिर पूछा।
“वहाँ। वहाँ। क्या तुम नहीं देख रहे? पेड़ों के ठीक इस तरफ।” एडमंड ने कुछ देर तक टकटकी लगाकर देखा और फिर बोला, "नहीं। वहाँ कुछ नहीं है। चाँदनी की वजह से तुम्हारी आँखें चौंधिया गई हैं और सब कुछ धुंधला दिख रहा है। ऐसा होता ही है, तुम्हें पता है। मुझे भी एक पल के लिए कुछ दिखाई दिया था। ये तो बस एक तरह का दृष्टिगत भ्रम है।"
“मैं उसे हर समय देख सकती हूँ,” लूसी ने कहा। “वह सीधे हमारी तरफ देख रहा है।”
तो फिर मैं उसे क्यों नहीं देख पा रहा/रही हूँ?
उन्होंने कहा कि शायद आप ऐसा नहीं कर पाएंगे।
"क्यों?"
मुझे नहीं पता। उसने यही कहा था।
“अरे यार, ये सब झंझट है,” एडमंड ने कहा। “काश तुम ये सब चीजें देखना बंद कर देते। लेकिन लगता है हमें बाकी लोगों को जगाना ही पड़ेगा।”

ग्यारह

शेर दहाड़ता है

जब अंततः सभी लोग जाग गए, तो लूसी को अपनी कहानी चौथी बार सुनानी पड़ी। इसके बाद जो सन्नाटा छा गया, वह बेहद निराशाजनक था।
पीटर ने बहुत देर तक घूरने के बाद कहा, "मुझे कुछ नहीं दिख रहा है। क्या तुम्हें दिख रहा है, सुसान?"
“नहीं, बिलकुल नहीं,” सुसान ने झल्लाकर कहा। “क्योंकि देखने लायक कुछ है ही नहीं। वो सपना देख रही है। तुम लेट जाओ और सो जाओ, लूसी।”
“और मुझे उम्मीद है,” लूसी ने कांपती हुई आवाज में कहा, “कि आप सब मेरे साथ आएंगे। क्योंकि—क्योंकि मुझे उसके साथ जाना ही होगा, चाहे कोई और जाए या न जाए।”
“लूसी, बकवास मत करो,” सुसान ने कहा। “तुम अकेले नहीं जा सकती। उसे मत जाने दो, पीटर। वह हद से ज्यादा शरारत कर रही है।”
“अगर उसे जाना ही है तो मैं उसके साथ चलूंगा,” एडमंड ने कहा। “वह पहले भी सही साबित हुई है।”
“मुझे पता है उसने ऐसा किया है,” पीटर ने कहा। “और हो सकता है कि आज सुबह वह सही हो। खाई में उतरने में तो हमारी किस्मत बिल्कुल भी अच्छी नहीं रही। अभी भी—रात के इस समय में। और अस्लान हमें अदृश्य क्यों है? वह पहले कभी अदृश्य नहीं होता था। यह उसके स्वभाव के विपरीत है। डी.एल.एफ. क्या कहता है?”
“अरे, मैं तो कुछ नहीं कहता,” बौने ने उत्तर दिया। “अगर आप सब जाएँगे, तो मैं भी ज़रूर आपके साथ चलूँगा; और अगर आपका दल अलग हो

गया, तो मैं महाराज के साथ जाऊँगा। यह मेरा उनके और राजा कैस्पियन के प्रति कर्तव्य है। लेकिन, अगर आप मेरी निजी राय पूछें, तो मैं एक साधारण बौना हूँ जिसे नहीं लगता कि रात में ऐसी सड़क मिलना संभव है जहाँ दिन में न मिले। और मुझे उन जादुई शेरों से कोई मतलब नहीं है जो बोलने वाले शेर हैं लेकिन बोलते नहीं, और न ही उन मित्रवत शेरों से जो हमारे किसी काम के नहीं, और न ही उन विशालकाय शेरों से जिन्हें कोई देख नहीं सकता। मेरी नज़र में ये सब बकवास है।”
“वह हमें जल्दी करने के लिए अपना पंजा ज़मीन पर पटक रहा है,” लूसी ने कहा। “हमें अभी जाना होगा। कम से कम मुझे तो जाना ही होगा।”
“तुम्हें हममें से बाकी लोगों पर इस तरह दबाव डालने का कोई अधिकार नहीं है। हमारा अनुपात चार के मुकाबले एक है और तुम सबसे छोटी हो,” सुसान ने कहा।
“अरे, छोड़ो भी,” एडमंड गुस्से से बोला। “हमें जाना ही होगा। जब तक हम नहीं जाएंगे, तब तक चैन नहीं मिलेगा।” उसका इरादा तो लूसी का साथ देने का था, लेकिन रात की नींद खराब होने से वह नाराज़ था और इसकी भरपाई करने के लिए वह हर काम रूठकर कर रहा था।
“तो चलिए, चलते हैं,” पीटर ने थके हुए स्वर में अपनी बांह को ढाल की पट्टी में डालते हुए और हेलमेट पहनते हुए कहा। किसी और समय होता तो वह अपनी प्रिय बहन लूसी से कुछ अच्छी बातें कहता, क्योंकि वह जानता था कि वह कितनी दुखी होगी, और वह यह भी जानता था कि जो कुछ भी हुआ हो, उसमें उसकी कोई गलती नहीं थी। लेकिन फिर भी वह उससे थोड़ा नाराज़ हुए बिना नहीं रह सका।
सुसान सबसे बुरी थी। उसने कहा, "मान लो मैं लूसी की तरह बर्ताव करने लगूँ, तो मैं धमकी दे सकती हूँ कि चाहे तुम सब आगे बढ़ो या न

बढ़ो, मैं यहीं रहूँगी। मुझे पूरा यकीन है कि मैं ऐसा ही करूँगी।"
“महामहिम, सर्वोच्च राजा की आज्ञा का पालन कीजिए,” ट्रम्पकिन ने कहा, “और चलिए चलते हैं। अगर मुझे सोने की अनुमति नहीं है, तो मैं यहाँ खड़े होकर बात करने के बजाय मार्च करना पसंद करूँगा।” और अंततः वे चलने लगे। लूसी सबसे आगे चली, अपने होंठ दबाते हुए और सूज़न से वो सब बातें न कहने की कोशिश करते हुए जो वो कहना चाहती थी। लेकिन जैसे ही उसकी नज़र अस्लान पर पड़ी, वो सब बातें भूल गई। अस्लान मुड़ा और उनसे लगभग तीस गज आगे धीमी गति से चलने लगा। बाकी लोगों के पास मार्गदर्शन के लिए केवल लूसी के निर्देश ही थे, क्योंकि अस्लान न केवल उन्हें दिखाई नहीं दे रहा था बल्कि मौन भी था। उसके बड़े बिल्ली जैसे पंजे घास पर कोई आवाज़ नहीं कर रहे थे।
वह उन्हें नाचते हुए पेड़ों के दाईं ओर ले गया—वे अभी भी नाच रहे थे या नहीं, यह कोई नहीं जानता था, क्योंकि लूसी की नज़र शेर पर थी और बाकी सबकी नज़र लूसी पर—और खाई के किनारे के करीब ले गया। “पत्थर और ढोल!” ट्रम्पकिन ने सोचा। “मुझे उम्मीद है कि यह पागलपन चांदनी रात में चढ़ाई और टूटी हुई गर्दनों में खत्म नहीं होगा।”
काफी दूर तक अस्लान खड़ी चट्टानों के ऊपर से चलते रहे। फिर वे एक ऐसी जगह पर पहुँचे जहाँ किनारे पर कुछ छोटे-छोटे पेड़ उगे हुए थे। वे मुड़े और उनके बीच गायब हो गए। लूसी ने अपनी साँस रोक ली, क्योंकि ऐसा लग रहा था जैसे वे चट्टान से नीचे गिर गए हों; लेकिन वह उन्हें देखने में इतनी व्यस्त थी कि इस बारे में सोचने का समय ही नहीं मिला। उसने अपनी गति बढ़ा दी और जल्द ही खुद भी पेड़ों के बीच पहुँच गई। नीचे देखते हुए, उसने देखा कि चट्टानों

के बीच खाई में एक संकरा और ढलानदार रास्ता नीचे जा रहा है, और अस्लान उस पर उतर रहे हैं। वे मुड़े और अपनी प्रसन्न आँखों से लूसी की ओर देखा। लूसी ने ताली बजाई और उनके पीछे-पीछे नीचे उतरने लगी। उसके पीछे से उसे दूसरों की आवाज़ें सुनाई दीं, “हाय! लूसी! ज़रा ध्यान रखो! तुम खाई के बिल्कुल किनारे पर हो। वापस आ जाओ—” और फिर, एक पल बाद, एडमंड की आवाज़ सुनाई दी, “नहीं, वह सही कह रही है। नीचे जाने का रास्ता है।”
रास्ते के आधे हिस्से तक पहुँचकर एडमंड ने उसे पकड़ लिया। “देखो!” उसने बड़े उत्साह से कहा। “देखो! हमारे सामने वो कौन सी परछाई रेंग रही है?”
"यह उसकी परछाई है," लूसी ने कहा।
“मुझे लगता है तुम सही कह रही हो, लू,” एडमंड ने कहा। “मुझे समझ नहीं आ रहा कि मैंने इसे पहले क्यों नहीं देखा। लेकिन वह कहाँ है?”
“उसकी परछाई से, बिल्कुल। क्या तुम उसे देख नहीं सकते?”
"खैर, मुझे तो एक पल के लिए लगा कि मैंने कर ही लिया। यह तो बिल्कुल रम की हल्की खुशबू है।"
“चलो, राजा एडमंड, चलो,” पीछे से और ऊपर से ट्रम्पकिन की आवाज़ आई; और फिर, और भी पीछे से, लगभग शिखर पर, पीटर की आवाज़ आई, “अरे, हिम्मत रखो, सुसान। मुझे अपना हाथ दो। अरे, यहाँ तो एक बच्चा भी उतर सकता है। और शिकायत करना बंद करो।”
कुछ ही मिनटों में वे तल पर पहुँच गए और पानी की गर्जना उनके कानों में गूंजने लगी। बिल्ली की तरह नज़ाकत से कदम रखते हुए, अस्लान एक पत्थर से दूसरे पत्थर पर कदम रखते हुए नदी पार कर रहा था। बीच में आकर वह रुका, पानी पीने के लिए झुका, और जैसे ही उसने पानी से भीगा हुआ अपना रोएँदार सिर उठाया, वह फिर से उनकी ओर

मुड़ा। इस बार एडमंड ने उसे देख लिया। “ओह, अस्लान!” वह चिल्लाया और आगे की ओर झपटा। लेकिन शेर तेज़ी से मुड़ा और नदी के दूसरी ओर ढलान पर चढ़ने लगा।
“पीटर, पीटर,” एडमंड चिल्लाया। “क्या तुमने देखा?”
“मैंने कुछ देखा,” पीटर ने कहा। “लेकिन इस चांदनी में देखना बहुत मुश्किल है। फिर भी, हम आगे बढ़ते हैं, और लूसी के लिए तीन बार जय हो! अब मुझे उतनी थकान भी महसूस नहीं हो रही है।”
अस्लान बिना किसी हिचकिचाहट के उन्हें बाईं ओर, घाटी में और आगे ले गया। पूरी यात्रा विचित्र और स्वप्निल थी—गर्जन करती धारा, गीली धूसर घास, चमकती चट्टानें जिनकी ओर वे बढ़ रहे थे, और हमेशा आगे चुपचाप चलता हुआ भव्य जानवर। सुसान और बौने को छोड़कर अब हर कोई उसे देख सकता था।
कुछ देर बाद वे एक और खड़ी चढ़ाई वाले रास्ते पर आ पहुँचे, जो दूर स्थित चट्टानों के किनारे ऊपर की ओर जाता था। ये चट्टानें उन चट्टानों से कहीं अधिक ऊँची थीं जिनसे वे अभी-अभी नीचे उतरे थे, और इन पर चढ़ाई एक लंबी और थकाऊ टेढ़ी-मेढ़ी यात्रा थी। सौभाग्य से, चंद्रमा ठीक खाई के ऊपर चमक रहा था, जिससे किसी भी तरफ छाया नहीं थी।
जब अस्लान की पूंछ और पिछले पैर ऊपर से ओझल हो गए तो लूसी लगभग उड़ ही गई थी; लेकिन आखिरी कोशिश में वह उसके पीछे भागी और लड़खड़ाते पैरों और हांफते हुए उस पहाड़ी पर पहुंच गई, जहां वे ग्लासवॉटर छोड़ने के बाद से पहुंचने की कोशिश कर रहे थे। लंबी, हल्की ढलान (हीथर, घास और कुछ बड़े-बड़े पत्थर जो चांदनी में सफेद चमक रहे थे) लगभग आधा मील दूर पेड़ों की हल्की सी छाया में गायब हो गई। वह जानती थी। यह स्टोन टेबल की पहाड़ी थी।

चिट्ठियों की खनक के साथ बाकी लोग भी उसके पीछे चढ़ गए। अस्लान उनके आगे-आगे सरकते हुए चला गया और वे उसके पीछे-पीछे चलने लगे।
"लूसी," सुसान ने बहुत धीमी आवाज में कहा।
“हाँ?” लूसी ने कहा।
अब मैं उसे देख पा रहा हूँ। मुझे खेद है।
"यह सब ठीक है।"
“लेकिन मेरी हालत तुम्हारी सोच से कहीं ज़्यादा खराब थी। कल जब उसने हमें चीड़ के जंगल में जाने से मना किया था, तब मुझे सच में लगा था कि वो ही है—मतलब वो। और आज रात जब तुमने हमें जगाया, तब भी मुझे सच में लगा था कि वो ही है। मतलब, मेरे मन में कहीं न कहीं। या शायद लग सकता था, अगर मैं खुद को ऐसा करने देती। लेकिन मैं बस जंगल से बाहर निकलना चाहती थी और—और—ओह, मुझे नहीं पता। और मैं उससे क्या कहूँ?”
"शायद आपको ज्यादा कुछ कहने की जरूरत नहीं पड़ेगी," लूसी ने सुझाव दिया।
जल्द ही वे पेड़ों तक पहुँच गए और उनके बीच से बच्चे विशाल टीले, अस्लान के घर को देख सकते थे, जो उनके समय से ही मेज के ऊपर बना हुआ था।
“हमारी तरफ से निगरानी ठीक से नहीं रखी जा रही है,” ट्रम्पकिन ने बुदबुदाते हुए कहा। “हमें अब तक चुनौती मिल जानी चाहिए थी—” “चुप रहो!” बाकी चारों ने कहा, क्योंकि अस्लान रुक गया था, मुड़कर उनके सामने खड़ा हो गया था। वह इतना राजसी लग रहा था कि उन्हें उतनी ही खुशी महसूस हुई जितनी किसी डरे हुए व्यक्ति को हो सकती है, और उतना ही डर भी लगा जितना किसी खुश व्यक्ति को हो सकता है। लड़के आगे बढ़े: लूसी ने उनके लिए रास्ता बनाया: सुसान और बौना पीछे हट गए।

“ओह, अस्लान,” राजा पीटर ने एक घुटने पर बैठकर और शेर के भारी पंजे को अपने चेहरे के पास उठाते हुए कहा, “मुझे बहुत खुशी है। और मुझे बहुत खेद भी है। जब से हमने शुरुआत की है, और विशेष रूप से कल सुबह, मैं उनका गलत नेतृत्व कर रहा था।”
“मेरे प्यारे बेटे,” अस्लान ने कहा।
फिर वह मुड़ा और एडमंड का स्वागत किया। "शाबाश," ये उसके शब्द थे।
फिर, एक भयानक सन्नाटे के बाद, गहरी आवाज़ ने कहा, "सुसान।" सुसान ने कोई जवाब नहीं दिया, लेकिन बाकी लोगों को लगा कि वह रो रही है। "बच्ची, तुमने डर को सुना है," अस्लान ने कहा। "आओ, मुझे तुम पर साँस लेने दो। उन्हें भूल जाओ। क्या तुम फिर से बहादुर हो?"
“थोड़ा सा, असलान,” सुसान ने कहा।
“और अब!” अस्लान ने बहुत ऊँची आवाज़ में, जिसमें दहाड़ की हल्की सी झलक थी, कहा, जबकि उसकी पूंछ उसके शरीर से टकरा रही थी। “और अब, यह छोटा बौना कहाँ है, यह प्रसिद्ध तलवारबाज़ और तीरंदाज, जो शेरों पर विश्वास नहीं करता? इधर आओ, धरती के पुत्र, इधर आओ!”— और आखिरी शब्द अब दहाड़ की हल्की सी झलक नहीं थी, बल्कि लगभग असली दहाड़ थी।
“प्रेत और तबाही!” ट्रम्पकिन ने दबी हुई आवाज़ में कहा। बच्चे, जो अस्लान को अच्छी तरह जानते थे और समझते थे कि वह बौने को बहुत पसंद करता है, विचलित नहीं हुए; लेकिन ट्रम्पकिन के लिए यह बिल्कुल अलग बात थी, जिसने पहले कभी शेर नहीं देखा था, इस शेर को तो दूर की बात है। उसने वही किया जो वह समझदारी से कर सकता था; यानी भागने के बजाय, वह लड़खड़ाते हुए अस्लान की ओर बढ़ा।

अस्लान झपटा। क्या आपने कभी किसी बिल्ली के बच्चे को उसकी माँ के मुँह में बैठे देखा है? यह बिल्कुल वैसा ही था। बौना, एक छोटी सी दयनीय गेंद की तरह सिकुड़ा हुआ, अस्लान के मुँह से लटका हुआ था। शेर ने उसे एक झटका दिया और उसका सारा कवच किसी लोहार के थैले की तरह खड़खड़ाया और फिर—अचानक—बौना हवा में उड़ गया। वह इतना सुरक्षित था मानो बिस्तर पर हो, हालाँकि उसे ऐसा महसूस नहीं हो रहा था। जैसे ही वह नीचे आया, उसके विशाल मखमली पंजों ने उसे माँ की बाहों की तरह कोमलता से पकड़ा और उसे (सीधा) ज़मीन पर रख दिया।

“हे पृथ्वी के पुत्र, क्या हम मित्र बन सकते हैं?” अस्लान ने पूछा।
“ये—हे—हे—हे,” बौना हांफते हुए बोला, क्योंकि उसकी सांस अभी तक वापस नहीं आई थी।
“अब,” अस्लान ने कहा। “चंद्रमा डूब रहा है। अपने पीछे देखो: भोर होने लगी है। हमारे पास समय नहीं है। तुम तीनों, आदम के पुत्रों और पृथ्वी के पुत्र, जल्दी से टीले में जाओ और वहाँ जो कुछ भी पाओ, उससे निपटो।”

बौना अब भी चुप था और दोनों लड़कों में से किसी ने भी यह पूछने की हिम्मत नहीं की कि क्या अस्लान उनके पीछे आएगा। तीनों ने अपनी तलवारें निकालीं और प्रणाम किया, फिर मुड़कर शाम के धुंधलके में गायब हो गए। लूसी ने देखा कि उनके चेहरों पर थकान का कोई निशान नहीं था: उच्च राजा और राजा एडमंड दोनों ही लड़कों से ज़्यादा पुरुषों जैसे लग रहे थे।
लड़कियाँ आसलान के पास खड़ी होकर उन्हें ओझल होते हुए देखती रहीं। प्रकाश बदल रहा था। पूरब में नीचे, नार्निया का भोर का तारा, अरावीर, एक छोटे से चाँद की तरह चमक रहा था। आसलान, जो पहले से कहीं अधिक विशाल प्रतीत हो रहा था, ने अपना सिर उठाया, अपने अयाल को झटका दिया और दहाड़ा।

पहले तो वह आवाज़ गहरी और स्पंदित थी, मानो किसी ऑर्गन की धीमी धुन से शुरू हो रही हो, फिर तेज़ होती गई, और फिर बहुत तेज़ हो गई, यहाँ तक कि धरती और हवा उससे काँपने लगीं। वह उस पहाड़ी से उठी और पूरे नार्निया में फैल गई। मिराज के शिविर में लोग जाग उठे, एक-दूसरे के चेहरों को निहारने लगे और अपने हथियार कसकर पकड़ लिए। उसके नीचे, महान नदी में, जो अब अपने सबसे ठंडे समय में थी, अप्सराओं के सिर और कंधे, और नदी-देवता का विशाल, घनी दाढ़ी वाला सिर पानी से ऊपर उठ उठा। उसके पार, हर खेत और जंगल में, खरगोशों के कान अपने बिलों से बाहर आ गए, पक्षियों के नींद में डूबे सिर

पंखों के नीचे से बाहर निकले, उल्लू बोले, लोमड़ियाँ भौंकीं, काँटेदार जानवर गुर्राए, पेड़ हिलने लगे। कस्बों और गाँवों में माताएँ अपने बच्चों को सीने से लगाकर, जंगली आँखों से घूर रही थीं, कुत्ते सिसक रहे थे, और पुरुष रोशनी ढूँढ़ने के लिए उछल पड़े। उत्तरी सीमा पर दूर स्थित पर्वतीय दानव अपने किलों के अंधेरे द्वारों से झाँक रहे थे।
लूसी और सुसान ने जो देखा, वह पहाड़ियों के पार लगभग हर दिशा से उनकी ओर आती हुई एक काली सी चीज़ थी। पहले तो वह ज़मीन पर रेंगती हुई काली धुंध जैसी दिखी, फिर काले समुद्र की तूफ़ानी लहरों जैसी, जो आगे बढ़ते ही ऊँची होती जा रही थीं, और फिर, अंत में, वह अपने असली रूप में सामने आई—चलते-फिरते जंगल। ऐसा लग रहा था मानो दुनिया के सारे पेड़ अस्लान की ओर दौड़ रहे हों। लेकिन जैसे-जैसे वे नज़दीक आते गए, वे पेड़ों जैसे कम और कम दिखने लगे, और जब अस्लान के सामने झुकते, प्रणाम करते और अपनी पतली लंबी भुजाएँ लहराते हुए पूरी भीड़ लूसी के चारों ओर जमा हो गई, तो उसने देखा कि वह इंसानी आकृतियों की भीड़ थी। पीली बर्च की लड़कियाँ अपने सिर हिला रही थीं, विलो की औरतें अपने उदास चेहरों से बाल हटाकर अस्लान को निहार रही थीं, राजसी बीच के पेड़ स्थिर खड़े होकर उनकी पूजा कर रहे थे, घने बालों वाले ओक के आदमी, दुबले-पतले और उदास एल्म के पेड़, घने बालों वाले हॉली (जो खुद तो काले थे, लेकिन उनकी पत्नियाँ बेरों से चमकीली थीं) और खुशमिजाज़ रोवन, सभी झुकते और फिर उठते हुए चिल्ला रहे थे, “अस्लान, अस्लान!” उनकी विभिन्न कर्कश, कर्कश या लहरों जैसी आवाजों में।
अस्लान के चारों ओर नाचती भीड़ (क्योंकि यह एक बार फिर नाच बन चुका था) इतनी घनी और तेज़ हो गई कि लूसी भ्रमित हो गई। उसे पता

ही नहीं चला कि कुछ और लोग कहाँ से आए जो पेड़ों के बीच उछल-कूद कर रहे थे। उनमें से एक युवक था, जिसने केवल भूरे रंग का वस्त्र पहना था और उसके घुंघराले बालों में अंगूर की लटों का हार था। उसका चेहरा लड़के के चेहरे से कहीं ज़्यादा सुंदर था, अगर वह इतना जंगली न दिखता। एडमंड ने कुछ दिनों बाद उसे देखकर कहा था, "यह लड़का कुछ भी कर सकता है—बिल्कुल कुछ भी।" ऐसा लगता था जैसे उसके कई नाम हों—ब्रोमियोस, बसारियस और मेढ़ा उनमें से तीन थे। उसके साथ बहुत सी लड़कियाँ थीं, जो उसी की तरह जंगली थीं। यहाँ तक कि अचानक एक व्यक्ति गधे पर भी सवार था। और सब लोग हँस रहे थे: और सब लोग चिल्ला रहे थे, "यूआन, यूआन, यू-ओई-ओई-ओई।"

“क्या यह कोई खेल है, अस्लान?” युवक चिल्लाया। और ज़ाहिर तौर पर यह खेल ही था। लेकिन लगभग हर किसी का खेल के बारे में अलग-अलग विचार था। हो सकता है यह टिग हो, लेकिन लूसी कभी पता नहीं लगा पाई कि वह कौन था। यह कुछ-कुछ अंधे आदमी के खेल जैसा था, बस फर्क इतना था कि सब लोग ऐसे व्यवहार कर रहे थे जैसे उनकी आँखों पर पट्टी बंधी हो। यह चप्पल ढूंढने के खेल से मिलता-जुलता था, लेकिन चप्पल कभी मिली ही नहीं। बात और भी पेचीदा तब हो गई जब गधे पर बैठा बूढ़ा और बहुत मोटा आदमी अचानक चिल्लाने लगा, “जलपान!

जलपान का समय हो गया है!” और अपने गधे से गिर गया, जिसे बाकी लोग फिर से उस पर लादने लगे, जबकि गधे को लग रहा था कि यह सब एक सर्कस है और वह अपने पिछले पैरों पर चलने का प्रदर्शन करने की कोशिश कर रहा था। और हर तरफ़ बेल के पत्ते ही पत्ते बढ़ते जा रहे थे। और जल्द ही सिर्फ़ पत्ते ही नहीं, बल्कि बेलें भी। वे हर चीज़ पर चढ़ रही थीं। वे पेड़ पर रहने वाले लोगों के पैरों पर चढ़ रही थीं और उनकी गर्दन के चारों ओर लिपट रही थीं। लूसी ने अपने बालों को पीछे हटाने के लिए हाथ उठाए और पाया कि वह बेलों की शाखाओं को पीछे हटा रही थी। गधा उन्हीं शाखाओं से ढका हुआ था। उसकी पूंछ पूरी तरह उलझी हुई थी और उसके कानों के बीच कुछ काला सा हिल रहा था। लूसी ने दोबारा देखा तो पाया कि वह अंगूरों का गुच्छा था। उसके बाद चारों ओर बस अंगूर ही अंगूर थे—ऊपर, नीचे और चारों तरफ।
“जलपान! जलपान!” बूढ़े ने गरजते हुए कहा। सब लोग खाने लगे, और तुम्हारे लोगों के पास चाहे जितने भी ग्रीनहाउस हों, तुमने ऐसे अंगूर कभी नहीं चखे होंगे। सचमुच अच्छे अंगूर, बाहर से सख्त और कसे हुए, लेकिन मुँह में डालते ही मीठे और ठंडे, स्वादिष्ट। लड़कियों को पहले कभी इतने अंगूर नहीं मिले थे कि वे उन्हें खाकर तृप्त हो सकें। यहाँ तो हर किसी की चाहत से कहीं ज़्यादा थे, और खाने के शिष्टाचार का नामोनिशान भी नहीं था। हर जगह चिपचिपी और दागदार उंगलियाँ दिखाई दे रही थीं, और मुँह भरे होने के बावजूद हँसी और 'यूआन, यूआन, यू-ओई-ओई-ओई-ओई' की चीखें रुक ही नहीं रही थीं, यहाँ तक कि अचानक सबको एक ही पल में लगा कि खेल (जो भी था) और दावत, दोनों खत्म हो जाने चाहिए, और सब हाँफते हुए ज़मीन पर गिर पड़े और अस्लान की ओर मुँह करके सुनने लगे कि वह आगे क्या कहेंगे।

उस समय सूरज निकल रहा था और लूसी को कुछ याद आया और उसने सुसान के कान में फुसफुसाकर कहा,
“मैंने कहा, सू, मुझे पता है कि वे कौन हैं।”
"कौन?"
“जंगली चेहरे वाला लड़का बैक्सस है और गधे पर बैठा बूढ़ा साइलेनस है। क्या आपको याद नहीं है कि श्री टम्नस ने बहुत पहले हमें उनके बारे में बताया था?”
“हाँ, बिल्कुल। लेकिन मैं कहता हूँ, लू—”
"क्या?"
"अगर हम अस्लान के बिना बाकस और उसकी सभी जंगली लड़कियों से मिले होते, तो मैं उनके साथ सुरक्षित महसूस नहीं करता।"
“मुझे तो ऐसा नहीं लगता,” लूसी ने कहा।

बारह

जादू टोना और अचानक
प्रतिशोध

इसी बीच ट्रम्पकिन और दोनों लड़के टीले के अंदर जाने वाले उस छोटे से अंधेरे पत्थर के मेहराब पर पहुँचे, और दो पहरेदार बिज्जू (एडमंड को उनके गालों पर सफेद धब्बे ही दिखाई दे रहे थे) नुकीले दांतों के साथ उछल पड़े और गुर्राती आवाज में उनसे पूछा, "वहाँ कौन है?"
“ट्रम्पकिन,” बौने ने कहा। “नार्निया के महाराज को सुदूर अतीत से वापस ला रहा है।”
बिज्जू लड़कों के हाथों को सूंघने लगे। "आखिरकार," उन्होंने कहा। "आखिरकार।"
ट्रम्पकिन ने कहा, "दोस्तों, हमें रोशनी दीजिए।"
बैजरों को मेहराब के ठीक अंदर एक मशाल मिली और पीटर ने उसे जलाकर ट्रम्पकिन को दे दिया। उसने कहा, "डी.एल.एफ. को नेतृत्व करना चाहिए। हमें इस जगह का रास्ता नहीं पता।"
ट्रम्पकिन ने मशाल ली और अंधेरी सुरंग में आगे बढ़ गया। वह एक ठंडी, काली, दुर्गंधयुक्त जगह थी, जहाँ कभी-कभार मशाल की रोशनी में एक-आध चमगादड़ फड़फड़ाता हुआ दिखाई देता था और चारों ओर मकड़ी के जाले ही जाले थे। रेलवे स्टेशन पर उस सुबह से लेकर अब तक ज्यादातर खुले में रहने वाले लड़कों को ऐसा लग रहा था मानो वे किसी जाल या जेल में जा रहे हों।
“पीटर,” एडमंड ने फुसफुसाते हुए कहा। “दीवारों पर बनी उन नक्काशी को देखो। क्या वे पुरानी नहीं लगतीं? और फिर भी हम उनसे

भी पुराने हैं। जब हम पिछली बार यहाँ आए थे, तब ये नक्काशी नहीं बनी थी।”
“हां,” पीटर ने कहा। “इससे सोचने पर मजबूर हो जाते हैं।”
बौना आगे बढ़ा, फिर दाईं ओर मुड़ा, फिर बाईं ओर, फिर कुछ सीढ़ियाँ उतरा, और फिर बाईं ओर मुड़ गया। अंत में उन्हें आगे एक रोशनी दिखाई दी—एक दरवाजे के नीचे से आती रोशनी। और अब पहली बार उन्हें आवाज़ें सुनाई दीं, क्योंकि वे केंद्रीय कक्ष के द्वार पर आ गए थे। अंदर से आ रही आवाज़ें गुस्से वाली थीं। कोई इतनी ज़ोर से बोल रहा था कि लड़कों और बौने के आने की आहट सुनाई ही नहीं दी।
“मुझे यह सुनकर अच्छा नहीं लगा,” ट्रम्पकिन ने पीटर से फुसफुसाते हुए कहा। “चलिए एक पल के लिए सुनते हैं।” तीनों दरवाजे के बाहर एकदम स्थिर खड़े रहे।

“तुम अच्छी तरह जानते हो,” एक आवाज़ आई (“यह राजा की आवाज़ है,” ट्रम्पकिन ने फुसफुसाते हुए कहा), “कि आज सुबह सूर्योदय के समय बिगुल क्यों नहीं बजाया गया। क्या तुम भूल गए हो कि ट्रम्पकिन के जाने से पहले ही मिराज ने हम पर हमला कर दिया था, और हम तीन

घंटे से अधिक समय तक अपनी जान बचाने के लिए संघर्ष करते रहे? मैंने सांस लेने का मौका मिलते ही बिगुल बजाया।”
“मैं इसे कभी नहीं भूलूंगा,” क्रोधित आवाज आई, “जब मेरे बौनों ने हमले का सबसे ज्यादा सामना किया और उनमें से पांच में से एक मारा गया।” (“यह निकेब्रिक है,” ट्रम्पकिन ने फुसफुसाया।) “शर्म करो, बौने,” एक भारी आवाज़ आई (“ट्रफलहंटर की आवाज़,” ट्रम्पकिन ने कहा)। “हम सबने बौनों जितना ही काम किया, और राजा से ज़्यादा किसी ने नहीं।”
“मुझे परवाह नहीं, तुम वो कहानी अपने तरीके से सुनाओ,” निकेब्रिक ने उत्तर दिया। “लेकिन चाहे तुरही देर से बजाई गई हो, या उसमें कोई जादू न रहा हो, कोई मदद नहीं आई है। हे महान विद्वान, हे उस्ताद जादूगर, हे सर्वज्ञानी; क्या तुम अब भी हमसे यही उम्मीद कर रहे हो कि हम अपनी आशाएं अस्लान और राजा पीटर और बाकी सब पर टिकाएं?”
“मुझे यह स्वीकार करना होगा—मैं इससे इनकार नहीं कर सकता—कि मैं ऑपरेशन के नतीजों से बेहद निराश हूँ,” जवाब आया। (“वह डॉक्टर कॉर्नेलियस होंगे,” ट्रम्पकिन ने कहा।)
“साफ शब्दों में कहें तो,” निकेब्रिक ने कहा, “तुम्हारा बटुआ खाली है, तुम्हारे अंडे खराब हो चुके हैं, तुम्हारी मछलियाँ पकड़ी नहीं जा सकीं, तुम्हारे वादे टूट चुके हैं। इसलिए एक तरफ हट जाओ और दूसरों को काम करने दो। और इसीलिए—”
“मदद जरूर आएगी,” ट्रफलहंटर ने कहा। “मैं अस्लान के साथ खड़ा हूँ। हम जानवरों की तरह धैर्य रखो। मदद जरूर आएगी। हो सकता है कि वह अभी दरवाजे पर ही खड़ी हो।”
“छी!” निकेब्रिक गुर्राया। “तुम जैसे बदमाश चाहते हो कि हम आसमान गिरने तक इंतज़ार करें और फिर सब मिलकर चिड़ियों को

पकड़ें। मैं तुमसे कहता हूँ, हम इंतज़ार नहीं कर सकते। खाना कम पड़ रहा है; हर मुठभेड़ में हमारा नुकसान हमारी हैसियत से ज़्यादा हो रहा है; हमारे अनुयायी हमसे दूर होते जा रहे हैं।” “और क्यों?” ट्रफलहंटर ने पूछा। “मैं तुम्हें बताता हूँ क्यों। क्योंकि उनके बीच यह बात फैल गई है कि हमने पुराने राजाओं को पुकारा है और पुराने राजाओं ने कोई जवाब नहीं दिया। ट्रम्पकिन ने मरने से पहले (और संभवतः अपनी मृत्यु की ओर) जो आखिरी शब्द कहे थे, वे थे, ‘यदि तुम्हें बिगुल बजाना ही है, तो सेना को यह मत बताना कि तुम इसे क्यों बजा रहे हो या इससे क्या उम्मीद रखते हो।’ लेकिन उसी शाम सबको पता चल गया।”
“बैजर, तुम बेहतर होता कि अपनी भूरी थूथन ततैया के छत्ते में डाल देते, बजाय इसके कि यह कहो कि मैं बकवास कर रहा हूँ,” निकेब्रिक ने कहा। “अपनी बात वापस लो, वरना—”
“अरे, तुम दोनों चुप रहो,” राजा कैस्पियन ने कहा। “मैं जानना चाहता हूँ कि निकेब्रिक किस बात का बार-बार इशारा कर रहा है कि हमें क्या करना चाहिए। लेकिन उससे पहले, मैं यह जानना चाहता हूँ कि वे दो अजनबी कौन हैं जिन्हें वह हमारी सभा में लाया है और जो वहाँ कान खोलकर चुपचाप खड़े हैं।”
निकेब्रिक ने कहा, “ये मेरे दोस्त हैं। और यहाँ होने का तुम्हें इससे बेहतर अधिकार क्या है कि तुम ट्रम्पकिन और बैजर के दोस्त हो? और काले चोगे वाले उस बूढ़े को यहाँ होने का क्या अधिकार है सिवाय इसके कि वह तुम्हारा दोस्त है? मैं ही अकेला क्यों हूँ जो अपने दोस्तों को अंदर नहीं ला सकता?”
"महामहिम वह राजा हैं जिनके प्रति आपने निष्ठा की शपथ ली है," ट्रफलहंटर ने सख्ती से कहा।

“दरबारी शिष्टाचार, दरबारी शिष्टाचार,” निकेब्रिक ने ताना मारते हुए कहा। “लेकिन इस एकांत में हम खुलकर बात कर सकते हैं। तुम जानते हो—और वह भी जानता है—कि अगर हम इस तेलमरीन लड़के को उस जाल से बाहर निकालने में मदद नहीं करते जिसमें वह फंसा है, तो एक हफ्ते में वह कहीं का भी राजा नहीं रहेगा और किसी का भी राजा नहीं रहेगा।”
“शायद,” कॉर्नेलियस ने कहा, “आपके नए दोस्त खुद कुछ कहना चाहेंगे? आप कौन हैं और क्या हैं?”
“आदरणीय गुरुदेव,” एक पतली, कराहती हुई आवाज़ आई। “कृपा करके कहूँ, मैं बस एक बूढ़ी औरत हूँ, और मुझे यकीन है कि मैं उनके मित्रता के लिए उनकी बहुत आभारी हूँ। महाराज, उनके सुंदर चेहरे पर कृपा करें, उन्हें एक ऐसी बूढ़ी औरत से डरने की कोई ज़रूरत नहीं है जो गठिया से बुरी तरह बीमार है और जिसके पास केतली के नीचे रखने के लिए दो-चार डंडे भी नहीं हैं। मेरे पास कुछ मामूली हुनर है—आपके जैसा नहीं, गुरुदेव, बेशक—छोटे-मोटे जादू-टोने में, जिनका इस्तेमाल मैं अपने दुश्मनों के खिलाफ खुशी-खुशी करूँगी, अगर यह सभी को मंज़ूर हो। क्योंकि मैं उनसे नफ़रत करती हूँ। हाँ, बिल्कुल। मुझसे बेहतर नफ़रत कोई नहीं करता।”
“यह सब बहुत दिलचस्प और—अह—संतोषजनक है,” डॉक्टर कॉर्नेलियस ने कहा। “मुझे लगता है कि अब मैं जान गया हूँ कि आप कौन हैं, महोदया। शायद आपका दूसरा मित्र, निकेब्रिक, अपने बारे में कुछ बता सके?”
एक नीरस, फीकी आवाज़, जिसे सुनकर पीटर के रोंगटे खड़े हो गए, ने जवाब दिया, “मैं भूख हूँ। मैं प्यास हूँ। जहाँ मैं काटता हूँ, वहाँ मरने तक थामे रहता हूँ, और मृत्यु के बाद भी उन्हें मेरे दुश्मन के शरीर से मेरा निवाला काटकर मेरे साथ दफनाना होगा।

मैं सौ साल तक उपवास कर सकता हूँ और मर नहीं सकता। मैं सौ रातें बर्फ पर लेट सकता हूँ और जम नहीं सकता। मैं खून की नदी पी सकता हूँ और फट नहीं सकता। मुझे अपने दुश्मन दिखाओ।”
"और इन्हीं दोनों की मौजूदगी में आप अपनी योजना का खुलासा करना चाहते हैं?" कैस्पियन ने कहा।
“हां,” निकेब्रिक ने कहा। “और मैं उनकी मदद से ही इसे अंजाम देना चाहता हूं।”
एक-दो मिनट तक ट्रम्पकिन और उसके साथी कैस्पियन और उसके दो दोस्तों को धीमी आवाज़ में बोलते हुए सुन सकते थे, लेकिन वे समझ नहीं पा रहे थे कि वे क्या कह रहे हैं। फिर कैस्पियन ज़ोर से बोला।
“ठीक है, निकेब्रिक,” उसने कहा, “हम तुम्हारी योजना सुनेंगे।” इतनी देर तक सन्नाटा छाया रहा कि लड़कों को आश्चर्य होने लगा कि क्या निकैब्रिक कभी बोलना शुरू भी करेगा; जब उसने बोलना शुरू किया, तो उसकी आवाज़ धीमी थी, मानो उसे खुद भी अपनी कही हुई बातें पसंद न आ रही हों।
“सब कुछ कहने के बाद भी,” उसने बुदबुदाते हुए कहा, “हममें से कोई भी नार्निया के प्राचीन काल के बारे में सच्चाई नहीं जानता। ट्रम्पकिन ने किसी भी कहानी पर विश्वास नहीं किया। मैं उन्हें कटघरे में खड़ा करने के लिए तैयार था। हमने पहले हॉर्न से कोशिश की, लेकिन वह नाकाम रहा। अगर कभी कोई महाराज पीटर, रानी सुसान, राजा एडमंड और रानी लूसी थे, तो या तो उन्होंने हमारी बात नहीं सुनी, या वे आ नहीं सकते, या वे हमारे दुश्मन हैं—”
"या फिर वे रास्ते में हैं," ट्रफलहंटर ने कहा।
“तुम यही कहते रहोगे जब तक मिराज हम सबको अपने कुत्तों को न खिला दे। जैसा कि मैं कह रहा था, हमने पुरानी कहानियों की कड़ी

में एक कोशिश की है, और उससे हमें कोई फायदा नहीं हुआ। खैर। लेकिन जब तलवार टूट जाए, तो खंजर निकाल लेते हो। कहानियों में प्राचीन राजाओं और रानियों के अलावा भी दूसरी शक्तियों का ज़िक्र है। अगर हम उन्हें बुला सकें तो कैसा रहेगा?” ट्रफलहंटर ने कहा, "अगर तुम्हारा मतलब अस्लान से है, तो यह सब एक ही आह्वान है उसे और राजाओं को। वे उसके सेवक थे। अगर वह उन्हें नहीं भेजेगा (लेकिन मुझे इसमें कोई संदेह नहीं है कि वह भेजेगा), तो क्या उसके खुद आने की संभावना अधिक है?"
“नहीं। तुम बिल्कुल सही हो,” निकेब्रिक ने कहा। “असलान और राजाओं का साथ-साथ चलता है। या तो असलान मर चुका है, या वह हमारे पक्ष में नहीं है। या फिर उससे भी ज़्यादा शक्तिशाली कोई चीज़ उसे रोके हुए है। और अगर वह आया भी तो हमें कैसे पता चलेगा कि वह हमारा दोस्त होगा? जो कुछ भी कहा जाता है, उससे तो यही लगता है कि वह बौनों का हमेशा से अच्छा दोस्त नहीं था। यहाँ तक कि सभी जानवरों का भी नहीं। भेड़ियों से पूछ लो। और वैसे भी, जहाँ तक मैंने सुना है, वह नार्निया में सिर्फ़ एक बार आया था, और वह ज़्यादा देर नहीं रुका। तुम असलान को छोड़ सकते हो। मैं किसी और के बारे में सोच रहा था।”
कोई जवाब नहीं आया, और कुछ मिनटों तक इतनी खामोशी छाई रही कि एडमंड को बेजर की घरघराहट और खर्राटे जैसी सांसें सुनाई दे रही थीं।
अंत में कैस्पियन ने कहा, "तुम्हारा मतलब किससे है?"
"मेरा मतलब है, अस्लान की शक्ति से कहीं अधिक बड़ी शक्ति, जिसने अगर कहानियां सच हैं तो नार्निया को वर्षों तक सम्मोहित रखा।" "सफेद चुड़ैल!" तीन आवाजें एक साथ चिल्लाईं, और शोर से पीटर ने अनुमान लगाया कि तीन लोग अपने पैरों पर उछल पड़े थे।

“हाँ,” निकेब्रिक ने बहुत धीरे और स्पष्ट स्वर में कहा, “मेरा मतलब चुड़ैल से है। फिर से बैठ जाओ। नाम सुनकर ऐसे मत डरो जैसे बच्चे डर जाते हैं। हमें शक्ति चाहिए: और हमें ऐसी शक्ति चाहिए जो हमारे पक्ष में हो। शक्ति की बात करें तो, क्या कहानियाँ यह नहीं कहतीं कि चुड़ैल ने अस्लान को हराया, उसे बाँधा और उसी पत्थर पर मार डाला जो वहाँ, प्रकाश के उस पार है?”
"लेकिन वे यह भी कहते हैं कि वह फिर से जीवित हो उठा," बैजर ने तीखे स्वर में कहा।
“हाँ, ऐसा कहते हैं,” निकेब्रिक ने उत्तर दिया, “लेकिन आप देखेंगे कि उसके बाद उसने जो कुछ भी किया, उसके बारे में हमें बहुत कम जानकारी मिलती है। वह कहानी से एकदम गायब हो जाता है। अगर वह सचमुच जीवित हुआ था, तो आप इसकी व्याख्या कैसे करेंगे? क्या यह अधिक संभावना नहीं है कि वह जीवित नहीं हुआ था, और कहानियों में उसके बारे में इसलिए कुछ नहीं कहा गया क्योंकि कहने के लिए कुछ और था ही नहीं?”
"उन्होंने राजाओं और रानियों की स्थापना की," कैस्पियन ने कहा। “एक राजा जिसने अभी-अभी एक बड़ी लड़ाई जीती है, वह आमतौर पर किसी प्रदर्शन करने वाले शेर की मदद के बिना ही खुद को स्थापित कर सकता है,” निकेब्रिक ने कहा। तभी एक भयंकर दहाड़ सुनाई दी, संभवतः ट्रफलहंटर की।
“और वैसे भी,” निकेब्रिक ने आगे कहा, “राजाओं और उनके शासनकाल का क्या हुआ? वे भी लुप्त हो गए। लेकिन चुड़ैल के साथ मामला बिल्कुल अलग है। कहते हैं उसने सौ साल तक शासन किया: सौ साल की सर्दी। अगर आप चाहें तो इसे शक्ति कह सकते हैं। इसमें कुछ व्यावहारिक बात भी है।”

“लेकिन, हे भगवान!” राजा ने कहा, “क्या हमें हमेशा से यही नहीं बताया गया है कि वह सबसे बड़ी शत्रु थी? क्या वह मिराज से दस गुना अधिक अत्याचारी नहीं थी?”
“शायद,” निकेब्रिक ने ठंडी आवाज़ में कहा। “शायद वह तुम इंसानों के लिए थी, अगर उस समय तुममें से कोई था भी। शायद वह कुछ जानवरों के लिए थी। मुझे लगता है उसने बीवरों का सफाया कर दिया था; कम से कम अब नार्निया में उनमें से कोई नहीं है। लेकिन हम बौनों के साथ उसका व्यवहार अच्छा था। मैं एक बौना हूँ और मैं अपने लोगों के साथ खड़ा हूँ। हम चुड़ैल से नहीं डरते।”
"लेकिन आप हमारे साथ जुड़ गए हैं," ट्रफलहंटर ने कहा।
“हाँ, और इससे मेरे लोगों को अब तक कोई खास फायदा नहीं हुआ है,” निकेब्रिक ने झल्लाकर कहा। “सभी खतरनाक अभियानों पर किसे भेजा जाता है? बौनों को। राशन खत्म होने पर कौन कम पड़ता है? बौनों को। कौन—?”
“झूठ! सब झूठ!” बैजर ने कहा।
“और इसलिए,” निकेब्रिक ने चीखते हुए कहा, “अगर आप मेरे लोगों की मदद नहीं कर सकते, तो मैं किसी ऐसे व्यक्ति के पास जाऊंगी जो कर सकता है।”
“क्या यह खुला राजद्रोह है, बौने?” राजा ने पूछा।
“उस तलवार को म्यान में वापस रख दो, कैस्पियन,” निकेब्रिक ने कहा। “सभा में हत्या, है ना? क्या यही तुम्हारा खेल है? इतनी मूर्खता मत करना कि ऐसा करने की कोशिश करो। क्या तुम्हें लगता है कि मैं तुमसे डरता हूँ? मेरी तरफ तीन हैं, और तुम्हारी तरफ भी तीन।”
"चलो फिर," ट्रफलहंटर गुर्राया, लेकिन उसे तुरंत ही रोक दिया गया।

“रुको, रुको, रुको,” डॉक्टर कॉर्नेलियस ने कहा। “तुम बहुत तेज़ी से बोल रहे हो। चुड़ैल मर चुकी है। सभी कहानियाँ इस बात पर सहमत हैं। निकेब्रिक चुड़ैल को बुलाने का क्या मतलब रखता है?”
वह धूसर और भयानक आवाज, जो इससे पहले केवल एक बार सुनाई दी थी, बोली, "ओह, क्या वह है?"
और फिर तीखी, विलाप करती आवाज़ शुरू हुई, “ओह, बेचारे महाराज, उन्हें श्वेत महिला (हम उसे यही कहते हैं) के मरने की चिंता करने की ज़रूरत नहीं है। आदरणीय डॉक्टर साहब, जब वे ऐसा कहते हैं तो वे मुझ जैसी बेचारी बूढ़ी औरत का मज़ाक उड़ा रहे हैं। प्यारे डॉक्टर साहब, विद्वान डॉक्टर साहब, भला किसने किसी चुड़ैल को सचमुच मरते सुना है? उन्हें हमेशा वापस लाया जा सकता है।”
“उसे बुलाओ,” धूसर आवाज ने कहा। “हम सब तैयार हैं। घेरा बनाओ। नीली आग तैयार करो।”
बैजर की लगातार बढ़ती दहाड़ और कॉर्नेलियस के तीखे "क्या?" के बीच, राजा कैस्पियन की आवाज गरज की तरह गूंजी।
“तो यही है तुम्हारी योजना, निकेब्रिक! काला जादू और एक शापित भूत को बुलाना। और मैं देख सकता हूँ कि तुम्हारे साथी कौन हैं— एक डायन और एक भेड़िया!”

अगले एक मिनट में अफरा-तफरी मच गई। एक जानवर दहाड़ा, तलवारों की खड़खड़ाहट; लड़के और ट्रम्पकिन दौड़ पड़े; पीटर ने एक भयानक, भूरे रंग के, दुबले-पतले जीव की झलक देखी, जो आधा इंसान और आधा भेड़िया था, और अपने ही उम्र के एक लड़के पर झपटने ही वाला था। एडमंड ने एक बिज्जू और एक बौने को ज़मीन पर लोटते हुए देखा, जैसे कोई बिल्ली-सी लड़ाई लड़ रहे हों। ट्रम्पकिन का सामना डायन से हुआ। उसकी नाक और ठोड़ी किसी कुरकुरे की तरह बाहर निकली हुई थीं, उसके गंदे भूरे बाल उसके चेहरे पर उड़ रहे थे और उसने डॉक्टर कॉर्नेलियस का गला पकड़ रखा था। ट्रम्पकिन की तलवार के एक ही वार से उसका सिर ज़मीन पर लुढ़क गया। फिर बत्ती गिरी और लगभग साठ सेकंड तक चारों ओर तलवारें, दांत, पंजे, मुक्के और बूट ही बूट दिखाई दिए। फिर सन्नाटा छा गया।
"क्या तुम ठीक हो, एड?"
“मुझे लगता है ऐसा ही है,” एडमंड हांफते हुए बोला। “मैंने उस क्रूर निकेब्रिक को पकड़ लिया है, लेकिन वह अभी भी जिंदा है।” “वज़न और पानी की बोतलें!” गुस्से में एक आवाज़ आई। “तुम मेरे ऊपर बैठे हो। हट जाओ। तुम एक छोटे हाथी की तरह हो।”
“माफ़ करना, डी.एल.एफ.,” एडमंड ने कहा। “क्या अब ठीक है?”
“आह! नहीं!” ट्रंपकिन दहाड़ा। “तुम मेरे मुंह में अपना जूता डाल रहे हो। चले जाओ।”
“क्या राजा कैस्पियन कहीं हैं?” पीटर ने पूछा।
“मैं यहाँ हूँ,” एक बेहद धीमी आवाज़ में कहा गया। “मुझे किसी चीज़ ने काट लिया है।”
उन सभी ने माचिस जलाने की आवाज़ सुनी। यह एडमंड था। छोटी सी लौ में उसका चेहरा दिखाई दिया, जो पीला और मैला लग रहा था। वह थोड़ी

देर इधर-उधर भटकता रहा, फिर मोमबत्ती मिली (वे अब दीपक का इस्तेमाल नहीं कर रहे थे, क्योंकि तेल खत्म हो गया था), उसे मेज पर रखा और जला दिया। जैसे ही लौ साफ दिखाई देने लगी, कई लोग उठ खड़े हुए। मोमबत्ती की रोशनी में छह चेहरे एक-दूसरे को देखते हुए पलकें झपका रहे थे।
“लगता है अब हमारा कोई दुश्मन बचा ही नहीं है,” पीटर ने कहा। “वो डायन मर चुकी है।” (उसने जल्दी से अपनी नज़रें उससे हटा लीं।) “और निकेब्रिक भी मर चुका है। और मुझे लगता है ये कोई भेड़िया- भेड़िया है। मैंने इसे बहुत दिनों से नहीं देखा। भेड़िये का सिर और इंसान का शरीर। इसका मतलब है कि जिस समय उसे मारा गया, उस समय वो इंसान से भेड़िये में बदल रहा था। और आप, मुझे लगता है, राजा कैस्पियन हैं?”
“हां,” दूसरे लड़के ने कहा। “लेकिन मुझे नहीं पता कि आप कौन हैं।”
ट्रम्पकिन ने कहा, "यह सर्वोच्च राजा, राजा पीटर हैं।" "महामहिम, आपका हार्दिक स्वागत है," कैस्पियन ने कहा।
“और महाराज, आपका भी यही हाल है,” पीटर ने कहा। “मैं आपकी जगह लेने नहीं आया हूँ, बल्कि आपको उस पद पर बिठाने आया हूँ।” “महाराज,” पीटर के ठीक बगल से एक और आवाज़ आई। वह मुड़ा और खुद को बैजर के सामने पाया। पीटर आगे झुका, अपनी बाहों में जानवर को भर लिया और उसके रोएँदार सिर को चूमा: यह उसके लिए कोई बचकाना काम नहीं था, क्योंकि वह सर्वोच्च राजा था।
“सबसे बेहतरीन बिज्जू,” उसने कहा। “तुमने कभी हम पर शक नहीं किया।”

“महाराज, मुझे इसका श्रेय नहीं जाता,” ट्रफलहंटर ने कहा। “मैं एक जानवर हूँ और हम बदलते नहीं हैं। मैं एक बिज्जू हूँ, और हम डटे रहते हैं।”
“मुझे निकेब्रिक के लिए बहुत दुख है,” कैस्पियन ने कहा, “हालाँकि उसने मुझे देखते ही मुझसे नफरत करना शुरू कर दिया था। लंबे समय तक दुख सहने और नफरत करने के कारण वह अंदर से कड़वा हो गया था। अगर हम जल्दी जीत जाते तो शांति के दिनों में वह एक अच्छा बौना बन सकता था। मुझे नहीं पता कि हममें से किसने उसे मारा। मुझे इस बात की खुशी है।”
“तुम्हें खून बह रहा है,” पीटर ने कहा।
“हाँ, मुझे काट लिया गया है,” कैस्पियन ने कहा। “वो भेड़िये ने काटा था।” घाव को साफ करने और पट्टी बांधने में काफी समय लगा, और जब ये सब हो गया तो ट्रम्पकिन ने कहा, “अब। बाकी सब से पहले हमें नाश्ता चाहिए।”
“लेकिन यहाँ नहीं,” पीटर ने कहा।
“नहीं,” कैस्पियन ने कांपते हुए कहा। “और हमें शवों को ले जाने के लिए किसी को भेजना होगा।”
“कीड़े-मकोड़ों को गड्ढे में फेंक दो,” पीटर ने कहा। “परन्तु बौने को हम उसके लोगों को सौंप देंगे ताकि वे उसे अपने रीति- रिवाज से दफना सकें।”
आखिरकार उन्होंने अस्लान के घर के एक और अंधेरे तहखाने में नाश्ता किया। यह वैसा नाश्ता नहीं था जैसा वे चाहते थे, क्योंकि कैस्पियन और कॉर्नेलियस हिरण के मांस की पेस्ट्री के बारे में सोच रहे थे, और पीटर और एडमंड मक्खन लगे अंडे और गर्म कॉफी के बारे में, लेकिन सभी को थोड़ा सा ठंडा भालू का मांस (लड़कों की जेब से), पनीर का एक टुकड़ा, एक प्याज और एक मग पानी मिला। लेकिन,

जिस तरह से वे गिर पड़े, उसे देखकर कोई भी समझ जाता कि यह स्वादिष्ट था।

तेरह

सर्वोच्च राजा कमान में

“अब,” पीटर ने खाना खत्म करते हुए कहा, “असलान और लड़कियाँ (यानी रानी सुसान और रानी लूसी, कैस्पियन) कहीं आस-पास ही हैं। हमें नहीं पता कि वह कब कार्रवाई करेगा। अपने समय पर, निस्संदेह, हमारे समय पर नहीं। इस बीच वह चाहता है कि हम अपनी तरफ से जो कर सकते हैं, वह करें। तुम कहते हो, कैस्पियन, हम मिराज से आमने- सामने की लड़ाई लड़ने के लिए काफी मजबूत नहीं हैं।”
“मुझे खेद है, महाराज,” कैस्पियन ने कहा। वह पीटर को बहुत पसंद करता था, लेकिन कुछ बोल नहीं पा रहा था। उसके लिए प्राचीन कथाओं के महान राजाओं से मिलना, उनके लिए उससे मिलने से कहीं अधिक विचित्र था।
“ठीक है,” पीटर ने कहा, “मैं उसे एकल मुकाबले के लिए चुनौती भेजूंगा।” इससे पहले किसी ने भी इस बारे में नहीं सोचा था। कैस्पियन ने कहा, "कृपया, क्या यह मैं नहीं हो सकता? मैं अपने पिता का बदला लेना चाहता हूँ।"
“तुम घायल हो,” पीटर ने कहा। “और वैसे भी, क्या वह तुम्हारी चुनौती पर हँस नहीं देगा? मेरा मतलब है, हमने देखा है कि तुम एक राजा और योद्धा हो, लेकिन वह तुम्हें एक बच्चे की तरह समझता है।”
“लेकिन महाराज,” पीटर के बिल्कुल पास बैठे और उससे अपनी निगाहें हटाए बिना बैजर ने कहा। “क्या वह आपसे भी चुनौती स्वीकार करेगा? वह जानता है कि आपकी सेना अधिक शक्तिशाली है।”

“शायद वो ऐसा नहीं करेगा,” पीटर ने कहा, “लेकिन संभावना तो हमेशा रहती है। और अगर वो ऐसा नहीं भी करता है, तो हम दिन का ज़्यादातर समय दूतों को इधर-उधर भेजने और बाकी कामों में बिताएंगे। तब तक शायद अस्लान कुछ कर चुका हो। और कम से कम मैं सेना का निरीक्षण कर सकता हूँ और स्थिति को मज़बूत कर सकता हूँ। मैं चुनौती भेजूँगा। दरअसल, मैं इसे अभी लिखूँगा। क्या आपके पास कलम और स्याही है, मास्टर डॉक्टर?”
“महाराज, एक विद्वान इनके बिना कभी नहीं रह सकता,” डॉक्टर कॉर्नेलियस ने उत्तर दिया।
“ठीक है, मैं लिखवाऊंगा,” पीटर ने कहा। और जब डॉक्टर ने चर्मपत्र फैलाया, अपनी स्याही की दवात खोली और कलम को तेज किया, तो पीटर आधी बंद आँखों से पीछे झुक गया और अपने मन में उस भाषा को याद करने लगा जिसमें उसने बहुत पहले नार्निया के स्वर्ण युग में ऐसी बातें लिखी थीं।
“ठीक है,” उसने अंत में कहा। “और अब, अगर आप तैयार हैं, डॉक्टर?” डॉक्टर कॉर्नेलियस ने अपनी कलम पानी में डुबोई और प्रतीक्षा करने लगे। पीटर ने निम्नलिखित बातें लिखवाईं:
“पीटर, अस्लान के वरदान से, चुने जाने से, विधि द्वारा और विजय द्वारा, नार्निया के सभी राजाओं के सर्वोच्च राजा, एकाकी द्वीपों के सम्राट और कैर पैरावल के स्वामी, सिंह के सबसे महान आदेश के शूरवीर, कैस्पियन अष्टम के पुत्र मिराज को, जो कभी नार्निया के संरक्षक थे और अब स्वयं को नार्निया का राजा कहते हैं, नमस्कार। क्या आपको यह समझ आया?”
“नार्निया, अल्पविराम, नमस्कार,” डॉक्टर ने बुदबुदाते हुए कहा। “जी महाराज।”

“तो फिर एक नया पैराग्राफ शुरू करो,” पीटर ने कहा। रक्तपात को रोकने और नार्निया राज्य में चल रहे युद्धों से उत्पन्न होने वाली सभी असुविधाओं से बचने के लिए, हम अपने विश्वसनीय और प्रिय कैस्पियन की ओर से, आपके समक्ष यह सिद्ध करने के लिए युद्ध की शपथ लेते हैं कि कैस्पियन हमारे अधीन नार्निया में वैध राजा हैं, जो हमारे उपहार और टेल्मारिन के कानूनों द्वारा अधिकृत हैं। साथ ही, आप दो बार विश्वासघात के दोषी हैं: एक बार कैस्पियन को नार्निया का प्रभुत्व देने से इनकार करने के लिए, और दूसरी बार अपने प्रिय स्वामी और भाई राजा कैस्पियन नौवें की जघन्य हत्या के लिए (कृपया इसे H से लिखें, डॉक्टर)। इसलिए हम आपके समक्ष इस युद्ध और एकाधिकार के लिए हार्दिक रूप से चुनौती देते हैं और ये पत्र अपने प्रिय और शाही भाई एडमंड के हाथों से भेजे हैं, जो कभी नार्निया में हमारे अधीन राजा थे, लैंटर्न वेस्ट के ड्यूक और वेस्टर्न के काउंट हैं। मार्च, नोबल ऑर्डर ऑफ द टेबल के नाइट, जिन्हें हमने उक्त युद्ध की सभी शर्तों को आपके साथ निर्धारित करने का पूर्ण अधिकार दिया है। यह पत्र नार्निया के कैस्पियन वर्ष के प्रथम दसवें महीने के ग्रीनरूफ माह की बारहवीं तिथि को अस्लान्स हाउ स्थित हमारे आवास पर दिया गया। “इतना काफी होगा,” पीटर ने गहरी सांस लेते हुए कहा। “और अब हमें राजा एडमंड के साथ दो और लोगों को भेजना होगा। मुझे लगता है कि विशालकाय व्यक्ति उनमें से एक होना चाहिए।”
"वह—वह बहुत चालाक नहीं है, तुम्हें पता है," कैस्पियन ने कहा। “बिल्कुल नहीं,” पीटर ने कहा। “लेकिन कोई भी विशालकाय व्यक्ति तभी प्रभावशाली दिखता है जब वह चुप रहे। और इससे उसका मन भी प्रसन्न हो जाएगा। लेकिन दूसरे के लिए कौन?”

ट्रम्पकिन ने कहा, "मेरी कसम, अगर आपको कोई ऐसा व्यक्ति चाहिए जो अपनी शक्ल से लोगों को दीवाना बना सके, तो रीपीचीप सबसे अच्छा विकल्प होगा।"
“मैंने जो सुना है, उससे तो यही लगता है कि वो ज़रूर आएगा,” पीटर ने हंसते हुए कहा। “काश वो इतना छोटा न होता। नहीं तो पास आने तक लोग उसे देख भी नहीं पाते!”
“महाराज, ग्लेनस्टॉर्म को भेजिए,” ट्रफलहंटर ने कहा। “सेंटॉर पर कभी कोई नहीं हँसता।”

एक घंटे बाद, मिराज की सेना के दो महान सरदार, लॉर्ड ग्लोज़ेल और लॉर्ड सोपेस्पियन, नाश्ते के बाद टहलते हुए और अपने दांत साफ करते हुए, ऊपर देखा तो उन्हें जंगल से सेंटॉर और विशालकाय विंबलवेदर उनकी ओर आते हुए दिखाई दिए, जिन्हें उन्होंने पहले युद्ध में देखा था, और उनके बीच एक ऐसी आकृति थी जिसे वे पहचान नहीं पाए। वास्तव में, एडमंड के स्कूल के अन्य लड़के भी उसे उस समय देख पाते तो शायद पहचान नहीं पाते। क्योंकि अस्लान ने उनसे मुलाकात के समय उस पर अपनी सांस फूंकी थी और उसके चारों ओर एक विशेष प्रकार की महानता छाई हुई थी।
“अब क्या करें?” लॉर्ड ग्लोज़ेल ने पूछा। “हमला करें?”

“बल्कि, एक वार्ता,” सोपेस्पियन ने कहा। “देखो, इनके हाथ में हरी डालियाँ हैं। ये संभवतः आत्मसमर्पण करने आ रहे हैं।”
“जो सेंटॉर और दानव के बीच चल रहा है, उसके चेहरे पर आत्मसमर्पण का कोई भाव नहीं है,” ग्लोज़ेल ने कहा। “वह कौन हो सकता है? वह बालक कैस्पियन तो नहीं है।”
“जी हाँ,” सोपेस्पियन ने कहा। “मैं आपको यकीन दिलाता हूँ कि यह एक भयंकर योद्धा है, चाहे विद्रोहियों ने इसे कहीं से भी पकड़ा हो। (आपके कान में) यह मिराज से भी कहीं अधिक शाही है। और इसका कवच कैसा है! हमारे लोहार ऐसा कवच नहीं बना सकते।”

ग्लोज़ेल ने कहा, "मैं शर्त लगाता हूँ कि मेरा चितकबरा पोमेली चुनौती पेश करेगा, आत्मसमर्पण नहीं।"
“तो फिर क्या?” सोपेस्पियन ने कहा। “दुश्मन हमारी मुट्ठी में है। मिराज इतना मूर्ख कभी नहीं होगा कि युद्ध में मिली अपनी बढ़त को गंवा दे।”
"उसे इस स्थिति में लाया जा सकता है," ग्लोज़ेल ने बहुत धीमी आवाज़ में कहा।
“धीरे से,” सोपेस्पियन ने कहा। “उन संतरियों की सुनने की सीमा से थोड़ा बाहर हट जाइए। अब। क्या मैंने आपके लॉर्डशिप का मतलब सही समझा है?”
"अगर राजा युद्ध की शर्त लगाता है," ग्लोज़ेल ने फुसफुसाते हुए कहा, "तो या तो वह मारेगा या मारा जाएगा।"
“तो,” सोपेस्पियन ने सिर हिलाते हुए कहा।
और अगर उसने हत्या की होती तो हम यह युद्ध जीत जाते।
“बिल्कुल। और अगर नहीं तो?”
“अगर ऐसा नहीं है, तो हम राजा की कृपा के बिना भी उतनी ही आसानी से जीत सकते हैं जितनी उनकी कृपा से। क्योंकि मुझे आपको यह बताने की आवश्यकता नहीं है कि मिराज कोई बहुत बड़ा सेनापति नहीं है। और उसके बाद, हम विजयी तो होंगे लेकिन राजाविहीन।” “और हे प्रभु, आपका तात्पर्य यह है कि हम दोनों इस भूमि पर राजा के बिना भी उतनी ही आसानी से शासन कर सकते हैं जितनी कि राजा के साथ?”
ग्लोज़ेल का चेहरा बिगड़ गया। उसने कहा, “यह मत भूलो कि हमने ही सबसे पहले उसे सिंहासन पर बिठाया था। और इतने वर्षों तक उसने सिंहासन का आनंद लिया, इस दौरान हमें क्या लाभ मिला? उसने हमारे प्रति क्या कृतज्ञता दिखाई?”

“और कुछ मत कहो,” सोपेस्पियन ने उत्तर दिया। “लेकिन देखो—हमें राजा के तम्बू में ले जाने के लिए एक व्यक्ति आ रहा है।”
जब वे मिराज के तंबू में पहुँचे तो उन्होंने देखा कि एडमंड और उसके दो साथी तंबू के बाहर बैठे हुए थे और केक और शराब का आनंद ले रहे थे। वे चुनौती दे चुके थे और राजा के विचार करते समय वहाँ से चले गए थे। जब दोनों तेलमरीन सरदारों ने उन्हें इतनी नज़दीक से देखा तो उन्हें वे तीनों बेहद खतरनाक लगे।
अंदर उन्हें मिराज मिला, जो निहत्था था और अपना नाश्ता खत्म कर रहा था। उसका चेहरा लाल था और माथे पर शिकन थी।
“लो!” वह गुर्राया और कागज़ को मेज पर उनकी ओर फेंकते हुए बोला। “देखो, हमारे नटखट भतीजे ने हमें बच्चों की कहानियों का कैसा पुलिंदा भेजा है।”
"महाराज, आपकी अनुमति से," ग्लोज़ेल ने कहा। "यदि वह युवा योद्धा जिसे हमने अभी बाहर देखा है, वही राजा एडमंड है जिसका उल्लेख लेख में किया गया है, तो मैं उसे बच्चों की कहानी का पात्र नहीं बल्कि एक बहुत ही खतरनाक योद्धा कहूंगा।"
“राजा एडमंड, छी!” मिराज ने कहा। “क्या महाराज पीटर और एडमंड और बाकी लोगों के बारे में उन पुरानी कहानियों पर विश्वास करते हैं?”
"महामहिम, मुझे अपनी आँखों पर विश्वास है," ग्लोज़ेल ने कहा। “खैर, इसका कोई फायदा नहीं है,” मिराज ने कहा, “लेकिन चुनौती के बारे में, मुझे लगता है कि हम दोनों के बीच केवल एक ही राय है?” “मुझे लगता है ऐसा ही है, महाराज,” ग्लोज़ेल ने कहा।
“और वह क्या है?” राजा ने पूछा।
“इसे अस्वीकार करना ही सबसे अच्छा होगा,” ग्लोज़ेल ने कहा। “भले ही मुझे कभी कायर नहीं कहा गया हो, लेकिन मुझे स्पष्ट रूप से

कहना होगा कि उस नौजवान से युद्ध में लड़ना मेरे बस की बात नहीं है। और अगर (जैसा कि संभव है) उसका भाई, महाराजा, उससे भी ज़्यादा खतरनाक है—तो हे महाराज, अपनी जान की कसम, उससे कोई वास्ता मत रखिएगा।”
“तुम पर लानत हो!” मिराज चिल्लाया। “मुझे इस तरह की सलाह नहीं चाहिए थी। क्या तुम्हें लगता है कि मैं तुमसे यह पूछ रहा हूँ कि क्या मुझे इस पीटर (अगर ऐसा कोई व्यक्ति है) से मिलने से डरना चाहिए? क्या तुम्हें लगता है कि मैं उससे डरता हूँ? मैं तो इस मामले की नीति पर तुम्हारी सलाह चाहता था; कि क्या हमें, फायदा होने के बावजूद, युद्ध की बाज़ी लगानी चाहिए।”
“जिसका उत्तर मैं केवल यही दे सकता हूँ, महाराज,” ग्लोज़ेल ने कहा, “कि हर कारण से इस चुनौती को अस्वीकार कर देना चाहिए। उस अजनबी योद्धा के चेहरे पर मृत्यु के भाव हैं।”
“तुम फिर से वही कर रहे हो!” मिराज गुस्से से आग बबूला होकर बोला। “क्या तुम यह साबित करने की कोशिश कर रहे हो कि मैं भी तुम्हारी तरह ही कायर हूँ?”
"महामहिम, आप अपनी इच्छा बता सकते हैं," ग्लोज़ेल ने रूठते हुए कहा।
“ग्लोज़ेल, तुम एक बूढ़ी औरत की तरह बात करती हो,” राजा ने कहा। “आप क्या कहते हैं, मेरे स्वामी सोपेस्पियन?”
“महाराज, इसे मत छुइए,” उत्तर आया। “महाराज ने इस नीति के बारे में जो कहा है, वह बहुत ही उपयुक्त है। इससे महाराज को बिना किसी संदेह के इसे अस्वीकार करने का ठोस आधार मिल जाता है, जिससे महाराज के सम्मान या साहस पर कोई सवाल नहीं उठता।”
“हे भगवान!” मिराज उछलते हुए बोला। “क्या आज तुम भी जादू के असर में हो? क्या तुम्हें लगता है कि मैं इसे अस्वीकार करने का

बहाना ढूंढ रहा हूँ? तुम मुझे सीधे मेरे सामने कायर कह सकते हो।”
बातचीत बिलकुल वैसे ही चल रही थी जैसा दोनों सरदार चाहते थे, इसलिए उन्होंने कुछ नहीं कहा।
“मैं समझ गया,” मिराज ने उन्हें ऐसे घूरते हुए कहा मानो उसकी आँखें फटी रह जाएँगी, “तुम लोग खरगोश की तरह डरपोक हो और मेरी भावनाओं को अपने जैसा समझने की हिम्मत रखते हो! इनकार करने का यही कारण है! लड़ने से बचने के बहाने! क्या तुम सैनिक हो? क्या तुम तेलमारिन हो? क्या तुम मर्द हो? और अगर मैं इनकार कर देता हूँ (जैसा कि कप्तानी और युद्ध नीति के सभी अच्छे कारण मुझे करने के लिए कहते हैं) तो तुम सोचोगे, और दूसरों को भी यही सोचने को सिखाओगे, कि मैं डर गया था। क्या ऐसा नहीं है?”
ग्लोज़ेल ने कहा, "महामहिम की उम्र का कोई भी व्यक्ति किसी महान योद्धा के साथ उसकी युवावस्था में युद्ध करने से इनकार करने पर किसी भी बुद्धिमान सैनिक द्वारा कायर नहीं कहलाएगा।"
“तो क्या मैं एक बूढ़ा और साथ ही एक नीच व्यक्ति बन जाऊँगा, जिसका एक पैर कब्र में है?” मिराज दहाड़ा। “मैं आपको बताता हूँ, मेरे स्वामियों। आपकी स्त्री-समान सलाहों (जो हमेशा नीतिगत मुद्दे से भटकती रहती हैं) से आपने अपने इरादे के बिल्कुल विपरीत काम किया है। मैं इसे अस्वीकार करना चाहता था। लेकिन मैं इसे स्वीकार करूँगा। सुन रहे हो, स्वीकार करो! मैं शर्मिंदा नहीं होऊँगा क्योंकि किसी जादू-टोने या राजद्रोह ने आप दोनों के खून को जमा दिया है।”
“हम आपकी महामहिम से विनती करते हैं—” ग्लोज़ेल ने कहा, लेकिन मिराज तम्बू से बाहर निकल आया था और वे उसे एडमंड के सामने अपनी स्वीकृति चिल्लाते हुए सुन सकते थे।

दोनों सरदारों ने एक-दूसरे की ओर देखा और धीरे से मुस्कुराए। ग्लोज़ेल ने कहा, "मुझे पता था कि अगर उसे ठीक से गुस्सा दिलाया जाए तो वह ऐसा कर देगा। लेकिन मैं यह नहीं भूलूंगा कि उसने मुझे कायर कहा था। इसका बदला चुकाना होगा।"
जब खबर वापस आई और सभी प्राणियों तक पहुंची तो अस्लान के घर में हलचल मच गई। एडमंड ने मिराज के एक सेनापति के साथ मिलकर युद्ध स्थल को चिह्नित कर दिया था और उसके चारों ओर रस्सियाँ और खूंटे गाड़ दिए गए थे। दो टेलमारिन दो कोनों पर और एक बीच में, सूची के मार्शल के रूप में खड़े होने वाले थे। बाकी दो कोनों और दूसरी तरफ के लिए तीन मार्शल उच्च राजा द्वारा नियुक्त किए जाने थे। पीटर अभी कैस्पियन को समझा ही रहा था कि वह मार्शल नहीं बन सकता, क्योंकि वे सिंहासन पर अपने अधिकार के लिए लड़ रहे थे, तभी अचानक एक भारी, नींद भरी आवाज आई, "महाराज, कृपया।" पीटर मुड़ा और वहाँ बल्गी भालुओं में सबसे बड़ा खड़ा था। "यदि आप चाहें, महाराज," उसने कहा, "मैं एक भालू हूँ, मैं हूँ।"
"बिल्कुल, तुम एक अच्छे भालू हो, इसमें मुझे कोई संदेह नहीं है," पीटर ने कहा।
“हां,” भालू ने कहा। “लेकिन सूची के एक मार्शल की नियुक्ति करना भालुओं का हमेशा से अधिकार रहा है।”
“उसे ऐसा मत करने दो,” ट्रम्पकिन ने पीटर से फुसफुसाते हुए कहा। “वह एक अच्छा प्राणी है, लेकिन वह हम सबको शर्मिंदा कर देगा। वह सो जाएगा और अपने पंजे चूसेगा। वह भी दुश्मन के सामने।”
“मैं इसमें कुछ नहीं कर सकता,” पीटर ने कहा। “क्योंकि वह बिल्कुल सही कह रहा है। बियर्स को यह सौभाग्य प्राप्त था। मैं कल्पना भी नहीं कर सकता कि इतने वर्षों में इसे कैसे याद रखा गया है, जबकि अन्य कई चीजें भुला दी गई हैं।”

“महाराज,” भालू ने कहा।
“यह तुम्हारा अधिकार है,” पीटर ने कहा। “और तुम मार्शलों में से एक बनोगे। लेकिन याद रखना कि अपने पंजे मत चूसना।”
"बिल्कुल नहीं," भालू ने बेहद हैरान स्वर में कहा।
“क्यों, तुम इसे अभी इसी वक्त करोगे!” ट्रंप समर्थक चिल्लाया।

भालू ने अपना पंजा मुंह से झटक कर बाहर निकाला और ऐसा दिखावा किया जैसे उसने कुछ सुना ही न हो।
“महाराज!” जमीन के पास से एक तीखी आवाज आई।
"आह—रीपीचीप!" पीटर ने चूहे द्वारा संबोधित किए जाने पर लोगों की तरह ऊपर-नीचे और चारों ओर देखने के बाद कहा।
“महाराज,” रीपीचीप ने कहा। “मेरा जीवन सदा आपके अधीन है, परन्तु मेरी प्रतिष्ठा मेरी अपनी है। महाराज, मेरी प्रजा में एकमात्र तुरही वादक है जो आपकी सेना में तुरही बजाता है। मैंने सोचा था कि शायद हमें चुनौती के साथ भेजा गया हो। महाराज, मेरी प्रजा दुखी है। शायद यदि आप चाहें कि मैं सेना का प्रमुख बन जाऊं, तो वे संतुष्ट हो जाएंगे।”

ठीक उसी समय, ऊपर आसमान से बिजली कड़कने जैसी तेज़ आवाज़ आई, और विशालकाय विंबलवेदर अपनी उन बेतुकी हंसी में से एक हंस पड़ा, जो अच्छे स्वभाव वाले दानवों की आदत होती है। उसने तुरंत खुद को संभाला और जब तक रीपीचीप को आवाज़ का स्रोत पता चला, तब तक उसका चेहरा एकदम गंभीर हो चुका था।
“मुझे डर है कि यह ठीक नहीं होगा,” पीटर ने बहुत गंभीरता से कहा। “कुछ इंसान चूहों से डरते हैं—”
“मैंने इसे देखा था, महाराज,” रीपीचीप ने कहा।
पीटर ने आगे कहा, "मिराज के साथ यह बिल्कुल भी उचित नहीं होगा कि हम ऐसी किसी भी चीज को देखें जिससे उसके साहस में कमी आ सके।" “महाराज, आप सम्मान के प्रतीक हैं,” चूहे ने अपने प्रशंसनीय प्रणाम के साथ कहा। “और इस मामले में हमारी राय एक ही है… मुझे अभी किसी के हंसने की आवाज़ सुनाई दी। अगर यहाँ मौजूद कोई भी मुझे अपने व्यंग्य का निशाना बनाना चाहे, तो मैं अपनी तलवार के साथ उसकी सेवा में तत्पर हूँ, जब भी उसे फुर्सत मिले।”

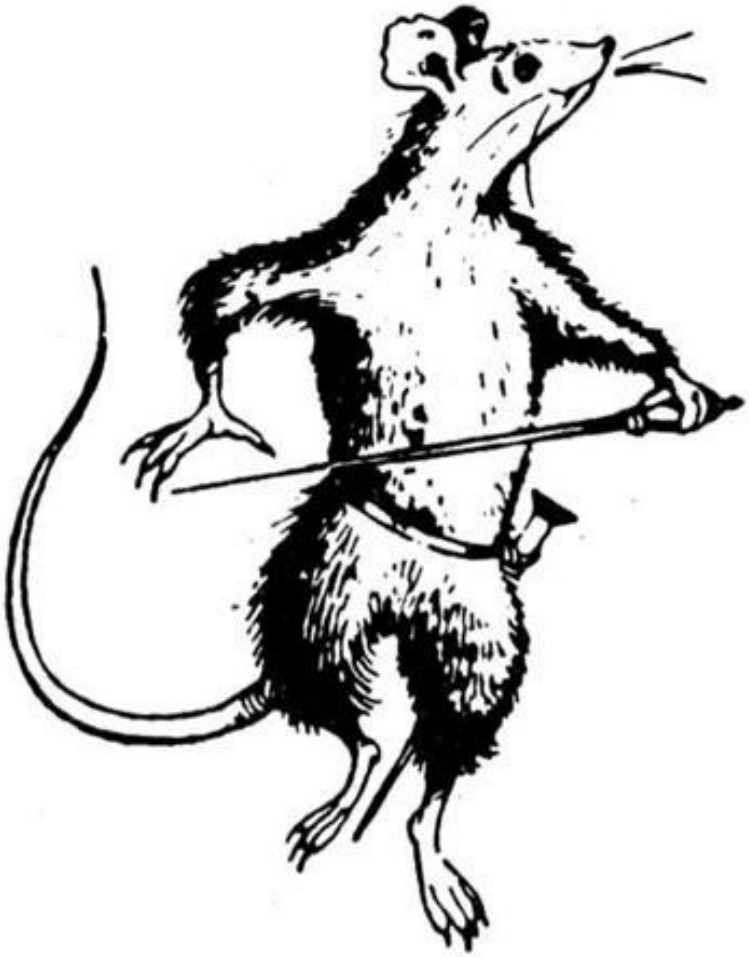

इस टिप्पणी के बाद सन्नाटा छा गया, जिसे पीटर के यह कहने से तोड़ा गया, “विशालकाय विंबलवेदर, भालू और सेंटॉर ग्लेनस्टॉर्म हमारे मार्शल होंगे। लड़ाई दोपहर दो बजे के दो घंटे बाद होगी। दोपहर ठीक 12 बजे भोजन होगा।”
“मैं कहता हूँ,” एडमंड ने उनके जाते हुए कहा, “मुझे लगता है कि यह ठीक है। मेरा मतलब है, मुझे लगता है कि तुम उसे हरा सकते हो?” "मैं उससे यही पता लगाने के लिए लड़ रहा हूं," पीटर ने कहा।

चौदह

सभी लोग बहुत व्यस्त थे

दो बजने से कुछ ही पहले, ट्रम्पकिन और बैजर बाकी जीवों के साथ जंगल के किनारे बैठे थे और मिराज की सेना की चमकती हुई पंक्ति को देख रहे थे, जो लगभग दो तीर की दूरी पर थी। बीच में, समतल घास का एक चौकोर मैदान युद्ध के लिए चिह्नित किया गया था। दो दूर के कोनों पर ग्लोज़ेल और सोपेस्पियन तलवारें खींचे खड़े थे। पास के कोनों पर विशालकाय विंबलवेदर और बल्गी भालू थे, जो उनकी तमाम चेतावनियों के बावजूद अपने पंजे चूस रहा था और सच कहूँ तो, बेहद मूर्ख लग रहा था। इसकी भरपाई के लिए, दाईं ओर ग्लेनस्टॉर्म, जो बिल्कुल स्थिर खड़ा था, सिवाय कभी-कभार घास पर अपना पिछला खुर पटकने के, बाईं ओर उसका सामना कर रहे टेलमरीन बैरन से कहीं अधिक प्रभावशाली लग रहा था। पीटर ने अभी-अभी एडमंड और डॉक्टर से हाथ मिलाया था और अब युद्ध के मैदान की ओर बढ़ रहा था। यह किसी महत्वपूर्ण दौड़ में पिस्तौल चलने से ठीक पहले के क्षण जैसा था, लेकिन उससे कहीं अधिक भयावह।
ट्रम्पकिन ने कहा, "काश, यह सब होने से पहले अस्लान आ गया होता।" “मैं भी,” ट्रफलहंटर ने कहा। “लेकिन अपने पीछे देखो।”
“कौवे और बर्तन!” बौने ने ऐसा करते ही बुदबुदाया। “ये क्या हैं? विशालकाय लोग—सुंदर लोग—देवताओं, देवियों और दानवों जैसे। सैकड़ों-हजारों की संख्या में, हमारे पीछे आ रहे हैं। ये क्या हैं?”
ट्रफलहंटर ने कहा, "ये ड्रायड्स, हमाड्रायड्स और सिल्वान्स हैं। अस्लान ने इन्हें जगाया है।"

“हम्फ!” बौने ने कहा। “दुश्मन के छल-कपट करने पर यह बहुत काम आएगा। लेकिन अगर मिराज तलवारबाजी में माहिर साबित हुआ तो इससे राजा को ज्यादा मदद नहीं मिलेगी।”
बैजर ने कुछ नहीं कहा, क्योंकि पीटर और मिराज दोनों विपरीत दिशाओं से मोर्चे पर आ रहे थे। दोनों पैदल थे, दोनों ने चेन शर्ट पहनी हुई थी, हेलमेट और ढाल भी उनके पास थे। वे तब तक आगे बढ़ते रहे जब तक कि वे एक-दूसरे के करीब नहीं आ गए। दोनों ने झुककर प्रणाम किया और मानो कुछ बोल रहे हों, लेकिन उनकी बात सुनना नामुमकिन था। अगले ही पल सूरज की रोशनी में दोनों तलवारें चमक उठीं। एक पल के लिए तलवारों के टकराने की आवाज़ सुनाई दी, लेकिन तुरंत ही वह दब गई क्योंकि दोनों सेनाएं फुटबॉल मैच में दर्शकों की तरह चिल्लाने लगीं।
“शाबाश, पीटर, वाह, शाबाश!” एडमंड ने मिराज को डेढ़ कदम पीछे हटते देख चिल्लाया। “जल्दी से आगे बढ़ो!” और पीटर ने ऐसा ही किया, और कुछ पलों के लिए ऐसा लगा जैसे लड़ाई जीत ली गई हो। लेकिन फिर मिराज ने खुद को संभाला—अपनी लंबाई और वजन का पूरा फायदा उठाना शुरू कर दिया। “मिराज! मिराज! राजा! राजा!” टेल्मारिन्स की गर्जना गूंजी। कैस्पियन और एडमंड घबराहट से पीले पड़ गए।

"पीटर को काफी बुरी चोटें लग रही हैं," एडमंड ने कहा।
“हैलो!” कैस्पियन ने कहा। “अभी क्या हो रहा है?”
“दोनों बिखर रहे हैं,” एडमंड ने कहा। “मुझे लगता है कि थोड़ा सा टूट गए हैं। देखो। आह, अब वे फिर से शुरू कर रहे हैं, इस बार अधिक वैज्ञानिक तरीके से। गोल-गोल घूम रहे हैं, एक-दूसरे की सुरक्षा को परख रहे हैं।”
“मुझे लगता है कि मिराज को अपना काम अच्छी तरह आता है,” डॉक्टर ने बुदबुदाते हुए कहा। लेकिन उनके ऐसा कहते ही, बूढ़े

नार्नियावासियों के बीच इतनी ज़ोरदार तालियाँ, चीख-पुकार और नकाबों का फूँकना शुरू हो गया कि कान बहरे हो गए।
“क्या था? क्या था?” डॉक्टर ने पूछा। “मेरी बूढ़ी आँखों ने इसे नहीं देखा।”
“हाई किंग ने उसकी बगल में सुई चुभाई है,” कैस्पियन ने ताली बजाते हुए कहा। “ठीक उसी जगह जहाँ कवच के बाजूबंद के छेद से सुई निकली थी। पहला खून।”
“अब तो हालात फिर से खराब लग रहे हैं,” एडमंड ने कहा। “पीटर अपनी ढाल का सही इस्तेमाल नहीं कर रहा है। उसकी बाईं बांह में चोट लगी होगी।”
यह बिलकुल सच था। हर कोई देख सकता था कि पीटर की ढाल बेजान पड़ी थी। टेल्मारिन्स का शोर और भी तेज हो गया।
“तुमने मुझसे ज़्यादा युद्ध देखे हैं,” कैस्पियन ने कहा। “क्या अब कोई उम्मीद है?”
“बहुत कम संभावना है,” एडमंड ने कहा। “मुझे लगता है कि शायद वह कर भी ले। अगर किस्मत अच्छी रही तो।”
“अरे, हमने ऐसा होने ही क्यों दिया?” कैस्पियन ने कहा।
अचानक दोनों तरफ से हो रही चीख-पुकार थम गई। एडमंड एक पल के लिए असमंजस में पड़ गया। फिर उसने कहा, “ओह, मैं समझ गया। दोनों आराम करने के लिए राजी हो गए हैं। चलिए, डॉक्टर। आप और मैं शायद महाराज के लिए कुछ कर सकें।” वे दौड़कर मैदान में गए और पीटर रस्सियों के बाहर उनसे मिलने आया, उसका चेहरा लाल और पसीने से भीगा हुआ था, उसकी छाती ज़ोर-ज़ोर से धड़क रही थी।
“क्या तुम्हारा बायां हाथ घायल है?” एडमंड ने पूछा।
“यह कोई ज़ख्म तो नहीं है,” पीटर ने कहा। “उसके कंधे का पूरा वज़न मेरी ढाल पर पड़ा—जैसे ईंटों का ढेर—और ढाल का किनारा

मेरी कलाई में धंस गया। मुझे नहीं लगता कि यह टूटी है, लेकिन मोच ज़रूर है। अगर आप इसे अच्छे से बांध दें तो शायद मैं संभाल लूंगा।”
जब वे ऐसा कर रहे थे, एडमंड ने चिंता से पूछा, "पीटर, तुम उसके बारे में क्या सोचते हो?"
“मुश्किल है,” पीटर ने कहा। “बहुत मुश्किल। अगर मैं उसे तब तक परेशान करता रहूँ जब तक उसका वज़न और कमज़ोर हवा उसके खिलाफ़ न हो जाए—और वो भी इस तेज़ धूप में—तो मेरे पास मौका है। सच कहूँ तो, मेरे पास इसके अलावा कोई और मौका नहीं है। घर पर सबको मेरा प्यार देना, एड, अगर वो मुझसे मिल पाए। देखो, फिर से मैदान में उतरना पड़ रहा है। अलविदा, दोस्त। गुडबाय, डॉक्टर। और मैं कहता हूँ, एड, ट्रम्पकिन को कुछ खास अच्छी बातें कहना। वो कमाल का खिलाड़ी रहा है।”
एडमंड कुछ बोल नहीं सका। पेट में अजीब सी बेचैनी महसूस करते हुए वह डॉक्टर के साथ वापस अपनी जगह पर चला गया।
लेकिन नया मुकाबला अच्छा रहा। पीटर अब अपनी ढाल का कुछ हद तक इस्तेमाल कर पा रहा था, और उसने अपने पैरों का भी बखूबी इस्तेमाल किया। वह लगभग मिराज के साथ टिग की तरह खेल रहा था, दूरी बनाए रखते हुए, अपनी जगह बदलते हुए, दुश्मन को मेहनत करवा रहा था।
“कायर!” टेल्मारिन्स ने हूटिंग की। “तुम उसका सामना क्यों नहीं करते? तुम्हें अच्छा नहीं लग रहा? सोचा था लड़ने आए हो, नाचने नहीं। वाह!”
"ओह, मुझे उम्मीद है कि वह उनकी बात नहीं सुनेगा," कैस्पियन ने कहा।

“वो नहीं,” एडमंड ने कहा। “तुम उसे नहीं जानते—ओह!”—अंततः मिराज ने पीटर के हेलमेट पर वार कर दिया। पीटर लड़खड़ाया, एक तरफ फिसल गया और एक घुटने पर गिर पड़ा। टेल्मारिनों की दहाड़ समुद्र की लहरों की तरह गूंज उठी। “अब, मिराज,” वे चिल्लाए। “अब! जल्दी! जल्दी! उसे मार डालो।” लेकिन वास्तव में उस धोखेबाज को उकसाने की कोई ज़रूरत नहीं थी। वह पहले ही पीटर के ऊपर था। एडमंड ने अपने होंठ तब तक दबाए जब तक खून नहीं निकल आया, क्योंकि तलवार पीटर पर तेज़ी से गिरी। ऐसा लग रहा था मानो तलवार उसका सिर काट देगी। भगवान का शुक्र है! तलवार उसके दाहिने कंधे को छूकर निकल गई। बौनों द्वारा बनाया गया कवच मज़बूत था और टूटा नहीं।
“हे भगवान!” एडमंड चिल्लाया। “वह फिर से उठ गया। पीटर, जाओ, पीटर।”
डॉक्टर ने कहा, "मुझे समझ नहीं आया कि क्या हुआ। उसने यह कैसे किया?"
“मिराज का हाथ नीचे आते ही उसने उसे पकड़ लिया,” ट्रम्पकिन खुशी से झूमते हुए बोला। “वाह! क्या गजब का आदमी है! अपने दुश्मन के हाथ को सीढ़ी की तरह इस्तेमाल करता है। महान राजा! महान राजा! ऊपर, पुराने नार्निया!”
“देखो,” ट्रफलहंटर ने कहा। “मिराज गुस्से में है। यह अच्छी बात है।”
वे सचमुच पूरी ताकत से एक-दूसरे पर टूट पड़े थे: इतने ज़ोरदार वार हो रहे थे कि किसी का भी मारा जाना नामुमकिन लग रहा था। जैसे-जैसे उत्तेजना बढ़ती गई, चीख-पुकार लगभग थम सी गई। दर्शक अपनी सांसें थामे बैठे थे। यह बेहद भयानक और बेहद शानदार था।

पुराने नार्नियावासियों की ओर से ज़ोरदार चीख सुनाई दी। मिराज नीचे गिर गया था—पीटर ने उसे मारा नहीं था, बल्कि वह घास के गुच्छे में ठोकर खाकर मुंह के बल गिर गया था। पीटर पीछे हट गया और उसके उठने का इंतज़ार करने लगा।
“अरे बाप रे, बाप रे, बाप रे,” एडमंड ने मन ही मन कहा। “क्या उसे इतना सभ्य होना ज़रूरी है? मुझे लगता है कि उसे होना ही पड़ेगा। शूरवीर और उच्च राजा होने का यही नतीजा होता है। मुझे लगता है कि अस्लान भी यही चाहता होगा। लेकिन वह जाहिल एक मिनट में फिर उठ खड़ा होगा और फिर—”
लेकिन वह “क्रूर” कभी उठा ही नहीं। लॉर्ड्स ग्लोज़ेल और सोपेस्पियन की अपनी योजनाएँ तैयार थीं। जैसे ही उन्होंने अपने राजा को गिरा हुआ देखा, वे युद्ध के मैदान में कूद पड़े और चिल्लाने लगे, “विश्वासघात! विश्वासघात! नार्निया के गद्दार ने असहाय पड़े राजा की पीठ में छुरा घोंपा है। हथियार उठाओ! हथियार उठाओ, तेलमार!”
पीटर को समझ ही नहीं आ रहा था कि क्या हो रहा है। उसने दो बड़े आदमियों को तलवारें खींचे अपनी ओर दौड़ते देखा। तभी तीसरा टेलमरीन उसके बाईं ओर रस्सियों के ऊपर से कूद गया। “हथियार उठाओ, नार्निया! विश्वासघात!” पीटर चिल्लाया। अगर तीनों उस पर एक साथ टूट पड़ते तो वह फिर कभी बोल नहीं पाता। लेकिन ग्लोज़ेल रुका और अपने ही राजा को वहीं पर वार करके मार डाला: “आज सुबह तुम्हारे अपमान का बदला,” उसने फुसफुसाते हुए कहा जैसे ही तलवार उसके शरीर में घुसी। पीटर घूमकर सोपेस्पियन की ओर मुड़ा, उसके पैरों को काट डाला और उसी वार से उसका सिर धड़ से अलग कर दिया। एडमंड अब उसके पास था और चिल्ला रहा था, “नार्निया! नार्निया! शेर!” पूरी टेलमरीन सेना उनकी ओर दौड़ रही थी। लेकिन अब दानव

आगे बढ़ रहा था, झुककर अपना गदा चला रहा था। सेंटॉर ने हमला कर दिया। पीछे से ट्वांग-ट्वांग की आवाज़ और ऊपर से फुफकार-फुफकार की आवाज़ के साथ बौनों के तीरंदाजी की आवाज़ आ रही थी। ट्रम्पकिन उसके बाईं ओर लड़ रहा था। पूरा युद्ध छिड़ गया। “वापस आ जाओ, रीपीचीप, छोटे गधे!” पीटर चिल्लाया। “तुम मारे जाओगे। यह चूहों की जगह नहीं है।” लेकिन वे अजीबोगरीब छोटे जीव दोनों सेनाओं के पैरों के बीच नाचते-नाचते अपनी तलवारों से वार कर रहे थे। उस दिन कई टेल्मारिन योद्धाओं को लगा जैसे उनके पैर में एक साथ कई सीढ़ियाँ चुभ गई हों, वे दर्द से कराहते हुए एक पैर पर लंगड़ाते और अक्सर गिर पड़ते। अगर वे गिर जाते, तो चूहे उन्हें खत्म कर देते; अगर वे नहीं गिरते, तो कोई और उन्हें मार देता।
लेकिन इससे पहले कि बूढ़े नार्नियावासी अपने काम में पूरी तरह से जुट पाते, उन्होंने देखा कि दुश्मन पीछे हट रहा है। कठोर दिखने वाले योद्धाओं का चेहरा पीला पड़ गया, वे बूढ़े नार्नियावासियों की ओर नहीं, बल्कि अपने पीछे किसी चीज़ की ओर भयभीत होकर देखने लगे, और फिर चीखते हुए अपने हथियार फेंक दिए, “जंगल! जंगल! दुनिया का अंत!”
लेकिन जल्द ही न तो उनकी चीखें सुनाई दे रही थीं और न ही हथियारों की आवाज, क्योंकि जागृत वृक्षों की समुद्र जैसी गर्जना में दोनों ही दहक गईं, जो पीटर की सेना की पंक्तियों को चीरते हुए, और फिर टेल्मारिन्स का पीछा करते हुए आगे बढ़ रहे थे। क्या आपने कभी किसी ऊँची पहाड़ी पर स्थित विशाल जंगल के किनारे खड़े होकर शरद ऋतु की शाम को उस पर गरजती हुई तेज़ दक्षिण-पश्चिमी हवा का अनुभव किया है? उस आवाज़ की कल्पना कीजिए। और फिर कल्पना कीजिए कि जंगल, एक जगह स्थिर रहने के बजाय,

आपकी ओर तेज़ी से बढ़ रहा है; और अब वह पेड़ नहीं बल्कि विशालकाय लोग हैं; फिर भी पेड़ों जैसे ही हैं क्योंकि उनकी लंबी भुजाएँ शाखाओं की तरह लहरा रही थीं और उनके सिर हिल रहे थे और उनके चारों ओर पत्तियाँ बौछार की तरह गिर रही थीं। टेल्मारिन्स के लिए भी ऐसा ही था। यह नार्नियावासियों के लिए भी थोड़ा चिंताजनक था। कुछ ही मिनटों में मिराज के सभी अनुयायी महान नदी की ओर दौड़ पड़े, इस उम्मीद में कि वे पुल पार करके बेरना शहर पहुँच जाएँगे और वहाँ प्राचीरों और बंद फाटकों के पीछे अपनी रक्षा करेंगे।
वे नदी तक पहुँच गए, लेकिन वहाँ कोई पुल नहीं था। वह कल से गायब हो गया था। तभी उन पर घोर दहशत और भय छा गया और वे सब आत्मसमर्पण कर गए।
लेकिन पुल का क्या हुआ था?
उस सुबह जल्दी, कुछ घंटों की नींद के बाद, लड़कियाँ जाग उठीं और उन्होंने देखा कि अस्लान उनके ऊपर खड़ा है और उसकी आवाज़ सुनाई दे रही है, "हम जश्न मनाएँगे।" उन्होंने अपनी आँखें मलीं और चारों ओर देखा। सारे पेड़ गायब हो चुके थे, लेकिन अंधेरे में एक झुंड के रूप में अस्लान के घर की ओर बढ़ते हुए दिखाई दे रहे थे। बैक्सस और मेनाड्स—उसकी उग्र, सनकी लड़कियाँ—और सिलेनस अभी भी उनके साथ थे। पूरी तरह से आराम कर चुकी लूसी उछल पड़ी। सब जाग चुके थे, सब हँस रहे थे, बांसुरी बज रही थी, झांझ बज रही थी। जानवर, बोलने वाले जानवर नहीं, हर दिशा से उनकी ओर उमड़ रहे थे।
"क्या बात है, अस्लान?" लूसी ने कहा, उसकी आँखें चमक रही थीं और उसके पैर नाचने को बेताब थे।
“आओ बच्चों,” उसने कहा। “आज फिर मेरी पीठ पर सवारी करो।”

“ओह, कितना प्यारा!” लूसी चिल्लाई, और दोनों लड़कियाँ गर्म सुनहरी पीठ पर चढ़ गईं, जैसे उन्होंने न जाने कितने साल पहले किया था। फिर पूरा दल चल पड़ा—अस्लान आगे-आगे, बाकस और उसकी मेनाड्स उछलते-कूदते और कलाबाज़ियाँ करते हुए, जानवर उनके चारों ओर उछलते-कूदते, और सिलेनस और उसका गधा सबसे पीछे।
वे थोड़ा दाहिनी ओर मुड़े, एक खड़ी पहाड़ी से नीचे दौड़े और अपने सामने बेरना का लंबा पुल पाया। लेकिन इससे पहले कि वे पुल पार करना शुरू करते, पानी से एक विशाल, गीला, दाढ़ी वाला सिर निकला, जो मनुष्य के सिर से भी बड़ा था और सरकंडों से मुकुट धारण किए हुए था। उसने अस्लान की ओर देखा और उसके मुख से एक गहरी आवाज़ निकली।
“हे प्रभु,” उसने कहा। “मेरी बेड़ियाँ तोड़ दो।”
“आखिर वो कौन है?” सुसान ने फुसफुसाते हुए कहा।
"मुझे लगता है कि यह नदी के देवता हैं, लेकिन चुप रहो," लूसी ने कहा।
“बैकस,” अस्लान ने कहा। “उसे उसकी जंजीरों से मुक्त करो।”

“इसका मतलब है पुल, मुझे लगता है,” लूसी ने सोचा। और ऐसा ही हुआ। बैक्सस और उसके साथी उथले पानी में कूद पड़े, और एक मिनट बाद ही अजीबोगरीब घटनाएँ घटने लगीं। बेल के बड़े-बड़े, मजबूत तने पुल के सभी खंभों पर लिपटते हुए, आग की तरह तेज़ी से बढ़ने लगे, पत्थरों को जकड़ते हुए, उन्हें चीरते, तोड़ते और अलग करते हुए। पुल की दीवारें एक पल के लिए कंटीली झाड़ियों से सजी हुई लग रही थीं और फिर अचानक गड़गड़ाहट के साथ पूरा पुल घूमते हुए पानी में गिर गया। खूब छप-छप, चीख-पुकार और हँसी के साथ जश्न मनाने वाले लोग पानी में तैरते, नाचते या नदी पार करते हुए (लड़कियाँ चिल्लाईं, “हुर्रे! यह फिर से बेरना का घाट है!”) दूसरी तरफ किनारे पर चढ़कर शहर की ओर चल पड़े।
सड़कों पर मौजूद सभी लोग उनके सामने से भाग गए। सबसे पहले जिस घर के पास वे पहुँचे, वह एक स्कूल था: लड़कियों का स्कूल, जहाँ बहुत सारी नार्नियाई लड़कियाँ, जिनके बाल बहुत कसकर बंधे हुए थे, गले में भद्दे कॉलर और पैरों में गुदगुदी करने वाली मोटी मोज़े पहने हुए थीं, इतिहास की कक्षाएँ पढ़ रही थीं। मिराज के शासनकाल में नार्निया में जिस तरह का "इतिहास" पढ़ाया जाता था, वह आपके द्वारा पढ़े गए सबसे सच्चे इतिहास से भी अधिक नीरस और सबसे रोमांचक साहसिक कहानी से भी कम सच्चा था।

“अगर तुम उपस्थित नहीं होती हो, ग्वेंडोलन,” मालकिन ने कहा, “और खिड़की से बाहर देखना बंद नहीं करती हो, तो मुझे तुम्हें एक आदेश चिह्न देना पड़ेगा।”
“लेकिन कृपया, मिस प्रिज़ल—” ग्वेंडोलन ने कहना शुरू किया। "क्या तुमने सुना मैंने क्या कहा, ग्वेंडोलन?" मिस प्रिज़ल ने पूछा।
"लेकिन कृपया, मिस प्रिज़ल," ग्वेंडोलन ने कहा, "वहाँ एक शेर है!" “बकवास करने के लिए दो अंक काट लो,” मिस प्रिज़ल ने कहा। “और अब — ” एक ज़ोरदार दहाड़ ने उनकी बात काट दी। कक्षा की खिड़कियों से लताएँ अंदर की ओर लिपट गईं। दीवारें चमकीले हरे रंग से भर गईं, और पत्तों वाली शाखाएँ छत की जगह ऊपर की ओर झुक गईं। मिस प्रिज़ल ने पाया कि वह जंगल के खुले मैदान में घास पर खड़ी हैं। उन्होंने खुद को संभालने के लिए अपनी मेज को कसकर पकड़ा, और पाया कि मेज एक गुलाब की झाड़ी थी। ऐसे जंगली लोग, जिनकी उन्होंने कभी कल्पना भी नहीं की थी, उनके चारों ओर जमा हो गए थे। तभी उन्होंने शेर को देखा, चीखीं और भाग गईं, और उनके साथ उनकी कक्षा भी भाग गई, जो ज्यादातर मोटी टांगों वाली, सजी-धजी छोटी लड़कियाँ थीं। ग्वेंडोलन हिचकिचाई।
“तुम हमारे साथ रहोगी, प्यारी?” अस्लान ने कहा।
“ओह, क्या मैं अंदर जा सकती हूँ? धन्यवाद, धन्यवाद,” ग्वेंडोलन ने कहा। तुरंत ही उसने दो मैनाड्स का हाथ थाम लिया, जिन्होंने उसे खुशी से घुमाया और उसके कुछ अनावश्यक और असहज कपड़े उतारने में उसकी मदद की।
बेरुना नामक छोटे से कस्बे में वे जहाँ भी गए, वही हाल था। अधिकतर लोग भाग गए, कुछ लोग उनके साथ शामिल हो गए। जब वे कस्बे से निकले तो उनका समूह बड़ा और अधिक प्रसन्न था।

वे नदी के उत्तरी या बाएँ किनारे पर स्थित समतल खेतों में आगे बढ़ते चले गए। हर खेत में जानवर उनके साथ शामिल होने के लिए निकल आए। उदास बूढ़े गधे, जिन्होंने कभी खुशी नहीं देखी थी, अचानक फिर से जवान हो गए; जंजीरों में बंधे कुत्तों ने अपनी जंजीरें तोड़ दीं; घोड़ों ने अपनी गाड़ियों को लात मारकर तोड़ दिया और उनके साथ-साथ खुरों की आवाज करते हुए, कीचड़ उछालते और हिनहिनाते हुए चलने लगे।

एक आंगन में बने कुएं के पास उनकी मुलाकात एक ऐसे आदमी से हुई जो एक लड़के को पीट रहा था। आदमी के हाथ में ही छड़ी फूल की तरह फूट पड़ी। उसने उसे छोड़ने की कोशिश की, लेकिन वह उसके हाथ से चिपकी रही। उसकी बांह एक शाखा बन गई, उसका शरीर एक पेड़ का तना बन गया और उसके पैर जड़ बन गए। जो लड़का कुछ देर पहले रो रहा था, वह अचानक हंस पड़ा और उनके साथ हंसने लगा।
बीवर्सडैम के आधे रास्ते में एक छोटे से कस्बे में, जहाँ दो नदियाँ मिलती थीं, वे एक और विद्यालय में पहुँचे, जहाँ एक थकी- हारी सी दिखने वाली लड़की कुछ लड़कों को गणित पढ़ा रही थी जो देखने में सूअरों जैसे लग रहे थे। उसने खिड़की से बाहर देखा और गली में दिव्य उत्सव मनाते हुए लोगों को देखा, और उसके दिल में खुशी की लहर दौड़ गई। अस्लान खिड़की के ठीक नीचे रुक गया और उसकी ओर देखने लगा।
“अरे नहीं, नहीं,” उसने कहा। “मुझे बहुत अच्छा लगेगा। लेकिन मुझे ऐसा नहीं करना चाहिए। मुझे अपने काम पर ध्यान देना होगा। और अगर बच्चे आपको देख लेंगे तो वे डर जाएंगे।”

“डर गए?” लड़कों में सबसे शरारती लड़के ने कहा। “खिड़की से वो किससे बात कर रही है? चलो इंस्पेक्टर को बताते हैं कि वो खिड़की से लोगों से बात करती है जबकि उसे हमें पढ़ाना चाहिए।”
“चलो जाकर देखते हैं कौन है,” एक और लड़के ने कहा, और वे सब खिड़की पर जमा हो गए। लेकिन जैसे ही उनके छोटे-छोटे डरावने चेहरे बाहर देखने लगे, बैक्सस ने ज़ोर से चिल्लाया, “यूआन, यूओई-ओई-ओई-ओई,” और सारे लड़के डर के मारे चीखने लगे और एक-दूसरे को धक्का देते हुए दरवाज़े से बाहर निकलने की कोशिश करने लगे और खिड़कियों से कूदने लगे। और बाद में कहा गया (चाहे सच हो या झूठ) कि वे छोटे लड़के फिर कभी नहीं देखे गए, लेकिन उस इलाके में बहुत सारे प्यारे-प्यारे छोटे सूअर थे जो पहले कभी वहाँ नहीं थे। “अब, प्रिय हृदय,” अस्लान ने स्वामिनी से कहा: और वह नीचे कूद गई और उनके साथ शामिल हो गई।
बीवर्सडैम में उन्होंने नदी पार की और दक्षिणी किनारे के साथ-साथ पूर्व की ओर फिर से आ गए। वे एक छोटी सी कुटिया के पास पहुँचे जहाँ एक बच्ची दरवाजे पर खड़ी रो रही थी। "क्यों रो रही हो, मेरी प्यारी?" अस्लान ने पूछा। बच्ची, जिसने कभी शेर की तस्वीर नहीं देखी थी, उससे डरी नहीं। "मौसी बहुत बीमार हैं," उसने कहा। "वह मरने वाली हैं।" तब अस्लान कुटिया के दरवाजे से अंदर जाने लगे, लेकिन वह उनके लिए बहुत छोटा था। इसलिए, जब उन्होंने अपना सिर अंदर डाला, तो उन्होंने अपने कंधों से धक्का दिया (ऐसा करने पर लूसी और सुसान गिर गईं) और पूरी कुटिया को ऊपर उठा दिया, जो पीछे की ओर गिरकर बिखर गई। और वहाँ, अभी भी अपने बिस्तर पर, हालाँकि बिस्तर अब खुली हवा में था, एक छोटी बूढ़ी औरत लेटी हुई थी जो देखने में बौनों के खून जैसी लग रही थी। वह मृत्यु के कगार पर थी, लेकिन जब उसने अपनी आँखें खोलीं और शेर का

चमकीला, बालों वाला सिर अपने चेहरे को घूरता हुआ देखा, तो वह न तो चीखी और न ही बेहोश हुई। उसने कहा, “ओह, अस्लान! मुझे पता था कि यह सच है। मैं जीवन भर इसी का इंतजार करती रही हूँ। क्या तुम मुझे ले जाने आए हो?”
“जी हां, प्रियतम,” अस्लान ने कहा। “लेकिन अभी लंबी यात्रा नहीं।” और जैसे ही उसने ये कहा, सूर्योदय के समय बादल के नीचे फैलती लाली की तरह, उसके गोरे चेहरे पर फिर से रौनक लौट आई, उसकी आंखें चमक उठीं और वो उठकर बोली, “अरे वाह, मुझे तो बहुत अच्छा लग रहा है। मुझे लगता है कि आज सुबह थोड़ा नाश्ता कर लेना चाहिए।”
“ये लीजिए, माँ,” बैक्सस ने कुएँ में एक घड़ा डुबोकर उन्हें देते हुए कहा। लेकिन अब उसमें पानी नहीं, बल्कि बेहतरीन शराब थी, जो लाल किशमिश की जेली की तरह लाल, तेल की तरह चिकनी, गोमांस की तरह तेज़, चाय की तरह गर्म और ओस की तरह ठंडी थी।
“अरे, तुमने हमारे कुएँ में कुछ गड़बड़ कर दी है,” बुढ़िया ने कहा। “अच्छा बदलाव है ना।” और वह बिस्तर से कूदकर उठ गई।
“मुझ पर सवार हो जाओ,” अस्लान ने कहा और सुसान और लूसी से कहा, “तुम दोनों रानियों को अब भागना होगा।”
“लेकिन हमें वो भी उतना ही अच्छा लगेगा,” सुसान ने कहा। और वे फिर से चल पड़े।
और अंत में, उछलते-कूदते, नाचते-गाते, संगीत, हँसी, दहाड़ते, भौंकते और हिनहिनाते हुए, वे सब उस स्थान पर आ पहुँचे जहाँ मिराज की सेना अपनी तलवारें फेंककर और हाथ ऊपर उठाए खड़ी थी, और पीटर की सेना, अभी भी अपने हथियार पकड़े और हाँफते हुए, उनके चारों ओर गंभीर और प्रसन्न चेहरों के साथ खड़ी थी। और सबसे पहले जो हुआ वह यह था कि बूढ़ी औरत अस्लान की पीठ से फिसलकर कैस्पियन

की ओर दौड़ी और वे एक-दूसरे को गले लगा लिया; क्योंकि वह उसकी बूढ़ी धाय थी।

पंद्रह

असलान एक दरवाजा बनाता है
वायु

असलान को देखते ही तेलमरीन सैनिकों के गाल ठंडे ग्रेवी जैसे लाल हो गए, उनके घुटने आपस में टकराने लगे और कई तो मुंह के बल गिर पड़े। उन्हें शेरों पर विश्वास नहीं था और इसी वजह से उनका डर और बढ़ गया। यहां तक कि लाल बौने, जो जानते थे कि वह एक मित्र बनकर आया है, भी मुंह खोले खड़े रहे और कुछ बोल नहीं पाए। कुछ काले बौने, जो निकेब्रिक के दल में थे, धीरे-धीरे पीछे हटने लगे। लेकिन सभी बोलने वाले जानवर शेर के चारों ओर उमड़ पड़े, खुशी से गुर्राते, दहाड़ते, चीखते और हिनहिनाते हुए, अपनी पूंछों से उसे सहलाते हुए, उससे रगड़ते हुए, आदरपूर्वक अपनी नाक से उसे छूते हुए और उसके शरीर के नीचे और पैरों के बीच आगे-पीछे होते हुए। अगर आपने कभी किसी छोटी बिल्ली को किसी बड़े कुत्ते से प्यार करते देखा हो, जिसे वह जानती और भरोसा करती हो, तो आपको उनके व्यवहार की अच्छी समझ हो जाएगी। तभी पीटर, कैस्पियन को साथ लेकर, जानवरों की भीड़ में से अपना रास्ता बनाते हुए आगे बढ़ा। “यह कैस्पियन है, महाराज,” उसने कहा। और कैस्पियन घुटनों के बल बैठ गया और शेर के पंजे को चूम लिया।
“राजकुमार, आपका स्वागत है,” अस्लान ने कहा। “क्या आप स्वयं को नार्निया के राजा बनने के योग्य समझते हैं?”
“मुझे नहीं लगता कि मैं कर सकता हूँ, महोदय,” कैस्पियन ने कहा। “मैं तो बस एक बच्चा हूँ।”

“अच्छा,” अस्लान ने कहा। “अगर तुम खुद को काबिल समझते, तो यह साबित हो जाता कि तुम काबिल नहीं थे। इसलिए, हमारे और महाराज के अधीन, तुम नार्निया के राजा, कैर पैरावल के स्वामी और एकाकी द्वीपों के सम्राट बनोगे। तुम और तुम्हारे वंशज, जब तक तुम्हारा वंश चलता रहेगा। और तुम्हारा राज्याभिषेक—पर यहाँ क्या हो रहा है?” क्योंकि उसी क्षण एक अजीब सा छोटा जुलूस आ रहा था—ग्यारह चूहे, जिनमें से छह टहनियों से बनी एक पालकी पर कुछ लिए हुए थे, लेकिन पालकी एक बड़े एटलस से बड़ी नहीं थी। इन चूहों से ज़्यादा दुखी चूहे किसी ने नहीं देखे थे। वे कीचड़ से सने हुए थे—कुछ खून से भी—उनके कान नीचे थे, मूंछें लटकी हुई थीं और पूंछ घास में घिसट रही थी, और उनका सरदार अपनी पतली बांसुरी पर एक उदास धुन बजा रहा था। पालकी पर गीले बालों का एक ढेर पड़ा था; रीपीचीप का बस यही अवशेष बचा था। वह अभी भी सांस ले रहा था, लेकिन जीवित से ज्यादा मृत प्रतीत हो रहा था, अनगिनत घावों से क्षत-विक्षत था, एक पंजा कुचला हुआ था, और जहां उसकी पूंछ थी, वहां एक पट्टी से बंधा हुआ ठूंठ था।
“अब, लूसी,” अस्लान ने कहा।
लूसी ने पलक झपकते ही अपनी हीरे की बोतल निकाल ली। रीपीचीप के हर घाव पर बस एक बूंद ही काफी थी, लेकिन घाव इतने ज़्यादा थे कि उसके काम खत्म होने से पहले काफी देर तक सन्नाटा छाया रहा और फिर मास्टर माउस पालकी से उछल पड़ा। उसका हाथ तुरंत तलवार की मूठ पर गया और दूसरे हाथ से उसने अपनी मूंछें घुमाईं। उसने झुककर प्रणाम किया।
“जय हो, अस्लान!” उसकी तीखी आवाज आई। “मुझे यह सम्मान प्राप्त है — ” लेकिन फिर वह अचानक रुक गया।

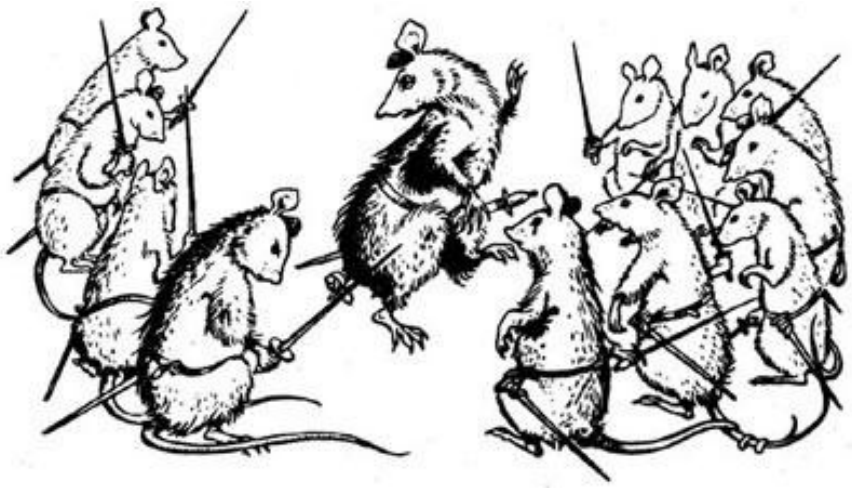

असलियत यह थी कि उसकी पूंछ अभी भी गायब थी—चाहे लूसी उसे भूल गई हो या फिर उसका बनाया हुआ पेय, जो घावों को तो भर सकता था, लेकिन उन्हें फिर से उगा नहीं सकता था। रीपीचीप को झुकते समय अपनी इस कमी का एहसास हुआ; शायद इससे उसके संतुलन में कुछ बदलाव आया। उसने अपने दाहिने कंधे के ऊपर देखा। अपनी पूंछ न देखकर उसने अपनी गर्दन को और मोड़ा, यहाँ तक कि उसे अपने कंधे भी घुमाने पड़े और उसका पूरा शरीर भी घूम गया। लेकिन तब तक उसका पिछला हिस्सा भी घूम चुका था और नज़र से ओझल हो गया था। फिर उसने अपनी गर्दन को मोड़कर दोबारा अपने कंधे के ऊपर देखा, लेकिन नतीजा वही रहा। तीन बार पूरी तरह घूमने के बाद ही उसे भयानक सच्चाई का एहसास हुआ।
“मैं हैरान हूँ,” रीपीचीप ने अस्लान से कहा। “मैं पूरी तरह से शर्मिंदा हूँ। इस अशोभनीय रूप में प्रकट होने के लिए मुझे आपकी क्षमा की आवश्यकता है।”
“यह तुम पर बहुत अच्छा लग रहा है, नन्हे बच्चे,” अस्लान ने कहा। “फिर भी,” रीपीचीप ने उत्तर दिया, “अगर कुछ किया जा सकता है… तो शायद महारानी?” और यहाँ उसने लूसी को प्रणाम किया।

“लेकिन तुम्हें पूंछ से क्या चाहिए?” अस्लान ने पूछा। “महाराज,” चूहे ने कहा, “मैं बिना पूंछ के भी अपने राजा के लिए खा-पी सकता हूँ, सो सकता हूँ और मर सकता हूँ। लेकिन पूंछ तो चूहे का गौरव और सम्मान है।”
“मित्र,” अस्लान ने कहा, “मैंने कभी-कभी सोचा है कि क्या तुम अपने सम्मान के बारे में बहुत ज्यादा नहीं सोचते हो।” “सर्वोच्च राजाओं में श्रेष्ठ,” रीपीचीप ने कहा, “मुझे आपको याद दिलाने की अनुमति दें कि हम चूहों को बहुत छोटा आकार दिया गया है, और यदि हम अपनी गरिमा की रक्षा न करते, तो कुछ लोग (जो कद-काठी के हिसाब से मूल्य आंकते हैं) हमारे ऊपर बहुत ही अनुचित व्यंग्य करते। इसीलिए मैंने यह स्पष्ट करने का भरसक प्रयास किया है कि जो कोई भी इस तलवार को अपने हृदय के जितना निकट महसूस नहीं करना चाहता, वह मेरी उपस्थिति में जाल, भुने हुए पनीर या मोमबत्तियों के बारे में बात न करे: नहीं, महोदय—नार्निया का सबसे लंबा मूर्ख भी नहीं!” यहाँ उसने विंबलवेदर को बहुत गुस्से से घूरा, लेकिन वह विशालकाय, जो हमेशा सबसे पीछे रहता था, अभी तक यह नहीं समझ पाया था कि उसके पैरों के पास क्या बात हो रही है, और इसलिए वह बात को समझ नहीं पाया।
“क्या मैं पूछ सकता हूँ कि आपके सभी अनुयायियों ने अपनी तलवारें क्यों निकाल ली हैं?” अस्लान ने कहा।
“महामहिम,” दूसरे चूहे ने कहा, जिसका नाम पीपीसीक था, “यदि हमारे सरदार को अपनी पूंछ के बिना रहना पड़े, तो हम सब अपनी-अपनी पूंछ काटने के लिए तैयार हैं। हम उस सम्मान को धारण करने का कलंक सहन नहीं करेंगे जो सर्वोच्च चूहे को नहीं दिया गया है।”
“आह!” अस्लान दहाड़ा। “तुमने मुझे जीत लिया। तुम्हारा हृदय महान है। रीपीचीप, तुम्हारी गरिमा के लिए नहीं, बल्कि तुम्हारे

सारी उंगलियाँ थीं और उन्हें कोई दर्द नहीं हुआ। लेकिन वे जो भी फेंक रहे थे, ज़मीन पर पहुँचते ही वह झाड़ियाँ या सूखी लकड़ियाँ बन गईं। फिर तीन-चार लाल बौने अपनी माचिस की डिब्बियाँ लेकर आगे आए और ढेर में आग लगा दी, जो पहले चटकने लगी, फिर तेज़ धधकने लगी और अंत में उतनी ही ज़ोर से दहाड़ने लगी जितनी ग्रीष्म संक्रांति की रात में जंगल में जलती हुई आग से निकलती है। और सभी उसके चारों ओर एक बड़े घेरे में बैठ गए।
फिर बैक्सस, सिलेनस और मेनाड्स ने एक नृत्य शुरू किया, जो वृक्षों के नृत्य से कहीं अधिक उग्र था; यह केवल आनंद और सुंदरता का नृत्य नहीं था (हालाँकि यह वह भी था), बल्कि प्रचुरता का एक जादुई नृत्य था। जहाँ उनके हाथ छूते थे और जहाँ उनके पैर पड़ते थे, वहीं दावत अस्तित्व में आ जाती थी—भुने हुए मांस के टुकड़े जिनकी सुगंध से पूरा बाग महक उठता था, और गेहूं और जई के केक, शहद और रंग-बिरंगी चीनी और दलिया जैसी गाढ़ी और शांत पानी जैसी चिकनी मलाई, आड़ू, नेक्टेरिन, अनार, नाशपाती, अंगूर, स्ट्रॉबेरी, रसभरी—फलों के पिरामिड और झरने। फिर, आइवी से लिपटे बड़े लकड़ी के प्यालों, कटोरियों और मेजों में शराब परोसी गई; शहतूत के रस के सिरप जैसी गाढ़ी, और तरल लाल जेली जैसी साफ लाल शराब, और पीली शराब, हरी शराब, पीली-हरी और हरी-पीली शराब।
लेकिन वृक्षों में रहने वाले लोगों के लिए अलग तरह का भोजन परोसा गया। जब लूसी ने क्लॉड्सली शोवेल और उसके चूहों को अलग-अलग जगहों पर घास खोदते देखा (जिन जगहों की ओर बैक्सस ने उन्हें इशारा किया था) और उसे एहसास हुआ कि वृक्ष मिट्टी खाने वाले हैं, तो उसे ज़रा सी सिहरन हुई। लेकिन जब उसने वास्तव में लाई गई मिट्टी देखी, तो उसका भाव बिलकुल बदल गया। शुरुआत में उन्हें एक

गाढ़ी भूरी दोमट मिट्टी मिली जो देखने में लगभग चॉकलेट जैसी थी; इतनी चॉकलेट जैसी कि एडमंड ने उसका एक टुकड़ा चखा, लेकिन उसे वह बिल्कुल भी स्वादिष्ट नहीं लगी। जब उस गाढ़ी दोमट मिट्टी से उनकी भूख मिट गई, तो वृक्षों ने समरसेट में पाई जाने वाली लगभग गुलाबी मिट्टी पर ध्यान दिया। उन्होंने कहा कि यह हल्की और मीठी थी। पनीर जैसी मिट्टी के चरण में उन्हें चूनेदार मिट्टी मिली, और फिर वे उत्तम बजरी से बनी नाजुक मिट्टी पर आ गए जिस पर चुनिंदा चांदी जैसी रेत का पाउडर छिड़का हुआ था। उन्होंने बहुत कम शराब पी, और इससे हॉलीज बहुत बातूनी हो गए: ज्यादातर वे अपनी प्यास ओस और बारिश की मिली-जुली बूंदों के गहरे घूंटों से बुझाते थे, जिनमें जंगल के फूलों का स्वाद और सबसे पतले बादलों का हल्का सा एहसास होता था।

इस प्रकार, अस्लान ने नार्नियावासियों को सूर्यास्त के काफी देर बाद तक दावत दी, जब तक कि तारे निकल नहीं आए; और विशाल अग्नि, जो अब पहले से अधिक गर्म लेकिन कम शोरगुल वाली थी, अंधेरे जंगल में एक प्रकाशस्तंभ की तरह चमक रही थी, और भयभीत टेल्मारिनों ने इसे दूर से देखा और सोचा कि इसका क्या अर्थ हो सकता है। इस दावत की सबसे अच्छी बात यह थी कि कोई भी इसे भंग नहीं कर रहा था या जा

नहीं रहा था, लेकिन जैसे-जैसे बातचीत धीमी और शांत होती गई, एक-एक करके लोग ऊंघने लगे और अंत में आग की ओर पैर करके, दोनों ओर अच्छे दोस्तों के साथ सो गए, जब तक कि अंत में चारों ओर सन्नाटा छा गया, और बेरना के घाट पर पत्थरों पर पानी की कलकल ध्वनि एक बार फिर सुनाई देने लगी। लेकिन पूरी रात अस्लान और चंद्रमा एक-दूसरे को आनंदित और बिना पलक झपकाए देखते रहे।

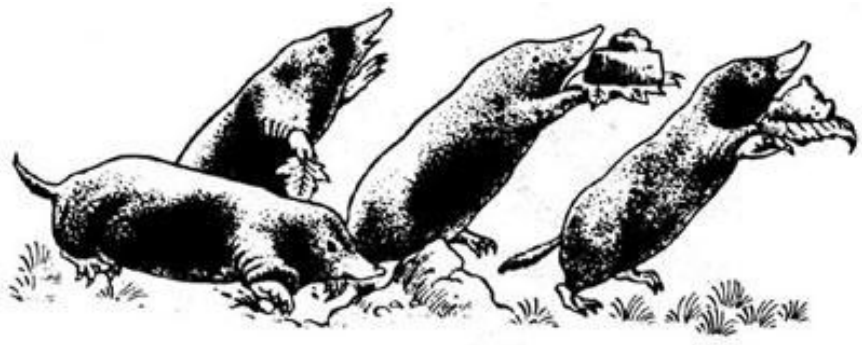

अगले दिन, संदेशवाहकों (जो मुख्य रूप से गिलहरी और पक्षी थे) को पूरे देश में बिखरे हुए टेल्मारिनों तक एक घोषणा पहुँचाने के लिए भेजा गया— जिनमें निश्चित रूप से बेरना में कैद कैदी भी शामिल थे। उन्हें बताया गया कि अब कैस्पियन राजा बन गया है और नार्निया अब से बोलने वाले जानवरों, बौनों, अप्सराओं, फ़ॉन और अन्य प्राणियों का उतना ही हिस्सा होगा जितना कि मनुष्यों का। जो कोई भी नई परिस्थितियों में रहना चाहे, वह रह सकता है; लेकिन जिन्हें यह विचार पसंद नहीं आया, उनके लिए अस्लान एक दूसरा घर प्रदान करेगा। जो कोई भी वहाँ जाना चाहता है, उसे पाँचवें दिन दोपहर तक बेरना के घाट पर अस्लान और राजाओं के पास आना होगा। आप कल्पना कर सकते हैं कि इससे टेल्मारिनों में काफी मंथन हुआ होगा। उनमें से कुछ, विशेषकर युवा, कैस्पियन की तरह ही पुराने दिनों की कहानियाँ सुन चुके थे और उनके वापस आने से प्रसन्न थे।

□□ □□□□ □□ □□ □□□□□□□□□□ □□ □□□□□□ □□ □□□ □□□ □□ □□□ □□ □□□□□□□□ □□□ □□□□ □□ □□□□□ □□□□□ □□□□□ □□□□□□□□□□ □□□□□ □□□, □□□□□□□ □□ □□ □□□□□ □□ □□□□ □□□□□□□□□□ □□□□ □□ □□□ □□, □□□□□□ □□ □□ □□□ □□□ □□□ □□□□ □□□□ □□□□□ □□ □□□□ □□□□ □□□ □□ □ □□□□ □□□ “□□□□ □□□ □□□□ □□□□□□□□□□ □□□□ □□□□□□ □□□□ □□□□□□□ □□ □□□ □□□! □□□ □□ □□□□,” □□□□□□□□ □□□□ “□□ □□□ □□,” □□□ □□ □□□□□□ □□□ □□□□ “□□ □□□□□□□□ □□□ □□□ □□□ □□ □□□□ □□ □□□□□□ □□□□ □□□” □□ □□□□□□ □□ □□□ “□□□□ □□ □□ □□□□□ □□□□ □□,” □□□□□□□□ □□□□ “□□ □□□□□ □□□ □□ □□□ □□ □□□□□□ □□□□□ □□ □□ □□ □□ □□□□ □□□□ □□□□□□□ □□□ □□ □□□□ □□□□□□, □□□ □□□□□□□” □□□□□ □□□ □□□□□□ □□□□□ □□ □□ □□ □□□□ □□ □□□□□□□□ □□ □□ □□□□ □□ □□ □□□□ “□□□□ □□ □□□□ □□□□ □□□□ □□□ □□ □□□□□ □□ □□-□□ □□□□ □□ □□□□□,” □□ □□□□□□□□□ □□ □□□□-□□□□ □□ □□□ □□□ □□□ □□□□ □□, □□□□ □□□□□□□□ □□ □□□□ □□□□□ □□□ □□□□□ □□ □□□ □□ □□□□□ □□ □□□ □□ □□□□□□□ □□□ □ □□□

□□□□□ □□ □□ □□□ □□ □□□□□□ □□ □□□□□ □□ □□ □□□□ □□□□□ □□, □□ □□□□□□ □□ □□□ □□ □□□□ □□ □□□□ □□□ □□□ □□ □□□□ □□ □□□ □□□□□ □□ □□ □□□□□, □□ □□□□□ □□□□□□, □□□□ □□□ □□□□□□ □□□□□□ □□□ □□□ □□□□ □□□□ □□□ □□, □□□□□ □□□□ □□□□□□ □□□□ □□□□□ □□□ □□ □□□□ □□

जाने वाले द्वार की तरह दिखती थी। इसके सामने स्वयं अस्लान खड़े थे, उनके दाहिनी ओर पीटर और बाईं ओर कैस्पियन थे। उनके चारों ओर सुसान और लूसी, ट्रम्पकिन और ट्रफलहंटर, लॉर्ड कॉर्नेलियस, ग्लेनस्टॉर्म, रीपीचीप और अन्य लोग थे। बच्चों और बौनों ने मिराज के महल में स्थित शाही भंडारों का भरपूर उपयोग किया था, जो अब कैस्पियन का महल था। रेशम और सोने के कपड़े, कटी हुई आस्तीनों से झलकती बर्फीली लिनेन, चांदी की कवच वाली कमीजें और रत्नजड़ित तलवारों के हैंडल, सोने के हेलमेट और पंखों वाली टोपियों से सजे ये दृश्य इतने आकर्षक थे कि देखने में भी मन करता था। यहाँ तक कि जानवरों ने भी अपने गले में कीमती जंजीरें पहन रखी थीं। फिर भी किसी की निगाहें उन पर या बच्चों पर नहीं थीं। अस्लान के रोएँ का जीवंत और स्पर्शनीय सुनहरा रंग उन सबको फीका कर रहा था। शेष प्राचीन नार्नियावासी मैदान के दोनों ओर खड़े थे। सबसे दूर टेल्मारिन परिवार खड़ा था। सूरज तेज चमक रहा था और झंडे हल्की हवा में लहरा रहे थे।
“तेलमार के लोगो,” अस्लान ने कहा, “तुम जो एक नई भूमि की तलाश में हो, मेरी बात सुनो। मैं तुम सबको तुम्हारे अपने देश वापस भेजूंगा, जिसे मैं जानता हूं और तुम नहीं जानते।”
“हमें तेलमार याद नहीं है। हमें नहीं पता कि वह कहाँ है। हमें नहीं पता कि वह कैसा है,” तेलमार के निवासियों ने शिकायत करते हुए कहा।
“तुम तेलमार से नार्निया आए,” अस्लान ने कहा। “लेकिन तुम तेलमार में किसी और जगह से आए हो। तुम इस दुनिया के बिल्कुल भी नहीं हो। तुम यहाँ कुछ पीढ़ियों पहले उसी दुनिया से आए हो जिससे महाराज पीटर संबंधित हैं।”

इस पर आधे टेलमारिन सिसकते हुए बोले, “देखो, मैंने कहा था ना। वो हम सबको मार डालेगा, इस दुनिया से मिटा देगा।” और बाकी आधे सीने फुलाकर एक-दूसरे की पीठ थपथपाते हुए फुसफुसाए, “देखो, समझ गए ना कि हम इस जगह के नहीं हैं, जहाँ इतने अजीब, घिनौने और अस्वाभाविक जीव रहते हैं। हम शाही खानदान के हैं, देखोगे।” यहाँ तक कि कैस्पियन, कॉर्नेलियस और बच्चे भी आश्चर्य से भरे चेहरों के साथ अस्लान की ओर मुड़ गए।
“शांति,” अस्लान ने अपनी गुर्राहट के सबसे करीब धीमी आवाज़ में कहा। धरती थोड़ी सी कांप उठी और जंगल में मौजूद हर जीव पत्थर की तरह स्थिर हो गया।
“हे श्री कैस्पियन,” अस्लान ने कहा, “आपको पता होना चाहिए था कि आप नार्निया के सच्चे राजा तभी बन सकते हैं जब आप पुराने राजाओं की तरह आदम के पुत्र हों और आदम के पुत्रों की दुनिया से आए हों। और आप वही हैं। कई साल पहले उस दुनिया में, उस दुनिया के एक गहरे समुद्र में जिसे दक्षिण सागर कहा जाता है, समुद्री डाकुओं से भरा एक जहाज़ तूफ़ान में एक द्वीप पर जा पहुँचा। और वहाँ उन्होंने वही किया जो समुद्री डाकू करते हैं: उन्होंने मूल निवासियों को मार डाला और उनकी स्त्रियों को पत्नियाँ बना लिया, ताड़ी बनाई, पी और नशे में धुत हो गए, ताड़ के पेड़ों की छाँव में लेट गए, और उठकर झगड़ने लगे, और कभी-कभी एक-दूसरे को मार भी डाला। और इन्हीं झगड़ों में से एक में, बाकी लोगों ने छह को भगा दिया और वे अपनी स्त्रियों के साथ द्वीप के बीचोंबीच एक पहाड़ पर चढ़ गए, और जैसा कि उन्होंने सोचा, एक गुफा में छिप गए। लेकिन यह उस दुनिया के जादुई स्थानों में से एक था, उस दुनिया और इस दुनिया के बीच की दरारों या खाईयों में से एक। पुराने समय में दुनियाओं के बीच कई दरारें या खाईयाँ हुआ करती थीं, लेकिन

अब वे दुर्लभ हो गई हैं। यह आखिरीों में से एक: मैं उन्हें आखिरी नहीं कहता। और इस तरह वे गिरे, उठे, भटक गए, या सीधे नीचे गिर गए, और खुद को इस दुनिया में, तेलमार की भूमि में पाया, जो उस समय निर्जन थी। लेकिन यह निर्जन क्यों थी, यह एक लंबी कहानी है: मैं इसे अभी नहीं बताऊंगा। और तेलमार में उनके वंशज बसे और एक क्रूर और गर्वित लोग बन गए; और कई पीढ़ियों के बाद तेलमार में अकाल पड़ा और उन्होंने नार्निया पर आक्रमण किया, जो उस समय कुछ अव्यवस्था में था (लेकिन यह भी एक लंबी कहानी होगी), और उस पर विजय प्राप्त करके शासन किया। क्या आपने यह सब ध्यान से सुना है, राजा कैस्पियन?
“जी हां, श्रीमान,” कैस्पियन ने कहा। “मैं यही चाहता था कि मेरा वंश अधिक प्रतिष्ठित हो।”
“तुम भगवान आदम और देवी हव्वा की संतान हो,” अस्लान ने कहा। “और यह बात इतनी गौरवपूर्ण है कि सबसे गरीब भिखारी का सिर भी गर्व से ऊंचा हो जाए, और इतनी शर्मिंदगी भी कि धरती के सबसे महान सम्राट के कंधे झुक जाएं। संतुष्ट रहो।”
कैस्पियन ने सिर झुकाया।
“और अब,” अस्लान ने कहा, “तेलमार के हे पुरुषों और महिलाओं, क्या तुम मनुष्यलोक के उस द्वीप पर वापस जाओगे जहाँ से तुम्हारे पूर्वज सबसे पहले आए थे? वह कोई बुरी जगह नहीं है। जिन समुद्री लुटेरों ने सबसे पहले उसे खोजा था, उनकी जाति विलुप्त हो चुकी है और वहाँ कोई निवासी नहीं है। वहाँ मीठे पानी के अच्छे कुएँ हैं, उपजाऊ मिट्टी है, भवन निर्माण के लिए लकड़ी है और झीलों में मछलियाँ हैं; और उस दुनिया के अन्य मनुष्यों ने अभी तक उसे खोजा नहीं है। वह दर्रा तुम्हारे लौटने के लिए खुला है; लेकिन मैं तुम्हें यह चेतावनी देना चाहता हूँ कि एक बार तुम उसमें से

गुज़र जाओगे, तो वह तुम्हारे पीछे हमेशा के लिए बंद हो जाएगा। उस द्वार से दोनों दुनियाओं के बीच कोई व्यापार नहीं होगा।” कुछ पल के लिए सन्नाटा छा गया। फिर तेलमरीन सैनिकों में से एक हट्टा-कट्टा, सभ्य दिखने वाला व्यक्ति आगे बढ़ा और बोला:
"ठीक है, मैं यह प्रस्ताव स्वीकार करता हूँ।"
“तुमने सही चुनाव किया है,” अस्लान ने कहा। “और क्योंकि तुमने पहले बात की है, इसलिए तुम पर शक्तिशाली जादू का प्रभाव है। उस दुनिया में तुम्हारा भविष्य अच्छा होगा। बाहर आओ।”
अब थोड़ा पीला पड़ा हुआ वह व्यक्ति आगे आया। अस्लान और उसके साथी एक तरफ हट गए, जिससे उसे खंभों के खाली द्वार तक जाने का रास्ता मिल गया।
“मेरे बेटे, इसे पार करो,” अस्लान ने झुकते हुए और अपनी नाक से उस आदमी की नाक को छूते हुए कहा। शेर की साँस लगते ही उस आदमी की आँखों में एक नया भाव आ गया—हैरान, पर दुखी नहीं—जैसे वह कुछ याद करने की कोशिश कर रहा हो। फिर उसने अपने कंधे सीधे किए और द्वार से अंदर चला गया।
सबकी निगाहें उस पर टिकी थीं। उन्होंने लकड़ी के तीन टुकड़े देखे, और उनके बीच से नारनिया के पेड़, घास और आकाश दिखाई दिए। उन्होंने दरवाज़े के चौखटों के बीच उस आदमी को देखा: फिर, एक ही पल में, वह पूरी तरह गायब हो गया।
मैदान के दूसरे छोर से बचे हुए टेलमारिन विलाप करने लगे। “उफ़! उसे क्या हुआ? क्या तुम हमें मारना चाहते हो? हम उस रास्ते नहीं जाएँगे।” और फिर एक चतुर टेलमारिन ने कहा:
“हमें उन लकड़ियों के पार कोई दूसरी दुनिया नज़र नहीं आती। अगर आप चाहते हैं कि हम उस पर विश्वास करें, तो आप में से कोई एक

क्यों नहीं जाता? आपके सभी दोस्त तो लकड़ियों से दूर ही रहते हैं।”

तुरंत ही रीपीचीप आगे बढ़ा और झुककर प्रणाम किया। उसने कहा, “अगर मेरा उदाहरण आपके किसी काम आ सके, अस्लान, तो मैं बिना एक पल भी देरी किए आपके आदेश पर ग्यारह चूहों को उस मेहराब से पार ले जाऊंगा।”
“नहीं, नन्हे बच्चे,” अस्लान ने रीपीचीप के सिर पर अपना मखमली पंजा बहुत हल्के से रखते हुए कहा। “उस दुनिया में वे तुम्हारे साथ भयानक चीजें करेंगे। वे तुम्हें मेलों में दिखाएंगे। नेतृत्व तो दूसरों को ही करना चाहिए।”
“चलो,” पीटर ने अचानक एडमंड और लूसी से कहा। “हमारा समय समाप्त हो गया है।”
“तुम्हारा क्या मतलब है?” एडमंड ने कहा।

“इधर से,” सुसान ने कहा, जिसे इस बारे में सब कुछ पता था। “वापस पेड़ों के बीच। हमें बदलना होगा।”
“क्या बदलना है?” लूसी ने पूछा।
“बेशक, हमारे कपड़े,” सुसान ने कहा। “अगर हम इन्हें पहनकर किसी अंग्रेजी स्टेशन के प्लेटफार्म पर खड़े होते तो बड़े मूर्ख लगते।”
"लेकिन हमारी बाकी चीजें कैस्पियन के महल में हैं," एडमंड ने कहा।
“नहीं, वे नहीं हैं,” पीटर ने घने जंगल में आगे बढ़ते हुए कहा। “वे सब यहीं हैं। उन्हें आज सुबह गठ्ठों में भरकर लाया गया था। सब कुछ व्यवस्थित है।”
"क्या आज सुबह अस्लान तुमसे और सुसान से इसी बारे में बात कर रहा था?" लूसी ने पूछा।
“हाँ—वह और कुछ और बातें,” पीटर ने गंभीर चेहरे से कहा। “मैं आप सबको नहीं बता सकता। वह सू और मुझसे कुछ कहना चाहता था क्योंकि हम नार्निया वापस नहीं जा रहे हैं।”
“कभी नहीं?” एडमंड और लूसी ने हैरानी से कहा।
“ओह, तुम दोनों तो हो,” पीटर ने जवाब दिया। “कम से कम उसकी बातों से तो मुझे पूरा यकीन है कि उसका मतलब है कि तुम दोनों किसी दिन वापस आओगे। लेकिन सू और मैं नहीं। उसका कहना है कि हम बूढ़े हो रहे हैं।”
“ओह, पीटर,” लूसी ने कहा। “कितनी बुरी किस्मत है। क्या तुम इसे सह पाओगे?”
“ठीक है, मुझे लगता है मैं कर सकता हूँ,” पीटर ने कहा। “यह सब मेरी सोच से काफी अलग है। जब तुम्हारा आखिरी समय आएगा, तब तुम्हें समझ आ जाएगा। लेकिन जल्दी करो, ये रहा हमारा सामान।”

अपने शाही वस्त्र उतारकर स्कूली कपड़ों में (जो अब उतने नए नहीं थे) उस विशाल सभा में लौटना अजीब और अप्रिय था। एक-दो चिड़चिड़े टेल्मारिन ने उपहास किया। परन्तु बाकी सभी प्राणियों ने जयजयकार किया और महाराज पीटर, सींग की रानी सुसान, राजा एडमंड और रानी लूसी के सम्मान में खड़े हो गए। अपने सभी पुराने मित्रों से स्नेहपूर्ण और (लूसी की ओर से) आँसुओं से भरी विदाई हुई—जानवरों के चुंबन, बल्गी भालू के आलिंगन, ट्रम्पकिन द्वारा हाथ मरोड़ना, और ट्रफलहंटर के साथ आखिरी गुदगुदी भरा, मूंछों वाला आलिंगन। और बेशक कैस्पियन ने सींग सुसान को वापस दिया और सुसान ने उसे अपने पास रखने को कहा। और फिर, अद्भुत और भयानक रूप से, स्वयं अस्लान को विदाई हुई, और पीटर ने सुसान के कंधों पर, एडमंड के कंधों पर, लूसी के कंधों पर और पहले टेल्मारिन ने लूसी के कंधों पर हाथ रखकर अपना स्थान ग्रहण किया, और इस प्रकार एक लंबी कतार में वे द्वार की ओर बढ़े। उसके बाद एक ऐसा क्षण आया जिसका वर्णन करना कठिन है, क्योंकि बच्चों को मानो एक साथ तीन चीज़ें दिखाई दे रही थीं। एक थी प्रशांत महासागर के एक द्वीप की चकाचौंध भरी हरी-नीली हरियाली में खुलती एक गुफा का मुँह, जहाँ सभी टेल्मारिन दरवाज़े से गुज़रते ही पहुँच जाएँगे। दूसरी थी नार्निया का एक खुला मैदान, बौनों और जानवरों के चेहरे, अस्लान की गहरी आँखें और बिज्जू के गालों पर सफेद धब्बे। लेकिन तीसरी (जिसने तेज़ी से बाकी दोनों को निगल लिया) थी एक ग्रामीण स्टेशन के चबूतरे की धूसर, पथरीली सतह, और उसके चारों ओर सामान से भरी एक सीट, जहाँ वे सब ऐसे बैठे थे मानो कभी हिले ही न हों—इतने सब कुछ झेलने के बाद एक पल के लिए थोड़ा नीरस और उबाऊ, लेकिन साथ ही, अप्रत्याशित रूप से, अपने तरीके से सुखद भी,

[illegible] [illegible]-[illegible] [illegible], [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]

“[illegible]!” [illegible] [illegible] “[illegible] [illegible] [illegible] [illegible]”

“[illegible] [illegible] [illegible]!” [illegible] [illegible] [illegible] “[illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]”

की दुनिया में कदम रखें

NARNIA

www.narnia.com

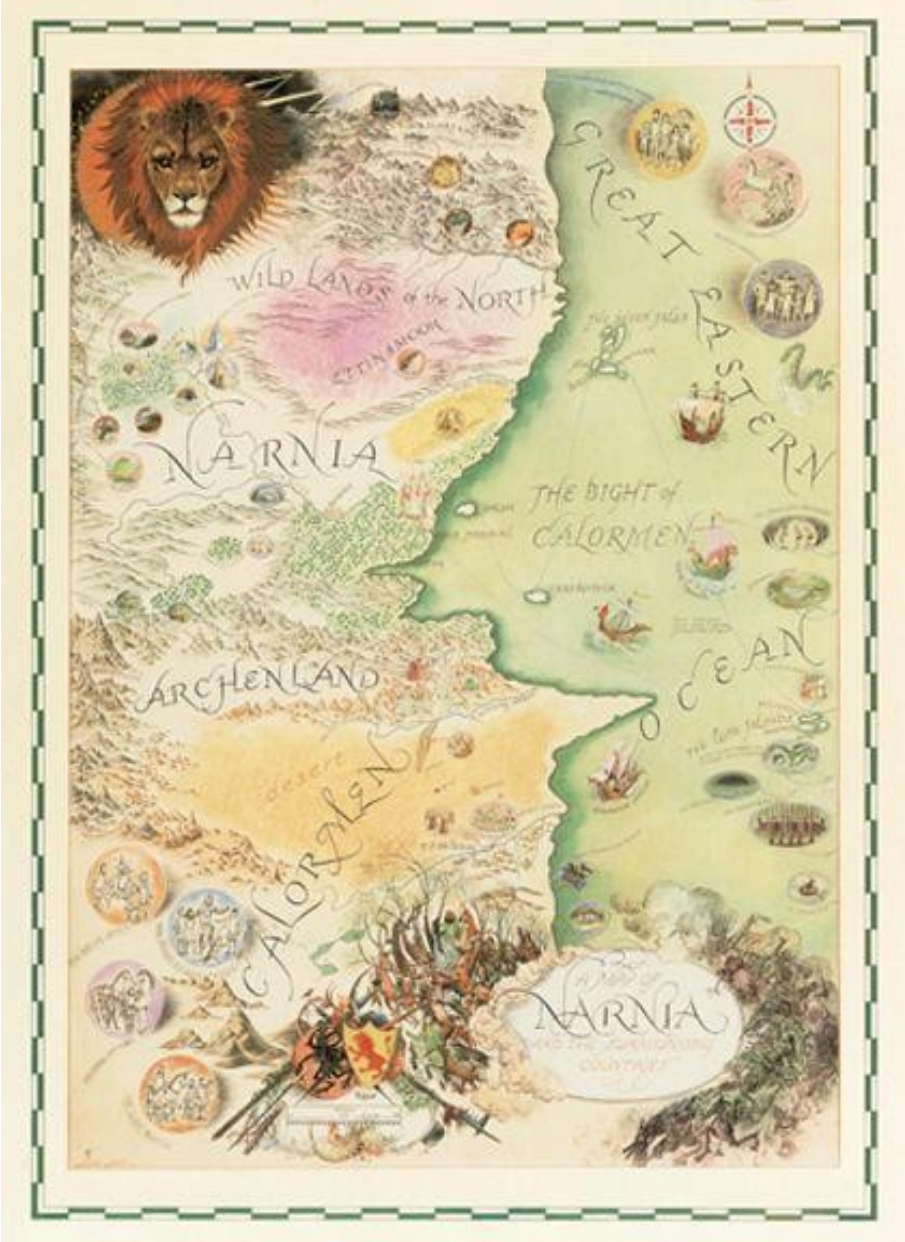

लेखक के बारे में

क्लाइव स्टेपल्स लुईस, जिन्हें उनके दोस्त जैक के नाम से जानते थे, का जन्म 1898 में हुआ था। लुईस और उनके घनिष्ठ मित्र जे. आर. आर. टॉल्किन, जो लॉर्ड ऑफ द रिंग्स त्रयी के लेखक थे, इंकलिंग्स नामक एक अनौपचारिक लेखक समूह के सदस्य थे, जो कहानियों के

विचारों पर चर्चा करने के लिए एक स्थानीय पब में मिलते थे। परियों की कहानियों, मिथकों और प्राचीन कथाओं के प्रति लुईस के आकर्षण और बचपन से मिली प्रेरणा ने उन्हें द लायन, द विच एंड द वार्डरोब लिखने के लिए प्रेरित किया, जो सर्वकालिक सबसे प्रिय पुस्तकों में से एक है। इसके बाद छह और पुस्तकें आईं, जो बेहद लोकप्रिय क्रॉनिकल्स ऑफ नार्निया श्रृंखला का हिस्सा बनीं। इस श्रृंखला की अंतिम पुस्तक, द लास्ट बैटल, को कार्नेगी मेडल से सम्मानित किया गया, जो बाल साहित्य में उत्कृष्टता के सर्वोच्च सम्मानों में से एक है।
अपने पसंदीदा हार्परकॉलिन्स लेखक के बारे में विशेष जानकारी के लिए www.AuthorTracker.com पर जाएं।

नार्निया श्रृंखला की अन्य पुस्तकें

पुस्तक एक
जादूगर का भतीजा
पुस्तक दो
शेर, चुड़ैल और अलमारी
पुस्तक तीन
घोड़ा और उसका लड़का
पुस्तक चार
प्रिंस कैस्पियन
पुस्तक पाँच
भोर के यात्री की यात्रा पुस्तक छह
चांदी की कुर्सी

पुस्तक सात
अंतिम जंग

क्रेडिट
कवर आर्ट डेविड विस्नर द्वारा; कॉपीराइट © 2007 सी.एस. लुईस प्राइवेट लिमिटेड द्वारा।
कॉपीराइट

प्रिंस कैस्पियन। कॉपीराइट © 1951 सी.एस. लुईस प्राइवेट लिमिटेड द्वारा। कॉपीराइट का नवीनीकरण 1979 में सी.एस. लुईस प्राइवेट लिमिटेड द्वारा किया गया। आंतरिक कलाकृति पॉलीन बेनेस द्वारा; कॉपीराइट © 1951 सी.एस. लुईस प्राइवेट लिमिटेड द्वारा। अंतर्राष्ट्रीय और पैन-अमेरिकन कॉपीराइट कन्वेंशनों के तहत सभी अधिकार सुरक्षित हैं। आवश्यक शुल्क के भुगतान पर, आपको इस ई-पुस्तक के पाठ को स्क्रीन पर देखने और पढ़ने का गैर-अनन्य, गैर-हस्तांतरणीय अधिकार प्रदान किया गया है। हार्परकॉलिन्स ई-बुक्स की स्पष्ट लिखित अनुमति के बिना, इस पाठ का कोई भी भाग पुनरुत्पादित, प्रसारित, डाउनलोड, डीकंपाइल, रिवर्स इंजीनियर या किसी भी सूचना भंडारण और पुनर्प्राप्ति प्रणाली में, किसी भी रूप में या किसी भी माध्यम से, चाहे इलेक्ट्रॉनिक हो या यांत्रिक, वर्तमान में ज्ञात हो या भविष्य में आविष्कार किया जाए, संग्रहीत या उसमें डाला नहीं जा सकता है।
मोबीपॉकेट रीडर, अक्टूबर 2008, ISBN 978-0-06-176571-1

प्रकाशक के बारे में
ऑस्ट्रेलिया
हार्परकॉलिन्स पब्लिशर्स (ऑस्ट्रेलिया) प्राइवेट लिमिटेड 25 राइड रोड (डाकघर बॉक्स 321)
पिम्बल, न्यू साउथ वेल्स 2073, ऑस्ट्रेलिया http://www.harpercollinsebooks.com.au
कनाडा
हार्परकॉलिन्स पब्लिशर्स लिमिटेड।
55 एवेन्यू रोड, सुइट 2900
टोरंटो, ओंटारियो, एम 5 आर, 3 एल 2, कनाडा http://www.harpercollinsebooks.ca
न्यूज़ीलैंड
हार्परकॉलिन्सपब्लिशर्स (न्यूजीलैंड) लिमिटेड पी.ओ. बॉक्स 1 ऑकलैंड, न्यूजीलैंड
http://www.harpercollins.co.nz
यूनाइटेड किंगडम
हार्परकॉलिन्स पब्लिशर्स लिमिटेड।
77-85 फुलहम पैलेस रोड
लंदन, W6 8JB, यूके
http://www.harpercollinsebooks.co.uk संयुक्त राज्य अमेरिका हार्परकॉलिन्स पब्लिशर्स इंक.
10 ईस्ट 53 वीं स्ट्रीट
न्यूयॉर्क, एनवाई 10022

http://www.harpercollinsebooks.com